कित्तिपुरीनर्ध्यायसे सकलजगतकोराय ॥ ८ ॥ सत्य
वंतीसीतासति ॥ शीलतणेअवदात ॥ स्वर्गें पहों-
तीआरमें ॥ वसुधामांयेविख्यात ॥ ९ ॥

ढाल पहेली अडडीनी.

(सुणसुणकंतारे सीख सुहामणी- ए देशी-)

जंबूद्वीपें क्षेत्र भरत भलुं ॥ लंकानगरीयानक नि-
रमलुं ॥ निर्मलुंयानकपुरीलंका ॥ द्वीपतोराक्षस
भूओ ॥ अजितजिनवरतणेवारें ॥ भूपघनवा-
हनहुओ ॥ महाराक्षससुत पाटथापी ॥ अजितसा-
मीहाथओं ॥ चरणपामी मोक्षपहोतो ॥ घणा
मुनिवरसाथओ ॥ १ ॥ राक्षसराजराजकरे घणुं
॥ अवसरजाणीतपसंयमतणुं ॥ अवसरजाणी
पुन्यप्राणी ॥ देवराक्षससुतभणी ॥ राज आपी
ग्रहीसंयम ॥ लहीमोक्षसुहामणी ॥ असंख्या-
ताकुआभूपति ॥ समयदसमांजिनतणे ॥ किर-
तिधवलनिर्धिंदनिको ॥ रायआउंजरघणे ॥ २ ॥
एणेअवसरें कूपाथ्यलधियें ॥ मेघालियापुरन-
गरअछेअपे ॥ अजेजगअतींद्रभुजा ॥ नारी
तेहनीश्रीमति ॥ श्रीकंठपुत्रपवित्रपुत्री ॥ नामें
देवीगुणवंति ॥ पुष्पोत्तरनृपरत्नपुरीपति ॥ नंद
पद्मोत्तरसही ॥ तसअर्थे देवीकन्यकाओ ॥ रा-
यमांगीउमही ॥ ३ ॥ मेघरसुतने परणावीन-

हीं ॥ लंकापतिने विवाहें गहगही ॥ गहगही विवाह अतिघणा हें ॥ किरतिधवलनरेंन्द्रने ॥ देवीवदेवीसदासुंनदा ॥ सखी लेमसुरेंन्द्रनें ॥ अतिईर्षाथीरत्नपुरीपतिवहें अमरष आकरो ॥ नारीहेतें क्लेस अधिको, ऊपनेसुणियें असो ॥ ४ ॥ पुष्पोत्तरनीपद्माकुमरी ॥ जगश्रीकंठें रागें अपहरी ॥ अपहरीनिसुणीनभपद्मा ॥ पुष्पोत्तरनृपशानियो ॥ दलजनविराकपुठें हुओ ॥ तामजेंनयरमानियो ॥ लंकेपतिनुं संरणलीधो ॥ लंकपतिवतकाकरी ॥ समज्ञावीराज्ञव्याहकीधो ॥ पक्षतोल्लतेजरी ॥ ५ ॥ भाषेंलंकनुं पतिसादरो ॥ वासतुमारोईहांहिंकरो ॥ ईहांहिंतुमवासठाणो ॥ तिहांतुमदेजोसहु ॥ कोई वेलापिसुनवासें ॥ लालतीलघटे जहु ॥ द्वीपवानरत्रिसतल्लेयण, ठामअधिकसोहामणो ॥ वासकीजेसुजरहीजे ॥ प्रेमसाच्योआपणो ॥ ६ ॥ लंकेपतिनोलाधितमानियो ॥ पुरियकिंकिंधावासवखाणियो ॥ वखाणियोचरवासवाइ मझोसमझोरामंदइ ॥ सुंदराकारणीतंगपोसह प सालहिसेसुंदइ ॥ उत्तमाच्यारअपारसहुअती ॥ धर्मकर्मसमाचरे ॥ देवअरिहंतसुगुरुसेवा ॥ जन्मनेसफलोकरे ॥ ७ ॥ वानरद्वीपेंवानरहेजियें ॥ राजारीज्योप्रेमविशेषियें ॥ विशेषियेंतवप्रेमजहलो ॥ महारिवाडेनविसहे ॥ अनपाणीदिक्षयेनृप ॥ वचन सहु

अेसईहे ॥ चित्रविलेपिसुछत्रिजेच्यर ॥ रूपवानरनुं
धरे ॥ तेहथीअथद्वीपनामे ॥ जमवानरविस्तरे ॥ ८॥
श्रीकंठहीथीउपन्युंनंदन ॥ वज्रसुकंठनामेंआनंदन ॥
आनंदकरीरायअेकदिन ॥ सलामेंजेठोनिसे ॥ द्वीप
अष्टमिजतहते ॥ जतदेज्यासुरतिसें ॥ रायचालिओ
मानुषोतर ॥ गिरिथानजिलाईयो ॥ साधुसगेंलेईसं
यम ॥ रायमोक्षसिधाईयो ॥ ९॥ वज्रसुकंठादिक अ-
नेकज ॥ राजहुआछेसुविवेकज ॥ सुविवेकीरायहूआ
॥ वीसमांजिननेसमे ॥ घनोदधीवररायहुओ ॥ अन-
मते आवीनमें ॥ लंकनगरीतडीतकेसज ॥ रायइडो
राजतो ॥ राक्षसावानरांमांहें ॥ प्रेमनोगुणगाजतो
॥ १० ॥ नंदनवनमेंलंकानोधणी ॥ रमवाच्यालोसाथें
त्रीयाधणी ॥ त्रीयासाथेंरायजेले ॥ वानरोअेकअेतन
ले ॥ रायत्रीयानाकुंचविलुल्या ॥ कोपीयोनृपतेतले ॥
बाणहणियोलुईपडियो ॥ साधुदिअेनवकारओ ॥
सहुलुं सांभुसोईवानर ॥ हुओउदधीकुमारओ ॥
११ ॥ ज्ञानप्रयुंजदेखेदेवज ॥ आवीरिषीनीसारे
सेवज ॥ सेवसारेतामनृपना ॥ लोकवानरमारओ ॥
देखीकोप्योदेववानर ॥ सैन्यअतिविस्तारओ ॥ को-
पियाकपितइसिलासुं ॥ हणेराक्षसलाजओं ॥ शां-
तिनेजलेंसुरमनाव्युं ॥ जगसीअजईमलाषओ ॥
॥ १२ ॥ साधुसमीपेदोईआविआ ॥ मुनीदेसनासु-
णासाताथाविआ ॥ पा वआसातारा पूछे ॥ ढाळ-

येंऋषिकइणाकरी ॥ वानरानीनेमाहरीम्भे ॥ सुणावो
पूरवचरी ॥ पुरिसावथियेंमंत्री ॥ पुत्रतुंतोनृपहतो ॥
कांसियें सुब्धककृवकपिनो ॥ पापेंकविथो छतो ॥
१३ ॥ मुनिवरपासेंतोंदिक्षावरी ॥ चाणारसियेंआव्यो
संचरी ॥ संचरीआव्योतामसुब्धक ॥ मारियोतेमु-
निवरु ॥ माहेंन्द्रकल्पेंदेवहोई ॥ तुंकुवीरेनरेसरु ॥ न-
रकनांदुःखदेखी सुब्धक ॥ ऊपन्योवानरपणे ॥ वैर
करणत्तवयवारण ॥ ग्यानजलेंमुनिवरभणे ॥१४॥
पुत्रसुकोसलनेपदथापिओ ॥ संयमसायेंनृपमनथा-
पिओ ॥ थापिओसंयमसाथेंअेमन ॥ मोक्षमारगसा
धिओ ॥ घनोदधिवरयहिसंयम ॥ मोक्षपदआराधि-
ओ ॥ किर्किंधाराजनकिर्किंधायें ॥ सुकोसल लंकावली ॥
केसराज अधिकारपहेली ॥ ढालअेलाषी रली ॥१५

॥ लेखवासगें दोहा ॥

गिरिवैताढ्यविशेषथी ॥ रथनूपुरपुरदेष ॥ असनिन
वेगराजनलसो ॥ पालेराजविशेष ॥ १ ॥ विजय-
सिंहविजयीभडु ॥ विद्युतवेगविशेष ॥ दोरंड दोनं-
दना ॥ पावेंसोहविशेष ॥ तेणेंपरवतें आदितपुरे ॥
मंदिरमालिराय ॥ तेहघरेपुत्रीऊपनी ॥ श्रीमाला
सुभदाय ॥ ३ ॥ संवरमंडपतेहने ॥ बोलाव्याबहु
भूप ॥ मंडपनीरचनाभली ॥ आछिलांतेअनूप
॥ ४ ॥ रायसहुनेअतिक्रमि ॥ वरिओकिर्किंधा

राय ॥ विजयसिंहकोप्योघणो ॥ अमरषसह्योन
जाय ॥ ५ ॥ आगेंहिजितारिया ॥ परवतथी तुम
प्राहिं ॥ अरेछेऽलाछलवटो ॥ अजहुंतज्नेनकांहिं
॥ ६ ॥ केआपोवरमालिका ॥ केसूरासंग्राम ॥ राय-
सुणीकोप्योघणुं ॥ वानरराक्षसस्वाम ॥ ७ ॥
विजयसिंहने मारियो ॥ किष्किंधानृपनोभ्रात ॥
अंधकहणीअहलोलियो ॥ विजयसिंहनेतात ॥ ८
॥ किष्किंधासंकावणी ॥ कूदीकाढ्याहोय ॥ ईहांपेन
लेखोकोनाहिं ॥ जालियोकरेसोहोय ॥ ९ ॥

॥ ढालबीजी ॥

॥ भलुंतनेआंगिसुहावतिहे- एदेशी. ॥

जालियासुंज्युंलागताहे ॥ ईरीपाछेहिलागताहे ॥
किष्किंधालंकानानायक ॥ पायानाथितिगवताहे ॥
लंकपयालप्रसिद्धपुहवी ॥ वासकियासुजपावता
हे ॥ ज० ॥ १ ॥ असनिवेगेंनृपनिर्घातज ॥ लंकथाने
थापताहे ॥ देसनगरपुरपाटणसहुजे ॥ यथायोग्यने
आपताहे ॥ ज० ॥ २ ॥ सहस्रारसुतनेदेईपदवी ॥
आपणसंयमधारताहे ॥ सुमतिगुप्तिव्रतनोप्रतिपा-
लक ॥ निजपरकार्यसारताहे ॥ ज० ॥ ३ ॥ रायसुकेस
घरेईन्द्राणी ॥ नारीसीरोमणीनायकाहे ॥ मालि
सुमालिमाल्यवानजे ॥ पुत्रतिनकेदायकाहे ॥ ज०
॥ ४ ॥ किष्किंधापतिनीवरवनिता ॥ नामेंतोश्रीमा-

लाहे ॥ इक्षरव्नआदित्यरव्नदो ॥ सुतनियमासुवि-
लासाहे ॥ ज० ॥ ५ ॥ रायकिष्किंधिमधुपवनपरें ॥
सुखसाताअतिमानताहे ॥ नामकिष्किंधानगरनि-
वसावि ॥ वासविशेषेंठाणताहे ॥ ज० ॥ ६ ॥ रायसु-
केशीतणासुतजेप्या ॥ नृपनिघातनिजस्योहे ॥ मा-
लिलंकपुरीकिष्किंधा ॥ सूरराजनृपवासिओहे ॥ ज०
॥ ७ ॥ नृपसहस्रारतणेघरनारि ॥ चित्तसुंदरीराजे
हे ॥ नंदनइन्द्रअनोपमजयो ॥ उपमईन्द्रहिसाजेहे
॥ ज० ॥ ८ ॥ मालिराजईन्द्रेंनिपात्यो ॥ पुनरपिलं-
कालीधीहे ॥ नृपवैश्रमणजाणिसादीधी ॥ जूणस-
नीजूणसीकीधीहे ॥ ज० ॥ ९ ॥ लंकपयालसुमालि
वसंता ॥ रत्नश्रवासुततंजिओहे ॥ कुसुमोद्यानेतेंवि-
द्याना ॥ साधनमहोटोमांडिओहे ॥ ज० ॥ १० ॥ जेय-
रनी कुमरीमनहरणी ॥ पासेंआवीऊभीहे ॥ तनम-
नेंराचीरहीछेसाची ॥ मनुज नेगुणेलोभीहे ॥ ज०
॥ ११ ॥ निश्चलमनराखतानरवरें ॥ सुधोसाधनसा-
धिओहे ॥ मानवसुंदरीविद्यासाधी ॥ वानघणेरो
वाधिओहे ॥ ज० ॥ १२ ॥ दृष्टीपसारीजेतांदेखे ॥
पासेंपदमनीठाढीहे ॥ आपणकुणअछोकहेसुंदरी
॥ वचनेकथनेगाढीहे ॥ ज० ॥ १३ ॥ कौतुकमंगलपुर-
वरमहोटो ॥ व्योमबिंदुतिहांराजाहे ॥ कौशिककेकु-
शीयसहोदरी ॥ रूपकलागुणताजाहे ॥ ज० ॥ १४ ॥
कौशिकतोविश्ववसाघरें ॥ वैश्रवणसुतचंजोहे ॥ इं-

न्हतणेअधिकारीअधिको ॥ लंकाशनिसंकाहे ॥ज०
॥१५॥ निमित्तिमुखनुमधरलाध्यो ॥मनसाअधि-
कजीमाहीहे ॥ तेकिकुटुंबआडंबरेंराज ॥ साकन्या
तथव्याहीहे ॥ ज०॥१६ ॥पुरकुसुमांतरनयरेंवरा-
वी ॥ वासवानासुजमानेहे ॥ धर्मसुकर्मकरतांजकु-
लो ॥ नन्मकृतारथजनणेहे ॥ ज०॥१७॥ अेकदिवश
केकसीयेंनिसायें ॥ सिंहसवुणोदेखीयोहे ॥गजकुं-
भस्थलभेदकरंतो ॥नृपनेहर्षविशेषीयोहे ॥ज०॥१८
॥गर्भवतिसाराणीयाणी ॥ अतिअसुहाणी भायेंहे
॥ मोटेअंगकलेसकरंती ॥ मानघणोमनराजेहे ॥
ज०॥१९॥ दरपणछांडीअजेमुखदेखे ॥ ईन्द्रहि
आणमनावेहे ॥ आशिशिरपावदियुंईत्यादिक ॥ग-
र्भमिलावननणावेहे ॥ ज०॥ २० ॥ मतिपजियां
घरेत्रासपडंतां ॥ शुभवेलासुतजन्मयोहे ॥ सहस्रन्य-
तुर्दशवर्षप्रमाणे ॥ अविचलहोईजायोहे ॥ज०
॥२१॥ भीमेंन्दणपुरार्पितपरगट ॥ माणिकनव
निपायोहे ॥ हारउठाईउंच्योलीधो ॥पेहरिगलेसोभ-
लायोहे ॥ ज०॥२२॥ देखि केकसीअहतमासो ॥अन
यशिरअधिकउपायोहे ॥ रत्नश्रवानेअेहअपूरव॥
राणियेंज्यालदिजायोहे ॥ ज०॥२३॥ राक्षसईन्द्रे
घनवाहननें ॥ आपिओथोअेमसुणियेंहे ॥ पूरवे
नेतयपूजओअशयिओ ॥ देवनणीपरेथूणियोहे॥
॥ज०॥२४॥ नागहजारेंसेवितकिणहि ॥ उपाडयो

नवीदीठोहे ॥ जालिकथासोलिलार्थे ॥ सोकंठेपहेरी
जेठोहे ॥ ज० ॥ २५ ॥ नवमाणिकमांनवमुजदीसे
॥ दसमोसहेलदेखायोहे ॥ दशमुख नामपितातव
थापे ॥ वीरच्छवंशघिकथायोहे ॥ ज० ॥ २६ ॥ सुमा-
लिमंदिरगिरिगीयोयो ॥ ज्ञानवंतऋषीपूछीओहे
॥ नवमाणिकनोहारवहेसो ॥ त्रिजंडाधिपसूछओहे
॥ ज० ॥ २७ ॥ भानुसुपनदेखीसुतल्लयो ॥ भानुक-
र्णकहायोहे ॥ कुंभकरणतोअपरनामथी ॥ सूर्यतेज
सवायोहे ॥ ज० ॥ २८ ॥ त्रीजवारेसूर्पनखाजे ॥ पु-
त्रीतोअतिप्यारीहे ॥ चोथीवारेचंन्दसुपनसुं ॥ बिभि-
षणसुतजडरीहे ॥ ज० ॥ २९ ॥ षोडससहस्रग्रंथनुध्यस-
मुनत ॥ सहोदरसमलायाहे ॥ जीजदासेंअेमवि-
शेषी ॥ केशरालगुणगायाहे ॥ ज० ॥ ३० ॥

कईशगें दोहा.

एकदिवसरावणभलु ॥ बंन्यो जेवेन्नम ॥ जेसीवि-
मानेआवतो ॥ वैश्रवणगुणधाम ॥ १ ॥ देखीपूछे
मायने ॥ अेकुणरालहोय ॥ मासीसुततोलाहरो ॥
मुललगनीसुतजोय ॥ २ ॥ वैश्रवणनामेंलको ॥ इंद-
रतणेघरेअेह ॥ मानीनेमतिआगलो ॥ सकलंसा-
थेसनेह ॥ ३ ॥ तुम्हपितामहमारिके ॥ लंकग्रहीह-
रीराय ॥ आपीछेतेअेहने ॥ अेदुःजसह्योनज-
य ॥ ४ ॥ लंकाधीशनामथी ॥ विद्याराक्षसिनाम ॥ रा-

ससलीमक्षेपाकरी ॥ आपीथीआनिशाम ॥ ५ ॥ धन
नवाहनराज्यथकी ॥ अथितियाचीजत ॥ अजतो
कंईहीनथी ॥ दीनवदनृपमात ॥ ६ ॥ घरनीछुटेजेह-
नी ॥ मानमाहातमजय ॥ सधनथकीनिर्धनहुवे ॥
जवतमुयागिणाय ॥ ७ ॥ अणरजवासेजेत्रने ॥ जे
जणेसोमाय ॥ रजवालाजेहांथकी ॥ कोईनजावापा-
य ॥ ८ ॥ सोदिननयणेनिरखसुं ॥ नंदननयरीजय
॥ पितामहानेआसणे ॥ तुमेजसीसणिराय ॥ ९ ॥
संदनासूंरुकने ॥ जंदिआनामांहें ॥ देणीसतव ज-
णीससही ॥ पुत्रवतिहुंप्राहें ॥ १० ॥ अेहमनोरथमा-
हरा ॥ गगनकुसुमसमदेज ॥ भाकूहेसमशालिक ॥
दिनदिनजिणविशेष ॥ ११ ॥ अेहवचनश्रवणेसु-
णी ॥ जिलीपणजोसंत ॥ याधीरिदढसिपडी ॥ मा-
तामतजोसंत ॥ १२ ॥

ढालत्रीजी, पहनी देसीमां·

पहतोतेजप्रतापें ॥ दशकंधरराज ॥ तिनभुवनजो
कंटकउकयें ॥ आपणजोईवीथापे ॥ दश० ॥ १ ॥ कुण-
छेईश्वरहल्यारो ॥ कुणछेजेयसमान ॥ ग्रहगणराति
नरात्रिपतिरहे ॥ वजणीगेअेकतान ॥ दश० ॥ २ ॥ रा-
वणघरजेनोसुजपावे ॥ कुंमकरणजेजेर ॥ अष्टाप-
दणिकयाथीकेसरी ॥ नाठजयेतनोर ॥ दश० ॥ ३ ॥ कुंभ-
करणलीअलगोज्जो ॥ गाकरीआधिकेईक ॥ मयंग-

लभातो केसरीआगे ॥ पोवल रेनहीं ओकु ॥ दशगाजा॥
रावणलाधेमाथसुणोज ॥ दिओ अमने आदेश ॥
विद्यासाधनसाधिआवुं ॥ वाधेवानविशेश ॥ दश०
॥ ५ ॥ सुध्धाशधनने जसेंसाधि ॥ विद्याओकहजार
॥ सिंहतणातनु पांजरजथकी ॥ हुओ अंगबजपार
॥ दश० ॥ ६ ॥ कुंभकुर्णनोपांचलपाभी ॥ च्यारजिलि
षणसाधि ॥ जेमकुसलसुतिनेजोधव ॥ आव्यां वि-
द्यासाधी ॥ दश० ॥ ७ ॥ विद्यासाधनविधिअधिकी॥
पद्मपुराणेवजाणी ॥ भेंसनजेंधसंक्षेपेंकीधो ॥ग्रं-
थवधंतोभणी ॥ दश० ॥ ८ ॥ षटधिपवासेपांडोसाध्यो
॥ चंन्द्रहास वरदाई ॥ चंन्द्रलेभहलानिलचढति ॥ वा-
धेआधिकवडाई ॥ दश० ॥ ९ ॥ गिरिवैताढ्यदक्षिणश्रे-
णी ॥ पुरवरसुरसंगीत ॥ मयनृपकेतुमतीनीलधी ॥ मं-
दोदरीयपवित्त ॥ दश० ॥ १० ॥ परणावीशलरावणने ॥
सनमुजआणिकुमारी ॥ जेमसचीईन्द्र घरेराणी ॥
रायघरेंओनारी ॥ दश० ॥ ११ ॥ गिरिमेंगरच जेंचरपु-
त्रीरूपातिदीठीराय ॥ छओहजारवरीओकसाथें ॥ पूरव
पुण्यपसाय ॥ दश० ॥ १२ ॥ पीभावेपुत्रीनोतातज ॥
सुरसुंदरबडराज ॥ अवरजनकसहुमानिसाथें ॥ आ-
यालस्करताज ॥ दश० ॥ १३ ॥ वहुसहुमिली जोलेस्वा-
मी ॥ वेगेंविमानचलावो ॥ आयाकटकविकटलट
लाशी ॥ टलेवेरीओमदलावो ॥ दश० ॥ १४ ॥ रावण
लाधे लामिनियांसु ॥ आरतिजोईमआणो ॥ लून

रीत्नूयंगेंगरुडनचीहे ॥ ओओजाणोन्नणो ॥दश॰
॥१५॥ करीसंग्रामसहुनेजिती ॥ नागनपासाजोन
घे॥ नारीवचनछोडीबंधनथी ॥ नेहघणेशेसाधे॥
दश॰॥१६॥ महोदरनृपकुंभपुराधीप ॥ सुरूपनय-
नाशणी ॥ तडीतमालापुत्रीपरणी ॥ कुंभकरणघ-
रआणी ॥ दश॰ ॥१७॥ ज्योतिपुरपतिवीरनरेस-
र॥ नंदवतिनीजइ ॥ पंकजश्री पंकजवरनयणी ॥
जिलिषणसुजदाई ॥ दश॰ ॥१८॥ मंदोदरियेंनं-
दनजयो ॥ इंद्रसरिषोतेनें ॥ इन्द्रजीतजनामें-
प्रमाणीं॥ जोताज्युघणेहेतें ॥ दश॰ ॥१९॥ मे-
घसरिषोनयणानंदन ॥ जीजेनंदनजयो ॥ मेघजवा-
हनवारकुंअर॥ कर्मेतोकहवायो ॥ दश॰॥२०॥ कुं-
भकर्णजिलिषणलाई॥ लंकनेजीजडे ॥ धनदसु-
मालिसुंजोसंतो ॥ दूतमुजेहेवाडे ॥दश॰॥२१॥ रा-
वणशालजाईताज ॥ चढियातजसंग्रामे ॥ धनद
संघातेंजंगजीयाथी ॥ रावणजीजयपामें ॥ दश॰॥
२२॥ चरमशरीरीधनदनरेसर ॥ चारित्रसुं चितला-
वे ॥ शत्रुमित्रसुंसमपरिणामि ॥ रावणआवीजमा-
वे॥दश॰॥२३॥ लंकालीधीरावणराणे ॥ पुष्पकलियो
विमाण ॥भाग्यमनोरथपूराकीया ॥ पुरुषांएहप्रमा-
ण॥दश॰॥२४॥ पुष्पकविमानेजेसीने ॥गिरिवैताढ्यें
आवे ॥ भुवनालंकृतहाथीसाही ॥गजसालेंजंधावे
॥दश॰॥२५॥ एकविद्याधरआवीसुणावे ॥किष्कि-

धानृपजय ॥ लंकपायालतणी निजनगरी ॥ लेवासाह्
ज्याय ॥ दश० ॥ २६ ॥ युध्धेंहरावीयमराजतस ॥ जं-
दीजानेठावे ॥ रावणेछोडाव्यायमहरीसुं ॥ ज्येहणीदंत
सुणावे ॥ दश० ॥ २७ ॥ लंकासेईकिंकिंधालीधी ॥ ली-
धोपुष्पकविमानं ॥ सुरसुंदरसंग्रामेंहरायो ॥ आनजन-
डोराजन ॥ दश० ॥ २८ ॥ जेप्योईन्द्रप्रधानोनिषेध्यो ॥ दे-
खोनेसुंथाय ॥ यमनेंसुरसंगीतसमर्प्युं ॥ आघुंजई
राय ॥ दश० ॥ २९ ॥ सूररजनेपुरीकिंकिंधा ॥ प्रीति
धरीनृपआपे ॥ ऋक्षनगरेतोऋक्षरज.ने ॥ आपणा-
डाकरीथापे ॥ दश० ॥ ३० ॥ लग्नेमुहूर्त्तेंजिमघणासुं
॥ रावणलंकाआवे ॥ नारिवधावेमंगलगावे ॥ सयणा
महासुखपावे ॥ दश० ॥ ३१ ॥ आनंदरंगविनोदवि-
शेषें ॥ घरघरमंगलच्यार ॥ केशरानअंत्रीजढालें ॥
मुजमुजनयजयकार ॥ दश० ॥ ३२ ॥

रामगिरीरागें दोहा.

सूररज घरेंजाणियें ॥ ईंदुमालिनीनारि ॥ वालीसुन
तणीपन्युंवली ॥ जोनशकेतसवारी ॥ १ ॥ समुन्दांत
पृथ्वीसहु ॥ नित्यप्रदक्षिणादेई ॥ सजविधिजाला
आगलो ॥ सूरवीरजशालेई ॥ २ ॥ पुनरपिडेतेअंत-
रे ॥ जयोसुतसुग्रीव ॥ सुप्रलाकन्याजसी ॥ सोजन-
नीडसदीव ॥ ३ ॥ ऋक्षरज.घरेंकामिनी ॥ हरिकांता
सुविधान ॥ नीलअनेनलनामथी ॥ जयापुत्र. प्र-

ध्यान ॥४॥ सूरश्रवालीलणी ॥ नृपपदवीआपंत ॥चारित्रपालिनिर्मलो ॥मोक्षेपहोतोसंत ॥५॥

ढाल चोथी.

(छठी भावना मनधरो ए देशी.)

एकदिवसलंकापति ॥ क्रिडानीउपवनीरति ॥ उपवनी रतिपहोतोपरवतमंदरूए ॥ सुरपनआनेअपछरी ॥ जरखेचरगयोसंचरी ॥ संचरीलंकपायालेंघरकर्युए ॥१॥ सुरश्रनोनंदन ॥ चंद्रोदरआनंदन ॥ नंदन सुरश्रनोभारिओए ॥ जजरलहीनेरातिओ ॥ जरघीपेंदलसातिओ ॥ सातिओमंदोदरियेंवारी-योए ॥२॥ लंकपयालानोधणी ॥ कीधोलगनीपं-तिलणी ॥ पतिलणीआपणकरीयापिओए ॥चंद्रोदरमारयोसुणी ॥ अनुराधाग्राभी थणी ॥ना-ठीघणीदेवरंउपोआपिओए ॥३॥ वनमानंदन जईयो ॥ नामेविराधकहाईयो ॥ कहाईयोशकल कलागुणआगलोए ॥ यौवननीवयपामियो ॥ वैरी विशोधनकामियो ॥ कामियोअमकरणउत्तावलोए ॥४॥ वालिसेवावांछतो ॥ आणमालेवुंईच्छतो ॥ ईच्छतोआतूरदूतचलावियोए ॥ वालिनेपगे लागियो ॥ अंतकरणअनुरागियो ॥ रागीयेशव-णवचनसुणाविआए ॥ ५ ॥ किरतिधवलथीमु-कताई ॥ श्रीकंठथीतुरुताई ॥ तुरुताईयाल्युंप-

तिसेवकपणुंए ॥ अभअभिमाननकीजियें ॥ जे
कीजेतोजीतियें ॥ जीतियेंथोडमांलाषुंगणुंए ॥
६ ॥ वालीकुंएसहुजरो ॥ जेणघरसुंनहींआंतरो
॥ आंतरोपड्योछेमनमांहरोए ॥ देवअनेगुरुटालि-
यें ॥ जसमुंमस्तकवालियें ॥ वालियेंनावुंहुंघरताहरे
ए ॥ ७ ॥ जसअपवादथकीडरूं ॥ नहींतेमजणुंते-
मकरूं ॥ तेमकरुंकीधाथीटलसुंनहींए ॥ जनुजसा-
मीनेकहे ॥ जजतूरीसीकांवहे ॥ कांवहेएतोआण
जणीसहिए ॥ ८ ॥ दूतवचनजसांभल्यो ॥ रा-
जरावणपरजल्यो ॥ परजल्योदलजलजहुलेईयान
लेओए ॥ कपिपतिसाहमोआवियो ॥ दलजलअंत
नपावियो ॥ पावियोलोकउपन्नवटालियोए ॥ला
हुंदयुद्धनीथापना ॥ टालेउपायपापना ॥ पापना
उपायअलगाकर्याए ॥ दोषतोश्रावकतणा ॥ दो-
षतोमतिआगला ॥ आगलाध्यायेरमचित्तमेंलिया
ए ॥ १० ॥ अस्त्रशस्त्रनेचालवे ॥ वालीतेसहुजल-
वे ॥ जलवेरावणनाउपक्रमथीए ॥ चतुरमहाछे
योकसी ॥ चोटकरेअतिजोकसी ॥ जोकसीहामन
मेटेघर्मनेए ॥ ११ ॥ गिंदुकनीपरेंपीड्यो ॥ करकोटें
ईमालिडियो ॥ लीडियोचारेंसमुद्रेंफेरियोए ॥ हेल
ईजीसाणोआपजो ॥ आणेमनसंतापजो ॥ संता-
पजोहारिओरावणहेरिओए ॥ १२ ॥ संजारेअ-
तिसारजो ॥ पूरवसाउपकारजो॥उपकारजोछोडियो

रावणरालिओजे ॥ लघुभाईथिरथापीने ॥ राजत-
णीथितिआपीने ॥ आपीनेआपणसंयमसालियो
जे ॥ १३ ॥ सुग्रीवेंसुविचारिओ ॥ रावणतोअधिका-
रिओ ॥ अधिकारिओश्रीमलापरणाविओजे पवन
लिअरपीसरसंचरे ॥ प्रतिमाधरजकुतपकरे ॥ तपक-
रेलब्धीवंतकहाविओजे ॥ १४ ॥ मासमासपारणुं
करे ॥ सहसुजकारणोवरे ॥ कारणोवरेअष्टापदगि-
रिआविओजे ॥ काउस्सग्गसमाचरे ॥ योगध्यान
निश्चलधरे ॥ निश्चलधरेजिनशासनसोलाविओजे
॥ १५ ॥ नित्यालोकनपुरवरू ॥ नित्यालोकनरेसरू ॥
नरेसरू कन्यकावलिरत्नावलीजे ॥ रावणनृपजयेलं-
भ ॥ अष्टापदआयेताम ॥ आयेतामआगेतोनशके
चालिजे ॥ १६ ॥ दीठोतलेसिर्पीलटाढो ॥ रावणरोस
करेगाढो ॥ जाणेजेपरवतपाडुंजे ॥ मायासाथेंऊं-
पाड्युं ॥ तवतेपरवतजडहड्युं ॥ जडहड्युंमुनिदाबे
अंगुठेजे ॥ १७ ॥ त्रासकरीनेनासिओ ॥ ऋषिच-
रणेचित्तवासियो ॥ वासिओरह्योसाधुपयअनुस-
रीजे ॥ ऋषीनेरागनरोषज ॥ सहुसाथेंसंतोषज ॥
संतोषजलब्धीपणुंदेखाडियुजे ॥ १८ ॥ साधुभुवण
रीयुक्तिसुं ॥ जिनगुणगावेभक्तिसुं ॥ भक्तिसुंत-
जधरणेंद्रपधारिओजे ॥ अमोघविजयनामेंजली
॥ शक्तिरूपछेनिर्मली ॥ निर्मलीविद्यादेईसिधावेओ
जे ॥ १९ ॥ दसविधआराधनकरी ॥ वालीऋषीशिव

गतिवरी ॥ शिवगतिवरीनमोनमो ऋषीराय छुओ ॥ पोयीढालें चतुराई ॥ चतुरलोकनेमनलाई ॥ मन लाईनेंसरस गुणगाय छेजी ॥ २० ॥

अथ श्रीरागें दोहा

गिरिवैताढ्यविशेषियें ॥ ज्योतिपुरवरनाम ॥ विद्याधरछे ज्वलनशिख ॥ राजगुणें अभिराम ॥ १ ॥ नारीनामें श्रीमति ॥ पुत्रीतोपरधान ॥ तारतारविलोचना ॥ ऊर्घनतेह समान ॥ २ ॥ नृपचिंताकरणेसही ॥ सुतसाहसगतिजेय ॥ तारादर्शनिमोहियो ॥ करेयाचनासोय ॥ ३ ॥ वानरपतिनीवांछना ॥ तातें लखिओवात ॥ साहसगतिस्वल्पायुषो ॥ कपीपतिनें दिओतात ॥ ४ ॥ ताराओदरेंऊपना ॥ अंगदअंगजाछ्हाय ॥ जयानंद अंगदलला ॥ वेलिसमरूसजेय ॥ ५ ॥ साहसगतिसांसेपड्यो ॥ भूरेरातनेदिह ॥ अणसरने केम पामियें ॥ खेतिनवचनीलिह ॥ ६ ॥ जोईछलवणीपायसुपताराअसंग करावीं ॥ तो जवलनेंजेगणुं ॥ नहींतरतो मरीजणीं ॥ ७ ॥ रूपपरावर्त्तनकरी ॥ विद्यानोआरंभ ॥ हिमवंतपरवतजई ॥ मेंडेंरवादंभ ॥ ८ ॥ भूचरभेंयर रानवी ॥ दलजलीसजलविशल ॥ दिगयात्राथें चालियो ॥ रावणकडेसाल ॥ ९ ॥

ढाल पांचमी.

(वनमालीके छोहराने देशी.)

रावणदिग्विजयचालियो ॥ साथेंसजपरिवारोरे ॥ तेज
प्रतापवाधेघणो ॥ जिगंतोदिनकरोरे ॥ रा० ॥ १ ॥ लंक
पाथालेंआवियो ॥ खर दुषणमानियोरे ॥ जेंचरचंद्रोद
रून्नरसुं ॥ साथेंचलेवोबाणियोरे ॥ रा० ॥ २ ॥ सरससजरो
सुग्रीवजी ॥ त्यारच्योरावणलारेंरे ॥ अवसरनेंआराधिया
॥ विपनेप्रेमअपारेंरे ॥ रा० ॥ ३ ॥ नदिनरजदाआवियो ॥
कांठेउदकपडावोरे ॥ सलासरसलीकरी ॥ जेंठेरावण
रावोरे ॥ रा० ॥ ४ ॥ अणचिंत्योजलवाधियो ॥ रावण
रानतणाणोरे ॥ जनरकरी नणआविया ॥ पुछेरावण
राणोरे ॥ रा० ॥ ५ ॥ नगरीछेमाहिष्मति ॥ सहस्रांसुतिहां
राजन्नरे ॥ रायहुन्नरेंसेवियें ॥ अधिकछेजेहान्नरे ॥ रा०
॥ ६ ॥ सहसएकछेसुंदरी ॥ तसुसेवकहोलाजोरे ॥ पंथेंन
दिसुजलभोगवे ॥ जलसुंअतिअलिलापोरे ॥ रा० ॥ ७ ॥
पालीबांधीपाणीमें ॥ केवलनारीसाथेंरे ॥ सेवकराजी
पामति ॥ हरषेंरमेजेमहाथीरे ॥ रा० ॥ ८ ॥ सुलदगया
तससाहिबा ॥ सामामारीभयाछरे ॥ कोईनआवेआसनो
॥ देखीतससुलटाछरे ॥ रा० ॥ ९ ॥ रावणजआवी
जड्या ॥ सामोचयोसरसाधीरे ॥ लडियोविविधयुद्धसुं
॥ लीधोरावणेबांधीरे ॥ रा० ॥ १० ॥ आकासेंथीउतरी
॥ चारणश्रमणीपीएकआवेरे ॥ सतबाहुनामेंभलो ॥ आ
वीसुतछोडावेरे ॥ रा० ॥ ११ ॥ त्रषीजीकहुं मनरावमा ॥

मानियोसोकरीमोहरे॥ दसरथनेरेआपतां॥शत्रु-
घ्नथहेसुजहाईरे॥रा०॥१२॥अनरण्यनरेंद्रसुं॥मि
त्रपणेछेवायोरे॥चारित्र लेसुं एकठा॥सगपणतो ए
सायोरे॥रा०॥१३॥ दसरथनंदननेदियो॥पुरिअयोध्य
राजरे॥अनरण्यव्रतआदरी॥सार्योआतमकाजरे
॥रा०॥१४॥क्षातधमू कजूटियो॥नारदेंआवीपुकार्यो
रे॥रावणपूछतां॥उत्तरदिसेंहुंभराव्योरे॥रा०॥
१५॥राजपुरनोराजियो॥नामेंमरुत कहायोरे॥ मि-
थ्यादृष्टीछेघणुं॥कुगुरुनोभरमायोरे॥रा०॥१६॥यज्-
ञमेंतेंहिंसाघणी॥करताभेंजयगाणियोरे॥विप्रवि-
शेषेंजेपियो॥ तेकारणहुंहणियोरे॥रा०॥१७॥रा-
वणत्यांसिखावियो॥ मरुतनुंभुजबलंभ्योरे॥ जिन-
मतेंथिरकरदावियो॥ ऋषिजनुंमनरंज्योरे॥रा०
॥१८॥रावणतणुंसुसतोकरी॥ नक्षवणीसमजयो
रे॥ सायेंतोरायेसहु॥ घरमहस्यामनलायोरे॥रा०॥१९
नारदनेंनृपेंपुछियो॥ एमतकेणेंचलायोरे॥वसुराज-
जथीत्यांलियो॥पापेंपिंडभरायोरे॥रा०॥२०॥ कनक-
प्रभाछेकुंअरी॥ मरुतरायनीजाइरी॥रावणनेपर-
णावतां॥बांधीप्रीतसवाईरे॥रा०॥२१॥ तिहांथकी
नृपआविओ॥ मथुरापुरिमजारोरे॥हरीवाहनछे
राजवी॥पुत्रमधुसुविचारोरे॥रा०॥२२॥रायतणेपर-
गेंलागतां॥निसुलमधुकर देजीरे॥जिहांथकीतेपामि-
यो॥रायेंगानविशेषीरे॥रा०॥२३॥ मधुरूपणेमधु

बोलियो ॥ थमर्सेदंमुनदीधोरे ॥ पूरवलनवनामित्रर्थी
॥ ओणिपगारवडीधोरे ॥ रा० ॥ २४ ॥ थमरेंडह्योमुन
आगलें ॥ धायर्छसंडे ल्हेघरे ॥ जेहअर्घरवतेंललो
॥ रातघारपुरीछेघरे ॥ रा० ॥ २५ ॥ रायसुमित्रसोह
मणुं ॥ प्रलवअछतसामित्रोरे ॥ कलाअल्यासीगुरु
कन्हा ॥ होर्यपुण्यंपवित्रोरे ॥ रा० ॥ २६ ॥ योगनोजें-
व्योयडो ॥ अटवीनेजयगाहेरे ॥ पलिपतिनीकुंय-
री ॥ वनमालानेविवाहेरे ॥ रा० ॥ २७ ॥ मित्रतणोमन
मोहियो ॥ मानर्नीसुंनतलावेरे ॥ रहे घणोछेघालि-
यो ॥ रायतणोभोलावेरे ॥ रा० ॥ २८ ॥ मौनरह्योजो-
लेनहीं ॥ राजनेईरोईरोलापेरे ॥ आरतितासमनत-
णी ॥ मतछोछानीराखजेरे ॥ रा० ॥ २९ ॥ चित्तनीआर-
तिसांभली ॥ कहीनरेसरजोलेरे ॥ बेतुम्हवालनेअस
णेप निश्चिंतस्युंअमजोलेरे ॥ रा० ॥ ३० ॥ मित्रतणे घरें
मोकली ॥ आर्यीलापेवातोरे ॥ प्राणनरापेनालतां
मुनलखमीकुणमानोरे ॥ रा० ॥ ३१ ॥ मलयडकुंपा-
पियो ॥ निर्लजथीअर्थनोरे ॥ नारीनरसुंजीमानता
॥ घनपनमाहरोमितोरे ॥ रा० ॥ ३२ ॥ आवोपधारोना-
तकु ॥ बोलेगारोवाररे ॥ कुंनपरायीरायनो ॥ ईदवम
हारोअवनाररे ॥ रा० ॥ ३३ ॥ गुमरहीनेनरपांजो ॥ पर
नरतहुपरितंतोरे ॥ राणीछेघरमोकली ॥ छेडक्ष्युं
तोरे ॥ रा० ॥ ३४ ॥ राजयेंघसीसाहिया ॥ मित्रतणाजे
कर्थारे ॥ करेसंतामित्रनी ॥ कुरपर्थीनरनायोरे ॥

रा०॥३५॥ राजनेव्रतआदरी॥ पाम्योकल्पेईसानोरे॥चवीहरीवाहननंदन॥मधुनामेंपरधानोरे॥रा०॥३६॥मित्रलमीलवमेंघणुं॥विस्वावसुणीदारोरे॥ज्यो-तिमतिछिरिंछपनुं॥श्रीकुमारकुमारोरे॥रा०॥३७॥तपतपीनिथाणोकरी॥चमरहुओकुंअहोरे॥पुरव सनेहनानंघथी॥अतुलसाथेंसनेहोरे॥रा०॥३८॥हे ईत्रिसुलसघाईयो॥जेमुनकरिअवधारोरे॥कनकु-रीहरीआवहि॥नेथणदोयहलरोरे॥रा०॥३९॥ईभसुणीसुजमानियो॥मधुसुं करेसगाईरे॥मनोरमा कुमरीभली॥दीघीतसपरणाईरे॥रा०॥४०॥ढाल भलीअेपांचमी॥पांच्योनेमनलाईरे॥केसरानरावण तणुं॥चरित्रअछेसुजदाईरे॥रा०॥४१॥

॥ सारंगरागेंदोहा ॥

अधकीधिपनी ॥ केमरहेअजलाल ॥ एटलेराणी
रावली ॥ पतिकरयानेजाल ॥ ६ ॥ रावणपासेंहुतिकइ
॥ लाविकेंअरदास ॥ जेननराजोमहारो ॥ तोपोंच्ये
सजआस ॥ ७ ॥ आशालीविद्यामहा ॥ वसवर्तीवुं
आल ॥ चक्रसुदर्शनसुंसही ॥ सोंपुंसघलोराज ॥ ८ ॥
तुमसाथेंभुजभनवस्यो ॥ इहलवेंनुलरतार ॥ मेलुतु
मविचमाआंतरो ॥ सोजणेकिरतार ॥ ९ ॥ वीपरंलाज
नीधीनति ॥ मनमांहेंअवधारि ॥ उत्तरदियोवितावे-
लो ॥ आतुरअतिसानारि ॥ १० ॥

ढालछठी.

(कुमरसुलानुसुजाणळ एदेशी)

आतुरअतिजाणीकरी ॥ लघुबंधवतवजोलेरे ॥ वे-
गेपधारोपदमनी ॥ तुंअमरइन्द्राणीतोलेंरे ॥ आ० ॥ १ ॥
रावणरीसवसेंकहे ॥ बंधवअेमकुमलाघेरे ॥ पुइप
पनोतोतेहिज ॥ परस्त्रीयथीमननराजेरे ॥ आ० ॥ २ ॥ उ-
हेजिलिघणदूषण ॥ कियांहीथीहोइरे ॥ विसविरहा
रकेरेसहु ॥ मरणतोजायालेइरे ॥ आ० ॥ ३ ॥ चालक-
हेताकमली ॥ वेगाहिवेगसुहाइरे ॥ विद्यादीधीविधिक
री ॥ साधीबारनलाइरे ॥ आ० ॥ ४ ॥ शस्त्रदियांसुर
सानिधि ॥ कारमीयांसुविशालोरे ॥ नगरनित्सोन-
लकुबेरनुं ॥ लधुंअहिततकालोरे ॥ आ० ॥ ५ ॥ चक्र
सुदर्शनपामियो ॥ पामिअतिघणीसोलारे ॥ नल-

कुबेरकरीआपणो ॥ यापियोनकियोलोभरे ॥ आ०
॥ ६ ॥ उपरंभासमजावीने ॥ रायसुंप्रेमभिलाव्योरे ॥ र-
थनुपुरपुरउपरें ॥ रावणलेयदीआव्योरे ॥ आ० ॥ ७ ॥
सहस्रारनृपईन्द्रज ॥ नंदननेसमजावेरे ॥ जुद्धकिजेस
करेकस्युं ॥ केईनपुगेदावेरे ॥ आ० ॥ ८ ॥ सहस्रांसु
नृपसेवितो ॥ सहस्रांसुनेजित्योरे ॥ अष्टापदउपाडि-
ओ ॥ वसुधामाहेवदितोरे ॥ आ० ॥ ९ ॥ विद्यासाधन
द्वीपपति ॥ गिरिवैताढ्येयालिओरे ॥ पोमावैपतिशक्ति
ज ॥ सइलतणोवरआलिंगरे ॥ आ० ॥ १० ॥ मरुलत-
णोभुजलंबल ॥ लंबनकालहरायोरे ॥ धनदतणो
मदमर्दन ॥ सुग्रीवसेवकरायोरे ॥ आ० ॥ ११ ॥ पुरदुर-
लंध्यउलंघण ॥ नलकुबेरजलभनियोरे ॥ रायारा-
यकहावे ॥ आननभयगंजयोरे ॥ आ० ॥ १२ ॥ रूप-
वतिअतिरूपणी ॥ पुत्रीनेपरणावीरे ॥ आघुंकाढि
ओनेदना ॥ चित्तनेलिओसमजावीरे ॥ आ० ॥ १३ ॥
अतिआकूलपणेअष्टापद, पामेछे संतापोरे ॥ घरनुंअं-
ईनविणसीयुं ॥ प्राणतजेनेआपोरे ॥ आ० ॥ १४ ॥ तात
वचननवीमानेज ॥ ताणेआपघणेरेरे ॥ धन्यहो धन्य
तुंतातजा ॥ धन्यमतोजेताहरेरे ॥ आ० ॥ १५ ॥ तेहण-
वोतसहायथेंज ॥ सगपणकेमकरायरे ॥ आनकिस्युं
वैरतो ॥ आगेयालियोजयरे ॥ आ० ॥ १६ ॥ रावणे
दूतपठावियो ॥ आव्योईन्द्रपासेंरे ॥ पुरघेराणोता-
हरो ॥ नृपअजाकिस्युं विमासेंरे ॥ आ० ॥ १७ ॥ भक्ति

शक्ति होईछे जी ॥ जुवतणी रेजवालीरे ॥ लक्ष्मि ल-
क्ष्मे सन्मुख अजुगी ॥ झेलियो शक्ति संभालीरे ॥ आ०॥१८॥
रूतमेते सुरपति कूं ॥ रेतु भतो भरमाणारे ॥ राऊ भनावी
री जया ॥ पण नवी नमिया शाणारे ॥ आ०॥१९॥ ईन्द
पढ़ि रण आवियो ॥ रेणु रहीन न छाहिरे ॥ ते मवजाणी
ग्रंथमां ॥ ते मकुई लडाईरे ॥ आ०॥२०॥ हारयो ईन्द न-
रिंद जी ॥ जीत्यो रावण राजरे ॥ नयनयझरहुओ जहु
॥ वाजया नशनाया जरे ॥ आ०॥२१॥ रावण लंका
आवियो ॥ सथण तणे मन भायोरे ॥ ईन्द्र हियो दुखु
पिंजरें ॥ आप कीयो ईल पायोरे ॥ आ०॥२२॥ सह-
श्रार नृप आवियो ॥ रावण सुं अरदासोरे ॥ पुत्र भि-
क्षा मुज आपो जी ॥ स्यापो करी निज दासोरे ॥ आ०॥२३
॥ राय कहे सुण जेयरा ॥ ईन्द्र करे ऐ कामोरे ॥ नगर जुहा-
रे नित्य झे ॥ आ छो राजे गामोरे ॥ आ०॥२४॥ सयणी
वात मनावियो ॥ छोडियो ईन्द नरायरे ॥ नीपुं जभउक-
तजी ॥ आरित मे हिन भायरे ॥ आ०॥२५॥ साधु समि-
पें पुछियो ॥ परलव ईन्द्र हि आपोरे ॥ नीच करम करयो
पड्यो ॥ कुण कियो यो पापोरे ॥ आ०॥२६॥ साधु कहे
नृप सांभलो ॥ परभव लाधुं एहोरे ॥ परिनय पुरनो
पति ॥ जेयर समणि गुणगेहोरे ॥ आ०॥२७॥ ज्वलन-
सिंह घरे नारि जी ॥ वेगवति सुविचारीरे ॥ अहिल्या
नामे सुता अछे ॥ मात पिताने प्यारीरे ॥ आ०॥२८॥
स्वयंवर मंडप तेहने ॥ राय घणा मलि आवेरे ॥ आनंद

मालिनेकंन्याल्जी ॥ वरमालापहेरावेरे ॥ आ० ॥ २९ ॥
नामतडितप्रभुतुंतभल्जी ॥ जीव्योमनहमल्हारोरे ॥
आनंदमालिसाथेल्जी ॥ वहेतोअतिघनजारोरे ॥ आ०
॥ ३० ॥ आनंदमालियरणग्रही ॥ उरतोणियविहारोरे ॥
ध्यानारूढमुनिसरुजी ॥ देख्योतेअेकवारोरे ॥ आ० ॥ ३१
॥ हिंजोपोरिसहआकरो ॥ साधुनोप्युज्योध्यानोरे ॥ सिं-
हसारिखोनाकुओ ॥ कुओस्वानसमानोरे ॥ आ० ॥ ३२ ॥
तपकल्याणगुणधरा ॥ आनंदमालिव्रातोरे ॥ तेल्नेलेश्या
मूकेहि ॥ तुलनेदेवाअसातोरे ॥ आ० ॥ ३३ ॥ सत्यश्रीतुन
लनारियें ॥ रूपीजीशीतलकीधोरे ॥ लेश्याअपुठीसं-
हरी ॥ संयमसुंचित्तदीधोरे ॥ आ० ॥ ३४ ॥ लवलाभि
शुलकर्मतणो ॥ पामिओहुओनरिंदोरे ॥ सहस्त्रारनृ-
पनंदन ॥ जेहुओतुंइंद्रोरे ॥ आ० ॥ ३५ ॥ तें दुःजदी-
धोसाधुने ॥ तुलनेरावणरायेंरे ॥ कर्मीकिधा विश्लोग-
या ॥ किमहिंविलयननायरे ॥ आ० ॥ ३६ ॥ जेमसुणी
रथनुपुरपति ॥ शुद्धसंयमधार्युरे ॥ कर्मजपीकेवलसही
॥ आत्मकारजसार्युरे ॥ आ० ॥ ३७ ॥ सुचणलिंगणि-
रिपकुतलो ॥ रायजीअन्यदिवशोरे ॥ अनंतवीर्यके-
वली ॥ वांदेनृपततजेवोरे ॥ आ० ॥ ३८ ॥ सुणियवखा-
णसुल्लणजी ॥ प्रश्नकरेअेकगीरे ॥ कुणहाथेंमरणोमु-
ज ॥ त्तोषोलवस्थिति कुडीरे ॥ आ० ॥ ३९ ॥ परहरने

लवलीधोनृपेंनियमोरे ॥ देवधर्मगुरुसाधुथी ॥ मांड्यां
अतिघणाप्रेमोरे ॥ आ० ॥ ४१ ॥ छट्ठीढालेसाधुजी ॥
नमोनमोअंगेंदोरे ॥ केसरवनजीभडके ॥ नमियेंसंथ-
तमुनिंदोरे ॥ आ० ॥ ४२ ॥

केदारारागें दोहा.

अजणीत्पत्तिसुहामणी ॥ लयरवनीलायिलोय ॥ सव-
धानहोईसुणो ॥ सुणतासाताहोय ॥ १ ॥ नृपायलपर-
वतलनो ॥ लसालसाअहिठाण ॥ लसालसानृपमं-
दिरा ॥ लसालसामंडाण ॥ २ ॥

ढालसातमी. करेलडानी देशी.

श्रीहनुमंतगायलोरे ॥ चरमशरीरीहोय ॥ ह० ॥ सुधा-
स्यालवहोय ॥ ह० ॥ पद्मदर्शनमेंजेय ॥ ह० ॥ असमज-
वरनआवेठाय ॥ ह० ॥ १ ॥ सेवकहनुमंतसारषोरे ॥ राम
सरिषोराय ॥ हुवोनहीं होसेनहीं ॥ आवनडो घीदजाय
॥ २ ॥ स्वामिनाजेबोलछे ॥ थाराकपिउपकार ॥ माण
दियापणनावले ॥ शेषतणोसिरभार ॥ सु० ॥ ३ ॥ सेव-
कनाजेबोलछे ॥ वानरमाहरोनाम ॥ साजाथीसाजा
नईपावुंसहिविश्राम ॥ सु० ॥ ४ ॥ सायरलसणीसं-
धीजो ॥ जासीनगरीलंक ॥ रामरायपरसादथी ॥ की-
धाउमनिसंक ॥ रा० ॥ ५ ॥ दिनकरनीपरेंदीपतो ॥ पुर
आदित्यप्रधान ॥ रायप्रल्हादसुहामणो ॥ पालेनिल-
वरआण ॥ सु० ॥ ६ ॥ केतुमतिमहिमावती ॥ सत्यव-

तिवरनारि ॥ प्रीतिवतिलीलावति ॥ शीलवंतिसंसार ॥ सु० ॥ ७ ॥ शुभसुपनोअवलोकियो ॥ विनाविओ नर्धराय ॥ रायकेशरियामणो ॥ नंदनउपज्योआय ॥ सु० ॥ ८ ॥ शुभवेलासुतजर्धयो ॥ गुडियागुहिरनि-साण ॥ घरघरजारवधामणा ॥ घरघरअतिमंडाण ॥ सु० ॥ ९ ॥ बारसमेदिनथापिओ ॥ पवनजयतसु नाम ॥ चंद्रकलानेभवाधति ॥ वाधेसुतअभिराम ॥ सु० ॥ १० ॥ जइतरिजबीसळ ॥ च्यारच्यारतनुमांहे ॥ सात शृंगारपरिहरे ॥ पुत्रपनोतोप्राहे ॥ सु० ॥ ११ ॥ पुरवरछे माहेंन्द्र ॥ रायमाहेंन्द्रउदार ॥ हिंदयसुंदरीसुंदरी ॥ सुंदरनेसुविचार ॥ सु० ॥ १२ ॥ पुत्रजेकसतउपरे ॥ पु-त्रीहुईजेक ॥ नामेअंजनसुंदरी ॥ शकलगुणेसुविवेक ॥ सु० ॥ १३ ॥ मावित्रोनेवाहालीघणी ॥ वीशनोवकमान ॥ भोजर्धलगनीमहा ॥ आदरमेरुसमान ॥ सु० ॥ १४ ॥ पुत्रीनेपरणाववा ॥ योवनवंतकुमार ॥ परधानेप्रगट किया ॥ जर्धकेर्धहजार ॥ सु० ॥ १५ ॥ वरतोदोमनभा-निया ॥ सघलामांहेदेखि ॥ पवनंजयप्रल्हादनो ॥ वि-द्युतप्रभसुविशेषि ॥ सु० ॥ १६ ॥ अष्टादशवर्षांतरे ॥ विद्युतप्रभशिवजाय ॥ प्रतक्षयथयुंछेआकिषो ॥ कन्या कमेंद्याय ॥ सु० ॥ १७ ॥ पवनंजयथिरआणिषो ॥ प-वनंजयपरिमाण ॥ पुत्रीपवनंतयलणी ॥ देवाकहि राजन ॥ सु० ॥ १८ ॥ जेयशनिसिजावेकळा ॥ नंदिस-रनीजात ॥ प्रार्थनाप्रल्हादनी ॥ मानेसघलीतात ॥

सु०॥१९॥ आव्यडी दिन तीसरे ॥ मानसरोवर जाय
॥ विवाह करिबें वेगसुं ॥ मेलि सहु समुदाय ॥ सु०॥२०
॥ पवनंजय कहे मित्रसुं ॥ तें दीठी सा बाल ॥ ए लायी
अधिकी सही ॥ कुपें जकत माल ॥ सु०॥२१॥ तेह वेसम्यां
बे ध्वजियो ॥ लहियें येन अतंत ॥ तेह वोवाव्याथें करी ॥
कुशके सुण मित्त ॥ सु०॥२२॥ पवनंजय जो ल्योहसी
॥ वासर नो ऐ दूरि ॥ कुण गुण हनण नहीं ॥ जेणी होई
हजूरि ॥ सु०॥२३॥ वाल्हा ना मेला विषे ॥ घडिते एक
दिन थाय ॥ दिन नो नहीं भासा मिले ॥ केहे रे केम रहेवाय
॥ सु०॥२४॥ मित्र कहे सुण स्वामिजी ॥ आरति दूर निवा
रा ॥ रात रहस्य पणे नहीं ॥ देजा कुलनार ॥ सु०॥२५॥
पवनंजय कुमार हिं ॥ चाल्यो मित्र समेत ॥ आयो अं
ति ऊताय लो ॥ नारी निरजण हेत ॥ सु०॥२६॥ जिम
जिम निरखे नारी ने ॥ तिम तिम पावे चैन ॥ देवय हे अती
आकरो ॥ सुं जमाहि हु जेहेन ॥ सु०॥२७॥ बेठी सत
मी भूमि का ॥ वात विनोद ॥ रंगमोहे रान्यी थडी ॥
करता अधिक प्रमोद ॥ सु०॥२८॥ वसंततिलका कहे स
जी ॥ कुमरी तुज बड भाग ॥ पवनंजय पति पामीयो ॥
तेहनो जग सौभाग ॥ सु०॥२९॥ मिश्रकेसी कहे
सजी ॥ केम प्रसंस्यो एह ॥ विद्युतप्रभ वरतो भलो
॥ जेहनो अंतिम देह ॥ सु०॥३०॥ वसंततिलका कहे इसी
॥ लोली जाणे भेद ॥ विद्युतप्रभ स्वल्पायुषी ॥ तेथी
न सरे कोई भेद ॥ सु०॥३१॥ अपर कहे ए वातमें ॥ तुं नवि

दिजेसिणगार ॥ येहनथोडोहिमलो ॥ नहींविणकेरो
भार ॥ सु० ॥३१॥ पवनंजयपरिणामसुं ॥ तातोथयो
तेवार ॥ कुमरीतोवरजेनहीं ॥ जोईहिवातांप्यार ॥ सु०॥
३३ ॥ अदीजडगजडोरह्यो ॥ ओहोईसंहार ॥ कइसही
उतावलो ॥ बोलेरावकुमार ॥ सु० ॥३४॥ मित्रकहे
प्रभुजीसुणो ॥ नारिअवध्यकहाय ॥ तिणमेंनिरा-
पराधणी ॥ कहोमकुंकेमहणाय ॥ सु० ॥३५॥ कुंअरीए
निंदानविकरी ॥ एजोअछेसजाण ॥ तुमलोगीइआ
ग्याहियो ॥ पृथ्वीनाभूपतिपाण ॥ सु० ॥३६॥ इरिआन
एथीजिनयानकें ॥ तोकहेनकइविवाह ॥ प्रथमजकथलें
भाखिउं ॥ आव्याकुणउछाह ॥ सु० ॥३७॥ रंधतांहि
नेकुहियो ॥ तेअननीनमीठास ॥ पछेकिसीपेरेपामियें
पीरसतांसाजास ॥ सु० ॥३८॥ मोतीत्रुटोनामिले
॥ त्रुटोनामिलेनेह ॥ तेमाटेधुरहिंथकी ॥ तूटणमत
थोतेह ॥ सु० ॥३९॥ मित्रकहेएमकेमहुए ॥ आपण
जोल्याजोल ॥ नपलेतजसहुथेकहे ॥ दृढइटकूवादो-
ल ॥ सु० ॥४०॥ सांतकमेवेतालजी ॥ उठमढियाअन्न-
ण ॥ भगनपाडेरंगमे ॥ साजनन्रेसथाण ॥ सु० ॥४१
॥ साथेरशिवनेआपिउं ॥ विसतोविश्वावीस ॥ नील-
कंठनामेंरहे ॥ अलगोनकरेईस ॥ सु० ॥४२॥ योरीथ्य-
दियोआयक ॥ मित्रतणीमतिमान ॥ विवाहतणीविधि
सांचवी ॥ नामतणेअनुमान ॥ सु० ॥४३॥ मयगलमो-
हमलपता ॥ अतिताजतोजार ॥ दीधावरनेदायजो ॥

मणिमोतीवरहारा ॥ सु० ॥ २४ ॥ नाडिनेलेछडरी पघरें
आव्योमल्हार ॥ सप्तभूमिसुहामणो ॥ दीधोवरपर-
साद ॥ सु० ॥ २५ ॥ होंसेमनावीहरखेंसुं ॥ धीवारीअधि-
यात ॥ भायगभोगविर्येसही ॥ एनिश्चेविधिवात ॥
सु० ॥ २६ ॥ ढालभणीएसातमी ॥ पवनंजयपरणेत ॥
केसरानसुजपामिये ॥ जेहोवेचित्तचेत ॥ सु० ॥ २७ ॥

॥ मेलायतिरागेंदोहा ॥

जोसकुजोलनवीसरे ॥ शालसमाशालंत ॥ क्षणहि
रतिनविऊपजे ॥ आरतिघणीआलंत ॥ १ ॥ ललन
मेलेनाहलो ॥ ऊपनेअतिउत्पात ॥ आवरणुंलागे घ-
णुं ॥ विरहियाकीवात ॥ २ ॥ मातपितानीलाडली ॥ सुस-
रानीशुलखणी ॥ कुंथमायाविणऊमनी ॥ ओछीरेजे
नेही ॥ ३ ॥ पवनंजयनीपदमनी ॥ परमभहासुजडान-
रि ॥ नाहनीनेहेनिपटहि ॥ मेलीमायेनारि ॥ ४ ॥

॥ ढाल आठमी अढिआनीदेशी ॥

मेलिमायेमारी ॥ पवनंजयऊनारी ॥ आरतिआकरी
जे ॥ आणेसाजरीजे ॥ सांजालिएनिसास ॥ वासर
भयनिरास ॥ हैचकिसोकियोजे ॥ फाटेछे हयुंजे ॥ १ ॥
दिनचातामेजय ॥ रयणीदूलरयाय ॥ विरहवियोग-
णीजे ॥ सजीहुंयोगणीजे ॥ जोलीसजीवसंत ॥
तिलिकानिकटवसंत ॥ जाणनरोइथियेजे ॥ डाठोहोईं-
येंजे ॥ सघलादिनएकरूप ॥ नविजएरेविरूप ॥

ફિરિબાકુ ડસિયેએ ॥ નેહાકૂડીસિયેંએ ॥ નાચ ..પે
તેવ..॥ સનજાવેસુવિચાર ॥ નિયસુંહ ઠહેંસુએ ॥ પુત્ર
કરેકિસુંએ ॥ ૩ ॥ ઊત્તરનઆવેજામ ॥ બાનારહિઆત
મ ॥ તાણીનજોડયેંએ ॥ તુટું જોડીયેંએ ॥ ઢિલુંમુકિઓ
काम ॥ आपहिंआवेठाम ॥ त्रुटेजेंथिओंअे ॥ अधिकुं
ठखिओंअे ॥ ४ ॥ आयोदूतओघार ॥ रावणनोसुविचा-
र ॥ भाषीतकहेतलोअे ॥ प्रभुजीसांभलोअे ॥ वरु
णनमानेआण ॥ राजेअधिकगुमान ॥ रावणरावणो
अे ॥ मिलिओथोघणुंअे ॥ ५ ॥ वरुणसुत सुविशाल
॥ जांथिलिआंततकाल ॥ जरदूजणजराअे ॥ जेंयर
आकराअे ॥ तेड्योरावणराय ॥ जेंयरमिलिआआय
॥ प्रभुतुंमाहिंयलोअे ॥ कामओतावलोअे ॥ ६ ॥ तात
निषेधिताम ॥ चाल्यो कुंअरजाम ॥ पवनंजय नयोअे
॥ आनंदअतियघोअे ॥ हयगयरथअधिकाय ॥
भेलिजनसमुदाय ॥ कुंअरचालियोअे ॥ हरषेंहालि-
योअे ॥ ७ ॥ निसुणीअेविरतंत ॥ कदके चलंतोकंत
॥ दर्शनिसाच्यालिअे ॥ आवेउतावलिअे ॥ पंच्यासीने-
मजेय ॥ आगेओभीहोय ॥ पलकनपालटेअे ॥ प्री-
यजेवुं घटेअे ॥ ८ ॥ पडवानोनेमचंद ॥ दुर्जलदी-
सेमंद ॥ मांसनदेखियेंअे ॥ चामविशेषियेंअे ॥ लु-
णीतालकदेजाय ॥ नहिरे विलेपनकाय ॥ साहिसा-
टिकाअे ॥ तिमाहिंललाटिकाअे ॥ ९ ॥ अणजाण्यातं-
बोल ॥ घुंसरअघरअमोल ॥ काया दुजलीअे ॥ सीय-

लपडीवालिअे ॥नयणजलमेंझूलि॥ रहिछे तनमन
भूलि ॥ नारीनिरजतोअे ॥न्यात्योहरषतोअे॥१०॥
घासिलागीपतिपाय॥ सिंकहोजिगराय॥ दासीतु-
मारडीअे॥ चिंतहमारडीअे॥ तिरसलजरीछेअेह॥मैं
भणीपुरेंछेह॥ मानमांगतांअे॥ लहीअेलागता
अे॥११॥इरिआविघरमांहे॥ घराणिथेंपडिआहिं॥अ-
जलानामथीअे॥ अइपरिणामथीअे॥ दलजलनो
विस्तार॥ न्याल्योराजकुमार॥ मानसरोवइअे॥वासो
अनुसइअे॥१२॥मंदिरस्थनाडीघ॥ पलंगेपरसि-
घ॥ सुतोसुं दइअे॥ भोगपुरंदइअे॥ दीनपणेदुरलं-
त॥पंजणीशब्दसुणंत॥मनसुंभागियोअे॥रायअ-
नुरागियोअे॥१३॥ वासरमाणेलोग॥रजनीनुंरेवि-
योग॥ तेदुरजेघणीअे॥वचनेहयामणीअे॥ जेह-
नेदिननेरात॥ अेकजसरजीजात॥ तेकेमजोवहिअे
॥ आरतिअतिवहिअे॥१४॥ परण्यापछेरेअेह॥
सायेंकियो नहींनेह॥ सातियसिरोमणीअे॥ सा दिधी
अवगणीअे॥ जेआवीथीन्याल॥ तोहुंगियोसुहदा-
ल॥ भोलसंतोषनोअे॥ नकहेवाणोघणुंअे॥१५॥
आवलगेंहतीआश॥ अजतोहुईनिराश॥ आनमरे
सहीअे॥ अेतोमेंलहिअे॥ नारीहित्यानोपाप॥ म-
होटोछे संताप॥ भुवनेलागसेअे॥ अपयशजगसे
अे॥१६॥ मित्रप्रहसितजोसाय॥ मननीवातसुणा-
य॥ पूछेसुंकइंअे॥ मित्रकहेजइअे॥ नारिहुई नि-

राधार ॥ भरतन लावेवार ॥ सायेसोयणोअे ॥ भाल
विमोयणोअे ॥ १७ ॥ अबहिंअइतास ॥ संतोषुसो
उल्हास ॥ मानीमाननीअे ॥ आशाआलनीअे ॥ भ-
ध्यमरातियेंसोई ॥ स्वामिसेवकदोई ॥ आयासंयरी
अे ॥ गगनगतिउरिअे ॥ १८ ॥ स्वामिराहियोबार ॥
सेवकगेहमझर ॥ आवीअेवहिअे ॥ राणीशेवहि
अे ॥ पोयणेमारीहेम ॥ सातवहीसेतेम ॥ नलविण
माछलीअे ॥ तलपेवलवलीअे ॥ १९ ॥ ऊंचीनीयी
याय ॥ ययनअनरंयलहाय ॥ ऊंडणतोडतिअे ॥ भरयुं
लोडतिअे ॥ वरबिचरबिरअंत ॥ घाईलिलाआअं-
त ॥ ज्ययतांसहुअे ॥ सुबहोसेबहुअे ॥ २० ॥ संय-
रअणीघाय ॥ घसितसनारिअहाय ॥ डाढेबेटलेअे
॥ आपेंतेटलेअे ॥ हुंस्वामिनोमित्र ॥ आमेंप्रहसित
पवित्र ॥ स्वामिआवेयोअे ॥ भननेआवेयोअे ॥ २१
॥ लुंडअेसीहासि ॥ कुमरीडहेउाघासि ॥ नामनभुल
गभेअे ॥ दर्शनडिमरमेअे ॥ वरसहुयाभुलजार ॥
नवीदीठोअरतार ॥ अलगोहिरहेअे ॥ जारघणुं
वहेअे ॥ २२ ॥ डरमतणोअेदोस ॥ डखोशगनरोस
॥ दीधोआपणुंअे ॥ ईहपरअवतणुंअे ॥ डामनीनो
डिरतार ॥ दीठोअलोअरतार ॥ कूलीअंगमांअे ॥
राणीरंगमांअे ॥ २३ ॥ अनेहेजमअपराध ॥ यारो
छेहनलाधे ॥ ओछोहुंघणीअे ॥ पूरांतुंअणीअे ॥
दुःजसायरअवगाही ॥ डांठेआवीनाही ॥ नामाधा-

रथीजे ॥ नावाडारथीजे ॥२७॥ हरिरमीसुज शाय ॥ चालणलागोशाय ॥ राणीतवकहेजे ॥गरभसाहिरहेजे ॥ उत्तरनुं अहिनाण ॥ आपोस्वामि सुजाण ॥ सोकेथीडरजे ॥ सुजमेंदिन लइजे ॥ २८॥ देईमुद्रडीदेव ॥चालिगयोततखेव ॥ कुंवरें तन्हिमल्योजे ॥ किणहिंनअटकल्योजे ॥ केसरानजे दाल ॥नगरसंध्यासुविशाल ॥ नारीनांहलोजे ॥मिलणउमाहलोजे ॥२९॥

॥ धन्यासिरीरागेंदोहा ॥

पवनजयतवपाधरो ॥ लंकनगरीजाय ॥ रूपलंकी परेंजेटिओ ॥ अतिशलिआयतयाय ॥१॥ रावणअकिरावणे ॥ शुभवेलासुविचारि ॥ वरुणोपरितनुंसेनपठयो ॥ दणजणलेअनुसारि ॥२॥ अजतोअंजनसुंदरी ॥ गरलंघरेतेणिवार ॥ शुसपणानुंकामजे ॥कोईनजाणेसार ॥३॥ गर्भतणेनवलदणे ॥ गर्भ लणाणोजाम ॥ केतुमतिसासुकहे ॥ किस्युंकियोजे काम ॥४॥ पवनजयपरदेशछे ॥ वहुचघारयोपेट ॥ ॥कुलजणुंकेईमहुसे ॥सोईहूओनेट ॥५॥

॥ढालनवमी जुमरुडानीदेशी ॥

केतुमतिकसीआरणीजे ॥ जालरूपणीहोई ॥ऊरमनगतिदोहेली ॥ वहकिस्युंतेंजेकियोजे ॥सालवि-

थंघरदोषी ॥ क०॥१॥ भोलिअलगणि न कुर-
णीजी ॥ थोमननोजिनमाह ॥ क० ॥ प्राणतजवाथाल-
लाजी ॥ अंजीषोअपवाद ॥ कर्म०॥२॥ मरवाथीइ-
शीजी विचेंजी ॥ शील रह्या संसार ॥ कर्म०॥ शीलभ-
लोसहुनेसहीजी ॥ सुंदरीनुं सिणगार ॥ कर्म०॥३॥
नंदनलोअपमानताजी ॥ भणतासहुकोय ॥ कर्म०॥
पणथारोअशतीपणोजी ॥ आनेनणाणुंनेय ॥ क-
र्म०॥४॥ रोवेराणीरावलीजी ॥ कु. जेहैयेनसमात
॥ कर्म०॥ हेजावीरसामुन्हडीजी ॥ पतिआगमनीवां-
त ॥ कर्म०॥५॥ जलतिवाषणीवेगसुंजी ॥ संभ-
लावेसहुलोग ॥ कर्म०॥ नामनलावेनेहनोजी ॥
तेहसुंस्योसंजोग ॥ कर्म०॥६॥ गिरिगिरार्थमु-
न्हडीजी ॥ हाथचढिकहिंआय ॥ कर्म०॥ सायींहो-
वेसुंदरीजी ॥ ज्युंनभोलावेमाय ॥ कर्म०॥७॥
निलंछीवचनेजरीजी ॥ आरक्षपुरुषांहाथ ॥ कर्म०
॥ डंदीनगरीजाहिरेजी ॥ साजीयलीतरसाथ ॥
कर्म०॥८॥ आरक्षपुरुषेंपाधरीजी ॥ पीहरेंआणी
सोय ॥ कर्म०॥ जाहिरभूंडीजाकुंथाजी ॥ अतोर्ग-
महिंनहोय ॥ कर्म०॥९॥ रात्रेजाहिरेंरहीजी ॥ कु-
रतीसोच्यासोच्य ॥ कर्म०॥ किणहिठामेंपडेंनहींजी
॥ आरतिमेंआलोच्य ॥ कर्म०॥१०॥ दीनमूर्छीगा-
ढीहूईजी ॥ आवीराजदुवार ॥ कर्म०॥ प्रतिहारीन-
वेंआवीनेजी ॥ डीधोरायजुहार ॥ कर्म०॥११॥

सर्वविरतंत सुणावतांजी ॥ राजनरोसधरंत ॥ क-
र्म० ॥ हाथघसेसिरधुणवेजी ॥ पश्चात्तापकरंत ॥
कर्म० ॥ १२ ॥ कुलवटकर्मसमाचरीजी ॥ कुलनेलिक
लगाय ॥ कर्म० ॥ आवीमुजहेजाडवाजी ॥ एकुण
ललपणथाय ॥ कर्म० ॥ १३ ॥ घनथीउपनेवीजली
जी ॥ अमृतथीविषवेलि ॥ कर्म० ॥ दीवाथीनेमका-
लीमाजी ॥ मुजथीएहमिमेली ॥ कर्म० ॥ १४ ॥ भ-
समक्रिशतिजुयरेछे ॥ पापणीपरहिनजाय ॥ कर्म०
अंगूठांतोअहिदुघाजी ॥ हंसियाथीनरजाय ॥ कर्म०
॥ १५ ॥ सघलानेकनेसुणीजी ॥ महोत्सवमंत्रिस ॥
कर्म० ॥ दांतेअडावीआंगुलीजी ॥ किस्योकहोछोर्ध-
स ॥ कर्म० ॥ १६ ॥ इहीजेटीपीहरांजी ॥ सुणीअछे
आवंत ॥ कर्म० ॥ जलथीअग्नीनउपनेजी ॥ काष्ट-
थकीउपजंत ॥ कर्म० ॥ १७ ॥ कुमरीछानीराखियेंजी
॥ भेटीसयलकहाव ॥ कर्म० ॥ छडयाछडयाथीऊ-
जलाजी ॥ होसेराधारव ॥ कर्म० ॥ १८ ॥ केतुभति
नामेसुणीजी ॥ अपकिरतिछेआहि ॥ कर्म० ॥ नूं
ठोदोषलगाडीनेजी ॥ जहुविगोचेवाद ॥ कर्म० ॥ १९ ॥ ला
राजकहेमंत्रिससुंजी ॥ तूंनविजाणेमर्म ॥ कर्म० ॥ सा-
सुबहुनेअवगणेजी ॥ एतोअछेअधर्म ॥ कर्म० ॥ २० ॥
अणमिलतभरतारसुंजी ॥ तिणहिभेपरदेस ॥ कर्म०
॥ पछेहुईगर्भणीजी ॥ एछेअंगविशेष ॥ कर्म० ॥
२१ ॥ ऊहर्याजित्तरकरोजी ॥ जननेअलगीअपार

॥कर्म०॥ मुझनवीदेखुंताहरशेंजी॥ सुंजकुलोविस्ता-
र॥कर्म०॥२२॥ दिनसूधेसूधूंसहुजी॥ वांकाथीअ-
तिवंक॥कर्म०॥ माणसनुंसारोनहींजी॥ एतिनव-
चननिसंक॥कर्म०॥२३॥ नृपआदेसेंपोलियेजी॥
क्रूरकरीतेजाल॥कर्म०॥ लोकविलापकरेघणुंजी॥भू-
लोरेभूपाल॥कर्म०॥२४॥ भूखीतरसीतलवलेजी
॥आंसुवरसेनयन॥कर्म०॥दर्भांकुरपदविंधताजी
॥पामेअधिकदुखचेयन॥कर्म०॥२५॥ पगेपगेगिर
गिरपडेजी॥तरुतरुलियेविसराम॥कर्म०॥ वसंत-
तिलकसाथणीजी॥ थयालिख्यचेताम॥कर्म०॥२६॥
गामनगरपुरपाटणाजी॥ नृपनीआणशकार॥कर्म०
॥पहिलाहिलकहिआवियाजी॥ कोमतद्योपेसार॥
कर्म०॥२७॥ वासोहिआणपावतीजी॥ धरतीअति
संताप॥कर्म०॥ पामीअटवीमोटकीजी॥ करतिअ-
तीहिविलाप॥ कर्म०॥२८॥ भाग्यहीनके भामनी
जी॥ सहुनीहुंसिरदार॥ कर्म०॥ एहपरालवदेज-
याजी॥ असरजीकिरतार॥ कर्म०॥२९॥ तातईस्यो
माताकरीजी॥ ईसीआभाईभूर॥ कर्म०॥ नाथक-
रेंथीलगईस्योजी॥ मरवोभूरिविभूरि॥कर्म०॥

रियंन्दनरेसरलहिये ॥४॥ प्रीयंगुलक्ष्मी नारीनि-
की ॥ प्यारी छे अतिशलभजकी ॥ सोसुरव्यविराणी
णेरेंआयो ॥ सिंहयंन्दजनामकहायो ॥५॥ धर्म
करीफिरदेवोमांहे ॥ सिंहयंन्दजीपल्योप्राहें ॥वै-
ताढ्येंअरुणपुरयाइ ॥ रायसुकंठअछेन्युंजीघाइ ॥६
॥ कनकोदरीराणीजेरेनंद ॥ नामेसिंहवाहनआनं-
द ॥ राजकरीचिरसोर्छलरेसर ॥ विमलनाथने तीर्थे
सुखकर ॥७॥ लक्ष्मीधरमुनिपासेपधार्यो ॥संयम
साधीज्ञानसुधार्यो ॥ दुःकरतपकरणीकरीसोई॥
लांतकसुरलोकेंसुरहोई ॥८॥ तुनजेहरेंसोआवी
चस्युंछे ॥ पुन्यवंतहोवेरेतिस्युंछे ॥ चरमसरीरी
उत्तमप्राणी ॥ होसेअतुलनंदनराणी ॥९॥ कन-
कपुरीनगरीनोनायक ॥ कनकरथराजसुखदायक ॥
राणीकनकोदरीयससयाणी ॥ बीजलक्ष्मीवतिअव-
जाणी ॥१०॥ कनकोदरियेंनंदनजायो ॥ रूपकलाक-
रीआधिकसुहायो ॥ लक्ष्मीवतियेंछुपायोजोलो ॥
माताजदुःखहुओअसरालो ॥११॥ वलवलतीदे-
खीतवराणी ॥ पडोसणीजोसेतववाणी ॥रेलूंडीतें
आंसुंडीधो ॥ मातार्थीजालकर्योरीसीधो ॥१२॥ दु-
र्छजिसाणीराणीआपे ॥ मानापासेंजालकथापे ॥
बार घडीनोअंतरकीधो ॥ तेथीअशुभकर्मफलसी-
धो ॥१३॥ देवधर्मगुरुसुधासेवी ॥स्वर्गसुधर्मेहुई
देवी ॥तिहांथकीतुंआवीसीधि ॥ अंजनासुंदरीना-

मंप्रासेध्यि ॥१४॥ मातापुत्रअंतरराणी ॥ तेहन-
णांकुलालिखेछेयाजी ॥ कीधांकर्मनछूटेकोई ॥ अं-
तरनयणेलेजोजोई ॥ १५ ॥ तवतूं हूतिजोगिनीजे-
हनी ॥ अनुमोदिथीकरणीतेहनी ॥ तेमाटेदुःखपा-
मेसाथें ॥ कीधोलालेहाथोहाथें ॥ १६ ॥ भोगपज्ये
छेएसहुकर्म ॥ आजथकीजीपजशेसर्म ॥ दिनदिन
सातावर्धतिजसे ॥ शीलसतीनुंआधिकउद्दासे ॥१७
॥ आवसेएकुमरीनोमामो ॥ देज्याथीलेसोविश्रा-
मो ॥ तुमनेनिज घरलेईजसे ॥ पतिमेलोपणवेगें
थासे ॥ १८ ॥ एमसुणीसुजपामिगादो ॥ ऋषीनुं
वचनसहाछेदादो ॥ परउपकारीऋषिपांगरियो ॥
गगनगतिगगनेसंचरियो ॥ १९ ॥ सिंहएक आ-
व्योतजयाली ॥ थरथरधुजणलागीजालि ॥ आ-
व्योतवजेचरमणीचूड ॥ सरलकूपडीयोप्रतिकूल ॥
२० ॥ नाठोकेसरीवारनलागी ॥ सुंदरीनीएआरति
लागी ॥ मुनिसुव्रतजिनधर्मकरंति ॥ वर्त्तेछेयुलन-
तिअनुसरति ॥ २१ ॥ दिनपुगाप्रसव्योवरपुत्र ॥ ज-
णेवध्युंतघणोघरसुत्र ॥ सकलकलालक्षणगुण
पूरो ॥ होसेएकुंवरअतिसूरो ॥ २२ ॥ प्रसूतिकर्म
करेउत्कर्षे ॥ वसंतातिलकासाजिसुरूपैं ॥ एकसुखे
करुछेसमजावि ॥ आपदभंडुजलेंचवदावी ॥ २३ ॥
सुतनेआरोपीरेउछंगे ॥ सुंदरीकु अम्माणेजकु
लंगे ॥ रुदनकरंतिमूर्च्छाआवे ॥ दुष्टदेवनुंईमसुज

पावे ॥२८॥ एहवासुतनोतोअनिओच्छव ॥ घरें
पिताकरतोरेमहोत्सव॥ मेंअजरांकडीयेंस्युंथाय ॥
एमायेंतंयतांहेयुंलशाय ॥२५॥प्रतिसूर्यनामेएग
एक ॥ आईगियोमनआणिविवेक ॥ ३६नतणोतेपू-
छेजरण ॥आपेशपेंछेकुंजनुंयारण ॥२६॥ वसंत-
तिलकपासेंकहावे ॥ आदिअंतयीयरित्रसुणावे ॥सो
लाषेंहुंमामोथारो ॥ पुत्रिआरतिशकलनिवारो ॥२७
॥लगनलेईनेवेलासाधे ॥वेलासाधतांमनवाधे ॥ अ-
हणिंयाछेएहनालेहवा ॥ महोछवनालेईथैरेतेहवा
॥ लाणेञ्सुतसजीसमेत ॥वैमानेजेसाडीसुहे-
त॥ निजनगरेंथैयाल्योल्लय ॥ हर्षघणुंहईयडेन
समाय॥२८॥ यानतणाकिंकणनोनाद ॥ अनेसुणी
ऊपन्योअह्लाद॥साह्मयानेजोवासियोल्लम ॥मा-
यगोदथी छटकियोताम ॥३०॥ पड्योपरवतऊपर
आई॥ परवतत्योटसक्युनसहाई ॥ जालकनेत्नारें
त्युराणु ॥ वनु पड्यानिमतिमअधिडाणु ॥३१॥एम
लनसुंदरीआणेहुक्म ॥ मुलहु जियारीनेस्यासुंज ॥
लएयोयोसुतनोमुखल्लेवंत॥ दिनलरसुहर्षेंहोवं-
त॥३२॥ पाछलथीमामोअतिघसियो ॥ जालक-
नेदेखीमनहसियो ॥ आलनआविडोईदीसे ॥पु-
ण्यवंतओवत्वावीसें ॥३३ मातानेआ[illegible]सुत
[illegible]ष्युं ॥ मातायेंसुतहेयडेयाप्युं ॥ हरखेंनन[illegible]
पुत्रसा[illegible] ॥पुत्रा[illegible]नानाना[illegible] ॥३४॥ हनु

पूरेपुरवरधोरियछवडाणे ॥ लाणेव्लनेभंदिरआणे ॥ सथलकुटुम्बतणेमनमानि ॥ कुलदेवीतिमतिप्रसन्नमानी ॥३५॥ भामेनामदियोहनुमान ॥ चंद्रकला तिमवधतोवान ॥ शैलपूरवेअपरविधान ॥ प्रगट मस्योश्रीशैलप्रधान ॥३६॥ रानहंसजेमक्रीडाकरतो ॥ वाधेअंगलआनंदधरतो ॥ दसमीढालकहीसमभावे ॥ उंसरानानेसाधसुहावे ॥३७॥

॥ शोरठरागें दोहा ॥

सुनभुजानिरेजहुरेजअति ॥ दिरीअसतिअह्णोल ॥ सालसरिजासाजही ॥ व्हेसीरयेदया कुंजोल ॥१॥ सोदिनजजहींआवसे ॥ घरआवित्नश्तार ॥ लोगां मांहेंवोलसा ॥ उदिकरसेकिरतार ॥ पवननयपरगटपणे ॥ प वरुणतीवडाय ॥ जरहुजणछोडाविया ॥ रावणनेसुजयाय ॥३॥ रावणलंकआवियो ॥ पवननयप गेलागि ॥ घरआवणनेउमह्यो ॥ मलुनीअनुमतिमांगी ॥ ४॥ मातपिता पगप्रणमिया ॥ नारीनिरजणनेह ॥ अनकुलाणजणदेजवे ॥ मनमेंजतीअदेह ॥ ५ ॥

॥ ढाल इंग्यारमी ॥

(रायजेगारनागीतनी देशी-)

पूछिहोपूछिडोईनारि ॥ लाधेहोलाधेरूपप्रतेभलो जे ॥ सुंदरीहोसुंदरीकेरीचाल ॥ वातनहोवातनसह तुमसांभलोजे ॥१॥ गर्भहोगर्भतणोजहीनाए ॥

देजीहो देजीजीकुसासुजरीअे ॥ भणीहोभणीयान
तविशेष ॥ कदीहोकदीसाघरजाहिरेअे ॥ २ ॥ आर-
क्षहोआरक्ष पुरिषांसाथ ॥ पिहरेंहोपिहरियेंसामोक-
लिअे ॥ आगेंहोआगेंभणेदेव ॥ विलकहोचितकवि-
चसीलसीअे ॥ ३ ॥ वनुहोवनु समोअेजोस ॥ निसु-
णिहो निसुणीसुसरडे आव्यो सहिअे ॥ सुसरो हो सुस-
रो जोसेअेम ॥ आवीहो आवीपणराजीनहींअे ॥ जालंग-
लहोलंगलमांहेभय ॥ गिरिहोगिरि गिरतइ तइभे-
दयाजे ॥ सुध्धीनहो सुध्धीनपामिकेय ॥ आपु-
णहोआपुण ऊदासीहोदयाजे ॥ ५ ॥ मित्रलहो
प्रहसीतनामेऊदार ॥ सार्थेहोसार्थेचदेवसुधायणी
अे ॥ भईहोभईतुंहिलआपे ॥ जापलहोजापअ-
नेमातालणीअे ॥ ६ ॥ अेमलहोअेमकहीतुंजाव ॥
क्षाधीहोलाधीनहींछेसुंदरीअे ॥ अेघटहोअेघटकेरो
होम ॥ करयोहोवांछेप्रभुनिश्चयकरिअे ॥ ७ ॥ सुणतां
होसुणतांअेविपरीत ॥ मालाहोमातामूर्च्छाणीघणी
अे ॥ सीतलहोसीतलकरीऊपचार ॥ मूर्च्छाहोभेटीमा-
ताकुतणीअे ॥ ८ ॥ मित्रलहोमित्रसंघातेंलाभ ॥ मा-
ताहोमाताओसंलो दिअेअेटलोअे ॥ वालोहोवालो
थाशेविशेष ॥ कंईहोकंईतेंवीशेमेल्योअेकलोअे ॥ ९ ॥
साध्योहोसाध्योदैवविच्यार ॥ आपणहोआपडियोक-
लभोगवुंअे ॥ विणठीहोविणठीवातअपार ॥ सुत-
नेहोसुतनेक्युंकरीभोगवुंजे ॥ १० ॥ रोवेहोरोवेसाअ-

सराल ॥ नयणांहोनयणप्रेनालानिमयहेऍ ॥ ऍ
नगहोऍनगमहोदोन्याय ॥ नेह्वोहोनेछेतेह्वो रे-
ललहेन्ज ॥ ११ ॥ राल्नहोराल्नलहुलेसाथ ॥ याल्यो
होयाल्योपुत्रगवेषणेऍ ॥ जेयरहोजेयरडेर्घहुल्नर ॥
धायाहोधायासुतसोधनलणीन्ज ॥ १२ ॥ लाडहो
लाडऽजडडील्नम ॥ नंपाहोनंपावेछेनेतलेऍ ॥ पूर-
वहोपूरवपुन्यप्रमाण ॥ तातन्जहोतातन्जआव्योने-
तलेऍ ॥ १३ ॥ साहिहोसाहिराज्योसोर्ध ॥ लाडहो
लाडऽअलगानाजिऍआऍ ॥ ज्ञवतहोज्ञयतनेडल्याए
ण ॥ हेतलहोहेतलघणाडहिदाजियाऍ ॥ १४ ॥ अ-
जलाहोअजलाडऍडम ॥ सजलाहोसजलातोर्घम
डिमडरेऍ ॥ यारीहोयारीतोऍमाय ॥ तुलविणहो
तुलविणतोनिश्चेंमरेऍ ॥ १५ ॥ जेयरहोसोधनगया
ताजेहा हनुपुर होहनुपुरवरेंआविआऍ ॥ सुंदरीहो
सुंदरीनेपगेलागी ॥ वितडहोवितडसहुसुणाविया
ऍ ॥ १६ ॥ विव्हलहोविव्हलअधिडोहोय ॥ घरनेहो
घरनेथोप्रलुआगमेऍ ॥ लजियोहोलजियो तुल
अवतार ॥ डरताहोडरतारेंतुललागमेऍ ॥ १७ ॥
ऍटलेहोऍटलेआयोतात ॥ राज्योहोमरवाथीतल

याईयेंअे ॥१९॥ रयियोहोरयियोतामविमान॥
ल्नणेहोल्नणेणिग्योहिनपतिअे ॥ भामोहोमामो-
ळनेआप ॥ सुतसुंहोसुतसुंयालीसासतीअे ॥२०॥
सोघतहोसोघतचनणीघ्यान ॥ लूपनहो भूपन व-
नेआयाय्यलीअेा॥मित्रेहोमित्रेदीठोतामविमान॥ लूपे-
तिहो लूपतिसुंलाषे लसोअे ॥२१॥ आपोहो आपो
मुलनेईस ॥ आछीहोआछी आनवधामणीअे ॥
नयणेहोनयणेनीरजीनारि ॥ नंदनहोनंदन नंदसि-
रोमणीअे ॥२२॥ अमृतहोअमृतवूठोमेह ॥ यिंत-
वणहोयिंतवणयिंतेयाहसुंअे ॥ प्रेणमेहोप्रेणमे
सुसरापाय ॥ नयणाहोनयणातेहणीमाहसुंअे ॥२३
॥नंदनहोनंदनलीघेगोद ॥ रूडोहोरूडोनेरलिआमणुं
अे ॥ रह्योहोरह्योकंठलगाय ॥ सुंदरहोसुंदरनेसोहाम-
णुंअे ॥२४॥ वाइहोवाइ वारचजाएण ॥ वहुअरहो
वहुअरनेमामातणाअे ॥ मलुळहोमलुळतुम पर-
साद ॥ अमघरहोअमघररंगवधामणाअे ॥२५ ॥
सुंदरीहोसुंदरीनामायबाप ॥ लाईहो लाई लोल्न-
ईसहुअे ॥ माताहोकेतुमतिपणआपे ॥ सालनहो
सालनआविमल्यासहुअे ॥२६॥ हनुरुहहोहनुरुह
पुरवरेंआय ॥ ओछ्छवहोओच्छवअधिकेमांडी-
ओअे ॥ लोबनहोलोबनवरतंजोस ॥ घनेहो घने
दालिन्दजांडीओअे ॥२७॥ दिनदशहोदिनदश
तांईताम ॥ सालनहोसालनसहुअेगहगहेअे ॥ प-

हुताहोपहुतानिजनिजगेह ॥ भलुंछहो वहुसुतसुं रेतिहांरहेज्ये ॥ ८८ ॥ कुंअरहो कुंअरआचार्यजीनेपास ॥ पढिओहो पढिओपाउजनेउनेछ ॥ जहुतेरहो जहुतेरहीविज्ञान ॥ भणेहोभणेविनयविवेकने ज्ये ॥८९॥ विद्याहोविद्यासाधनकीध ॥ हूओहोहूओअधिकसअनछज्ये ॥ढालजहोढालइग्यारमी अेह ॥ लाधेहोलाधेंमुनिकेसरालछज्ये ॥७०॥

॥ रामगिरिरागेंदोहा ॥

वरुणभतेरावणवली ॥ मेलेकटकअपार ॥ मतिसूरजनेपवननृपे ॥ जोलाव्यातेणीवार ॥ १ ॥ दोईभूपतिआवतां ॥ निषेध्याहनुमान ॥ आव्योआडंवरघणे ॥ रावणपेराजान ॥ २ ॥ सुग्रीवादिकजेखेचरा ॥ वरुणसाथेंसंग्राम ॥ रावणनेवरुणातमज ॥ वान्यातामहुमांम ॥ ३ ॥ नंदनवरुणतणेघणु ॥ जेघुरावणलम ॥ हनुमंतेतेजांधिया ॥ विद्यानेजलेताम ॥ ४ ॥ हनुमंतआपेरवरुणजु ॥ आवेहोईविकराल ॥ रावणरोसअतीघणो ॥ छत्योनेततकाल ॥ ५ ॥ छत्योवरुणविशेषथी ॥ नृपनेकरेजूहार ॥ थाप्योथानकेतेहने ॥ अजनहीजुंणसलिगार ॥ ६ ॥ वरुणघरेंछेकन्यका ॥ सत्यवतितसुनाम ॥ परणावीहनुमंतने ॥ भणीवरआलिराम ॥ ७ ॥ पुत्रीसुर्पनिजातणी ॥ अनंगकुसुमानाम ॥ हनुमंतनेविवाहसही ॥ रावणभणीसकाम ॥ नापद्म

सुराणापुत्रिजाः ॥ वानरपतिनीजेई ॥ नलराजाहरि-
मालिनी ॥ परणावीजेदोई ॥ ९ ॥ अनेरविद्याधरें
॥ पुत्रीजेकहजार ॥ परणावीहनुमंतने ॥ धर्मेसदा
तथउार ॥ १० ॥ रावणनोआदरलही ॥ परणीनारिअ
मंद ॥ हनुमंतआव्योनिजघरें ॥ मातपिताआनंद ॥ ११
॥ जनतिथिलानगरीभली ॥ हरिवंशीराजान ॥ वास-
वकेतुसुहामणो ॥ विपुलानारिसुजाण ॥ १२ ॥ तेजप्र-
तापेंआगलो ॥ जनकनामेंजगजेय ॥ प्रजाजनेपालण
भणी ॥ जनकसरिखोहोय ॥ १३ ॥

ढाल बारमी. चोपाईनी देशी.

पुरिअयोध्याप्रगटेनाम ॥ राजकरेंआदेसरस्वाम ॥
सुनंदासुमंगलावली ॥ नारिनिरूपमगुणआगली
॥ १ ॥ सुमंगलानाजयानंद ॥ नवांगुंआनंदनाकंद
॥ सुनंदायेंजायोजेक ॥ जाहुजलतसुख्यविख्यलटेक ॥
२ ॥ सोपुत्रोमांमोटोमही ॥ पाटोधरजरतेसरसही
॥ सवाक्रोडीनंदननेहने ॥ सूर्यजशाभुजियोतेहने ॥ ३
॥ सूर्यजशाथीसूरजवंस ॥ पृथ्वीमांहेअधिकप्रसंस
॥ पुरुषअसंख्यहुआलेटले ॥ मुनीसुव्रतवारेंतेटले ॥
४ ॥ विजयरायमहोटोराजान ॥ हिमचूलातसुनारि
प्रधान ॥ जयानंदनातिन्नहोय ॥ वज्रजाहुपुरंदरजे-
य ॥ ५ ॥ नगरअहीपुरछेआलिशान ॥ हिमवाहन
राजानोनाम ॥ चूडामणीनामेवरनार ॥ पुत्रभलोर-

मासुविचार ॥ ६ ॥ वलुजाकुसुंडीधोविवाह ॥ मनमां
आणीअतिउछाह ॥ सुंदरीलेईयाल्योजम ॥ शिघ्य-
सुंदरशालोताम ॥ ७ ॥ पोयावणनेहुवोसाथ ॥ प्रीति
लणीलीधोनरनाथ ॥ वाटेगुणसागरऋषीराय ॥ दी-
ठोहेडीलागोपाय ॥ ८ ॥ वारोवारप्रसंसाकरे ॥ लय
हुःजथीआतमउधरे ॥ दर्शनिदीठोऋषीराजनो ॥ धन-
नहोधनवासरआजनो ॥ ९ ॥ हांसीमिसेशालोकहे
एम ॥ घणुंघणुंप्रसंसोकेम ॥ लणुंलेसोसंयमभला-
र ॥ कुमरकहेअमएहविचार ॥ १० ॥ शालोलाषेंदी-
लोसांई ॥ दिवशगयोइरिनावेंमांहि ॥ संयमसाथें
विमासणकिसि ॥ माहरेमनपणएहिजवसि ॥ ११ ॥
कुमरकहेजेसघलीसही ॥ वातविशेषेंलीधीचही ॥ तुं
मतयूकेजोजीवाच्य ॥ सालोलाषेंजणोसाच्य ॥ १२
॥ संयमलेवायथयोहुसीयार ॥ ऋषीनेकहेतारोसंसार
॥ शालोकहेकांसायोकरो ॥ विवाहतणागीतमनमां
धरो ॥ १३ ॥ कंकणनवीछूट्योताहरो ॥ एहमनोरथ
जूठोमरो ॥ तुजपीयुंपाजेजेसुंदरी ॥ मरीजसेदुः-
षलारेंभरी ॥ १४ ॥ कुमरकहेकुलवंतीएह ॥ नाहस-
रिजोराजेनेह ॥ तोतुंकांसंयमनआदरे ॥ नारीनाह
करणीअनुसरे ॥ १५ ॥ तुंतारीभगिनीसमजाव ॥
तुंपणसंयममारगेआव ॥ दुःषपूर्वकसंसारीसुष ॥
पाछोहिंडेजचोदुःष ॥ १६ ॥ नारिनाहनेशालोसाथ ॥
व्रतलीधांगुणसागरहाथ ॥ अवरहीकुंअरपणवीसा ॥

चरणग्रहेतजविन्चावीस ॥१७॥ हांसीथकीजीपज्ज-
एधर्म ॥ धर्मथकीलेसेशिवशर्म ॥ सोहिसगोजग-
मांहेलसो ॥ धर्मकशावेजीतावलो ॥१८॥ एहसुणी
श्रीविजयचनरेस ॥ वैरागेमनआणीविशेष ॥ पुरंदरने
देईराज ॥ राजचेसार्यांनिजकाज ॥१९॥ पुरंदरसुत
सोहामणो ॥ जचोपृथ्वीराणीतणो ॥ कीरतिधरनेप-
दवीदीध ॥ राजयेंसंयमव्रतलीध ॥२०॥ कीरतिधर
नृपजीदासिओ ॥ संयमसाथेमनवासिओ ॥ नकरे
राजतणीसंभाल ॥ मंत्रीसरभाखेसुविशाल ॥२१॥
जजघरजीपजनंदनथाय ॥ तजतुमसंयमलेजोराय ॥
भूपघणानोपाल्योराज ॥ तुमपगथीजएछेआज
॥२२॥ न्हानाहिंलोगान्नेसोच ॥ तुममनकेमनकरो
आलोच ॥ जेहनेपाछेनहींसंतान ॥ तेहनांघरतोक-
हूंमसाण ॥२३॥ एमसुणतांढीलोपड्यो ॥ विष-
यसुजजीपरमनअड्यो ॥ सहदेवीनामेकामिनी ॥
भाग्यवतीछेभासिभामिनी ॥२४॥ सुकोशलसुत
ऊपनोनिसे ॥ गुप्तपणेसोराख्योतिसें ॥ जणयो
नृपथासेसंयमी ॥ राजऋषिरमणीनेवमी ॥२५॥
जणयोराजभेदनेवार ॥ सुतनेसोप्युंपृथ्वीभार ॥
समतारससाथेंचित्तधरी ॥ रायेंवरीतवसंयमसिरी
॥२६॥ एहजारमीढालअनूप ॥ संयमव्रतपाले
भलोभूप ॥ केसराजऋषिराजवखाण ॥ उत्ताथा-
एजन्मप्रमाण ॥२७॥

॥ सिंधुरागे दोहा ॥

पढ्योगुण्योमतिआगलो ॥ करतोउग्रविहार ॥ दि-
नकेतानेआंतरे ॥ फिरतोसोअणगार ॥ १ ॥ पुरिजनेध्या
आविओ ॥ लेवाकाजेआहार ॥ मध्यदिहाडेतावडे ॥ हिं-
डेघरघरजार ॥ २ ॥ अनजलमासांनगघणा ॥ तिणहीं
मांहेअेह ॥ राणीकुंजरीअेरायनें ॥ दिठउरमोसनेह
॥ ३ ॥

॥ ढाल तेरमी ॥

(देशसौरठ द्वारापुरी, अे देशी)

अई अई कर्मविटंबना ॥ राणीरानलारोरे ॥ आपक-
रे अविनयघणो ॥ जेमोटोअविचारोरे ॥ अई० ॥ १ ॥ गो-
जेज्ञेठीगोरडी ॥ नगरनिहालणहेतोरे ॥ फिरतोऋषी
अवलोकिओ ॥ कुकाणांतसनेतोरे ॥ अई० ॥ २ ॥
आपगयोमुनिनेतजी ॥ लेईअसेअेपुतोरे ॥ वैरीवि-
धिप्रेरकनो ॥ आयोकरणकसूतोरे ॥ अई० ॥ ३ ॥ प-
तिरेगयार्थीपुत्रसुं ॥ जांघीरहीछेनेहोरे ॥ पुत्रगयाक-
रसुंकिस्यो ॥ मुनिमनजेहअंदेहोरे ॥ अई० ॥ ४ ॥ अं-
ततपाणीआकरी ॥ नरहीसुद्धिसिणारोरे ॥ पुत्रनवा-
लोपतीथकी ॥ अेजगनोव्यवहारोरे ॥ अई० ॥ ५ ॥
अन्यसुलिंगीआकरा ॥ आवीअडिआतामोरे ॥ क-
ढिओनगरीबाहिरें ॥ नेवामिलिओगामोरे ॥ अई०
॥ ६ ॥ ईरडारोनणलणमुंजे ॥ राणीसाथेंरोसोरे ॥
अेरनयालेकोईनो ॥ पणजाणेअपसोसोरे ॥ अ-

र्हं०॥७॥ धायन्युंआवीरोवाति ॥ शलनजनेपासेरे
॥कारणपुछ्योराजने ॥ लाषेंधायणीहासेरे ॥अर्हं०॥
८॥ तातनुमारोदेवजी ॥ तपकरीहुर्जलमाहेरे ॥ लि-
क्षालेवाकारणे ॥ आयोथोणीच्छाहेरे ॥ अर्हं०॥ ९॥
राणीसेवासांच्यवी ॥ तेतोकहियनलयरे ॥ पुरवला
परिच्यलगी ॥ अेमुलहीयुंलशायरे ॥ अर्हं०॥१०॥
अेमसुणतांवेगसुं ॥ गहाजरियोलूपालोरे ॥ वंदना
करघातातने ॥ आयगयोतत्कालोरे ॥ अर्हं०॥ ११॥पन
गेंलागीबीलोरह्यो ॥ मग्योसंयमलारोरे ॥ जगमां
कोर्हकेहनोनहीं ॥ स्वार्थिओसंसारोरे ॥ अर्हं०॥१२
॥करजोडीनेविनवे ॥ देविच्यित्रनमालारे ॥ सुतविण
थितिकेमच्यालसे ॥ लाषेंरायरसालोरे ॥अर्हं०॥१३
॥गर्लअछेणीहरताहरे ॥मेंतसुदीधोराजरे ॥ अंतरा-
यकोर्हमतकरो ॥ सारणदेजोकाजरे ॥ अर्हं०॥१४॥
तातपासेंथीसमाच्यिस्यो ॥ च्यारित्रच्योजेच्यारोरे ॥वा-
तसुणंतमुर्हसही ॥ नवसहदेवीमायोरे ॥अर्हं०॥१५
॥ कांर्हअेकआर्त्तिध्यालमां ॥ कांर्हअेकक्रोधपरिणामो
रे॥ वलमेंहुर्हवाघणी ॥ गिरिगुहिरतसठामोरे ॥अ-
र्हं०॥१६॥ किरतिधरनेसुकोसलो ॥ बापपुत्रअेदो र्हरि
॥च्योजोच्यारित्रपासतां॥ विच्यरेमुनिवरसोर्हरि ॥ अ-
र्हं०॥ १७॥ गिरिगुफानेअनुसरी ॥ करतांतपणीपचा-
सोरे ॥ समतारूपेंविच्यरता ॥ रहियाच्यौमासोरे
॥अर्हं०॥१८॥ कार्तिकपूनिमकारणे ॥ नगरलणी

आवंतारे ॥ एटलेआवीवाघणी ॥ ऋषीसामीधा-
वंतारे ॥ अर्ह० ॥ १९ ॥ तातकहेसुतसांभलो ॥ एह
उपद्रवआयोरे ॥ कोपादेमुजआगले ॥ सुतबोलंत
सुहायोरे ॥ अर्ह० ॥ २० ॥ पाछापगलपाठवुं ॥ क्षत्री-
नोएधर्मोरे ॥ सहुउपद्रवआनऐ ॥ साधसुंशिव
सर्मोरे ॥ अर्ह० ॥ २१ ॥ ऊंह्रांह्रींउलभोरह्यो ॥ आरा-
धनविधिसाध्योरे ॥ ममतामुकीदेहनी ॥ आतमगुण
आराध्योरे ॥ अर्ह० ॥ २२ ॥ विघुतपाततणीपरे ॥ वाघ-
णीतोविकरालोरे ॥ आवीपडीसुतउपरें ॥ धरणीप-
ड्योऋषीजालोरे ॥ अर्ह० ॥ २३ ॥ विदारेनखआंकुशें
॥ वालातनुनीयामोरे ॥ तिरसीएवलिख्यातितिरसथी
॥ पीवेलोहीतामोरे ॥ अर्ह० ॥ २४ ॥ नोडीतोडीतन-
तणुं ॥ जाणेतजसामांसोरे ॥ विकुरीनाख्योघणुं ॥
कीयोअधिकअभ्यासोरे ॥ अर्ह० ॥ २५ ॥ अमृतनेक-
वलेंकरी ॥ पोजीथीनेदेहोरे ॥ वैरथिनाहींवाघणी ॥
तोडीनाखीतेहोरे ॥ अर्ह० ॥ २६ ॥ चढतेपरिणामें
करी ॥ पाम्योकेवलनाणोरे ॥ कुसलपणेरेसुकोसलें
॥ साध्योपदनिरवाणोरे ॥ अर्ह० ॥ २७ ॥ कीरतिधर
करणीजलें ॥ कर्मतणोक्षयकीधोरे ॥ मोक्षेपहुतोके-
वली ॥ नरभवनोफललीधोरे ॥ अर्ह० ॥ २८ ॥ तेरसन
मीओढालमें ॥ बेरसपोष्योतेणेरे ॥ केसरालरसओ-
ह्वो ॥ पोषायकहोकेणेरे ॥ अर्ह० ॥ २९ ॥

॥ गोडीरागें दोहा ॥

चित्रसुमालाराणीयें ॥ जयोसुंदरनंद ॥ हीरण्यगर्भ
नामेभलो ॥ शत्रुकंदनिकंद ॥ १ ॥ हीरण्यगर्भघरेंगो-
रडी ॥ मृगावतिअभिराम ॥ नघूजनामेंसुतजनमीयो ॥
दुःखितजनविश्राम ॥ २ ॥

॥ ढाल चौदमी ॥

(माई धन्यदिवस, ए देशी)

हीरण्यगर्भनृप ॥ देखीधोलोकेस ॥ देखीआलोचे न-
ई ॥ जेनभडूतविशेष ॥ १ ॥ ततक्षणतेशल्य ॥ न-
घूउकुमरनेराज ॥ आपीआपणपे ॥ सारेआतम
काज ॥ २ ॥ राजघरेराणी ॥ सिंहिकाअभिधान ॥
सासजविधिजाणे ॥ सूरपणेसुविधान ॥ ३ ॥ उत्त-
रपंथेनानृप ॥ जीतणयालयोराय ॥ दक्षिणपंथना
नृप ॥ भज्याअन्नेघ्याआय ॥ ४ ॥ राणीएजयथा
॥ कीसजवलसंग्राम ॥ सिंहणीनेआगे ॥ गजज्युं न
तनेठाम ॥ ५ ॥ नृपजीतीआयो ॥ निसुणीएहवुं-
दंत ॥ गाढोदुःखपायो ॥ अभिनीजपरकंत ॥ ६ ॥ ए
छेविलियारणी ॥ नहींतरएहवोकाम ॥ नकरेकोई

मगटेअवसरजाणी ॥१०॥ मेंनिजपतिटाली ॥ अ-
वरजवळ्योजेई ॥ तोसासनदेवी ॥ सानिध्यकरजे
सोई ॥ ११ ॥ ईमकहेतीराणी ॥ ईरख्योराजअंग
॥ हरिवाहनआयां ॥ लाग्युजयलुयंग ॥ १२ ॥ ति-
मवेदनानाठी ॥ दीठीदेहनिरोग ॥ राणीसुराख्यो ॥ पं-
चेंन्द्रीसुखलोग ॥ १३ ॥ राणीजीदरेंणीपरल्यो ॥ पुत्र
ललोसोदास ॥ परयापीजापें ॥ सयमसुंसुजवास ॥
१४॥ सौदासनरेसर ॥ जगर्छेउणीच्छाह ॥ मंगळ
गाये ॥ श्रीजिनगुणअगाह ॥ १५ ॥ तजजवदया-
नो ॥ पडहोरायवजावे ॥ मंत्रीसरजोले ॥ अेतो सु-
ननेसुहावे ॥ १६ ॥ तजपूर्वलपुरुषें ॥ मांसनलेण-
हीजायो ॥ तुमहीतिमत्यासो ॥ जेयांहेजशपायो
॥ १७ ॥ दाक्षिणथीमानी ॥ पणमनमेंनसुहाणी ॥
ले कुवशनपडिआ ॥ तेलोपापीप्राणी ॥ १८ ॥ नृप
सुदसघातें ॥ गुप्तपणेंकहेराय ॥ सणअेकहिमेंतो ॥
मांसपेजेनरहाय ॥ १९ ॥ तुंहेतुमहारो ॥ जेमुज-
नेदीअेमांस ॥ सोच्योनवीपावे ॥ दीठोकरीयप्रयास
॥२०॥ सेकजालिकमुओ ॥ नृपनेआणीजिवाडे ॥
माणसनेमांसे ॥ स्वादघणेरोपावे ॥ २१ ॥ गीधोतव
राजा ॥ नित्येंअेकमरावे ॥ यज्यौनवीमाने ॥ लोउ
असातापावे ॥ २२ ॥ मंत्रीसरमहोटो ॥ राजतणो
रेजवालो ॥ उर्ह्यकहीउमजावे ॥ राजनविद्दिअेटालो
॥२३ ॥ तवजांघीडामो ॥ डाडीमेंयोराज ॥ थापडणि-

थ्थापेउ ॥ लोकसघहीताजन ॥ २४ ॥ सोघसतणोसु-
त ॥ न्यायवंतनरेस ॥ सिंहरथथीरथाप्यो ॥ सुजध-
र्मसुविशेष ॥ २५ ॥ भूपतिअतिभत्तो ॥ दक्षिणदि-
सीयलिआवे ॥ देजीएकमुनीवर ॥ गादीसातापावे
॥ २६ ॥ पुछेतवधर्मन ॥ मुनिवरभाषेवांउ ॥ परिह-
रियेमांसन ॥ अद्भपरिहरियेदाउ ॥ २७ ॥ जोजीनें
नरके ॥ ओजीलेपहुचावे ॥ धर्मसुणतांमनमें ॥ रा-
जाअतिपावे ॥ २८ ॥ पच्चेजाणकरेनृप ॥ मांस
जनेमदकेरो ॥ तवश्रावकहूओ ॥ जाणेधर्मजलेशे
॥ २९ ॥ महापुरस्यालिआयो ॥ शुलकर्मनोप्रेस्यो ॥ सु-
जदेपरधाने ॥ आवीनेनृपघेस्यो ॥ ३० ॥ तजदिव्य
सुपंचे ॥ महानगरनोराजा ॥ सहुलोगमान्यो ॥
वाध्योअधिकदीवाजा ॥ ३१ ॥ तवपूरिअयोध्या ॥
हुतमोकलिओजेउ ॥ सुतसेवाआवो ॥ केतुमसाहे
टेक ॥ ३२ ॥ सुतवातनमाने ॥ राजादलजलसाजे ॥
सुतपणसामहियो ॥ सन्मुखआयविराजे ॥ ३३ ॥
तवतातपुतदो ॥ लडियाविविधप्रकारे ॥ हारयोतव
नंदन ॥ कुत्योतातत्तिवारें ॥ ३४ ॥ विलजाणोदे-
जी ॥ राजाआंतलपाणी ॥ जोलेजेसाड्यो ॥ जा-
लक्षआपणोजाणी ॥ ३५ ॥ दीधांदोजेराज ॥ राजा
संयमधारी ॥ विचरेमहिमंडल ॥ षटकायाहितउ-
री ॥ ३६ ॥ सिंहरथराजानो ॥ राजाश्रीब्रह्मरथ ॥
च्यतरयुजराजा ॥ हेमरथसतरथ ॥ ३७ ॥ उदय

पृथुराजा ॥ वारीरथससीरथ ॥ आदीत्यरथराजा ॥
मानधाताशमरथ ॥३८॥ नृपवीरसेनजु ॥ प्रेत्युम-
न्युभानितो ॥ नृपपेपमर्जंधुजु ॥ रवीमन्युजाणीतो॥
३९॥ सबहीमन भावे ॥ वसंततिलकनरेस ॥ कुमेर
दत्तजु नृप ॥ कुंथुशरजविशेष ॥ ४०॥ धीरदनृपनी-
को ॥ सिंहदर्शनादिलपाक ॥ नृपहीरण्यकसिपुजु ॥
नेहनीजगमेंधाक ॥ ४१ ॥ पुंजस्थलप्रौढा॥ ककुस्थने
रघुराय ॥ एसूरजवंशी ॥ राजासहु सुजदाय ॥४२॥
कोईमोक्षपधास्या ॥स्वर्गपधास्याकोई ॥ एवंशवडे-
रो ॥ विश्वविदितोजोई ॥ ४३ ॥ अनरण्यनरेसर ॥ अ-
योध्यानुराज ॥ करतोअतिवर्ते ॥सारेप्रजानां काज ॥
४४ ॥ तेहनादोनंदन ॥ अनंतरथअधिकाय ॥ दशर-
थदिल दरियो ॥ शोभा कहियनजाय ॥ ४५ ॥ अ-
न्यरण्यनरेसर ॥ जेयरसुंमित्राई ॥ साथेंव्रतलेशे
॥ आपएहसगाई ॥ ४६ ॥ सोलह स्सकिरणनृ-
प ॥ रावणसाथेंलडाई ॥ लेईने हारियो ॥ तवव्रत
लीधुंधाई ॥४७ ॥ अन्यरण्यनरेसर ॥ अनंतरथ
सुतसाथ ॥ संयमव्रतलीधो ॥ महाराभुनिवरहाथ
॥४८ ॥ विद्याधरसाथें ॥ पालिजोलीचाप ॥सो
पुत्रिसिंघलना ॥ जनमेंमदेयेसारे ॥ ४९॥ गेधि-
दसमीलाधी ॥ ढालरसाजअपार॥ कुंसराजवजाण
णे ॥ सांवसघासुजेकार ॥ ५० ॥

पपरजआशगेंदोहा ॥

मासअेकनोथापिओ ॥ राजदशरथराज ॥ ऐंदकला
जिमदिनदिने ॥ वाधेदलबलसाज ॥१॥ शस्त्रशास्त्रआ
देंकरी ॥ कलाशकलनुजाश ॥ विनयविवेकविचारमें ॥
पंडितपणेप्रमाण ॥२॥ यौवननीवयपामिओ ॥ सूर
वीरजूंजार ॥ दाताभोक्ताअरुगुणी ॥ वसुधाजशविस्तार ॥३॥

॥ ढालपनरमी ॥

(पांडुरीपोटलीयांआकुणरेअेदेशीने

राजदशरथदीपतोरे ॥ दनदनतेजप्रतापेरे ॥ अंसंघन
णीमेंअेहनोरे ॥ दीसेआपोआपेरे ॥ रा० ॥१॥ दर्भ
स्थलपुरजणियेरे ॥ सुकोसलतिहांरायोरे ॥ राणीनाम
मेंअमृतप्रभारे ॥ राजनेसुजदायोरे ॥ रा० ॥२॥ पुत्री
वरअपराजिताजी ॥ इंद्राणीअवतारोरे ॥ व्याहेदशरथ
थरायनेरे ॥ ओछवकरियअपारोरे ॥ रा० ॥३॥ सुशी
लात्रीयनोपतीरे ॥ मित्रसुभूपालोरे ॥ सुमित्रापु
त्रीपरणावेरे ॥ दशरथनेसुविशालोरे ॥ रा० ॥४॥ सुप्रभ
भाअतिदेहनेरे ॥ सुप्रभातसनामोरे ॥ राजरंगेपर
णावेरे ॥ दशरथनेअभिरामोरे ॥ रा० ॥५॥ पंचेन्द्रीय
सुजभोगवेरे ॥ पूरवपुण्यप्रसादेरे ॥ पूरवपुन्येपाभ
मियेरे ॥ विस्तरियाजशवादेरे ॥ रा० ॥६॥ अेकदि
वसलंकाधणीरे ॥ जयठोपरजदामांहेरे ॥ निमित्ति

आनेपुछ्योरे ॥ तिनआयुजलप्राहेरे ॥रा०॥७॥ कहे
हुंमरीसआपथीरे ॥ केकोईमारणहारोरे ॥ ईन्द्रादिक,
सुरनारहेरे ॥ माणसनोस्योभाशोरे ॥रा०॥८॥ पंडित
प्रगटपणेलणेरे ॥ सीताहेतेविनाशोरे ॥ दशरथसुत
थीथायसेरे ॥ लोककरेतजहासोरे ॥रा०॥९॥ बिभि
षणजलीओकहेरे ॥ जूठोपाडुंजाणोरे ॥ दशरथज-
नकविणासतांरे ॥ विजुधवचनअप्रमाणोरे ॥रा०॥१०
॥ उत्पत्तिजीन विनानहींरे ॥ रावणकहेएहरुडुंरे ॥ ज-
रासोरनाईतणोरे ॥ करीहित कहे कूडुंरे ॥ रा०॥११॥
नारदजेठोथोतिहांरे ॥ करवानेउपगारोरे ॥रा०द-
शरथआगलेरे ॥ भाखेंजेहविचारोरे ॥रा०॥१२॥
मिथुलानगरियेंजघरे ॥ जनकजनेरेजणावेरे ॥ भ-
णीसामीसाचेसीरे ॥ मनमेंआशातापावेरे ॥रा०॥१३॥
ओहिज(भलामणरावणरे ॥ मंत्रीसरनेदीजेरे ॥ दोई
प्रदेशानिकल्यारे ॥ जणेतिमतिमलीजेरे ॥रा०॥१४
॥ मूरतिदोईरायनीरे ॥ लेपमईतजकीजेरे ॥ बिभि
षणलरभावयारे ॥ जेअणीपाय ठवीजेरे ॥रा०॥१५
॥ रातअधारेआविओरे ॥ बिभिषणविकरालोरे ॥ —
मूरतीमस्तकछेयुंरे ॥ ओप्याजणेअकालोरे ॥रा०॥१६॥
कलकलशब्दहुओघणोरे ॥ सुभटसजाहिथाईरे ॥,
भारवाजनउतावलारे ॥ नजरनआवेकांईरे ॥रा०॥
१७ ॥ रोवेराणीरावलीरे ॥ रोवेवाहगुलामोरे ॥ मृतकज-
रिनसघलांकियारे ॥ गयोबिभिषणतामोरे ॥रा०॥

१८॥ मंत्रीसोईमतेजसोरे ॥ राजनेहितमानोरे ॥ ओर
मततुंजणेनहींरे ॥ ओआपणमेंताणोरे ॥ रा०॥१९॥
बंधनजेहुंदेखियेरे ॥ राजनजीनोराजेरे ॥ एकअवस्था
होयनीरे ॥ प्रतक्षदीसेआजेरे ॥ रा०॥२०॥ जमना
जमताएकठारे ॥ दशरथजनकमिलंतारे ॥ एकअ-
वस्थाहोयनेरे ॥ सायेंहोईयलंतारे ॥ रा०॥२१॥ कौतु-
कमंगलपुरवरेरे ॥ शुभमतिराजकरंतोरे ॥ पृथ्वीश्री
ओदरेंउपनीरें ॥ केकयीगुणवंतीरे ॥ रा०॥२२॥ द्रोण-
मेघनीसहोदरीरे ॥ स्वयंवरामंडपतासोरे ॥ आव्यारा-
णाराजया ॥ करीकन्यानीआसोरे ॥ रा०॥२३॥ हरी-
वाहनआदेसहु ॥ बयठाआसनेभूपोरे ॥ दशरथज-
नकपधारियारे ॥ ओपेसोहअनूपोरे ॥ रा०॥ २४ ॥
कन्यामंडपेंआवहिरे ॥ देखेनृपअवलोयीरे ॥ ओईन-
जरनआविओ ॥ आगेंसरकेसोईरे ॥ रा०॥२५॥ दश-
रथनृपमनमानिओरे ॥ पहिरावेवरमालोरे ॥ राजरो-
सकरेघणुंरे ॥ हरीवाहनभूपालोरे ॥ रा०॥२६॥ मेली
भड़ोयराजवीरे ॥ एकेमविवाहेंरांडोरे ॥ दीसेयेसेंडा-
पडीरे ॥ एमवदंतोचांडोरे ॥ रा०॥२७॥ वलगोजई
वेगसुंरे ॥ लईवरमालछीनाईरे ॥ नाओ करीसापा-
घरोरे ॥ टसतांजयजडाईरे ॥ रा०॥२८॥ चतुरंगणी
सैन्यासजीरे ॥ जुंझाओवाजंतोरे ॥ सूराघरैरेचधाम-
णारे ॥ कायरनरभाजंतोरे ॥ रा०॥२९॥ शुभमति

.शकरे जुरे ॥ अ.जनाईज ..रे ॥ सैन्यसजी

आगेंहुओरे ॥ सूरसिरोमणीसाच्योरे ॥रा०॥३०॥
केकईहुईसारथीरे ॥ जेकेरथनेजमोरे ॥ दसरथद-
लमोकेघणुंरे ॥ पिशुनतणातेनामोरे ॥रा०॥३१॥
ऊलोदशरथराजियोरे ॥ धर्मेलहाजयहोवेरे ॥ पर-
मेश्वरपजिओघणुंरे ॥ साच्यासामुंजोवेरे ॥रा०॥३२
॥नृपवरआपेरिजियोरे ॥ साजंकरेरहावेरे ॥ मेरुस-
वेंकुंमागसूंरे ॥ सुतनेनृपपदथापेरे ॥रा०॥३३॥ केक-
ईसाथेंलेईनेरे ॥ राजगृहीआवंतोरे ॥ जनकगयो
मथुरापुरीरे ॥ हर्षघणुंपावंतोरे ॥ रा०॥३४॥ दशरथ
निजपुरनावियोरे ॥ जिनलिंगपणनेत्रासोरे ॥ देशांघणा
जीतिकरयोरे ॥ राजगृहीयेंवासोरे ॥ रा०॥३५॥ जो-
लावींअपराजितारे ॥ आदिसघलीनारीरे ॥ राजधा-
नकरिथाप्युंरे ॥ स्थिरथानकसुविचारीरे ॥रा०॥३६॥
सिंहविहांहिंवासोवसेरे ॥ तिहांहितसथानोरे ॥ ति-
मदशरथराजागिणयोरे ॥ सर्वरायनोराजानोरे ॥रा०
॥३७॥ पन्नरमीएढालविषेरे ॥ अन्यरण्यदीपा-
योरे ॥ केशराजनंदननिकोरे ॥ निजतातकहायोरे ॥रा०
॥३८

॥ अडाणाअन्हडारागेंदोहा ॥

ब्रह्मलोकथकीचवी ॥ महर्धिकसुरसार ॥ मानसरोव-
रहंसलो ॥कोउदरेंलियोअवतार ॥१॥ सुपनमांसुतिसुं-
दरी ॥ सुंदरसहेजमनोहर ॥ राणीजेअपराजिता ॥ सु-
पनविलोकेचार ॥२॥ सातहाथऊंचो सही ॥ लाज

पणेनवहृथे ॥ च्यौऽपणेऊरनीनछ ॥ ऊरीऊरिएीनोनल
थ ॥ ३ ॥ डेसरीऊ्वीभ्रिणोहरो ॥ पंच्मुजेपरवेस ॥ ऊरं-
तोदीठेमध्ये ॥ राएीयेंहर्षविशेष ॥ ४ ॥ नायकतोग्रहृ
गणतणो ॥ रोहणीनोभरतार ॥ वीतरतोच्याऊाशर्थी ॥
चंन्दमहासुजऊार ॥ ५ ॥ उगंतोच्यातिरातऽो ॥ नईंजा
पडोलिगार ॥ सुरसहस्साऊिरणेऊरी ॥ पावेसोभाच्ज-
पार ॥ ६ ॥ शयनगावीचीनवे ॥ र्डससुणोच्जरदास ॥
च्जेहसुपनलोइंग्लऊहो ॥ नेमपोंच्येमनच्चास ॥ ७ ॥ पीन-
युपरभसुजपायडे ॥ लापेसुपनविच्यार ॥ पुत्रपनोत्तो
प्रसवसो ॥ सकुलगनोच्जाधार ॥ ८ ॥ गर्भदोषसजदा-
सतां ॥ पोषऊरंतासार ॥ शुलयेलासुतनगर्थो ॥ वस्यौं
नेलेऊार ॥ ९ ॥

॥ ढाल सोळमी ॥

(च्जजतुं थीरोरे; चेदेशी.)

शुलवेलाशुलवार ॥ कुंअरजन्मयोरे ॥ हर्षवधायोमंग-
लगायो ॥ सजनगनेरेसुहायो ॥ कुंअरजन्मयोरे ॥ १ ॥ न-
गरछंटायोजलासिंचायो ॥ कुसुमाधनवरसायो ॥ चोऊ
पुरायो कुलसजंघायो ॥ ईन्द्रतमासेच्जायो ॥ कुं॰ ॥ २ ॥
लोऊभिलायोरोलवजायो ॥ गुहिरनिसाल्गुहिरायोरे ॥
च्जानंदपायोसजनमनलायो ॥ च्जोछवच्यतिमंडायो ॥ कुं॰
॥ ३ ॥ रमणीच्जावेकेलिरचावे ॥ कुंकुहायेत्वशावे ॥ रास
रमावेपात्रनचावे ॥ जीचितञधिकऊीपावे ॥ कुं॰ ॥ ४ ॥

घरघरजारेतोरणस्थेना ॥ नारिअजाणुंलावे ॥ दू-
र्वापुष्पइत्यादिकआणी ॥ मंगलच्यारकरावे ॥ कुं० ॥ ५ ॥
चिंतामणीसुरतरुनेमरतन्न ॥ दानेदालिद्रवारे ॥ चायेक
नामअयायेकदीधां ॥ सुनशाहुओनगसारे ॥ कुं० ॥ ६
॥ पद्मनोशेनिवासतेहथी ॥ पद्मदीधेतसनामो ॥ सहु
नगनेअलिशामपणाथी ॥ जीनेनामनरामो ॥ कुं० ॥
७ ॥ गजहरीरवीससीअग्नीनलकमला ॥ सायरसुपनां
सातो ॥ देजीसुमित्रास्वामीआगे ॥ आवीकहेजेवातो
॥ कुं० ॥ ८ ॥ देवलोकथकीचवीआव्यो ॥ उत्तमजेवअ-
पशे ॥ राणीउदरेनिवासकियोरे ॥ हर्ष्योसहुपरिवारो
॥ कुं० ॥ ९ ॥ श्यामवर्णसुतजयोसुंदर ॥ राजमनउ-
च्छाहो ॥ ओछवविविधप्रकारेंकरीने ॥ लीधोलच्छी
लाहो ॥ कुं० ॥ १० ॥ दशादिवशनोओच्छवकीधो ॥ भू-
क्याजदीवानो ॥ उत्तमपुत्रप्रगटपतियायी ॥ सहुनेहोय
कल्याणो ॥ कुं० ॥ ११ ॥ नारायणतपनामदियोरे ॥ ल-
क्षमणअपरविधानो ॥ सुरतरुकदलणीपरेंदीर्घ ॥ वाधे
पुरुषप्रधानो ॥ कुं० ॥ १२ ॥ अनुक्रमेवीरविशेषविशेषें
॥ सोहघणेरोपोषे ॥ नीलांजरपीतांजरपहरे ॥ साज-
नियांसतोषे ॥ कुं० ॥ १३ ॥ आव्यारजसाजेकरीशीख्या ॥
सकलकलागुणतेहो ॥ जाणपणेतेसुगुरुसारिखा ॥ प्र-
त्यक्षदीसेजेहो ॥ कुं० ॥ १४ ॥ लीलामुष्टीमहारकरावे ॥
पर्वतनाजेचूरी ॥ सूरवीरसाहसीकमांहें ॥ पावेकी-
रतिपूरी ॥ कुं० ॥ १५ ॥ क्रीडाकरणधनुष्यग्रहीने ॥

नजनजपूंजेजाणो ॥ सूरयसंकधरीनेंसंके ॥ पाडेमन-
तिरेविमाणो ॥ कुं० ॥ १६ ॥ अंईकभूंजजनरायथिया-
स्यो ॥ अंईकसुतजनजाणी ॥ अंईकथैर्यथिरीनृपव-
सिस्रो ॥ पूरिअयोध्याआणी ॥ कुं० ॥ १७ ॥ भरतपु-
त्रकेकयीयेंजयो ॥ पूरिअयोध्यामांहि ॥ सुप्रभायेंश-
त्रुघ्नजे ॥ जयोअधिकउछाहिं ॥ कुं० ॥ १८ ॥ राम
अनेलक्ष्मणनीजोडी ॥ कवीकथनेंरेकहाणी ॥ भरत
अनेशत्रुघ्नकेरी ॥ जगमांजोडजणाणी ॥ कुं० ॥ १९ ॥
गजहंताइमेंइमहीधर ॥ सोलाअधिकलहावे ॥ दशरथ
राजनंदनच्यारे ॥ कर्मनतोकहावे ॥ कुं० ॥ २० ॥ एह
सोलमीढालभलेरी ॥ रामतणोअवतारो ॥ इहांलगे
केशरालेंचंभाएयुं ॥ जेपहेलोअधिकारो ॥ कुं० ॥ २१ ॥

इतिश्री-हूंषेश्यां रामयसोरसायने
प्रथमो अधिकारःसमाप्तः

॥ धन्यासिरिरागें दोहा ॥

गौतमगणहरगुणनीलो ॥ गौतमगिरुओनाम ॥
गौतमगुरुगुरुमेंवडो ॥ गौतमकरियप्रणाम ॥ १ ॥
भामंडलसीतातणो ॥ युगलपणेअवतार ॥ शंकरण
अलगापड्यां ॥ निसुणोएहविचार ॥ २ ॥ जंबूद्वी-
पेंभरतमें ॥ वसतोदारुग्राम ॥ विप्रभलोवसभूति-

तिज ॥ सरसाव हुनोनाम ॥ उद्यानविषेंअपहरी ॥
पुठेंहुओपतिताम ॥ ४ ॥ मोहवसेमोहाघणुं ॥ माय
ब्रापतेवार ॥ पुत्रगवेषेंपालिजा ॥ विषेंमल्योअण-
गार ॥ ५ ॥ अणगारनाउपदेशथी ॥ लीधोसंयम
भार ॥ स्वर्गसुधर्मेदेवनी ॥ पाम्यांपदवीसार ॥ ६ ॥

॥ ढालसत्तरमी ॥

॥ इहोइहोमनभूरणमेरे, एदेशी ॥

सुणसुणरेसुलखणसयाणा ॥ ऊंईहोवेअविकअयाण-
णा ॥ एकर्मनछूटेकोई ॥ सुरदानवमानवहोई ॥ सु०
॥ १ ॥ वैताढ्यगिरेंअतिरामो ॥ रथनुपरपुरनोनामो ॥
सोदेवच्यवीनेआयो ॥ जगचंद्रगतिरेडणायो ॥ सु० ॥
२ ॥ ओनारीहुईनारी ॥ नृपचंद्रगतिनीप्यारी ॥ पु-
ष्पवतिजालियानो ॥ सुखमानेमेरुसमानो ॥ सु० ॥
३ ॥ सरसापणेसंयमसेवी ॥ जीनेसुरलोकेंदेवी ॥ हो-
ईनेमानेसाता ॥ सुखमांहेवासरजाता ॥ सु० ॥ ४ ॥ अ-
नुभूतिनआसतिकरतो ॥ नारीनोअतिदुःखधरतो ॥
भवमांहेभमतोहोई ॥ हंसजालिकहुओसोई ॥ सु० ॥
५ ॥ सिंयाणेसाहीनाडिओ ॥ ऋषिआगलआविप-
डिओ ॥ ऋषीजयेंदीधोनवकारो ॥ लीधोकिंनरनो
अवतारो ॥ सु० ॥ ६ ॥ दशसहस्रवरसनोआउो ॥
लोगवतोपुण्यप्रभावो ॥ सोदेवच्यवीनेआवे ॥ जह-
लोलेवेसुखपावे ॥ सु० ॥ ७ ॥ विदग्धनगरछेवारु ॥
राजछेअधिकउदारु ॥ प्रकाशसिंहनरनाहो ॥ प्र-

वरोरेवतिनोनाहो ॥ सु० ॥ ८ ॥ सहुसाजननेरेसु-
हायो ॥ कुंडलमंडितसुतजायो ॥ सुतसुंदरअधिकस-
लूणो ॥ सुततेजप्रतापेंदूणो ॥ सु० ॥ ९ ॥ कयानक
भवमांभमतो ॥ सोचादिनभारीगमतो ॥ नयरी
चक्रपुरराजे ॥ चक्रध्वजराजविराजे ॥ सु० ॥ १० ॥ धू-
मसेनपुरोहितनेहने ॥ स्वाहारमणीछेजेहने ॥ ज-
योतिहांपिंगलनंदो ॥ ऊपज्योमामनआणंदो ॥ सु०
॥ ११ ॥ अतिसुंदरीजेटीराजनी ॥ जपकरतीअति
विद्यानी ॥ श्रीआचार्यजपासें ॥ पिंगलपणपढेउल्ला-
सें ॥ सु० ॥ १२ ॥ तजतोबंधाणोनेहो ॥ पिंग-
लनेकुमरीतेहो ॥ संगतथीविणसेकामो ॥ अेमज-
जहुलाठामो ॥ सु० ॥ १३ ॥ कुमरीनेलेईनाठो ॥
तुंआलसणीजोअतिघाठो ॥ विदग्धनगरचालिआ-
या ॥ वसवानोमनठहरायो ॥ सु० ॥ १४ ॥ कसबन
कोईजाणे ॥ तृणलाकडभूणीआणे ॥ तेमतेमतो
पेटभरेवो ॥ विणकसबजएमकरेवो ॥ सु० ॥ १५ ॥
एककसबतणीअधिकाई ॥ निजपुरमेंसहेरेजकाई
॥ एकसबकलायेंदीठो ॥ ससीइन्द्रतणोसिरजेठो ॥
सु० ॥ १६ ॥ अतिसुंदरिसुंदरतायें ॥ नृपसुतनेकोन
जतायें ॥ सालीधीतेणेछीनाई ॥ पिंगलरहियोभु-
भजाई ॥ सु० ॥ १७ ॥ भयजापतणोजनिआणी
॥ पर्वतमेंपल्लीठाणी ॥ कुंडलमंडिततिहांवासिओ
॥ सुजकुंजनदेजेरसिओ ॥ सु० ॥ १८ ॥ नारीनोअन

एीवियोग ॥ पिंगलेंतजलीधोयोग ॥ चित्तथीनची
छूटेनारी ॥ घाटीजेमहोटी नारी ॥सु०॥ १९॥ दशर-
थनोटेसचिएासे ॥ कुंडलमंडितननत्रासे ॥तजआल-
यंन्दयदिजायो ॥ आंधीनृपपासेलायो ॥ सु० ॥२०॥
तजदीनपणुंतसदेजी ॥ कइएानृपनेसुविशेषी ॥छो-
डीदीधोतेणीयारो ॥ कुंडलमंडिनसुकुमारो ॥ सु०॥२१॥
तेप्नापेशलनेअले ॥ कुंअरकरहेनितीसाले ॥ मुनी-
चंन्द्रऋषीस्वरसंगे ॥ हुओश्रावकजातिउछरंगे ॥
सु० ॥ २२ ॥शलचोंछनामांहिं ॥ तसभाएल छूटामां-
हिं॥ ननकुघरेंअवताशे ॥ निसुणोरीतासुवियारो
॥सु०॥२३॥ सरसापएाभवमांभमती ॥ साडिरे
इच्छिायेंरमती ॥होईपुरोहितनी कुमारी ॥सापढवे
गुणवेसुनारी ॥ सु० ॥ २४ ॥ वेगवतीकहे वाएी ॥
संयमसाथेमनआएी ॥ ब्रह्मलोकेहोईआयी ॥ रा-
णीविदरवीपनी ठावी ॥ सु०॥ २५ ॥कुमरकुमरी दो
आया॥ तेयुगलपणेसुजदाया॥ तामविदेहाहरषी
॥सुतपुत्रीनोभुजनिरखी ॥सु०॥२६॥ पिंगलमुनि-
वरगुणवंतो ॥ पहेलेसुरलोकेपहुतो ॥ अवधिज्ञान-
सुंदेखें ॥ ठयतोअतिरीसविशेषें ॥सु०॥२७॥ तयतेजा-
लकजपहरियो ॥तेसुरवरद्वेषेंनरियो ॥ अएोअन्न-
जमर्षपोषुं ॥ मारीनेंमनसंतोषुं ॥सु०॥२८ ॥ विवेकें
विचारेंतामो ॥ अेछ पातिकनांनामो ॥ वैरनवांरेचसा-
वो ॥संसारघएोंरेघावो ॥सु०॥२९॥ पंचेन्द्रीयकं-

॥ ढाल अढारमी ॥

उर्मतणीगतिकिणही न जाणवीरे, अे देशीने
सीताकुमरीतोतवधावतीरे ॥ चंन्द्रकलानिमहेज ॥ अ-
नुक्रमेंयोवनदेह पामिओरे ॥ रूपकलासुविशेष ॥सी-
तासुंदरीरे ॥ मनुष्यलोकमआर ॥ रूपपुरंदरीरे ॥शील
शिरोमणीनारि ॥सीतासुंदरीरे ॥ १ ॥ जेचरहोसे जेह-
नोरे ॥ भूचरजेचररायं ॥ जारतिआणेजापकेरे ॥ वर
रूडेसुजथाय ॥सी०॥२॥ देजाव्यायसुधाविषेरे ॥राज
राजकुमार ॥साशिलोसंसारमेंरे ॥ कोईनजेकलिगार॥
सी०॥ ३ ॥ अर्धजज्जर देशनारे ॥ अंतरंगतसनाम ॥
म्लेंछमहाभयभंतरे ॥ देसउजाडेताम ॥सी०॥ ४ ॥
जनकुनपहोंचेतेहनेरे ॥ दूतमोकलेअेक ॥राजादशरथ
पासेतीरे ॥ बोलेआणीविवेक ॥सी०॥ ५ ॥ सूर्यसा-
हमोदेजियेंरे ॥ आवेछिंकलेवार ॥ लीजणोछेभूपती
रे॥ आगेंदेवविच्यार ॥सी०॥ ६ ॥ उठयोअतिआतुरपण
दीरे ॥ वालयादोसकुमाम ॥ असवारीकरवालणीरे ॥
ताम सुंबोलेराम ॥ सी० ॥ ७ ॥ तुमेपधारोछोसहीरे
॥सूरासुंसंग्राम ॥ अमनेघरजेसीरह्यांरे ॥ किसीव-
धसेमाम ॥सी०॥ ८ ॥ अनुज्ञानेआगेंकरीरे ॥ च्या-
ल्योरामनरेस ॥ चतुरंगणीसैन्यासजेरे ॥ मिथि-
लापुरियप्रवेश ॥सी०॥ ९ ॥ असुरसुंजावीजडयारे
॥ शुभरलेके कुंआर ॥ जीतवणिअसुरोतणीरे ॥
सहीनराज्याअेकार ॥सी०॥ १० ॥ धनुष्यचडावी

रामभ्जरे ॥ उरतोभीराभवणीआपे ॥ असुरसहु अल-
गाथयरे ॥ धर्मयडीनेमपाप ॥सी०॥११॥ जनकत-
णा न नपहत्तणोरे ॥ टल्योसयलक्लेस ॥ रामनु सु-
जपाभिजारे ॥ रंगविनोदविशेष ॥सी०॥१२॥ सी-
ताहीधीरामनेरे॥ शारिजोसंयोग ॥ लभेलुं लभुं लाभे घ-
णुंरे ॥ हर्षेसघलालोक ॥सी०॥१३॥ सीतारूपसो हाम-
णुंरे ॥ निसुणीनेसुरदेव ॥ निरजणहेतेंआविआरे ॥
सीताघरेंततखेव ॥सी०॥१४॥ केशनेत्र पीलाजसारे
॥ तुंबी छत्रीउघाड ॥ दंडपाणी कोपीनसुंरे ॥ सिरहिं
सिजासुविचार ॥सी०॥१५॥ नारदरूपदशामणोरे
॥ देखीसीताजाल ॥ नाठीथिरहर धूजतीरे ॥ गर्धरिस मां
तत्काल ॥सी०॥१६॥ उंडसीआजांहेथशेरे ॥ ब्रारपाल
जनेदास ॥ सोहिरह्या नर्धनांसडेरे ॥ हरण पड्योनेम
पास ॥सी०॥१७॥ कलकलसुणीजनआविआरे ॥
हाथग्रहीरुषीजार ॥ मारमारकरताथडारे ॥ जाणे ज-
मअवतार ॥सी०॥१८॥ नारदत्रभीनेदेजतांरे ॥सुन-
सतापडिआसोर्ध ॥ सनैसनैसोनिकल्यारे ॥ अभजरे
सोलनेर्ध ॥सी०॥१९॥ रूपजजीसीतातणुंरे ॥ ला-
मंडलनेआय ॥ देजाडे पटदेजतांरे ॥ कुमर दुचिंतोथा-
य ॥सी०॥२०॥ दुचिंतार्धकुंअरतणीरे ॥ पूछेमित्रा
साथ ॥ परतदातेदाजवेरे ॥ऋषीपूछ्योनरनाथ ॥सी०
॥२१॥ मिथीलानगरी छेभलीरे ॥ जनकतिहांभूपाल
॥ विदेहाराणीदरेणिपनीरे ॥ सीतारूपरसाल ॥सी०॥

॥२२॥ अमरी कुमरी नागनीरे ॥ मेंदीठी अविलोय ॥वारंवारविचारतांरे ॥सीतासमिनहीकोय॥सी०॥
२३॥ तेहवीछेसासुंदरीरे ॥ तेहवीसजीननाय ॥ लजी
तेसीडग्रंकोसडेरे ॥अन्यरिनछेजगराय ॥सी०॥२४॥
लामंडलनेतमामिनीरे ॥ नइरेमीलेजेडनो ॥सार्युसु
जसंसारनुंरे ॥ महारेमनअेडो ॥सी०॥२५॥ सुल
वयनेसंतोषिओरे ॥ लसुंडरेडिरतार ॥ विसार्निओ
नषीरानिओरे ॥डीधमनोअधिडार ॥सी०॥२६॥
जगयपलगतिमोडल्योरे ॥ उरवाने अपहार ॥ रान्ने
लेईगयोरे ॥ डिणहीनन्नणीसार ॥सी०॥२७॥डीही
आयोराहमोरे ॥ मलिओजांहपसार ॥ कुशलवातपू-
छीघणीरे ॥ प्रीतितणेरेप्रडार ॥सी०॥२८॥ जनड
कुमारीसांभलीरे ॥ पुत्रीरत्नमेधान ॥ नारिनिरूपमले-
दलीरे ॥ तेहमांतिलडसमान ॥सी०॥२९॥ जेछेअनो-
पमडन्यडारे ॥ नेमतुमलापोतेम ॥सर्वडलागुणआ-
गलीरे ॥ पणदेवायेडेम ॥सी०॥३०॥ दीधीदशरथनंद
नेरे ॥ अवरनेडेमदेवाय ॥ मणीमायेछेसापनेरे ॥ डहो
डेमलीधीनाय ॥सी०॥३१॥ प्रीतिरतणांमांशुंअछेरे॥
नहींतरतोअपहार ॥ डरतांचेलाछेडिसीरे ॥ राजेंधुंल्य
वहार ॥सी०॥३२॥ अमनेछतीरामभ्डरे ॥ परणेडअ
न्यास्नेह ॥ डांत्मा मंडलपरणसेरे ॥ छहांनहीडोसदेह
॥सी०॥३३॥ वज्रवर्त्तननामर्थारे ॥ अनेअरणा-
वायर्त्त ॥ धनुष्य अछेघरेमहारेरे ॥ मंडपेंआणी

घरंत ॥ सी० ॥ ७४ ॥ यक्षहजारेंसेविजोरे ॥ अतिश-
यवंतअतीच ॥ गोत्रजदेवीनी परेंरे ॥ सेवीनेंरेंसदैव ॥
सी० ॥ ७५ ॥ धनुष्यजमायाहमनम्यारे ॥ इउटीउर-
वानेम ॥ समजनेसुधीवातमेंरे ॥ जमआपणोरहेप्रेम
॥ सी० ॥ ७६ ॥ जेहअयंलोछेजरोरे ॥ जेतो परत्यक्ष
आन ॥ जेउहीनेंयहओडिवेरे ॥ सारोवंछितकाज ॥
सी० ॥ ७७ ॥ जेंयरत्येंन्दगतियालिओरे ॥ पुत्रअनेप-
रिवार ॥ धनुष्यहोछेसायें ललांरे ॥ शब्दजेर्घलार ॥
सी० ॥ ७८ ॥ मिथीलानगरीआवीआरे ॥ जाहिरदेश
दीघ ॥ वंदननतोविद्याधरोरे ॥ पृथ्वीमांहेप्रसिद्ध ॥
सी० ॥ ७९ ॥ अशाडसमी ढालमेंरे ॥ वस्तुजलीलीयाह
॥ डेसरालपुगेंसहीरे ॥ जेहोयपुण्यअगाह ॥ सी० ॥ ८०

॥ मारुरागें दोहा ॥

जनकविदेहानारिसुं ॥ संजलावीसहुवात ॥ शालस-
मीशालेसही ॥ डहेराणीविलखाय ॥ १ ॥ देवनतुसो
तुंहुओ ॥ देयेपुत्रप्रधान ॥ लेचीत्याहेपुत्रीउ ॥ उ-
मराजसुंप्राण ॥ २ ॥ स्वेच्छायेंपरणेतेंना ॥ हर्षघणुं
संसार ॥ अणइच्छायेंपरणेनेंनो ॥ हर्षनजेउलिगा-
रा ॥ ३ ॥ दैवयोगेंश्रीरामजी ॥ धनुष्यचडावाजाय ॥
अवरनेरे थदांवता ॥ अपासरल्युंदुःजथाय ॥ ४ ॥
जनकउहेजणेनही ॥ रामममहाबलवंत ॥ मेंदीठो
संग्राममें ॥ पौरुषनोनही अंत ॥ ५ ॥ समजवीसा
सुंदरी ॥ पूजधनुष्यउदार ॥ मंडपमांहीतेंडिआ

॥राजनराजकुमार ॥६॥ दिव्याभूषणधारिने ॥
सजीओनेपरिवार ॥ मंडपेंआवीजनकी ॥ ईन्द्राणी
अवतार ॥७॥ धनुष्यतणीपूजाकरी ॥ मनमांसम-
रेराम ॥ मनसावाच्याकर्मणा ॥ अवरांसुनहींकाम॥८

॥ ढाल ओगणीशमी ॥

(काना प्रीत लागीहो, ए देशी०)

सीतारामेंराचीहो ॥ जेमचकोरीचंदसुं ॥ एप्रीतज
साचीहो ॥सी०॥१॥ भूचरखेचरराजवी ॥ लखमा-
णाधारीहो ॥ भाग्यवकोतेभूपनो ॥ जेएपावेनारी
हो ॥सी०॥२॥ नारदेंभाषीजेहवी ॥ सातेहवीजेछेहो
॥ भामंडलभूछपडयो ॥ अतीपरवसहोछेहो ॥सी०॥३॥
जनकरायतिहांआयके ॥ एसायककहावेहो ॥ धनुष्यच-
ढावेजेसही ॥ तेएकन्यापावेहो ॥सी०॥४॥ ऊठ्याके-
कडीकरी ॥ तेरायसनूराहो ॥ धनुष्यचडावणकारणे
॥ सूरामांसूराहो ॥सी०॥५॥ सापासायेंविंटिआ ॥
नावेगहनाऊहो ॥ फरसीहोकोईनासके ॥ जेगाढना
ऊहो ॥सी०॥६॥ ज्वालामूकेछेघणी ॥ दाजंताजा-
निहो ॥ अधोमुखाअलगारह्या ॥ मनमांहेलाजहो ॥
सी०॥७॥ एणीअवसरश्रीरामजी ॥ लीलागति
करीहो ॥ धनुष्यसमीपेंआविओ ॥ आछोअवतारि
हो ॥सी०॥८॥ चंद्रगत्यादिकराजवी ॥ करताअ-
तिहांसोहो ॥ जेचरजेंचीनठहेरया ॥ जेहनेसीआ-

सोहो ॥सी०॥ ९॥ वनुमाणिनेभवजुने ॥राघव-
छहरसेहो ॥ शांतिकरीअहीआगिने ॥ करसाथैंइ-
रसेहो ॥सी०॥ १०॥नेत्रनणीपरेंचालीने ॥ प्रभुपण
पणछयदावेहो ॥आडणांनकेजेंयीने ॥ टंकरवसु-
णावेहो ॥सी०॥ ११ ॥रामगलेवरमालिका ॥ सीताप-
हेरावेहो ॥ डालरस्यो चित्तचिंतव्यो ॥ अधिकेसुजपा-
वेहो ॥सी०॥ १२ ॥ जीत्नेलक्ष्मणच्यदाईयो ॥ जोहि
विचडीधीहो ॥ अष्टादशवरकन्यका ॥ जगरायादीधी
हो ॥सी०॥ १३ ॥ विलजाणोविद्याधइ ॥ भामंडल
लेईहो ॥निजनगरेंचालिआईओ ॥ भूमंडलकेईहो
॥सी०॥ १४ ॥ तेव्याहसरथराजवी ॥ सहुसज्जन
साथेंहो ॥ विवाहत्नलोसीतातणो ॥ कीधोनरनाथें
हो ॥ सी०॥ १५ ॥ जनकरायनोभाईजी ॥ भलोक-
नकहावेहो ॥ भरतभणीभन्दावली ॥ पुत्रीपरणा-
वेहो ॥सी०॥ १६ ॥ पुत्रोनेपरणावीने ॥ बहुनेसेई
आव्याहो ॥ दशरथराजाघणु ॥ अधिकेरोलाव्या
हो ॥सी०॥ १७ ॥ पुरीअयोध्याआविआ ॥ आनं-
दकरीनेंहो ॥ घरघरमंगलधामणां ॥ अतिओच्छव
कीनेहो ॥सी०॥ १८ ॥ अनेरेदिनराथजी ॥ ओच्छव
मंडावेहो ॥ मंगलीकशुभकारणे ॥ नलकलसभरा-
वेहो ॥ सी०॥ १९॥ जोनसाथेंमोकल्यो ॥ पहेलोन-
लरायेंहो ॥ मकोटीनेमनरंगसु ॥ अधिकोउच्छायें
हो ॥सी०॥ २०॥ दासीसाथेंमोकल्यो ॥ अवरस्त्री-

ओनेपाणीहो ॥ आणीदीधो शिलावती ॥ हर्षितराणी
हो ॥ सी० ॥ २१ ॥ वृद्धभणीतेवेगसुं ॥ नारनरजनाव्यो
हो ॥ पटराणीशिलावती ॥ मनमांहेअकुलाणीहो ॥ सी०
॥ २२ ॥ सघलीमांहेहुंवडी ॥ मुजनेदलनाव्योहो ॥ मान
नविनासुंजयवुं ॥ मरवामनथाप्योहो ॥ सी० ॥ २३ ॥
जेमविमासीमांडिओ ॥ राणीओगले पासोहो ॥ सोय
नहींनारीशिन्हे ॥ ओदेजोतमासोहो ॥ सी० ॥ २४ ॥ ओ
टलेराजआविओ ॥ तेपासोउपेहो ॥ जांहेग्रहीसासुं
दरी ॥ उत्संगेथापेहो ॥ सी० ॥ २५ ॥ अंर्धभरेतुंमाननी
॥ कहेकिंअपमानीहो ॥ आंसुनाजीलावती ॥ सा
गदगदवाणीहो ॥ सी० ॥ २६ ॥ जयराजनेदलमोकल्यो
॥ हुंक्युंथित्तनआणीहो ॥ ओटलेनारआविओ ॥
आप्युतेपाणीहो ॥ सी० ॥ २७ ॥ पाणीमस्तकभूक्युं
॥ राणीसुजमान्युंहो ॥ धन्यजन्मारोमाहरो ॥ मेंआ
जजन्मएयुहो ॥ सी० ॥ २८ ॥ राजथेनानरपूछ्युं ॥ क
मवारलगावीहो ॥ वृद्धभणीप्रभुवेगसुं ॥ हुंनहीसज्यो
आवीहो ॥ सी० ॥ २९ ॥ सुधापावपडेनही ॥ च्यालतो
पगघासेहो ॥ जुंजुंकरतोजासतो ॥ सुगालोहिसेहो ॥
सी० ॥ ३० ॥ दातपड्याजोजोथयो ॥ मुखलालपडंती
हो ॥ नारिनआवेआसनी ॥ नवीसारकरंतीहो ॥ सी०
॥ ३१ ॥ नेरघटेतनलीलरी ॥ कनेनसुणायहो ॥ क
रकंपेसीरधुलणी ॥ जुदापायेथायहो ॥ सी० ॥ ३२ ॥
जुदापानादोषओ ॥ राजजणेहो ॥ विषयथडी

मनवालीने ॥ वैरागेंआणेहो ॥ सी० ॥ ३३ ॥ सत्यभूती
नामेभलो ॥ मुनिवरच्यउनाणीहो ॥ वनमेंआवीसमो-
सर्यो ॥ गुरुआगमजाणीहो ॥ सी० ॥ ३४ ॥ पुत्रीसुतय
रथजी ॥ बहुजनसंसाथुहो ॥ वांदणकाजेआविआ ॥ पुन्
रलोकउल्लासुहो ॥ सी० ॥ ३५ ॥ देइप्रदक्षणासाधुने
॥ पदपंकजवंदेहो ॥ सन्मुखसेवासाचवे ॥ भवपापनिकं
देहो ॥ सी० ॥ ३६ ॥ चंद्रगतिसुतनारीसुं ॥ बेपरपरिवा-
रेंहो ॥ रथआवर्त्तजपरवतें ॥ जईकीडाओरेहो ॥ सी० ॥
३७ ॥ जातुडतालजरेंपड्यो ॥ ऋषीरायविराजेहो ॥ आ-
वीनेसेवाकरे ॥ ऋषीदेसनासाजेहो ॥ सी० ॥ ३८ ॥ अलि-
लापोसीतातणो ॥ भामंडलदीठोहो ॥ मातपितासुतना-
रीनो ॥ भवलाध्योमीठोहो ॥ सी० ॥ ३९ ॥ भामंडल
सीतासही ॥ युगलपणेजयाहो ॥ मातविदेहाजणावी
॥ कहीनेसमजयांहो ॥ सी० ॥ ४० ॥ पिंगलदेवेंतुहर्यो
॥ जिनवैरविचारीहो ॥ तुंथाप्योजगमंदिरे ॥ थारेंजेहकु-
मारीहो ॥ सी० ॥ ४१ ॥ जातिस्मरणपामिओ ॥ भा-
मंडलदेजेहो ॥ साधुवेदसाच्योसहु ॥ मनमांहेविशेषे
हो ॥ सी० ॥ ४२ ॥ मूरछायेंधरतीपड्यो ॥ उपाडीलीधो
हो ॥ पगेलागोसीलातणे ॥ मेंअविनयकीधोहो ॥ सी०
॥ ४३ ॥ सीतायेआसीसजी ॥ चिरंजीवोभाईहो ॥ जे
घणीपगेलागणी ॥ भाविनजोलावीहो ॥ सी० ॥ ४४ ॥
पायामिल्योरामजी ॥ लियेंकंठलगाईहो ॥ मिल्यांथीभी-
ठीघणी ॥ नगमांजेहसगाईहो ॥ सी० ॥ ४५ ॥ भामं-

उलपटयापिओ ॥ आपणपेरालहो ॥ वैरागेंव्रतआ-
दरे ॥ गुरुतारणतालहो ॥ सी० ॥ २६ ॥ साधुनमीराल
नमी ॥ नमिराघवरालहो ॥ भामंडलसीतानमी ॥
निजमंदिरेंआयाहो ॥ सी० ॥ २७ ॥ ढालतलीओगन-
णीशमी ॥ सीतापरणावीहो ॥ उदेरतनश्रीरामनी ॥
पटनारिकहावीहो ॥ सी० ॥ २८ ॥

॥ सज्झायरागेंदोहा ॥

सत्यभूति मुनीवरभलो ॥ सत्यवदेसुविसाल ॥ शास-
नसोहवधारणो ॥ षटकायाप्रतिपाल ॥ १ ॥ विधिसुं
देइप्रदक्षणा ॥ करजोडीनरनाथ ॥ प्रश्नकरेप्रगटपणे
॥ निसुणेसघलोसाथ ॥ २ ॥

॥ ढालवीशमी ॥

(वीरनृपति अन्यदासमे, ए देशी०)

हमसुं भाजोओहळ ॥ पूरवभवांतरवात ॥ साधुजी ॥
सुभ दुःखनो अवदातजी ॥ वांदिजमारोभत ॥ सा० ॥
ह० ॥ १ ॥ सेनापुरथोसुंदरु ॥ भावनसाहसुजाण ॥
सा० ॥ पत्नीथीतसुदीपिका ॥ सुताऊपास्तिअजाण
॥ सा० ह० ॥ २ ॥ साधुनीनिंदाकरी ॥ भवमेंभमि
अपार ॥ सा० ॥ जुवतुमारोओअछे ॥ आगेसुणी
विच्यार ॥ सा० ॥ ह० ॥ ३ ॥ चंन्द्रपुरीरेसुहामणी ॥ ध-
नगिरिसुंदरिनारी ॥ सा० ॥ वरुणनामेसुतजइयो ॥
वर्तेशुभविवहार ॥ सा० ॥ ह० ॥ ४ ॥ साधुनीसेवाकरे

॥ श्रेष्ठायुसमआया ॥ सा० ॥ सुखदुःखनाअनुसार-
थी ॥ मतितोउपनेआय ॥ सा० ॥ ह० ॥ धायईसंडे
जाणीयें ॥ उत्तरकुरुक्षेत्र ॥ सा० ॥ युगलपणेतिहां
उपनुं ॥ सुलकर्मनोहेत ॥ सा० ॥ ह० ॥ ६ ॥ तीनपल्य-
नोआउखो ॥ भोगवीसुरसुखसार ॥ सा० ॥ पुष्कल-
लानामें छेपुरी ॥ पुष्कलावतिमझार ॥ सा० ॥ ह० ॥ ७ ॥
नंदिघोषराजाभलो ॥ पृथ्वीराणीहोय ॥ सा० ॥ नंदिव-
र्धननामथी ॥ नंदन नीडोजोय ॥ सा० ॥ ह० ॥ ८ ॥ नं-
दीवर्धननेदीयो ॥ राज्येशलतिवार ॥ सा० ॥ यशोधरगु-
रुपासेजती ॥ आपहुआअणगार ॥ सा० ॥ ह० ॥ ९ ॥ श्रा-
वकनांव्रतपालियां ॥ पंचमकल्पेंदेव ॥ सा० ॥ जयजय-
कारहुओघणो ॥ सुरवरसारेसेव ॥ सा० ॥ ह० ॥ १० ॥ पू-
र्वविदेहेंजाणियें ॥ वैताढ्येंसुविशेष ॥ सा० ॥ उत्तरश्रे-
णियेंछेभलो ॥ सासिपुरनामेंदेश ॥ सा० ॥ ह० ॥ ११ ॥
रत्नमालिविद्याधरु ॥ विद्युतलतानार ॥ सा० ॥ सूर्य-
जयजयकारियो ॥ पुत्रभलोअवधार ॥ सा० ॥ ह० ॥ १२
॥ रत्नमालीनृपन्यालिओ ॥ सिंहपुरीनोईस ॥ सा० ॥
वज्रनयनने छुतवा ॥ मनमेंआणीरीस ॥ सा० ॥ ह० ॥
१३ ॥ सिंहपुरीलेजालतो ॥ ज्वालेअजलाज्वाल ॥ सा० ॥
पसुपंखीयीनहीचले ॥ होइरह्योविकराल ॥ सा० ॥ ह०
॥ १४ ॥ पूर्वजन्मतणोभलो ॥ पुरोहितनोजीव ॥ सा०
॥ उपमन्युतोनामथी ॥ देवदयालसदैव ॥ सा० ॥ ह०
॥ १५ ॥ सहस्रारसुरलोकथी ॥ आवीबोलेएम ॥ सा०

॥उत्कृष्टपातिकएहवुं ॥ तुमनेजुनेतेम ॥सा०॥दु०॥
१६॥ सूरीसुनंदनतूंहतो ॥ पूर्वजन्मारेराय॥सा०॥मांस
तज्योथोतेंसही ॥ विभजवाड्योआय॥सा०॥दु०॥१७॥
॥सोहिपुरोहितजेउद्दा ॥ स्कंदहण्योगजधाय ॥सा०॥
सूरिसुनंदनशालिजे ॥ घरेंजाएयोगहताय ॥सा०॥दु०
॥१८॥सोहाथीरणमेंहण्यो ॥ सूरीसुनंदनधाम ॥सा०॥
गंधारीउदरउपनो ॥ अरिसुदननसनाम ॥सा०॥दु०
॥१९॥ जातिसमरणपामियो ॥ लीधोसंयमभार॥
सा०॥दु०॥ कल्पआठमेदेवता ॥सोहेदेवउदार॥सा०
॥दु०॥२०॥ सूरिसुनंदनपामिओ ॥ अजगरनोअव-
तार॥सा०॥ दावानलमांहेंजल्यो ॥ उर्मनमूंडेलार ॥-
सा०॥दु०॥२१॥ नरकेंपहोतोदूसरे ॥ उहांहींमेंतुज-
जाय॥सा०॥समजव्योतेकारणे ॥ जेतुंहूआराय ॥
सा०॥दु०॥२२॥मासतणीनेवायरथो ॥ तेहनांजेदुल
लाध॥सा०॥ आजहोईजेआकरो ॥ कांईकरेअपराध
॥सा०॥दु०॥२३॥ एमसुणीनेउीवट्यो ॥ कुलनंदन
नृपकीध ॥सा०॥ सूर्यजयसाथेंकरी ॥ राजसंयमली-
ध॥सा०॥दु०॥२४॥स्वर्गसातमेंलोगवी ॥ सुरसुख-
नोविस्तार॥सा०॥ सर्वजयथयोतेहवो ॥ दशरथराय

हुंहुवो ॥सूरिसिरोमणीसूरि ॥ सा० ॥ह० ॥२७ ॥
अमसुणीवैरागिओ ॥प्रणमीगुरुनापाय ॥सा० ॥रा-
णमंदिरआविओ ॥ लोकलीधाजोलाय ॥सा० ॥ ह०
॥२८ ॥ पुत्रपनोत्तापूछिआ ॥ पूछ्यावळीमंत्रीस ॥सा०
॥पूछिसघलीराणीने ॥संयमसाथेजगीस ॥सा० ॥ह०
॥२९ ॥ अेहवीशमीढालमां ॥ पूर्वभवांतरभेद ॥सा०
॥केसरजगुरुभापिआ ॥ टल्यो सघलोखेद ॥सा० ह०
॥३०॥

॥ गोडीरागेंदोहा ॥

भरतभणेप्रभुजीसुणो ॥ हुंव्रतलेसुंसार ॥ हेतन
भणेआपणो ॥तेसाथेंलोकगिमार ॥१॥ पहेलुंकु-
भतोअेकजे ॥ विरहतुमारोहोय ॥ अवरसंसारवधार-
णो ॥ कुणदेखेसुखदोय ॥२॥

॥ ढालअेकवीशमी ॥

(कहियें मिलसेरे मुनिवर अेहवा अे०)

केकईराणीरे चित्तसुंचितवे ॥ पतिसुतदोईजायरे ॥ऊि
स्युंकरसुं पछे अेकली ॥ वासरकुंजरयारे ॥१॥ अे
विधिविलासितजएयोनवीपडे ॥ जेवोअतिमतिसा-
जरे ॥ अणघडिओरे घाट घडेघणुं ॥ घडीओनाभेलां-
जरे ॥ अेविधि० ॥२॥ भेआंकणी छे ॥ प्रभुजीतोरे
राज्योनवीरहे ॥ नोंकुसुतनेराजूंरे ॥वरभडारेंलेछे
माहरो ॥ तेहुंआलजलाळूरे ॥ अेविधि० ॥३॥ विनय

मुलवर तेनुमें नांपेंजो ॥ तेमपामुंजक्रुद्धोरे ॥ ग्ने विधि ॥ २ ॥ नृपतिनापेंलामिनीसांतलो ॥ तेथाहितमांगोरे ॥ चरणनिर्पेयनहालींनसहु ॥ मांगीमारगलागोरे ॥ ग्ने विधिना ५ ॥ प्रभुजुनमतासंयमआदरो ॥ नरतनणी दीन्नोराज्जरे ॥ जोसीवाथापालोग्नापणी ॥ उजिरणयानोग्नाजरे ॥ ग्ने विधि ॥ ६ ॥ ऐमसुणीनेस्वामिजेहेसन्ती ॥ अजहींनविसेऊंईरे ॥ जेनलेलक्ष्मणरामपेंधारिग्ना ॥ जतलाज्यातजराईरे ॥ ग्नेविधिना ७ ॥ केकइने स्वयंवरमंडपे ॥ मांडयोथोसंग्रामोरे ॥ केकईरेतिहां हुई सारथी ॥ हुंजल्योथोतामोरे ॥ ग्नेविधिना ८ ॥ मेंवर दीधोथोतेअवसरें ॥ सोतोअजहुंग्नापुंरे ॥ देशाविलाथन तिप ह्वीग्नापणी ॥ लरतनलणीजियापूंरे ॥ ग्नेविधि ॥ ९ ॥ रामजहेरेअतिनालिरामक्ष ॥ ग्नेतोग्नाछोजमोरे ॥ रामअछेरेसोईलिरतक्ष ॥ लरतअछे सोईरामोरे ॥ ग्नेविधि ॥ १० ॥ ग्नाजनवामीलेरेदाहणी ॥ ग्नेकुंसरिखीहोईरे ॥ प्रभुजनेतो छेयेंसरिजा ॥ लरतग्नेहुं दोईरे ॥ ग्नेविधिना ११ ॥ ग्नेमनिसुणीरेग्नमियसमाणऊं ॥ रामवचनग्नालिरामोरे ॥ मंत्रीसरनेरेतेडेलेटले ॥ लरतनलणेछेतामोरे ॥ ग्नेविधिना १२ ॥ हुंप्रभुसाथेंथाईससंयमी ॥ अवरनजीऊवातोरे ॥ महोटोजंघवपहवीनोधणी ॥ वसुधामांहेंविख्यातोरे ॥ ग्नेविधि ॥ १३ ॥ उहीसुणीरेमनमेंनाणीयें ॥ ग्नापवियारोकामोरे ॥ करतां दर्शनलोऊहसेनहीं ॥ अजनधेजहमा[illegible]

ओवि० ॥१४॥ भूपति. रहुंवछुंकरे ॥ मुज.
तिज्ञाभंगोरे ॥ मेंवरदीधोथोतुजभामणी ॥ नजगु-
त्योथोभंगोरे ॥ ओविधि०॥१५॥ सोवरताहरीसाथें
मांगिओ ॥ मेंपणदीधोहेजोरे ॥ मातपीतानीआज्ञा
पालवी ॥ तुमस्थानेसुविशेषोरे ॥ ओविधि०॥१६॥ रा-
मकहेरेतुजनेराजनी ॥ नथीछेवांछाकोईरे ॥ ताततणो
रे बोलनलोपवो ॥ हीयेविमासीजोईरे ॥ ओविधि०॥
१७॥ आजेंपाणीनाभेंतोघणुं ॥ बोलेगद्गदवाणी
रे ॥ चरणकमलश्रीरामतणानमी ॥ दोकरभरतकेआ-
णीरे ॥ ओविधि०॥१८॥ घणीकिसीओहेलवणीकु-
शे ॥ सोवातांवीओकोरे ॥ रामछतांहुंराजनथाउंं ॥
माहरीओहिलटकोरे ॥ ओविधि०॥१९॥ राजकु-
सुंरामतदाकहे ॥ भरतवचनओसाम्योरे ॥ हुंवनवासें
जणींछुंसही ॥ पालोतुमेंओवाम्योरे ॥ ओविधि॥२०
॥ आज्ञालेईनेपगेंलागीओ ॥ मूर्छाणातवजापोरे
॥ भरतसुभाईरोवेछेघणुं ॥ हाथेंग्रहीसरच्यापोरे ॥
ओविधि०॥२१॥ पदपंकजप्रणमीमातना ॥ वचनवदे
ससनेहोरे ॥ तारेनंदनहुंछुंजेहवो ॥ तेहवोभरतनसे-
होरे ॥ ओविधि०॥२२॥ चोथोपालवातणेकारणे ॥ तात
भरतनेआप्योरे ॥ मुजबेठांतोराजकरेनहीं ॥ हुंवनवासें
चाल्योरे ॥ ओविधि०॥२३॥ माजीसाहसआणजोजे-
रो ॥ कायरतोमतहोवोरे ॥ योगवियोगजगउत्तानोकिवो
पलपलेईमुजजोवोरे ॥ ओविधि०॥२४॥ ओमसुणतांचे-

रलीयें गिरिपडी ॥ फिरी फिरी मूर्च्छा पावेरे ॥ सीतलजल-
तायें उरावे चेतना ॥ हीयुं घणुं भरी आवेरे ॥ अेविधि॰
॥२५॥ हुं कचाडीरे केही पापीये ॥ मूर्च्छाथी मरी जतीरे ॥
पुत्रवियोग थकी मरवुं नहुं ॥ फाती अपे छातीरे ॥ अेवि-
धि॰ ॥२६॥ प्रभु ज संयम मारग आदरे ॥ सुत होवे वन-
वासीरे ॥ वनु भयी छे सहीतुं कौसल्या ॥ जीवे डांर्ग विमा-
सीरे ॥ अेविधि॰ ॥२७॥ रामत घरे माता सुं कहे ॥ अेम
करे केम साणीरे ॥ कायर नारीनां अे काम छे ॥ तुं वड राया
राणीरे ॥ अेविधि॰ ॥२८॥ केसरी अेकाकी वनमां फिरे
॥ जेपरवाही वीरोरे ॥ जननी तो घरमां जे ठीरहे ॥ नाणे
कांई अधीरोरे ॥ अेविधि॰ ॥२९॥ आपतणेरे सिर ऋण
जेरहे ॥ तेतो सुतनो दोसोरे ॥ मुज घर रहेतां कूण न-
वी छितरे ॥ जाणो अेसंतोसोरे ॥ अेविधि॰ ॥३०॥
र्धम सम जवीनें पगे लागिओ ॥ अवर माय सिर नामी
रे ॥ प्रभु जु वन वसवाने चालिओ ॥ हर्ष घणेरो पामीरे
॥ अेविधि॰ ॥३१॥ अेकवीशमीरे ढालें राम ज ॥ चाल्य
छे वनवासेरे ॥ केसरा नकेकयी राणीनें ॥ वचने करी
सहू त्रासेरे ॥ अेविधि॰ ॥३२॥

रिआस ॥२॥ सुखमेंआवेआसनी ॥ दुःखमेंअलगी
जाय ॥ स्वार्थएहीसासुंदरी ॥ सबजरांमेनगणाय ॥३॥
सुसरानेसाहरपणे ॥ सीताजपगेलागी ॥ कौसल्याने
णमीडरी ॥ चालीअनुमतिमांगी ॥४॥

॥ ढाल बावीशमी ॥

(श्रीविमलाचलवंदिये, ए देशीछे)

બે જીર્થીબાંધીને ॥ ...કર્ન પરતેહ ॥ ન્હવર
વે. ...યનોહેડે ॥ વાર વહેસસને... ॥ ...॥ રામરસે
ર. ય... ॥ માચીમાયને ... ણો ॥ સાચારી
(સરોમ... ॥ સત્યવંતી...રહો ॥ રામ૦ ॥ ૨ ॥ વહુ
બરવીરાનેજાયારે તુંનતજાયબાપણો ॥ વાલોન...
યવિદેરાડે ॥ સહુવોજતી...તાપણો ॥ રામ૦ ॥ ૩ ॥ વા-
हनाविविधप्रकारनां ॥ तूंजथठीचालंतहो ॥ दोहिलो
पायेंचालवो ॥ ज्युंहरषेंहालंतहो ॥ राम० ॥ ४ ॥ दोहि-
लीतृषाअनेभूखडी ॥ दोहिलोलेवोवासहो ॥ दोहिलो
ताढनेतावडो ॥ रहेवोनित्यउदासहो ॥ राम० ॥ ५ ॥
कोमलकायातांहरी ॥ दोहिलो धरतियेंसयनहो ॥
पछेहीपछतावसो ॥ पाम्याथीकुचैनहो ॥ राम० ॥ ६
॥ प्रीयनेपगबंधनकही ॥ परदेशोमेंनारहो ॥ नारी
तोघरमांभली ॥ बाहिरपडीविकारहो ॥ राम० ॥
७ ॥ हलनेपेंजीपेंजीया ॥ तुटीपडेततकालहो ॥
નારીનપ... ॥ ૭ ॥ ...જાતિન...નહો।

।८॥ नांनं ,मारीसीखजी ॥नातजन्मीयनेलारहो
॥सासुनीसेवाकरत्यां ॥ प्रीयसेव्योसोवार हो ॥राम०
॥९॥ आर्ईजेहवुं डोकहो॥ मेंजलगुनरहायहो॥
नारीकही तनु छायडी ॥ साथेंरहीसुजपायहो ॥राम०
॥१०॥वालासुजसंसार नुं ॥ नेजोप्रीयविणहोयहो॥
प्रीयसाथेंदुःजहीलखुं ॥ ईमजाणेंसहुकोयहो ॥राम०
॥११॥पुरुपतणीअर्धंगिना ॥ नारीनुंतोनामहो ॥ तेकहो
जलगीकिमपडे ॥प्रीयनामेंविश्रामहो ॥राम०॥१२॥जे-
हनारीप्रीयमानिजो ॥तेणेमान्योजगदीसहो ॥नारीनुं
परमेश्वरू ॥ नाथनमुनिसदीसहो ॥राम०॥१३॥ पीयु-
डोआगेंसंचरे ॥ नारीपूंठेजायहो ॥चरणकमलनीरेणु-
का ॥ तनलागेसुजयायहो ॥राम०॥१४॥ प्रीयनुं मुंज
जविलोकतां ॥ नयणेअमीयभरायहो ॥ दुःजतोसोवरस
सोतणुं ॥जेकक्षणमांहेपुलायहो ॥ राम०॥१५॥ जल-
हरनेपूठथकी ॥ विद्युतजेमसोहायहो ॥ तिमपीयुज
नीपाजती ॥ नारीरहेसौन्याय हो ॥राम०॥१६॥ जेम
कहीनेनीकली ॥ लहीसासुआसीशहो ॥आतमरामज
रामजी ॥मनमेंजेहजगीसहो ॥राम०॥१७॥ हुई छे
होसेवसी ॥ जेपतिभक्तिनारीहो ॥ तिणमेंआदिउदाह-
रणे ॥सत्यवतीअवधारीहो ॥राम०॥१८॥नगरतणी
नारीमली ॥ रोवंतीअशरालहो ॥पतिव्रतामांहेघणुं
॥सराहेसुविशालहो॥ राम०॥१९॥ उपपडे वनवा-
सनो॥ ..नवीनानेनकहे नयकुलजीव ।

एी ॥ आतअछेन्नीयअेहो ॥ राम० ॥२०॥ हर्षितिस्यो
थयेसंघरे ॥तैसोहीवनवासहो ॥ केईनदीसेअंतरो ॥
साहसीतनेसाजासहो ॥राम० ॥ २१ ॥ जाननतोअती
उलसुं ॥अासतीनहींसवलेशहो ॥ भाग्यवतीअे भाभि-
नी ॥मीयसाथेंपरदेशहो ॥ राम०॥२२॥ लक्ष्मणकेपें
ठलकुल्यो ॥ आसोपीलोथायहो ॥भणेअजकरियेंकि-
स्युं ॥मतिनकोठराय हो ॥ राम० ॥२३॥ कोईयसीयी
वरतणी ॥ रामसिरेंयीवातहो ॥ नरतो सरलस्वभावि-
आ ॥ कपटकारीअेमातहो ॥ राम० ॥ २४ ॥ कुणकिनास-
णसिरतणुं ॥ तातकिओसुविचारहो ॥ भरतभलोयो
भाईओ ॥कोण्कल्योयोभारहो ॥राम० ॥२५॥ भरत
यकीकिहालीने ॥नृपपदवीसहुंमानहो ॥रामरायने
आपीने ॥ साईवंछितकानहो ॥ राम० ॥२६॥राम न
लेसेराजने ॥दुःजपामसेतातहो ॥ अेकीतपातणठावथा
॥ करेविमासीवातहो ॥राम० ॥ २७ ॥ दुःखमतपावोता-
तजी ॥ भरतकरोअेरानहो ॥रामभाल्याहुंघरहुं ॥
तोतोपामुंलाजहो ॥राम० ॥२८॥ सेवककूपीहोईने
॥रहीसुंप्रभुनेसाथहो ॥ जिनमततोऽस्सुसही
॥सुलशादिओ नगनाथहो ॥राम० ॥२९॥ तातत-
णोपगेंलागीने ॥ माजीनेपरिणामहो ॥ करीनेलाग्यो
त्यालवा ॥ मायसीभिहेत्तामहो ॥राम० ॥ ३०॥ वत्स
स्यस्थभतिताहरी ॥ जरंमतुतुबमांहेंहो ॥साथ
नत्यनवोल्भाईनो ॥ सोकवयनअेमांहेंहो ॥राम०

॥३१॥ जईमलोजीतावलो ॥ कांई करोविलंबहो ॥ रामतातकरीमानजो ॥ कहेसुमित्रा अंबहो ॥राम०॥ ३२ ॥ कौसल्यापगेलागीने ॥ चालणलाग्योजमहो॥ कौसल्याकहेमायजी ॥ लक्ष्मणसाथेंतामहो ॥राम० ॥३३॥ रामगयोतुंजायछे ॥ महाराकोणहवालहो ॥ लक्ष्मणकहेमातासुणो ॥ नतजुंराम कृपालहो ॥राम ॥ ३४॥ वनवासेंएकाकिओ ॥ आपरामजजातहो ॥ हुंनकइंसेवकपणुं ॥ तोलाजतमुजमातहो ॥राम०॥३५॥ त्रणेमाणसच्यालिआ ॥ जोणताआनंदहो ॥ सायर नीपरें दीजवो ॥ रत्नगयानहींमंदहो ॥राम०॥३६॥ राजराणीआविआ ॥ आविओपरिवारहो ॥ बाल जनेगोपालजी ॥ मिलिआलोकअपारहो ॥राम० ॥ ३७ ॥ पगेंलागीचहोलाविया ॥ माताजीनेरायहो ॥ देईदिलासालोकने ॥राघवजीवनजायहो ॥राम० ॥३८॥ ढाल भलीआवीशमी ॥ रामहुओवनवास हो ॥ केसराजसुतकर्मथी ॥ होसेलीलविलासहो ॥राम०॥३९॥

॥ नयतश्रीरागेंदोहा ॥

॥नगानानागामपतां॥ करंप [illegible] अरदास॥ होयानककरो ॥ अछेनु [illegible]वास॥ [illegible]राभण [illegible]ने वातअे ॥ चाल्याहीवनजाय ॥ [illegible] [illegible]पुर पाट- णा॥ कि [illegible] निरहाय ॥ २ ॥ राजनजाल भरतव

॥ आक्रोसेनिलंमाय ॥ रामअनेलक्ष्मणतणो ॥ वि-
रहेजम्योनवजाय ॥ ७ ॥ चारित्रनेजीतावलो ॥ राजा
दशरथताम ॥ सामंतमंत्रीमोकले ॥ जोलावणश्री-
रामना ॥ ८ ॥ पश्चिमदिसिजनाथवा ॥ आवीपहोंता
तेह ॥ करीघणीअरदासपण ॥ रामनमानेतेह ॥ ९ ॥
पाछोवाळे रामजी ॥ ओपाछोनवलेल ॥ जणेकहि
जाहुडे ॥ तेहथीसाथेमलंत ॥ १० ॥

॥ ढाल त्रेवीशमी लडीनी देशी ॥

आगेंजतांरे अटवीआवेऐ ॥ नरनवीदीसेरे अधिक
डरावेऐ ॥ डरामणीअटवीयमांहे ॥ नदिछेरेभीहाम-
णी ॥ जिहांजिलोहोयलापें ॥ अयोध्यापुरनोधणी ॥
सामंतमंत्रीघरेंजओ ॥ कुशछेआगेघणो ॥ कुशल
केजेमायबापहिं ॥ आलतांएअमतणो ॥ १ ॥ लाईल-
रतनेरे हमकरीमानजे ॥ तातसारिखोरेसहीकरीजाण-
जे ॥ जाणजेलाईभरतजीने ॥ अंतरोकोईमतकरो
॥ बापजयासहुसरिखा ॥ पाटपतितोऐजरो ॥ सामं-
तमंत्रीजिहांरहीया ॥ आंजेआंसुढालवे ॥ धिकजमा-
रोमाहरोरे ॥ रामतजीघरयालवे ॥ २ ॥ तीनेमाणस
तेहीतरंगिणी ॥ उतारिचारेजीडीयीघणी ॥ घणीजी-
डीनदीहुति ॥ तरीनेकांठेरहे ॥ सामंतमंत्रीदृष्टीमांडी
॥ सामाढेजीनेरहे ॥ रामजीआगेंपधारया ॥ दृष्टीथी
अलगाटल्या ॥ सामंतमंत्रीघरेंआव्या ॥ रायदशरथ

नेमस्या ॥३॥ रामनआवेरे भरथंजो लाव्यो ॥रा-
नदशरथ शिरडोलाव्यो ॥ डोलाव्यो दशरथे मस्तक ॥
भरतसुं भाखे भलुं ॥ राजपालो आशतिवालो ॥ कहेनृ-
पगीतावलुं ॥ भरत भाखेंराजनकइं ॥ कोडीवातें जेकजे
॥रामआगुप्रेमठाणु ॥ कइं विनयविवेकजे ॥४॥ रा-
णीकेकई आवी भाखेजे ॥ राजन्यालेरे राघवपाजेजे
॥पाजेजेराघवराजन्यले ॥ रायसुं आवी कहे ॥ भर-
तनेतोराजहेता ॥ चाल्यिचरनी निरवहे ॥ राजआर्यिभरत
नकुवे ॥ रामनेतेडीकरी ॥ राजआपीसु दृढथापी ॥ अ-
पथ्रहोसंयमशिरि ॥५॥ अणरेविमास्योमेंकीधो
जसो ॥ अपयशलीधोमेंनगअति आकरो ॥ आकरो
मेलीजो अपयश ॥ कानकोसरिखो नही ॥ तीनही
नीयरोनसुणता ॥ हीयुं फाटे छेसही ॥ भरतसुं कु आ-
नन्मर्छ ॥ कइं वीनतीकोडीजे ॥ रामलक्ष्मणसती सीता
॥ आणिसुंरेजहोडिजे ॥६॥ अनुमतीदीनेरे भुवने
आनजे ॥ अजहीयालूं करवाकानजे ॥ कानकरवा
अजहीयालूं ॥ भरतनेमन्त्रीसरू ॥ साथेंलेहीवेग
चाली ॥ जेतरावीरथवरू ॥ दिवशछठे जर्छपहोता
॥ देखीहोतरुयरनसें ॥ रामलक्ष्मणसती सीता ॥
दूरहिंथीअटकले ॥७॥ रथथीऊतरीरे आगेंआव-
जे ॥ वरेछवरछकरतीरे अतीसुजपावजे ॥ पावही
अतीसजआवीसनमज ॥ रामरूपगेंलागिओ ॥

सुमित्रासुतसतीसीता ॥ करेतवपरिणामए ॥ हीये
धरियानंद भरिया ॥ पुछिओसुजताम्ए ॥ ८ ॥
भरतभक्तीपरें पगेलागिरह्यो ॥ श्रीराघवजीरेसुज
आधिकेलह्यो ॥ सुजलहुं आधिको ज्यां हगलेमें ॥ घा-
लवेआपआपणो ॥ ओजआलिवेहियासी ॥ भरत-
जीभाईतणी ॥ कुशलवातविशेषविचरी ॥ पुछीही
प्रगटपणे ॥ आनंद छे अतीस्वामीजीने ॥ सोमननवरे
निरेजणे ॥ ज्या भनजतानी परेरे मुनघांडीकरी ॥ ज्युंरे
पधारयावन मांसंचरी ॥ संचरीआयावनाहिंमांहे ॥ वे-
गसुंतुमरघुपति ॥ कपटकेलवणीमांहि ॥ हुंनसमजु
कुंरति ॥ गायब्राह्मणजालअजला ॥ मारवानोपाप
जे ॥ अजमोहिलागो जूठ कहूंतो ॥ भरतभाषेंआप
जे ॥ १० ॥ जायजपूछेरेरावकरिनिये ॥ लोकांकेरीरे
आरति हरिजये ॥ हरीनियेंआरति लोककेरी ॥ राज
जापहिं परिहरयो ॥ तुम्ह छतांपुनेराजसुनुं ॥ भरतं
भाषेंगहगह्यो ॥ मंत्रीसलक्ष्मणपोलिओ हु ॥ छत्रधा-
रकतोसहु ॥ शत्रुघ्नसिरभरराज ॥ भोगवोपृथ्वी
सहु ॥ ककथीकहेरे राघवजीसुणो ॥ भाईभक्तोरे
भरतअछेघणो ॥ अछेभक्तोभरतकेरो ॥ बोलतो
अजमानिये ॥ मायनीमनुहारमहोटी ॥ जणीअ-
धिकुनताणिये ॥ ननकदोषन दोष भरतहिं ॥ दोषजे
छेमाहरो ॥ त्रीयसुभावेंमेंकुनाचे ॥ कीधोअविनय
हरो ॥ ११ ॥ नारीसहेने ऊखेसकारीसही ॥ परघर

भंनयानेरेणीमही ॥णीमहीअधिकीकरणभूंडुं ॥दी-
ओ दुःखभरभणी ॥ अपराजितानेसुमित्राने ॥करी
आतिजीभमणी॥ कुलरीतलोपी घणुंकोपी ॥अेहअ
वगुणमायना ॥होईसायरसहोसघला ॥ सुणोनंद
सुरायना ॥ १३ ॥अेमकहेतीरे आंसुनाखेंअे ॥वली
वलीरेवाइभाखेंअे ॥ भाखेंअेवाइवचनन्याइ ॥ कोन
मानेशमजी ॥तातदीधुंराजभरतहिं ॥ साखेंमुनअ
निरामजी ॥ तातभयेकुंहिजवुं ॥ जोलक्युंलोपाय
जी ॥ आपभाइकह्योकरवो ॥ सहीसुंसुणमायजी
॥१४॥ सीताआणथीरे लखसुविवेकहि ॥ रामकरेभ-
लोआलिंगेकहिं ॥ आलिंगेकीधोनामदीधो ॥ भरत
भलोभूपालअे ॥ सामंतमंत्रीसाजराजी ॥मेटीओ
जंजालअे ॥ पायप्रणमीभरतभूपहि ॥ भलामण
पेरजतणी ॥ देईदक्षणहिरोव्याल्यो ॥ नहींहाजित
अरजनी ॥ १५ ॥ पुरीअयोध्यारे आयोभरतअे ॥-
रामादेसेंरेराजकरंतअे ॥राजकरवेलोकसुजिया ॥न-
हींअसुजासिगारअे ॥धर्मकर्मचलंतअधिका ॥राज
तेजअपारअे ॥ देवअरिहंतसुगुरुसेवा ॥ दयानेभ-
तिपालवे ॥ सूर्यवंसीसुजशपायो ॥कुलतणेअजवा
लवे ॥१६॥ राजदशरथजुपरिवारसुं ॥ मनमांह-
र्ख्योकारजसारसुं ॥ सारसुकारजहवेमांहरे ॥राज
जेठुंनामअे ॥ सत्यभूतिमुनिंदआगें ॥ केमस्तक
नामिस्ये ॥ लेईसंजमकाजसारयां ॥ध्यानअेत्रेवी-

शामी ॥ केसरानं कहेसुध्धनरने ॥ सुधर्मसुं मनसा
रमी ॥ १७ ॥

॥ धोरणीरागें दोहा ॥

चालंताचित्तचावसुं ॥ आणंतांउल्लास ॥ चित्रको-
टहिलकेटला ॥ रहिआकरियानिवास ॥ १ ॥ आगेंअ-
तांआविओ ॥ जयवंतिवरदेश ॥ निर्ध्यननचानकुतहीं
॥ लियेविश्रामनरेस ॥ २ ॥ सत्यवतीयाकीजसी ॥ वड
तलेसोवेंअम ॥ लक्ष्मणसाथेंबोलियो ॥ एअवसर
श्रीराम ॥ ३ ॥ उनडयथोदेजियें ॥ अजाहिंद्युंएदे-
श ॥ कोईमलेतोपूछियें ॥ संसय छे सुविशेष ॥ ४ ॥
पंथीपरगटनामथी ॥ वातोमेंवाचाल ॥ आवीआगें
निकल्यो ॥ पूछेतवभूपाल ॥ ५ ॥

॥ ढाल चोवीशमी ॥

(धोबीडातुं धोले मेलां लुगडांरे, एदेशीने

पंथीडोरे वात कहे घुर छे हयीरे ॥ केमएउजड देसरे
॥ दीसेरे दीसे छे सोहामणोरे ॥ वाड मांहे विसेसरे ॥
पंथीडो० ॥ १ ॥ देसारे देशाउजेणीनगरी भलीरे ॥
सिंहोदरतिहांरायरे ॥ कुंडोरे कुंडोनेशलियामणोरे ॥
कोईनसामोथायरे ॥ पंथी० ॥ २ ॥ वज्रकरेवज्रकरण
नामे भलोरे ॥ तेहने छे सामंतरे ॥ दसांगरे दसांगपु-
रनोराजिओरे ॥ जिनओनेगुणवंतरे ॥ पंथी० ॥ ३ ॥

भेंनचानेरेणीमही ॥णीमहीअधिकी करणभूंडुं ॥दी-
ओ दुःजराजभणी ॥ अपराजितानेसुमित्राने ॥करी
आतिजीजमणी॥ कुलशीलसोपी घणुंजोपी ॥अहृज
वगुणमायना ॥हर्षसायरसहोसघला ॥ सुणोनंद
सुरायना ॥ १३ ॥एमकहेतीरे आंसुनाखेंजे ॥ वली
वलीरेवाइ भाखेंजे ॥ भाखेंएवाइवयनन्याइ ॥ कोन
मानेरामजी ॥ तातदीधुंराजभरताहिं ॥ सांभेंसुजअ-
भिरामजी ॥ तातजयेंहुंहिंजवुं ॥ जोवक्युंलोपाय
जी ॥ आपमाथेकह्योकरवो ॥ सहीसुंसुणमायजी
॥ १४ ॥ सीताआणयोरेवलसुविवेकहिं ॥ रामकरेभ-
लोअभिषेकहिं ॥ अभिषेकदीधोनामदीधो ॥ भरत
भलोभूपालजे ॥ सामंतमंत्रीराजराजी ॥ मेदीओ
जबलजे ॥ पायप्रणमीभरतभूपहिं ॥ भलामण
परजतणी ॥ देईदक्षणदिशेंचाल्यो ॥ नहींहाजित
अरजनी ॥ १५ ॥ पुरीअयोध्यारे आयोभरतजे ॥
रामादेसेंरेराजकरंतजे ॥राजकरवेलोकसुखिया ॥न-
हिंअसुजालिगारजे ॥धर्मकर्मयलंतअधिका ॥राज
तेजअपारजे ॥ देवअरिहंतसुगुरुसेवा ॥ दयानेप्र-
तिपालवे ॥ सूर्यवंसीसुजशपायो ॥कुलतणेअजवा-
लवे ॥१६॥ राजदशरथबहुपरिवारसुं ॥ मनमांह-
र्ष्येंकरजसारसुं ॥ सारसुकरज हवेमाहरूं ॥राज
जेहुंतमजे ॥ सत्यभूतिमुनिंदआगें ॥ कहेमस्तक
नामिरें ॥ लेईसंजमकाजसार्यो ॥ ढालएनेवी-

शमी ॥ केसराल कहे सुंधनरने ॥ सुधर्मसुं मनसा
रमी ॥ १७ ॥

॥ घोरणीरागें दोहा ॥

चालंताचित्तचावसुं ॥ आणंतांउल्लास ॥ चित्रके-
टहिनकेटला ॥ रहिआउरिचानिवास ॥ १ ॥ आगेंअ-
तांआविओ ॥ अयवंतिवरदेरा ॥ निर्व्यंजनथानकतई
॥ लियेविश्रामनरेस ॥ २ ॥ सत्यवतीचाडीभरी ॥ वड
तलेसोवेंन्नम ॥ लक्ष्मणसाथेंजोलियो ॥ ओअवसर
श्रीराम ॥ ३ ॥ ऊलडथयोदेजियें ॥ अजाहिंज्युंअेदे-
श ॥ कोईमलेतोपूछियें ॥ संसयछेसुविशेष ॥ ४ ॥
पंथीपरगटनामथी ॥ चातोमेंचाचाल ॥ आवीआगें
निकल्यो ॥ पूछेतवभूपाल ॥ ५ ॥

॥ ढाल चोवीशमी ॥

(घोजीडातुं चोबे मेलो लुगडांरे, अे देशीने

पंथीडोरेवातकहे घुरछे हृयीरे ॥ केमअेउजड देसरे
॥ दीसेरे दीसे छे सोहामणोरे ॥ वाडमांहे विसेसरे ॥
पंथीडो० ॥ १ ॥ देसारे देशाउजेणी नगरी भलीरे ॥
सिंहोदरतिहांरायरे ॥ कडोरे कडोने शलियामणोरे ॥
कोईनसामोथायरे ॥ पंथी० ॥ २ ॥ वज्रनरेवज्रकर्ण
नामे भलोरे ॥ तेहने छे सामंतरे ॥ दसांगरे दसांगपु-
रे [illegible] रानिओरे ॥ गिरुओने गुणवंतरे ॥ पंथी० ॥ ३ ॥

हिंडेरे हिंडे आहेडे घणुंरे ॥ नगणे पापलिगाररे ॥
प्रीतनरे प्रीतिवर्ध्धननामथीरे ॥ दीठो तव अणगार
रे ॥ पंथी० ॥ ना ऊभोरे ऊभो काउस्सग्गमेंरे ॥ पूछे
सामंत तामरे ॥ किस्युंरे किस्युं करो ऊभा रह्यारे ॥ ऊ-
द्धं आपणो कामरे ॥ पंथी० ॥ ५ ॥ वनमांरे वनमां आ-
म किस्युं करोरे ॥ कई तप उपवासरे ॥ जेहथी रे कर्म प-
डे छे पातलांरे ॥ साधीले शिववासरे ॥ पंथी० ॥ ६ ॥
हिंसारे हिंसा दोष जतावि यारे ॥ समज्यो तव भूपाल
रे ॥ श्रावकरे श्रावक हूओ सुंदरूरे ॥ जीवदया प्रति-
पालरे ॥ पंथी० ॥ ७ ॥ देवनरे देवनमुं अरिहंतजीरे ॥
गुरु तो श्री सुधासाधरे ॥ अवसरे अवसर नेसी रनामुं
नहींरे ॥ धर्मरतन मेलावरे ॥ पंथी० ॥ ८ ॥ नरवर
रे नरपीवंती घर आविओरे ॥ चित्तसुं चिंते एमरे ॥
कीधोरे एह अभिग्रह आकरोरे ॥ नरनमवानो नेन
मरे ॥ पंथी० ॥ ९ ॥ शजरे सिंहोदर दुःअपाय रे
॥ कीने कोई उपायरे ॥ नीयमनरे नीयमपखे तेम
आपणोरे ॥ दुःजनवीपामे शायरे ॥ पंथी० ॥ १० ॥
मणीनीरे मणीनी कीवी मुन्द्रीरे ॥ मांहे लाजिओ ना
मरे ॥ अरिहंतनेरे अरिहंत देवनो सहीरे ॥ ओ नीयन
म पल्यानो ठामरे ॥ पंथी० ॥ ११ ॥ माथेरे माथे चन
हुडी हाथमेंरे ॥ लोभनावे शायरे ॥ मनसुंरे पगवा
दे अरिहंतनारे ॥ आयुंसुख्यानयरे ॥ पंथी० ॥ १२ ॥
॥ राजारे राजारी जाणी चणीरे ॥ जाण्ये. जजेन

मेरि ॥ वालोरेवालोअेहने हुंनहीरे ॥ वालोजिनवरदे
मेरि ॥ पंथी०॥ १३ ॥ कोईरेकोईनरउपगारीयोरे ॥
आवीलाषेंअेहरे ॥ नृपतिरेपूछेतेंकिमअेलहीरे ॥
तोइरीलाषेतेहरे ॥ पंथी०॥ १४ ॥ नगरीरेकुंदनपुरी
रलियामणीरे ॥ तिहांवसे छेसाहरे ॥ यमुनारेउदरे
हुंसुतउपनोरे ॥ विद्युतअंगउछाहरे ॥ पंथी०॥
१५ ॥ अनुक्रमेरेयौवननीवयपामियोरे ॥ लेईकिरि-
याणोसाररे ॥ नयरीरेउज्जेणी यलिआवियोरे ॥
करयानेव्यापाररे ॥ पंथी०॥ १६ ॥ वेश्यारेवेश्याकाम-
लताअछेरे ॥ तिणसुंराच्योसोयरे ॥ आवीरेजायोघन
सघलोसहीरे ॥ रह्योनिरधन होयरे ॥ पंथी०॥ १७ ॥
राजारेराजानीपटराणीरे ॥ श्रीधरानेकानरे ॥ कुंड-
लरेकुंडल छेतेहनेरे ॥ देमुजनेतुं आणरे ॥ पंथी०॥
१८ ॥ तजहीरेतजलापेंसुणोलामनीरे ॥ कुंडलआवे
हाथरे ॥ चोरीरेचोरीकरवाच्यालिओरे ॥ कुंडललेवा
काजरे ॥ पंथी०॥ १९ ॥ राणीरेराणीराजासुंकहेरे ॥
केरेउहासीआजरे ॥ दशांगरेदशांगपुरनोनाथकुंरे ॥
मारणकेरे काजरे ॥ पंथी०॥ २० ॥ रजनीरेरजनीवेरण
हुईरहीरे ॥ कदीपामुंपरभातरे ॥ नाठेरेनाठेसुतने
सहुजनारे ॥ करेसहुनोघातरे ॥ पंथी०॥ २१ ॥ अे-
हिनरेअेहमनुमेंसांभल्योरे ॥ कुंडलचोरीत्यागिरे ॥
आव्योरेआव्योकहेवाभणीरे ॥ साहमीनिमित्तेंसान
॥ पं०॥ २२ ॥ निसुणीरेनिसुणीअेपुररानि-

ओरे ॥ ऊणतृणअधिकुअपाररे ॥ वातलरेवातकहे-
तांआविओरे ॥ दलबलनोनहींपाररे ॥ पंथी० ॥ २३
॥ विंट्योरेविंट्योपुरचरयिहुंपषेरे ॥ येंदननेलमसा-
पेरे ॥ आवणरेआवणलवणनओलहेरे ॥ लोकंला-
गोपापेरे ॥ पंथी० ॥ २४ ॥ राजारेराज दूत लमोकल्यो
रे ॥ भूपतिपासेतामरे ॥ मुन्हारेमुन्हामुकीमंदिरेरे ॥ आ
वीकरेपरणामरे ॥ पंथी० ॥ २५ ॥ भूपतिरेभूपतिभा-
षेंअेटलोरे ॥ देवगुरुविणहेजरे ॥ माणसरेमाणसतो
नमवोनहींरे ॥ नियमअछेसुविशेषरे ॥ पंथी० ॥ २६ ॥
पौरषरेपौरष तोअेकोनहींरे ॥ धर्मतणोहठावरे ॥ आन-
कीरआडीकहो तिमहींकरूंरे ॥ अवरनकोईकहावरे ॥ पं-
थी० ॥ २७ ॥ धर्मलरेधर्म हारदेमुललणीरे ॥ धर्मक-
रेवाभणींरे ॥ महारेरेमहारेधर्मसआईयोरे ॥ धर्मथ-
कीसुजपाओंरे ॥ पंथी० ॥ २८ ॥ अेकहीरे अेकनमाने
रायजरे ॥ आणे अतिअभिमानरे ॥ रोकीरेरोकीर-
ह्योसहुलोकनेरे ॥ आशतितोअसमानरे ॥ पंथी० ॥ २९
॥ लूंटेरेलूंटेदेशहथामणोरे ॥ रजवासोनहींकोयरे ॥
तेहथीरेतेहथीदेशहयालजरे ॥ गयोसहुभलडहोई
रे ॥ पंथी० ॥ ३० ॥ हुंपणरेहुंपण लेईकुटंबो आपणोरे ॥
भलगोगयोअपाररे ॥ जाल्यांरेजाल्यांमंदिरमालि-
यांरे ॥ नाणेदयासिणगाररे ॥ पंथी० ॥ ३१ ॥ महारीरे
महारीतृणनीछापरीरे ॥ लोकेनाषीपाडीरे ॥ भणींरे
भणींलेवानेजकलाकडीरे ॥ घरमांनारीकुहाडीरे ॥

थी०॥३२॥ भूंडुंरे भूंडुं ते भसामणीरे ॥ दीठे दर्शन
आलरे ॥ देवलरे देवतरूप समदेवनूरे ॥ सरिखुं वंछित डाल
रे ॥ पंथी०॥३३॥ तेहनांरे तेहनां एहवचन श्रवणे सुणीरे
॥ आणी दया दीलमांहेरे ॥ दीधुंरे दीधुं रत्नसुवर्णमय सूत्र
जरे ॥ हर्षीने हरे नृपआहिरे ॥ पंथी०॥३४॥ लक्ष्मणरे
लक्ष्मणपुरमां मोकल्योरे ॥ तेह भूपतिने पासरे ॥ उत्तमरे
उत्तमनर अवलोकवेरे ॥ पाम्यो अति उल्लासरे ॥ पंथी०॥
३५॥ सेवकरे सेवक रूपी सांचवेरे ॥ लक्ष्मण आवें तामरे ॥ वन-
नमेंरे वनमें जय थर्हो अछेरे ॥ सीतासुं श्रीरामरे ॥ पंथी०॥
३६॥ नृपतिरे लक्ष्मणजी तिहां आवियारे ॥ आण्या घर
जोलायरे ॥ भोजनरे भोजन भक्ति करी भलीरे ॥ राम
तणा सुजपायरे ॥ पंथी०॥३७॥ लक्ष्मणरे लक्ष्मणजीने
मोकल्योरे ॥ राजापासें तेवाररे ॥ भणेरे एहवो पत्र चया-
लियेरे ॥ लगभहोटो उपकाररे ॥ पंथी०॥३८॥ राजारे रा-
जआण मनावियारे ॥ भरत भलो भूपालरे ॥ एहनरे
एहवो पत्र वसांभलीरे ॥ हलसे ततकालरे ॥ पंथी०॥३९
॥ सेवकरे सेवकसुं अनुशासनारे ॥ राजाजीने भेछैरे पपस
ण्यारे परण्यारे पछे वातेमारखुंरे ॥ आण परण्यासुं होडैरोसं०
॥४०॥ एहिनरे सामंत छे पुरमहारोरे ॥ मुज साथें गुमा-
नरे ॥ वांकनरे काढीने सूधुं जे करेरे ॥ तो कियो राजनरे
॥ पंथी०॥४१॥ पुनरपिरे पुनरपि लक्ष्मणजी कहेरे ॥ दीन-
से कुण अन्यायरे ॥ पालेरे पाले निश्चय धर्मनेरे ॥ कहे
तहारो सुं न्यायरे ॥ पंथी०॥४२॥ आपुंरे आपुं तो नथी

जेंच्यियेंरे ॥ चित्तमांआणस्याणरे ॥ सायरसायर अंते आणियेंरे ॥ भरतनृपनीआणरे ॥ पंथी० ॥ ४३ ॥ जिन्योरेजिन्योराम अति घणुंरे ॥ निसुणी भरत वजाणरे ॥ लेईरे क्युंनवीमयेंजेहनेरे ॥ पुरुषांवचन प्रमाणरे ॥ पंथी० ॥ ४४ ॥ लक्ष्मणरेभाषेंतवानृपालनेरे ॥ भोलामांहे भोलरे ॥ ऊठीरेऊठी आवऊतावलोरे ॥ भेऊंता हरोभेररे ॥ पंथी० ॥ ४५ ॥ आव्योरे करी आऊ-भर आडंबररे ॥ आपणपेंजयाणरे ॥ लक्ष्मणरेऊपाडीलीघोसहीरे ॥ हाथीनोआलानरे ॥ पंथी० ॥ ४६ ॥ त्रास्यारेत्रास्याविविधत्रासमुंरे ॥ नाठाभयें दूररे ॥ ऊछलीरेगगनऊपरथीजांधिओरे ॥ आण्योराम हजूररे ॥ पंथी० ॥ ४७ ॥ रामरे सिंहोदरपगेलागीनेरे ॥ राघवसुं भाषंतरे ॥ भण्योरेमेंनवीसे तुझ तुम अछोरे ॥ कंअरुलस्याजंतरे ॥ पंथी० ॥ ४८ ॥ महारोरे भमभेअेअपराधजरे ॥ आपोजजआदेशरे ॥ मांहोरेमांहेमांहे मनमेलवोरे ॥ भाषेंतामनरेसरे ॥ पंथी० ॥ ४९ ॥ बंधनरेबंधनछोड्यांहाथसुंरे ॥ मेलविआ नृपदोईरे ॥ घर घररे घरघर आरवधामणांरे ॥ आनंदवर्त्योभेईरे ॥ पंथी० ॥ ५० ॥ आपेरेरानहियो सिंहोदरेंरे ॥ राघवजनीसाजरे ॥ मिटिओरेमिटिओ तससेवडुपणुंरे ॥ श्रीमुखेंभांछलापरे ॥ पंथी० ॥ ५१ कुंडलरेमांगीलियांराणी कन्हेंरे ॥ विद्युतअंगने दीधरे ॥ कीयोरे नगरीनोअधिकारिओरे ॥ पंच्यामेंमसीद्धरे

॥पंथी०॥५२॥ कन्यारेसिंहोदरराजतणीरे ॥ तीनस-
यापरिमाणरे ॥ आठजरे आठअछे भूपालनेरे ॥ विवाह
तणो मंडाणरे ॥पंथी०॥५३॥ लक्ष्मणरेलक्ष्मणकहेपर-
णुंनहींरे ॥ वनवासोनजतायरे ॥ पछेरेपछेपरणीसुं
सहीरे ॥राजानिजघरजायरे ॥पंथी०॥ ५४॥ ढालभ-
ढालभलीचोवीशमीरे ॥राजराजीटंकरं ॥ धर्मथीरकेश-
रजप्रत्यक्षपणेरे ॥सरियांकाज अनेकरे ॥ पंथी०॥५५॥

॥ आश्यारागें दोहा ॥

रातरहीश्रीरामजी ॥ मलचाल्यलनेजम ॥ जतावियेंआ-
विओ ॥ देशासुनिर्जलनाम ॥१॥ तृषाव्यापीसीताभ-
णी ॥ तरुतलेंलेविश्राम ॥ जललेवानेकारणे ॥ लक्ष्मण
धायोताम ॥२॥ आगेंएकसरोवरू ॥ दीठोअधिकअ-
नूप ॥ जलक्रीडाकरवाभणी ॥ आव्योछेएकभूप ॥
३॥ कुबेरपुरनोराजियो ॥ नामकल्याणसुकुमाल ॥ल-
क्ष्मणनेदेख्याथकां ॥राख्योभूपरसाल ॥४॥ आदरें
करीबोलावी ॥ एछेकोईनार ॥ आमंत्रणभोजनत-
णुं ॥ वडोमाहुणोविचार ॥ ५ ॥सोरेकहेनिमसुंनहीं
॥भाईछेवनमांहें ॥ मंत्रीसरसामंतले ॥ आयालेई
उछाहें ॥६॥ स्नानकरीभोजनभलो ॥ आरोगीरघु-
राय ॥ जतलावेतेभूपने ॥सहजपणुंनाछिपाय ॥७॥

ढालपच्चीशमी.

(हेमीसजीप्रभुकंनबिशले, ओ देशी.)

आलभोरेसीतापतिकहे ॥ तिहांतिहांसंच्यारेरे ॥ तिहां
तिहांनांकालसमाररे ॥ करीकरीउपगाररे ॥ आ० ॥१॥
कुबेरपुरपतिभोलिओरे ॥ स्वामिसुणोसुविच्यारेरे ॥
वालिखिल्यराजभलोरे ॥ पृथवीनोभरतारेरे ॥ आ०
॥२॥ गर्भवतीराणीहुईरे ॥ अेटलेअसुरआयरे ॥
बांधीलीधोतेरायनेरे ॥ छोडावियोनवीजायरे ॥ आ०
॥३॥ राणियेंजणीपुत्रीकारे ॥ मंत्रीयेंभाख्योपुत्ररे ॥
पुत्रपणोतापीसह्योरे ॥ आगेहिंघरसूत्ररे ॥ आ० ॥४॥
सिंहोदरसुतसांभलीरे ॥ थापीवातप्रधानरे ॥ वा-
लिखिल्यघरेनआवेरे ॥ तिहांलगेंअेराजनरे ॥ आ०
॥५॥ पुरुषवेषधारी रहीरे ॥ बालपणाथीजेहरे ॥
मातामंत्रीजाणिरोरे ॥ भेदनजाणेकोईरे ॥ आ० ॥६॥
वसुधामांहेविख्यातछेरे ॥ रूपकल्याणकुमाररे ॥ मं-
त्रीमहोटोतोकह्योरे ॥ राजतणोरखवालरे ॥ आ० ॥७॥
अर्थघणोअसुरेभणीरे ॥ आपुंछुंहुआपरे ॥ अर्थ
तणाअर्थिनहीरे ॥ असुरनछोडेबापरे ॥ आ० ॥८॥
सिंहोदरथीराजियोरे ॥ वजुकरणनृपनेमरे ॥ असुरे-
थीउगारियेंरे ॥ बापहमारोतेमरे ॥ आ० ॥९॥ राम
कहेतुंतुरतमेरे ॥ परहोमकरीसवेषरे ॥ तातछोडावी
ताहरोरे ॥ आपुंजयासुंविशेषरे ॥ आ० ॥१०॥ महत्त
प्रसादकरीदिपोरे ॥ कन्याराजरूपरे ॥ लक्ष्मणजीने

परणाविये रे ॥ मंत्रीकहेअनूपरे ॥ आ० ॥ ११ ॥ रामकहे
वनवासमेरे ॥ होइआवुंभमेरे ॥ तजलगघरजेठीर-
होरे ॥ पछेसरसेकामरे ॥ आ० ॥ १२ ॥ तहतिकहीढि-
नतिसरेरे ॥ प्रभुऋषपाछलिरातेंरे ॥ आगानेओडीयल्यारे
॥ नृपेंभएयोप्रभातेरे ॥ आ० ॥ १३ ॥ नदीनर्मदाआवि-
आंरे ॥ वंध्याअटवीमाहिरे ॥ लोकतोवर्ल्यांघणुंरे ॥
भयेजेपरवाहिरे ॥ आ० ॥ १४ ॥ लक्षणनीदशेंअनुस-
रीरे ॥ कंटकतरुभूरीरे ॥ भाडोडोघीसेनहीरे ॥ भयेमा-
र्गेपूरिरे ॥ आ० ॥ १५ ॥ सुकनासुकननागणेरे ॥ नग-
णेघाटविघाटरे ॥ दुर्जलनेजेसोच्चनारे ॥ जालिआओल-
डवाटरे ॥ आ० ॥ १६ ॥ असुरोनांसैन्यांघणांरे ॥ दल-
जलनोनहिपाररे ॥ रूसघातनेनिकल्यारे ॥ मिलिगया
तेणीवाररे ॥ आ० ॥ १७ ॥ सेनामेंसेनापतीरे ॥ तइएस-
पणोछेतासरे ॥ रात्यवतीअविलोकतांरे ॥ पायोअति
उल्लासरे ॥ आ० ॥ १८ ॥ असुरोनेतेडीकहेरे ॥ उपा-
घलोजेजालरे ॥ घसमसकरतांधाइयारे ॥ रामप्रतेंत-
तकालरे ॥ आ० ॥ १९ ॥ लक्ष्मणभाषेंरामसुंरे ॥ तुम
रहोत्रीयापासरे ॥ धनुष्यनाटंकारथीरे ॥ असुरगया
सजनासरे ॥ आ० ॥ २० ॥ सेनापतीसामंतसुंरे ॥ ला-
ग्योराघवपायरे ॥ चरितसुणावेआपणोरे ॥ आगेओ
भोआयरे ॥ आ० ॥ २१ ॥ ओरांजीनयरीभलीरे ॥
वैश्वानरअभिधानरे ॥ ब्राह्मणसावित्रीघरणीरे ॥ भ-
योसुतअज्ञानरे ॥ आ० ॥ २२ ॥ रुद्रदेवअतीरुद्रजेरे ॥

करतोकरमकठूररे॥चोरअन्याईनेसीरेरे॥वानेअप-
जशातूररे॥आ०॥२३॥चोरीकरतोसाहिओरे॥सूली-
नोआदेशरे॥नृपेदीधोतवश्रावकेरे॥छोडव्योसुविशे-
षेरे॥आ०॥२४॥सिखामणदीधीभुजलणीरे॥मकरे
एवोकामरे॥पलीमांहेआवतांरे॥मेंपायोविश्रामरे॥
आ०॥२५॥पलीपतीएहूंहूओरे॥तेजप्रतापप्रचंडरे॥
कोईनहोवेसामुहोरे॥वर्त्तेआणअखंडरे॥आ०॥२६॥
जांधुंराणाराक्षियारे॥पाडुंसघलेत्रासोरे॥आजहूओमुज
जाणजेरे॥दुःखनुभारोहासोरे॥आ०॥२७॥अविनयकी-
धोआकरोरे॥जमजेमुजअपराधरे॥भाग्यवडोछेमा-
हरोरे॥प्रभुतुमदर्शनलाधरे॥आ०॥२८॥कामतणो
आदेशोजरे॥द्योमुजप्रतेंजाणरे॥वालिखिल्यनेछोडी
देरे॥पहेलोकरएकामरे॥आ०॥२९॥वालिखिल्यनेछो-
डीने॥असुरेंकर्योपरणामरे॥वालिखिल्यकरजोडीने
रे॥प्रणम्योप्रभुजरामरे॥आ०॥३०॥रामतणाआदे-
शथीरे॥दीधोपुरिपहोंचायरे॥कल्याणमालाकुंअरीरे॥
देख्यापीसुखथायरे॥आ०॥३१॥ढालजलीपच्चीशमी
रे॥जंदीमोच्चनामरे॥केशराजश्रीरामजरे॥काम-

विषे ॥ अडणजेहवोग्राम ॥ निर्लजनेनिरधनघणा ॥लोक
उपसनिरमाम ॥ २॥ कपीलनामेंअतिक्रोधिओ ॥ ब्रा-
ह्मणमहा कुपात्र ॥ अग्नीहोत्रकर्मपिरे ॥ गर्वेंपूरितगात्र
॥ ३ ॥ सुसर्मासुजिघायनी ॥ ब्राह्मणीगुणनीखाण ॥ भीन
ठजोसिमानिनी ॥ वसुधामांहेवखाण ॥ ४ ॥ सीताने
तृषव्यापना ॥ पाणीपीवाकाज ॥ आवीगयातेगाममां
वेपपंथीनोसाज ॥ ५ ॥

॥ ढाल छवीशमी ॥

(धनधन धनसतीजी आपओराजेएम,एदेशीगे
रामपधारिआजी ॥ ब्राह्मणकेरेगेह ॥ आदरदेअती
ब्राह्मणीजी ॥ आणीधर्मसनेह ॥ मन० ॥ १ ॥ आसन
माड्यांजी खूआंजी ॥ देनी अतिसनमान ॥ सीतलपा-
णीपार्घयोजी ॥ जाणेअमृतपान ॥ राम० ॥ २॥ एटले
ब्राह्मणआविओजी ॥ मकटपणेरेपिसाय ॥ कोपकरे
अतिक्रोधिओजी ॥ नामविषेरेवाय ॥ राम० ॥ ३ ॥ ए
कोणमेलेलुगडेजी ॥ घरमा घाल्याआन ॥ अग्नीहो
त्रअपवित्रीयोजी ॥ कीधोजन अजान ॥ राम० ॥ ४ ॥
नीकलमहारा घरथकीजी ॥ नहींतरओंढुहाड ॥ भा-
मिनीनोमुजभांलवाजी ॥ आव्योलेईमुराड ॥ राम०
॥ ५ ॥ सरणेआवीसुंदरी जी ॥ सीताराणीपुंठ ॥ तोप-
णनटलेपापिओजी ॥ लक्ष्मणआयोऊठ ॥ राम० ॥ ६ ॥
॥ पगसाहीने फेरिओजी ॥ ऊंघालीओआकाश ॥

नाजेणलाग्योतेटलेजी ।। ब्राह्मणपायोत्रास ।। राम०
।।७।। पाडेआधिकीपीपडीजी ।। मल्यालोकअपार ।।
भेदलहीनेंभांपहीरे ।। इटेरेइटिगिमार ।। राम० ।।८।।
डीडीगिपरउटकईजी ।। करतांसोभानअंग ।। कइणा
आणीरामजी ।। दीधोछोडावीसोई ।। राम० ।। ९ ।। ति
हांयकीयालीगयाजी ।। जीजअटवीमांहे ।। जलजव-
रणीसानलीजी ।। परमलयउरमांहे ।। राम० ।। नज-
यरलाग्योवरसधाजी ।। आविगयोंयोमास ।। वडलातल
सेंवासोवस्याजी ।। आणीअतिउल्लास ।। राम० ।।११
।। आधिष्ठायकदेवताजी ।। मलुथीपामेत्रास ।। अतेह-
नेसारेनहींजी ।। हुओअधिकउदास ।। राम० ।। १२ ।।
उरीकर्णनामे भलोजी ।। नलनक्षसिरहार ।। भई
पुडारयोदेवताजी ।। तजतेकरेसुविचार ।। रा० ।। १३ ।।
भाग्यहीनसुरपापिआजी ।। अवसरचूक्योअेह ।।
अतोमहोटामाहुणाजी ।। आव्याछे तुमगेह ।। राम० ।।
रुमा वासुदेवअेअष्टमोजी ।। अष्टमोजलदेव ।। महा
पुरुषपृथवीविषेजी ।। ज्युंनकरीतेंसेव ।। राम० ।।१५।।
नवयोबनयेहुडापणेजी ।। लांजीभेयणजार ।। कोट
अनेवरजांगुराजी ।। कीयांमंदिरसार ।। राम० ।। १६ ।।
हाटभरयांजहुवस्तुसुंजी ।। धरधोनधननोपार ।। रूप
वापीआरामसुंजी ।। सोभाविविधप्रकार ।। रा० ।। १७ ।।
पुरीअयोध्यासारखीजी ।। रामपुरीअभिराम ।। रात्र
विषेरचनाकरीजी ।। देवतणांअेकाम ।। राम० ।। १८ ।।

मंगलशब्दसुहांमणाजी ॥ जाएयोरामनरेस ॥ नयरीनम
यणेनिरखंतांजी ॥ पायोसुखविशेस ॥ राम० ॥ १९ ॥ वि
णाधारविशेषसुंजी ॥ छलकरणवरयक्ष ॥ दीठोगिलो
आगलेंजी ॥ सुरतरुतो परत्यक्ष ॥ राम० ॥ २० ॥ विस्मय
वंतविचारिओजी ॥ राजारामनेवार ॥ यक्षकहेअमेंकि
योजी ॥ वासतणोविस्तार ॥ राम० ॥ २१ ॥ देवविशेषसे
वाकरेजी ॥ आछोअवसरपामि ॥ हुंछुंसेवकताहरो-
जी ॥ तुंछोमहारोस्वामि ॥ राम० ॥ २२ ॥ यक्षपुरुषसेवा
करेजी ॥ पोषेपरिघलप्रेम ॥ रामरहेसुखमेंसहीजी ॥
पुण्यतणांफलजेम ॥ राम० ॥ २३ ॥ कपीलाविप्रेइंधन-
णलाणीजी ॥ अटवीमेंआवंत ॥ नुतननगरीदेखंतां
जी ॥ अचरिजअतीपावंत ॥ राम० ॥ २४ ॥ नारीरूपें
यक्षणीजी ॥ विप्रेंपूछीताम ॥ नीपावीनूतनपुरीजी ॥
वासवसेश्रीराम ॥ राम० ॥ २५ ॥ याचकनेंजलधरपरें
जी ॥ वरसेकंचनधार ॥ जेमसुणंतांजलललोजी ॥
ब्राह्मणलागोलार ॥ राम० ॥ २६ ॥ जन्मदलिद्रीहुंज-
छुंजी ॥ जेणेजन्मारोजाय ॥ तिमकुंपामुं दरसणजी
॥ लाधोसोछजीपाय ॥ राम० ॥ २७ ॥ सालापेंनगरी
तणांजी ॥ द्वारअछेवरच्यार ॥ रखवालायक्षहीरहेजी
॥ केनालियेपइसार ॥ राम० ॥ २८ ॥ नवकारलणेमु-
खथकीजी ॥ धारेनियमनेवार ॥ श्रावकहोईजावतांजी
॥ कोनकरेक्षणवार ॥ राम० ॥ २९ ॥ साधुसमीपेंजा
વિચોજી '. આપણશ્રા .કહોજે ॥ .२९ । .. . । ॥वन

कजी ॥ तवप्याल्यांतेदोर्ड ॥ राम० ॥३०॥ पूर्वकथितवि-
धिसाथवीजी ॥ रामसमीपेंआय ॥ जीमांब्राह्मण
ब्राह्मणीजी ॥ कर्इनकहिणोन्याय ॥ राम० ॥३१॥ ल-
क्ष्मणबोलावीलियोजी ॥ तवतेदेईआसीस ॥ दीधीवं-
छितदक्षिणाजी ॥ सहुलीकरीयजगीस ॥ राम० ॥३२॥
घरेंआवीधनजरथियोजी ॥ लीधोसंयमभार ॥ करज
सारयोआपणोजी ॥ एप्रभुनोउपगार ॥ राम० ॥३३
॥ अजचौमासोजीतरयोजी ॥ प्रभुजीयालणहार ॥
यक्षेंदीधोरामनेजी ॥ स्वयंप्रभवरहार ॥ राम० ॥३४॥
लक्ष्मणनेतोकुंडलांजी ॥ तेजडियांमणिरयण ॥ चूडाम-
णीसीताभणीजी ॥ अतीदीपन्व्योच्चयन ॥ राम० ॥
३५ ॥ मननावंछितरागनेजी ॥ संभलावानेहेत ॥ वीन-
णादीधीवेगसुंजी ॥ सघलासानसमेत ॥ राम० ॥३६
॥ पहोंच्याडीपाछावल्याजी ॥ देवमहासुजदाय ॥ प्र-
भुजीआगेंच्यालिआजी ॥ नगरीगईविलाय ॥ राम०
॥३७॥ ढालभलीछवीशमीजी ॥ देवडीओअनु-
राग ॥ केसराजमुनिलाषिओजी ॥ रामतणोसोभा-
ग ॥ राम० ॥३८॥

॥ संधुरागेंदोहा ॥

संचरतांसुजमेंसही ॥ सांजसमेसहुकोई ॥ विजय-
पुरीच्यलिआविआ ॥ वासोसोधेसोई ॥१॥ नगरी-
नाउद्यानमें ॥ वडलोछेअछेविसेस ॥ मंदिरनाआ-

उरसुं ॥ वासौवसेनरेस ॥२॥ महीधरमहीमानीलो ॥ राजपालेराज ॥ ईन्द्राणीराणीतणो ॥ कहियेंअंत सउाज ॥ ३ ॥ वनमाळापुत्रीभली ॥ बालपणाथीजे-म ॥ टेकग्रहीलक्ष्मणवरुं ॥ अवरवरुंतोनेम ॥ ४ ॥ वनवासोअ्रयपणेसुणी ॥ राजकरेविचार ॥ कहिंघरआ-वीपरणसे ॥ विवाहतणीजेवार ॥ ५ ॥ प्रोढीपुत्रीज-णीको ॥ मायबापपरिवार ॥ परणावेगीतावळी ॥ शोभी करेविचार ॥ ६ ॥ ईन्द्रनगरनोराजिओ ॥ वृषमरायमल्हा-र ॥ सुरेन्द्रूपराजतणी ॥ साटीधीतेवार ॥ ७ ॥

॥ ढालसतावीशमी, सिंधीडी देशी ॥

वनमालानिसुणीजेजाम ॥ मनमांहे अकुलाणीताम ॥ थताहिमेंवनमांहेआवे ॥ एकडीमरवानेदावे ॥ १ ॥ वन-नदेवीनीकीधीपूजा ॥ लक्ष्मणदाखीनेवरदूजा ॥ जन्मां-तरेपणभुजभतिआपे ॥ एमकहीनेमरवुंथापे ॥ २ ॥ तेन-हिजवडलेआवीचाली ॥ लक्ष्मणज्येंदीठीसाजाली ॥ रामसुंसीता सुखमेंसोवे ॥ लक्ष्मणजागेहरहि-सीलेवे ॥ ३ ॥ एकोईवनदेवीदीसे ॥ एवरवसणी विश्वावीसे ॥ वरआरोहिशपरआई ॥ लक्ष्मणपूंठे चेढचोघाई ॥ ४ ॥ वनादिगज्योमतणीसहुदेवी ॥ मन वचनकायाकरीनेसेवी ॥ सांभलजोहेजोलहनारो ॥ मुजनेदेजोलक्ष्मणप्यारो ॥ ५ ॥ ईहभवराज्यो परभवदेजो ॥ तुंताहरीजलीपूजलेजो ॥ एमकही

मारयोगलेपासो ॥ लक्ष्मणदेखेजेकृतमासो ॥ ६ ॥
आविलंजेसोथैतेतेंते ॥ लक्ष्मणजी आपेतसहेतें ॥ मं-
देसाहसमकरोकर्यो ॥ सोकुंलक्ष्मणजणोसार्यो ॥
७ ॥ जाहेंसाही हेठी आणी ॥ एटलेआव्यांराजराणी
॥ लक्ष्मणसहुवृत्तांतसुणावे ॥ सीतारामम्हासुखपा-
वे ॥ ८ ॥ राजापामिप्रभुजीनिरखी ॥ पणसुंदरीम-
नमांहेंहरखी ॥ सीतारामनणेपगेलागी ॥ जणेभाग्य
दशाअबजागी ॥ ९ ॥ पछे इन्द्राणीनृपनारी ॥ नवी
देखेवनमालाप्यारी ॥ कइणास्वरेकहीपोकारी ॥ राज-
ने दुःखहुओभारी ॥ १० ॥ वनमालादेखणनेराजा ॥
आव्योसाथेंसुभटनेताजा ॥ प्रभुपासेंवनमालादेखी
॥ राजनेअतीरीसविशेषी ॥ ११ ॥ हणोहणोकहीम-
च्यायोसोर ॥ एछेमुनकुमरीनोचोर ॥ सामोउठ्योल-
क्ष्मणदेवो ॥ रायसुभटनास्यातततखेवो ॥ १२ ॥ बोल-
जिओलक्ष्मणजमाता ॥ राजयेंपामिसुखसाता ॥
घरहींआवीयालीगंगा ॥ कुमरीलुंतोकर्मसुचंगा ॥ १३
॥ लक्ष्मणवंशयानेकाही ॥ बालपणायकीउत्साही ॥ अज-
प्रभुजीजेपत्रीपरणो ॥ ओहिवातेंविसंजनकरणो ॥ ...

यो ॥ राजानिर्थेंसोजतलायो ॥ भरतसंघातेंविग्रहवाइ
॥ अतिवीर्यसुंआनअपाइ ॥ भरतपक्षेबहुभूपतिआ-
या ॥ पाडयुंजेतजुंजणिवआया ॥ अतिवीर्यतुमनेजो-
जाथा ॥ पक्षथकीजनवर्यतसचाथा ॥१८॥ रामपडयांते
सारे राम ॥ सोधसिगोनगमेंअभिराम ॥ रामपडयायी
नेहीजेहजो ॥ तेहसगानुंभुजकरोकालो ॥१९॥ ज-
क्षमणात्मापेंअेरेविरुद्ध ॥ क्युंणिपालिओछेरेअयुध्य ॥
दूतकहेहमस्वामिजालिओ ॥ अेवातामेंमेंअरकलिओ
॥२०॥ सरतभूपतिवांछेसेवा ॥ विग्रहकारणअेह ज-
हेवा ॥ कोर्धनहारयोकोर्धनजुत्यो ॥ दोधपक्षेछेसुनरा
विदीतो ॥२१॥ अजहीआयेमुननंजणो ॥ युध्यतणी
विधिसघलीठाणो ॥ अेमकहीभोकलिओतेहो ॥ पण
आणेराघवसुंनेहो ॥ २२ ॥ मूर्जमर्मनकांर्धजणे ॥
भरतभूपसुंकांअतीताणे ॥ मुनसहायआधिकंपामि
॥ जतणयाहिअयोध्यास्वामि ॥२३॥ सैन्यासघली
सुंहुंजणीं ॥ मित्रनजणेतेमकराणीं ॥ अेहहणीनेपा-
छाआणीं ॥ भरतभूपनीआणधराणीं ॥२४॥ राम
कहेअेसघलोकूडो ॥ नूंताहरेघरजेठोरूडो ॥ सुतसहु
नेहेतुंमुजलारे ॥ ज्युंमुजकहुंरामसमारे ॥२५॥ भ-
लीकहीभाषीनरनाथें ॥ सुतसघलायेंदीधासाथें ॥ नि
यावर्त्तनगरनेपासे ॥ आवीणितरेंअतिउल्लासें ॥
૨૬ ॥ દેવીએત્રતણી રખવાલી ॥ રામમતે નાખેસુ[illegible]
જી ॥ કારનકોઈમુજ ફુરમાવો ॥ તનૂમનછે આપકસ

हावो ॥२७॥ कांयकोईनहींनुकनाहीं ॥ देवीकहेअेसायो
सांई ॥ तोपणकांईकरीहंभाणी ॥ नाभभरणीहुलानरकहा-
णी ॥२८॥ त्रीयरूपेंतेसघलाहोई ॥ त्रीयनुंराजहोवेंतेम
जोई ॥ रामअनेलक्ष्मणदोभाई ॥ स्त्रीरूपेंपणसुंदरता-
ई ॥२९॥ नारीसाथेंलीयेरेलडाई ॥ राजभजनीअेल-
धुनाई ॥ तिणहीमेंत्रीयआगेंहारे ॥ तेअपजशपामेनर-
गसारे ॥३०॥ महीधरेंअेसैन्यालेजी ॥ संग्राममेंजेसूर
सतेजी ॥ द्वारपालेंजईवातसुणावी ॥ अतीवीर्यनेरीस
अणावी ॥३१॥ भरतभूपनेंहुंसाधसु ॥ सुनरायणो
वसुधावाधसु ॥ त्रीयसैन्याअेपाछीभेजे ॥ मंदिरनो
धुरदेंज्योयेजे ॥३२॥ अेटलेअेउकहेनरहांसो ॥ महीं
धरेंअेकीधोहांसो ॥ वैश्वानरजिम धासीयाणो ॥ रोमें
रोमेंरायतपाणो ॥३३॥ रामादिकत्रीयसेनापूरी ॥
आवीगईनृप द्वारसनूरी ॥ रायकहेकाढोगलेसाही
॥ आव्यासूरसुभटसंबाही ॥३४॥ नारीलडेनरनी
पेरेंनिडी ॥ अटलटलीनेनपडेरीडी ॥ हाथीतणीथाट
भोगीभवे ॥ हलधरहर्षेंमारमचावे ॥३५॥ लाग्यालो-
हुनलागीवारो ॥ राजभजहुओअसवारो ॥ आवेजा-
डोकरसंभाली ॥ लक्ष्मणजयेंलीधोभीघाली ॥३६॥
केशग्रहीनेजांध्योगाढो ॥ लक्ष्मणनोमनहुवोताढो ॥
भरतभूपसुंहीडोआडा ॥ गवरावोअेसुजश पवाडा
॥३७॥ सीतायेंजांध्योछोडायो ॥ घहिलेबांदिगु-
मानगमायो ॥ जेनदेवियेंसकेलीमाया ॥ तेनिमथा

तोतिमहीउराया ॥ ३८ ॥ रामलक्ष्मणदोर्घदीठ ॥ राज्ञ
लोथणअभियपईठा ॥ पगेलागीनेनरवरबोले ॥ अव-
रनडोछेमलुज्ञ तुमतोले ॥ ३९ ॥ अष्टापदगिमसुणियो
आगे ॥ ऊँदडऊँदडता पगलागे ॥ तिमभुवनमांहेअहि-
नवीती ॥ सीवतडजेनाखुछीती ॥ ४० ॥ लानगछेनिर्ल-
ज्ज डहाणो ॥ लोकोमांहेलुंडडहाणो ॥ प्रेडटपरालवअे-
हसहाणो ॥ योरअन्याछेनेमगवाणो ॥ ४१ ॥ नलथी
अलगोडीघोमाछो ॥ पाणीमांहेनावेपाछो ॥ तउरत-
डई डरतोअनीतेवे ॥ पाणीऊंतरीयांनवीज्ञवे ॥ ४२ ॥
आंगुलिआदेजायोडहलो ॥ आपेआपडरेमन डहलो ॥

जीजभगिनी ॥ भरतभणीदीधीसुभलग्नी ॥ ४९
॥ भरतभूपनीसेवासाधी ॥ निजघरआव्योनृपआराधी ॥ रामविजयपुरन्यालिआया ॥ वनमालानेअधिक
सुहाया ॥ ५० ॥ सत्तावीशमीढालसुढाली ॥ भरतभूपनीआरतीटाली ॥ केसराजकहेसांरेजभ ॥ सोईसहोदरजगआलिराम ॥ ५१ ॥

॥ धन्यासिरिरागेंदोहा ॥

महीधरनेपूछके ॥ रामचेल्याणिजाम ॥ लक्ष्मणजसुं वीनवे ॥ सावनमासाताम ॥ १ ॥ प्राणदानदातारतुं ॥ आजकांत्यजेनिरास ॥ भोषेंपूर्णविलोच्यना ॥ करेघणुं अरदास ॥ २ ॥ विवाहकरीसुविशेषथी ॥ सुजनेलीजेसा
र ॥ वनवासेंसरसीरहुं ॥ होईजिनमतधार ॥ ३ ॥ लक्ष्मणभाषेंभामिनी ॥ अेअवसरनहींजोय ॥ भूकेहुं
नजीनिचे ॥ हीयेविमासीजेय ॥ ४ ॥ नजदिरिमंदिर आवसुं ॥ सेवीनेवनवास ॥ जोजहमारोछेसही ॥ पं-
होंच्यावीसतुजआस ॥ ५ ॥ सुंसविनाजवानधुं ॥ र-
यणीभोजनपाप ॥ नावेतोतुमनेअछे ॥ मानीसियूं
मेलुआप ॥ ६ ॥

॥ ढालअठ्यावीशमी ॥

(सुधारसमुरली वाजे, अेदेशी-)

रामकेसुजशघणो ॥ स्वर्गमृत्युपाताल ॥ रामकेसु-

नराघणो॥राम०॥१॥पाछलीरातेंआगेंयांस्या॥ओसं
ध्योवनओेक॥जेमालसपामिपूरीरे॥हिरीसोलाअनेक
॥राम०॥२॥उतरियाउद्यानमेंरे॥लक्ष्मणवनमेंजया॥
लघ्याव्योइलसागछरे॥पाणीपानलराय॥राम०॥३
॥संस्कारसीतायेंडीयोरे॥आराग्योउन्छाहें॥रामतणा
आदेशथीरे॥लक्ष्मणगयोपूरमाहें॥राम०॥४॥श्रवण
सुणीउरघोपणारे॥सहेनेसक्तिमहार॥परणेपुत्रीराय-
नीरे॥नहींसंदेहलिगार॥राम०॥५॥पुरुषओकतब
पूछिओरे॥ओछेडिस्योविचार॥शत्रुदमनराजनलो
रे॥रायानोसिरदार॥राम०॥६॥कनउदेवीतेहनेरे॥
पुत्रीतोपरधान॥जितपद्माछेनामथीरे॥प्रत्यक्षपद्मा
थान॥राम०॥७॥वरनुंजलसुविचारवेरे॥मांड्योएह
उपाय॥आलगेंकोइनाविओरे॥नेहथीजमसराय॥
राम०॥८॥ओमसुणीनेआवियोरे॥परजनमांहेंव॥
नृपपूछेतुंकोणछेरे॥तवजोलेततखेव॥राम०॥९॥भ-
रतभूपनोदूतछुंरे॥जगेंकरवाजाण॥परणुंपुत्रीताहरी
रे॥इहांहुंआव्योआण॥राम०॥१०॥शक्तिघातओम-
हारोरे॥कहेतुंसहीसकेम॥ओकनहींपणपंचछेरे॥सहु
सहीसुंओम॥राम०॥११॥जितपद्माअनुरागिणीरे॥
होयगईतत्काल॥लक्ष्मणनेअविलोकतांरे॥राणीरूपर-
साल॥राम०॥१२॥पुत्रीवरनेआपनेरे॥कहोंनमाने
रंच॥न्यायलरोसहोसांचवेरे॥मूकेशक्तिसुपंच॥राम०
॥१३॥दोहाथेदोजांहमेंरे॥ओकसुदंतान्नेय॥पसाहीलीन

जीकुभागिनी ॥ भरतभणीदीघीसुभलग्नी ॥ ४८ ॥ भरतभूपनीसेवासाधी ॥ निलघरआव्योनृपआराधी ॥ रामविजयपुरस्यालिआया ॥ वनमालानेअधिक सुहाया ॥ ५० ॥ सत्यावीशमीढालसुढाली ॥ भरतभूपनीआशतीटाली ॥ केसरानकहेसारेकाम ॥ सोर्धसहोदर नगआलिराम ॥ ५१ ॥

॥ धन्यासिरिरागेंदोहा ॥

महीधरनेपूछके ॥ रामरंयआणिप्रेम ॥ लक्ष्मणकुसुं वीनवे ॥ साधनमालाताम ॥ १ ॥ प्राणदानदातारतुं ॥ अजकांत्यलेनिशस ॥ लाषेंपूर्णविलोस्यना ॥ करेघणुं अरदास ॥ २ ॥ विवाहकरीसुविशेषथी ॥ सुलनेदीनेलाल ॥ वनवासेंसरसीरहुं ॥ होर्धजिनमतदार ॥ ३ ॥ लक्ष्मणभाषेंस्वामिनी ॥ अेअवसरनहींजोय ॥ भूमेंकुं नहीलिये ॥ हीयेविमासीजोय ॥ ४ ॥ नजहिमंदिर आवसुं ॥ सेवीनेवनवास ॥ जोलहमारोछेसही ॥ पलेंन्यावीसतुलआस ॥ ५ ॥ सुसविनाभयानधुं ॥ रयणीभोजनपाप ॥ नावेतोतुमनेअछे ॥ मानीलियूं मलुआप ॥ ६ ॥

॥ ढालअठ्यावीशमी ॥

(सुधारस मुरली वाने, अेदेशी)

रामकेसुनशाघणो ॥ स्वर्गमृत्युपाताल ॥ रामकेसुन

लशघणोा।।रामग।।पा।।पाछलीशतेंआगेंच्याव्या।।ओदं
ध्योवनअे ।।बेनान ... जमि पूरीरे ।। दिरोसोभाअने
।।रान०।।२।। ऊोनारियाऊोघानमेंरे ।। लक्ष्मणवनमेंजवा
लईआव्यो रुलसाग...रे ।। पाणीपात्रभराय ।।रान०।।३
।।सं...रसीतावेंकावोरे ।। आराध्योऊ...ओं ।। राम...।।
ओदेशथीरे ।। लक्ष्मणगयोपूरमाहें ।। राम०।।ज्ञा।।श्रवण
सुणीऊदघोपणारे ।।सहेलेसक्तिमहार ।। परणेपुत्रीशयन
नीरे।। नहींसंदेहलिगार ।। राम०।।५ ।। पुरुषअेकुतज
पूछिओरे।। अेछेकिस्योविचार ।।शत्रुदमनराजलसो
रे।।राधानोसिरहार ।। राम०।।६ ।। कनकदेवीतेहनेरे।।
पुत्रीतोपरधान ।। नितपद्माछेनामथीरे ।।प्रत्यक्षपद्मा
थान ।।राम०।।७।। वरनुंजलसुविच्यारथेरे ।। मांडयोअेह
ऊपाय ।। आनलगेंकोईनाविओरे ।। तेहथीजमसराया।।
राम०।।८।। अेमसुणीनेआवियोरे ।। परंजद्यमांहेंद्दव।।
नृपपूछेतुंकोणछेरे ।। तवबोलेततखेव।। राम०।।९।।भ-
रतभूपनो दूतछुंरे ।। नथीकंईचाकान ।।परणुंपुत्रीताहरी
रे।।ईहांहुंआव्योआन ।। राम०।।१०।। शक्तिघातअेम-
हारोरे ।।कहेतुंसहीसकेमा।। अेकनहींपणपंचछेरे।।सहु
सहींसुंअेम ।। राम०।।११।। नितपद्माअनुरागिणीरे।।
होयगईतिहांल।। लक्ष्मणनेजविसोकतांरे ।।राग्रीनृपर-
साल।।राम०।।१२।।पुत्रीवरनेआपनेरे।। कह्योनमाने
रंच।। ज्यालरोसदोसांच्चवैरे ।। मूकेशक्तसुपंच।।...
।।१३ दोहा ... ... अेकसुंदरिजेय ।।साहीन

धीशक्तिल्लरे ॥ अनन्तमासो होय ॥ राम० ॥ १७ ॥ नि
तपश्राहर्षिजरीरे ॥ पहेरावे वरमाल ॥ रायकहे परणो
सहीरे ॥ अेकुमरीसुविशाल ॥ राम० ॥ १५ ॥ लक्ष्मण
कहेगीयानमेंरे ॥ जयगछे श्रीराम ॥ हुंछुंसेवकतेहनोरे
॥ उडुंजताच्योकाम ॥ राम० ॥ १६ ॥ रामसुलक्ष्मणभणि
यारे ॥ धसीगयोतिहांराय ॥ लेईआव्योरामनेरे ॥ परम
महासुखथाय ॥ राम० ॥ १७ ॥ लक्तिलावपोषेघणुंरे ॥
पूज्याप्रभुनापाय ॥ तोपणआगेंचालिआरे ॥ रहनने
समन्नय ॥ राम० ॥ १८ ॥ वंसस्थलगिरिउपरेरे ॥ वंस-
स्थलपुरीदेखि ॥ लोकल्लयाकुलदेखिआरे ॥ पूछ्यापुरुष
विशेजी ॥ राम० ॥ १९ ॥ सोलाषेंप्रभुसुणोरे ॥ रात्रें
अचंभोथाय ॥ ध्वनीउठे छे आकरीरे ॥ तेलोकांनजमा-
य ॥ राम ॥ २० ॥ रात्रेंअनेरीन्नयगेरे ॥ नासीन्नअेलोक
॥ प्रात हुआघेरआवहीरे ॥ कष्टतणोअेन्नोग ॥ राम० ॥
२१ ॥ प्रभुलक्ष्मणमोकल्योरे ॥ लेईआलोअेह ॥ का-
उसगमांहेमुनीरे ॥ दीठादेशुणगेह ॥ राम० ॥ २२ ॥ दे-
ईप्रदक्षिण वांदिआरे ॥ सघलीहिविधिसाधि ॥ वीणा
वन्नवेरामलरे ॥ यक्षथकी नेलाधि ॥ राम० ॥ २३ ॥ तान
मानअनुमानसुंरे ॥ रागतणुंआलाप ॥ लक्ष्मणलीला
येंकरेरे ॥ अवसरन्नणीआप ॥ राम० ॥ २४ ॥ रातनगा
वेरंगसुंरे ॥ होईरह्योविनोद ॥ साधुतणीसेवाकरीरे ॥
पामेअधिकप्रमोद ॥ राम० ॥ २५ ॥ अनलप्रभसुरआ-
विओरे ॥ विकुर्विवेताल ॥ साधुनेसंतापवारे ॥ भणे

कोप्योकाल ॥ राम० ॥ २६ ॥ सीतातोऋषीपाळतीरे ॥ रा-
मसुलक्ष्मणदोई ॥ नेतलेआवेसामुहारे ॥ नासीगयोसु-
रसोई ॥ राम० ॥ २७ ॥ मुनिवरहुवाकेवलीरे ॥ आवेसु-
रवरकोडी ॥ केवलमहिमासारयवेरे ॥ पायनमेकरजोडी ॥
राम० ॥ २८ ॥ रामलणेप्रभुजीकहोरे ॥ उपद्रवनुंएहेत
॥ कुलभूषणकहेकेवलीरे ॥ निसुणोसहुसचेत ॥ राम० ॥
२९ ॥ नयरीनामेपद्मनीरे ॥ विजयपरवतभूप ॥ अमृत-
स्वरमतीवंतछेरे ॥ एकसुदूतअनूप ॥ राम० ॥ ३० ॥ उ-
पयोगातस कामिनीरे ॥ नंदनदोईउदार ॥ उदितमुदि-
तगुणआगलारे ॥ कुलकेशसाधार ॥ राम० ॥ ३१ ॥ दूत
तणोएकमित्रछेरे ॥ ब्राह्मणछेवसुभूत ॥ आशाक
उपयोगातणोरे ॥ वातलखीएदूत ॥ राम० ॥ ३२ ॥ सा-
थीतेविलखीथाराणीरे ॥ अमृतस्वरनेमारि ॥ निकंटकहेस
छींजरीरे ॥ माननुंजसंसारी ॥ राम० ॥ ३३ ॥ नृपआदे-
सेदूतविदेसेरे चाल्योमार्गदूर ॥ ब्राह्मणपणसाथे
लाग्योरे ॥ दूतहण्यो जलपूर ॥ राम० ॥ ३४ ॥ ब्राह्मण
घरेआवीनेभाषेरे ॥ मुजनेपाछोवालि ॥ कारजकरवा
वेगसुंरे ॥ आपगयोसोचाली ॥ राम० ॥ ३५ ॥ उपयो-
गानेवातजणावी ॥ लनुकरयुंतेसोई ॥ पुत्रहण्याथी
राजआपणुं ॥ जीनेतोसुजहोई ॥ राम० ॥ ३६ ॥ एह
मतोतोब्राह्मणकेरो ॥ रहसपणाथीजाणी ॥ उदित
मुदितदोभाईयारे ॥ अमरज अधिकोआणी ॥ रा०
॥ ३७ ॥ उदितेब्राह्मणमारिओरे ॥ आयोउदयकु-

शील ॥ एपतनलपल्लीविषेरे ॥ सोमरीहूंओतीनीस ॥ राम० ॥ ३८ ॥ त्यांचित्रवीयोसाथव्होरे ॥ उदितमुदित पेणसंग ॥ अमोतिबंधपणेतिहांरे ॥ त्यांत्याश्रनेषीजेरंग ॥ राम० ॥ ३९ ॥ विपेंनव्योसोलीलडोरे ॥ मारेथो अणगार ॥ छोडव्यापल्लीपतिओरे ॥ मानवीजोउपगार ॥ राम० ॥ ४० ॥ पल्लीपतीहुतोपंखीओरे ॥ अहना वरसणगार ॥ पाराथियेपंजोयाग्रह्योरे ॥ हूओमारणहार ॥ राम० ॥ ४१ ॥ अणेतवछोडाविओरे ॥ पंखीययोपक्षी र्षेस ॥ डीघोजालेंआपणडोरे ॥ अतोविन्धावीस ॥ राम० ॥ ४२ ॥ उदितमुदितदोसाधुजीरे ॥ आराधिसंथार ॥ महासुक्रनाद्येवतारे ॥ पाम्यासुखअपार ॥ राम० ॥ ४३ ॥ ढाललडीअठ्यावीसमीरे ॥ भम्नतणोअधिकार ॥ उ-समाल पूरवतणुंरे ॥ साधुवदेतेसार ॥ राम० ॥ ४४ ॥

॥ मल्हाररागेंदोहा ॥

ज्ञानतणोवसुभूतिनो ॥ जवलभिलवमांहे ॥ मान तणयघेतापसपणुं ॥ पामिमुओतेत्राहे ॥ १ ॥ देवहुओ पणत्योतिषी ॥ धुमकेतुअभिधान ॥ मिथ्यामतिनो वाहिओ ॥ आणेअतिअभिमान ॥ २ ॥ उदितमुदित-नाजीवते ॥ सुरपदतजआवंत ॥ शेषपुन्यनाप्रेरिआ ॥ माणसगतिपावंत ॥ ३ ॥ अरिष्टपुरीनोराजीओ ॥ प्रीयवंदनभूपाल ॥ पोमावेंराणीउदरे ॥ उपनासुत्त सुविशाल ॥ ४ ॥ रतनसुरथरजिआमणो ॥ चित्र-

सुरथसुविशाल ॥ नामथकीअतिपरचंड ॥ सुंदरने
सुकुमाल ॥ ५ ॥ धुमकेतुनाजवनो ॥ ऊणहीघेरअव-
तार ॥ अपरस्त्रीयाऊहरणीपनो ॥ नामेंअनुधरसार
॥ ६ ॥

॥ ढालओगणत्रीशमी ॥

(नगंवायेलजरावलोआसपुरे, एदेशी.)

ऊध्यंतअधिकुसोनंदहूओ ॥ वडाजंधवपीरेयाल्लत
भूओ ॥ पूरवलयवैरनचणांनणावे ॥ महारीसनो हे-
तुआणीपावे ॥ १ ॥ रतनरथनंदनेराजदीने ॥ दीर्घअ-
परलघुनंदयुवराजकीने ॥ षट्दीवसनोअणसणसा-
धीसारो ॥ नृपदेवहुआकिओथन्यअवतारो ॥ २ ॥ अ-
कलूपनेश्रीमतिभार्याकुमारी ॥ दीधीरायनेरंगसुं अणीया-
री ॥ अनुधरयुवरायथीजेहमागी ॥ गर्भओरनेतेहने
करनलागी ॥ ३ ॥ तवशीलसुंरायनागाममारे ॥ करीनू-
क्योसोरतोदेशसारे ॥ चढ्योरायजुयवलोलेईडो ॥
सोतोआंधिआएयो कलिकालकूडो ॥ ४ ॥ विकंजीयने
जंघवामेलीदीधो ॥ नईतापसांपासेंव्रतनियमलीधो ॥
भियसंगतेनिष्फलयोगकीधो ॥ विषयाविषअमृतज-
णीपीधो ॥ ५ ॥ भवमांहेभम्योचिरंकालसोई ॥ लेई
नरगतितापसदेरीहोई ॥ करीबालतपज्योतिषीमे
गणेयो ॥ सोतोअहजनलभेलनामदेयो ॥ ६ ॥ रतनर-
थचित्ररथदोयभाई ॥ ग्रहीसंयमजारमेंस्वर्गजाई ॥

एमभाख्यो ॥१६॥ अनलप्रभदेवथइकेससोही ॥सुर
साथेंथयाक्रिगयामिथ्यालमोही ॥सुरमानवपरखदामांहे
भाखें ॥ दयाधर्मतकेवलीकहियछाजे ॥१७॥ तवसुव्रत
तीर्थपुछंतशीष्यें ॥ तुमपाछलेंकेवलीकोणहोसे ॥कुल-
भूषणदेव भूषणहोयलाछी ॥ होसेकेवलीएहदीधाज-
ताछी ॥१८॥ अनलप्रभएहनिसुणियसारी ॥तजहीं
थकीपुठेंहीलाग्योहमारी ॥कांईएकमिथ्यात्वनोअधिक
वाहिओ ॥ कांईएकपूरववैरेंणीमाहिओ ॥१९॥ दिनथान
रहुआणीपसर्गकरतां ॥ एतोपापतणांभरभरतां
॥ तुमआविआसोगयोदेवनासी ॥ हमणीपाम्योज्ञान
सुजनंगमेकासी ॥२०॥ महासोमवनपाविओआधिकतो-
षो ॥ श्रीरामजीसुंदरेमेमपोषो ॥सुरवांछहीप्रभुपकार
करणो ॥प्रभुभाखेंतुरततंगारभरणो ॥२१॥ वंसस्थ-
लपुरपतिजजरपामे ॥ श्रीरामलक्ष्मणप्रतेंसीसनामें॥
धवतीइन्द्रणीपन्देवएहअलगो ॥ किओतमयनवीआव-
सेकोरियलगो ॥२२॥ श्रीरामआदेसकीधोप्रसादे ॥ध्व
ननलहहले गगनसुंदरेयवादे ॥श्रीरामगिरिगिरित-
णोनामथाप्यो ॥ किओओछवअर्थियाअर्थआप्योप्र
२३ ॥ सुरपतिनेपूछीनेदेवआगे ॥जनथासिजालोक
जहपुंठेलागे ॥ जोलावीयालोकसनमानदेई ॥प्रभुथा

ऐणेछेहुआया ॥७॥ हवेनारीविमलातणेउदरेंआवी॥
तेणेसुखेंसोहतोअधिकपावी ॥कुलभूषणअेकुलकुं-
अरअेहो ॥ अेछेदेशभूषणसुभवानदेहो ॥८॥उपा-
ध्यायवरघोषपासेंपढाया ॥ अमेवरसतोजारतसघरें
रह्याया ॥नवतेस्मोवरसआवीसुहावे॥ नृपपांजातिपं-
डितलेईआवे ॥९॥ तवगोखजेठीथकीअेककुमरी ॥अ-
वितोकतांभणीउंअेहअमरी ॥ तवहोईभाईतणो
रागहोवे ॥ मुजसामहुंचारहींचारभवे ॥ तवपालिके
आविआरायपासें ॥ कुलादेजतांरायपाम्योउल्हासे
॥ तवपंडितपूनिआसीसनामी ॥ निजमंदिरेंआविअ
हर्षपामी ॥११॥पगेंलागीनेमायसेवाविशेषी ॥तेकुंअ-
रीमायनेपासहेजी ॥ तवपूछ्युंमायनेकुणकुमारी ॥तव
मायभाखेंतुमजाहिनप्यारी ॥१२॥ गुरुमंदिरेवासहुतो
तुमारो ॥ तवउपन्योअेहअेसायघारो ॥ चित्तचिंतवेवं-
छिओजाहिनभोगो ॥ अेमभणीहमआदरयोअेहभे-
गो ॥१३॥ नपतीग्रहकरताहीओगिरिहींजाया ॥ अमेंडा-
उस्सग्गेंरह्यातजीयकाया ॥ नहीआसनजीववेडरनम-
रणे ॥ दिनरातरहेवुंअरिहंतसरणे ॥१४॥ पिताहमत-
णोआणीओदुःजगाढो ॥समभवतांइयुहिंनवीथाय
ढाढो ॥ मूओअणसणग्रहीयसोयुगुरुउर्ध्सो ॥ महलोय
नसुरथयोअतिजगीसो ॥१५॥उपसर्गमहारोतेणे
જ્ઞાનજાણિયો ॥ એહઆવિયોસોહતોમેનપાજીઓ ॥
મુનિઅનંતવીર્યનેકું જ્ઞાનો । કરપાઓચ્છવદેવ-

अेमेंघानो ॥१६॥ अनसमेलेदेवगुरुकेससोही ॥ सुर
सायेंथ्यालिंगथान्यालमोही ॥ सुरमानवपरजदामांहे
भाषें ॥ दयाधर्मजकेवलीकहियदाजे ॥१७॥ तवसुव्रत
तीर्थिपुछंतशीष्यें ॥ तुमपाछलेंकेवलीकोणदीसे ॥ कुल-
भूषणदेव भूषणदोयलाछि ॥ होसेकेवलीजेहदीधाज-
ताई ॥१८॥ अनलप्रेलजेहनिसुणियसारी ॥ तजहीं
थडीपुठेंहीलाग्योहमारी ॥ कंइंजेकमिथ्यात्वनोआधिक
थाहिओ ॥ कंइंजेकपूरववैरेणीमाहिओ ॥१९॥ दिनप्रा-
रहुआणिपसर्गकरतां ॥ जेतोपापतणंकारभरपूरभरतां
॥ तुमआविआसोगयोदेवनासी ॥ हमणीपन्योज्ञान
सजनगमेकासी ॥२०॥ महालोचनपाविओआधिकतो-
षो ॥ श्रीरामजसुंकरेप्रेमपोषो ॥ सुरवांछहीप्रभुपकार
करणो ॥ प्रभुभाषेंतुरतभंडारभरणो ॥२१॥ वंसस्थ-
लपुरपतिजजरपामे ॥ श्रीरामलक्ष्मणप्रतेंसीसनामे ॥
दयनीइन्द्रउपन्द्रवजेहअलगो ॥ किओभयनवीआव-
सेकेरिवलगो ॥२२॥ श्रीरामआदेसकीघोप्रसादे

दिनेविशेषि ॥२५॥ अनेरेदिहाडेनजानिमएवेला ॥
दोयच्यारणसाधुजुपुण्यमेला ॥ त्रिगुप्तसुगुप्तेनामेंवि-
राजे ॥ आयाआंगणेसुव्रताअन्नउजे ॥२६॥ द्वीमास
उपवासीयादोईसाधो ॥ घणेपुण्यनेप्रेरणेदरशलीधो
॥श्रीरामजुलक्ष्मणसतीयसीता ॥ भलाभावउविघ्न
मांहेविदिता ॥२७॥ भलीभक्तिसुसाधुनांच्यरणवंदे ॥
भवसंततिसयलनांदुःखनिकंदे ॥ सतीयेंनिजहाथेंसु
हर्षआणी ॥ प्रतिलाभीआमासुउभातपाणी ॥२८॥
दुःखवारणोपारणोजीवजमो ॥ भलांपुण्यअंकूरसुरव
रसंततामो ॥२९॥ गंधाबुनीवृष्टीहूई ॥ उघ्दूघोषणादेव-
नीहूईजूई ॥२९॥ पंच्यसुदिव्यहूआवेजाएया ॥ भ-
लाहायडाआनंदिनसइसवाएया ॥ अनोदानगुणतीस-
मीजगतजन्यी ॥ उसरावलाधैंसघवातसाची ॥३०॥

॥ रामगिरिरागेंदोहा ॥

रत्नजटीतरलिआमणो ॥ जंबूद्वीपदयाल ॥ जेन्यरसु-
रयअन्यसु ॥ आपेतेसुविशाल ॥१॥ गंधाबुनीवृ-
ष्टीनो ॥ गंधतणोविस्तार ॥ विस्तरिओछेदहदिसे ॥
सुरभिमहासुजउार ॥२॥ गंधालिधजेउपंखिओ ॥
रोगीजेहयोनाम ॥ तइथीउतरीआविओ ॥ गंधवा-
सनापाम ॥३॥ दरशनदीठेसाधुने ॥ जातिसुमरणलाध
॥ मूर्छागिधरणीपड्यो ॥ नेपंखीसाजाथ ॥४॥ सीतायें
सुसतोङियो ॥ वेदऋषीनापाय ॥ ऋषीजुयरणेपर-

સિયો ॥ તામનિરોગીથાય ॥ ૫ ॥ પાંજકુઈસોનાસમી ॥
ચેંસુવિન્દુ મનાવ ॥ અનાર કુસુમ યતનુ ॥ પદ્મરાગસમપા
વ ॥ ૬ ॥ રતાંકુરનીઓપીસમ ॥ માથે જટાસુહાય ॥ નામ
જટાયુ પંખીયો ॥ તેહિનથી કહિવાય ॥ ૭ ॥

॥ ઢાલ ત્રીશમી ॥

(ધનધન શીલવંત નરનારી, એ દેશી.)

રેભાઈસેવોસાધુસયાણા ॥ હેતયુક્તિ ભલભાવ જતા-
વી ॥ તાસ્યા ભવઅથાણારે ॥ રેભાઈ૦ ॥ ૧ ॥ દ્રઢપ્રહા-
રીદ્રઢપણેરે ॥ મેલેઆપમહાશ ॥ પરમારથ પદપામ્યા
પરતક્ષ ॥ સાધુતણાઉપકારોરે ॥ રેભાઈ૦ ॥ ૨ ॥ ચિલા-
યતીજાંઈનોજેટો ॥ નામચિલાતીપુતો ॥ સાધુસંગતેઊ-
રતસાર્યો ॥ કીધોદૂર કસુતોરે ॥ રેભાઈ૦ ॥ ૩ ॥ અર્જુન
માલીગારીમારે ॥ નરજટ એકખનારી ॥ ષટમાસાંલગે
એમકરતો ॥ લીધોઉરનસારીરે ॥ રેભાઈ૦ ॥ ૪ ॥ પરદે
શીપરભવનથીમાને ॥ પાપ કરેઅતીપાપી ॥ કેશીગુરૂ
સમજાવીલીધો ॥ સુમતિસદાથિરથાપીરે ॥ રેભાઈ૦
॥ ૫ ॥ રાઘવપૂછેસાધુસંગાતે ॥ એગૃધ્રપંખીદેજો ॥ ય
સાંતહોઈતુમસેવાસાધે ॥ અચરિજએહવિશેષોરે ॥ રે
ભાઈ૦ ॥ ૬ ॥ ભગવનભારીદેહવિકારી ॥ રોગીમેંસિ
રદારો ॥ કંચનવરણીકાયાહોઈ ॥ એછેકુણવિચારોરે
॥ રેભાઈ૦ ॥ ૭ ॥ સાધુસુગુપ્તકહેસુણરાજા ॥ ચારિત્ર
તણોવિસ્તારો ॥ કુંભકારકટપુરએહુતો ॥ દંડકરાય

ऊघरोरे ॥रे भाई०॥८॥सावथ्थीनगरीनोराजा॥
जितशत्रुसुजगीसो ॥राणीधारणियेंसुतजायो ॥खंद-
कनामकुमारोरे ॥रे भाई०॥९॥पुत्रीपुरंदरयशाते॥
दंडकनेपरणावे ॥ पालकब्राह्मण दूतपणेरे ॥सावथ्थी-
यें आवेरे ॥रे भाई०॥१०॥ जितशत्रुराजाधर्मपराय-
ण ॥गोष्टीधरमकीभावे॥नास्तिकवादिपालकनेरे ॥ध-
र्मकथानसुहावेरे ॥रे भाई०॥११॥ खंदककुमरेंयुक्ते
जित्यो ॥ जयवंअपूठोनावे ॥होइप्रीसाणोनिजघरें
आयो ॥रहेकुमरसुधयेरे ॥रे भाई०॥१२॥ खंदक
कुमरपंचसयांसुं ॥श्रीमुनिसुव्रतपासें ॥संयमले-
इसुध्धोपाले ॥ मारग धर्मप्रकासेरे ॥रे भाई०॥
१३॥ जाहिनवंदवुं पुरसमजावुं ॥अेहमतोचित्तठा-
णी ॥ कुंभकारकटनगरेजावा ॥ पुछ्युंप्रभुनेआणी
रे ॥रे भाई०॥१४॥ प्रभुजीभाखें कांइनराजे ॥मर-
णांतिकनामो ॥ उपसर्गउपजतोदीसे ॥ खंदक
भाखेतामोरे ॥ रे भाई०॥१५॥ हम आराधकहु-
वाकेनाहीं ॥ पुनरपिस्वामीभाखें ॥ तुजविणसघ-
लाहीआराधक ॥ जिमदंभेतिमदाजेरे ॥ रे भाई०॥
१६॥ आपविराधकहोतासघलां ॥ केरांसीलेकामो
॥ अेहविचारीचाल्योखंधक ॥ पहुतोतेणेठामेरे ॥
रे भाई०॥१७॥ पालकपापीसुभारिपराभव ॥ आणे
अेअविचारो ॥ साधुसमोसरिआछेजिहां ॥ साथेज-
हथियारोरे ॥रे भाई०॥१८॥ राजापामिजजरनि-

પારે ॥ આવી મુનિવરવંદે ॥ દેસનાસાં[illegible]ીનજઘર આવે
॥मनमेंअतिआनंदेरे ॥रेभाई० ॥१९॥पालकपापघ-
णेरेपोजे ॥राजानेसंभलावे ॥शालोतुजमारेवाआयो
॥तेहथियारदेखावेरे ॥रेभाई० ॥२०॥राजावातनकोई
विचारी ॥ जेअंतेरीसाणो ॥पालकमंत्रीनेमुनिसुंप्या ॥
करजेतिमतुमजाणोरे ॥रेभाई० ॥२१॥पालकरीसेप-
णाथीमहोटो ॥मांडयंत्रनिवारें ॥खंदकदेखेंसाधुअेकेको
॥पीलेतेहतिवारेरे ॥रेभाई० ॥२२॥निर्यामकतजहो-
ईखंदक ॥ आचारजजआपे ॥ आराधनाविधिशुध्धकरा-
वे ॥अप्पामेंमनथापेरे ॥रेभाई० ॥२३॥श्रेणीक्षपक-
नीवाटेचढतां ॥पामिकेवलनाणो ॥ अष्टमहागुणकेरना-
यक ॥ पहुताअविचलठामोरे ॥रेभाई० ॥२४॥चारसयां
नवाणुंपीज्या ॥ अेकसुचेलोजालो ॥ अेहनुं दुःखमुजमत
देखाडो ॥ मानेनहींचंडालोरे ॥रेभाई० ॥२५॥बालक
नेपीलंतादेखी ॥नयणेनीरप्रवाहो ॥ सहुनांकानसमा-
ण्यांपाछे ॥ऊपज्योरोसअगाहोरे ॥रेभाई० ॥२६॥
दंडकपालकदेससहुनो ॥ होजोहुंदसयकारी ॥ पोतेछेभव
संततितेहथी ॥कीधुंनीयाणुंभारीरे ॥रेभाई० ॥२७॥
अेहनीयाणुंकीधापाछे ॥पीलीनाख्योसोई ॥ पावईया-
नेपानुनव्येद ॥ अेहओजाणोजेईरे ॥रेभाई० ॥२८॥
चान्हिकुमारोमांहेविहितो ॥देवहुओतत्कालो ॥पापीपंथे
सहुतिणठामें ॥पापमहाअसरालोरे ॥रेभाई० ॥२९॥
दंडकराजावातसांभली ॥सोचेतेहअपारो ॥फिटरेकूड़ा

पालिकपापी ॥ सांधुठिओसांथारोरे ॥ रेभाई० ॥३०॥
पुरंदरनशासुनराणी ॥ एसालोसुजघा छे ॥ साधुतणी
पदवी थीमहोटो ॥ पापाडिओतें जयाईशा ॥ रेभाई० ॥३१
॥ राजाथितेसंयमलहुअज ॥ मुनिपासेन्हठी ॥ एटला
मांहिअग्निमन्वली ॥ वेलापुगीआईरे ॥ रेभाई० ॥३२॥
रतडजलतंतुनपुरंदर ॥ नशायेंदीघोयो ॥ जाहिनतणो
मनराजणकारण ॥ जंथचकलीघोथोरे ॥ रेभाई० ॥३३
॥ ओतंतुनरत्नेहरणोरे ॥ लोहीजरज्योहेजी ॥ सकुन
जेडांतेलघयाली ॥ एआहारविशेषीरे ॥ रेभाई० ॥३४॥
लारघणेपंजणीअकुलाणी ॥ त्यांथयकी अडयडिओ ॥
दैवयोगेतवदेवीआगे ॥ ओघोतंतुनपडिओरे ॥ रेभाई०
॥३५॥ देवीभाईमास्यांडेरी ॥ जणीएसहिनाणी ॥ डं-
ताकांईमहोटामुनिवर ॥ पीव्याघालीघाणीरे ॥ रेभाई०
॥३६॥ शोककरंतीशाशनदेवीयें ॥ पापीपुरथीलीधी ॥
श्रीमुनिसुव्रतपासेंमूकी ॥ स्वामीदीक्षादीधीरे ॥ रेभाई०
॥३७॥ अग्नीकुमारेंअग्नीविकूर्वी ॥ बाल्यापुरनालोको
॥ दंडकराजपालकपापी ॥ एकृतकर्मभोगोरे ॥ रेभाई०
॥३८॥ दंडकारण्यतेदिनदिनथी ॥ पुरनवीफिरिवसाणो
॥ भूंडूकरतांभूंडू हूवे ॥ कूडेकूडुंजणोरे ॥ रेभाई० ॥३९
॥ दंडकराजाभवमांभमियो ॥ दुःखतणोसंयोगी ॥ गं-
धाभिधएपंखीहूओ ॥ तोहीमहातनरोगीरे ॥ रेभाई०
॥४०॥ जतीसमरणमुनदर्शनथी ॥ ऊपन्युंएनेआ-
ने ॥ स्पर्शोषधीलब्धीथइरे ॥ जणोएसहुसाभेरे

॥रेभाई०॥२१ ॥रोगगयोनिरोगिओरे॥रत्नमयिरे शरीरे॥आयउहुओसाम्यलोरे॥धर्मकरेवाधीरेरे॥रे भाई०॥२२॥ जवानियाते इलनवीआजे॥शत्रीलोभ लनत्यागो॥यासंतापयेजाणउगया॥लणयोनेहवो शगोरे॥रेभाई०॥२३॥ राघवनेरे लखामणदीवी॥ रहेओसेवामांहे॥सामीनेवात्सलपणेरे॥पुण्यघणोरे भाहेरे॥रेभाई०॥२४॥ रामकहेओभाईछेरे॥तुमवन च्यनोथीवाइ॥सत्यवतीनीपासेरहेसे॥च्यतुरपणेछे च्याइरे॥रेभाई०॥२५॥ ओमकहीनेऋषीपांघुरीआ॥ उपजारीअणगार॥संयमतपकरीशोंलतारे॥ज्ञान तणाभंडारे॥रेभाई०॥२६॥ देवकीयोरथञेतशीरे ॥जेसेसीताराम्यो॥लक्ष्मणहोवेसारथीरे॥पंजीआ गेत्तामोरे॥रेभाई०॥२७॥ क्रिडाकरंतांसंचरेरे॥ प्रेम लपुण्यभेलावो॥रामतिहांहीजयोच्यारे॥मलिओ ओहरुहावोरे॥रेभाई०॥२८॥ वासत्रीशमीमेकह्योरे ॥पंजीमननमकारो॥डेशराजऋषीवायकमेरे॥नहींसं देहसिगारोरे॥रेभाई०॥२९॥

॥ केदाररागेंदीरागें दोहा ॥

लंकपायालाराज्यो॥जरनामेंभूपाल॥सूर्य्यनखा घरेसुंदरी॥सुंदररूपरसाल॥१॥ सुभयेला सुभेकान रिया॥नयनंदनदोई॥शंबुकसुंदसोहामणा॥ मा न्यायोवनसोई॥२॥ मायवापनेवरलता॥ इंडमन

रण्यमांहे ॥ सूर्यहासअसीसाधवा ॥ शंबुकगयोतिन-
रछाहें ॥३॥ कृष्णशुं वर्णणहारनें ॥ वचनवदेविकराल ॥
आलिमानीमानेचढ़यो ॥ आवीपहोंतोकाल ॥४॥ पंकोयन
रवातीरिंअछे ॥ गंधुरवंशविशेष ॥ तिहांरहीसाधनकरे ॥
एकमनेएकलेस ॥५॥ एअंतरमुनिसुव्यासा ॥ लिते-
रीयजरलस्याग ॥ पगजांघीवदसाजसुं ॥ अधोमुखोसु-
विचार ॥६॥ वरसबारदिनसातसुं ॥ विद्यासाधनसार
॥ प्रारंभ्योप्रगटपणे ॥ कियुंकरेकिरतार ॥७॥ वरस
बारबोलीगयां ॥ ऊपरतोदिनच्यार ॥ सिधिकेसिध्धीह
वे ॥ वरतेविद्याबार ॥८॥ तेनमहासुरनतणो ॥ गंधु-
रमाहेन्नम ॥ विस्तरयोदिशेघणुं ॥ कुंअरहरख्योताम
॥९॥ किडाअेतिहांआविओ ॥ लखमणमनउलका-
स ॥ सूर्यहासआसिदेखियो ॥ भणेसूरनेडास ॥१०॥
ओंडोलीयोहाथमें ॥ डाबीसमेंसोधि ॥ अपूर्वशस्त्रअ-
विलोकतां ॥ जगीनेसुखहोधि ॥११॥ तासपरीक्षाकार-
णे ॥ आतुरहुओछेस ॥ वंशजालनेवाहिओ ॥ शंबुकके-
रोसीस ॥१२॥ ऊतरिपडिओआगले ॥ चितसुचित-
वेशाय ॥ निकारणएमारिओ ॥ फिरिफिरिपछताय
॥१३॥ गंधुरमेंअेवेलइ ॥ वडलाकेरीडाल ॥ दीठोधड
अविलंबिओ ॥ तामचल्योतत्काल ॥१४॥ रामसन-
मिपेंआविओ ॥ संभलाव्योविरतंत ॥ ओंडेमूरक्योआ

॥ढाल एकत्रीशमी॥

(नेहेनी नेहनो नेह सुरंग, ए देशी.)

होलाईतेंणिपावणोठायो ॥ जसए जांडोसोनइयांडो ॥ के
आयोकेआयो ॥ होलाई० ॥ १ ॥ रावणभगिनीसुरपनखा
॥ विद्यासिध्धिजणी ॥ पूजपाणीअन्नअनोपम ॥
आणेअतिजसराणी ॥ होलाई० ॥ २ ॥ दीठोघडमस्तकजन
जनूंदो ॥ अईअईदेवअडाभो ॥ डीधोतेंअणसोध्योअन
घडो ॥ मूर्च्छाणीसातामो ॥ होलाई० ॥ ३ ॥ करियस-
चेतनहावत्स हावत्स ॥ संबुकसंबुकसोधे ॥ करतीप-
डतीअतिआरडती ॥ मरोडेकरघोई ॥ होलाई० ॥ ४ ॥
लक्षणवंतीलक्ष्मणकेरा ॥ पगनीपंक्तिदेखे ॥ मुजसुत
हंताओरेजाणवो ॥ रीसघणीसुविशेषे ॥ होलाई० ॥ ५ ॥
पगनेंओलेंयालीआवी ॥ सीतालक्ष्मणरामो ॥ निरखी
हरषीपरणेंपद्मनी ॥ रामरूपअभिरामो ॥ होलाई० ॥
६ ॥ कामबाणसुं वींधीलीधी ॥ नरहीसुध्धलिगारो ॥
भूलीनेंदनआलरडीपल्यो ॥ करवानेभरतारो ॥ होला
७ ॥ कुमरीअमरीनेअनुसरती ॥ धरतीरूपरसालो ॥ राम
मय्येंजनेपासेंआवी ॥ ऊभीसातजालो ॥ होलाई० ॥
८ ॥ पूछेप्रभुजीपद्मनीसेंती ॥ कुणअछोतुमलाषो ॥
अटवीमांएकाकीदीसो ॥ संकाकोईमराखो ॥ होलाई० ॥
९ ॥ सालभाषेंहुरानकुमारी ॥ ऊपरिभूमेंसोखुं ॥ निरधा-
रतनरभूआसरिजो ॥ अधिकअचेतनहोखुं ॥ होलाई
॥ १० ॥ एकविद्याधररूपेंमोह्यो ॥ इहांमुजलेईआयो ॥

ओदलेअपरजेन्यरथालिआयो ॥ त्याहे मुन छीनायो ॥
होलाई० ॥ ११ ॥ मुनहेठी मूडीआपण ॥ लडवालाग्या
दोई ॥ लडतांलडतांदोईमूआ ॥ कुवशनथीइमहोई ॥
होलाई० ॥ १२ ॥ अेडाडीहुं अजलाजारा ॥ इम घणुं
उदासी ॥ अजमेंप्रभु ज्ञानापगपाम्या ॥ आरतिगईसज
नासी ॥ होलाई० ॥ १३ ॥ अजमुनव्याहो जारभलावे ॥ जा-
लपणानोलोगो ॥ लोगवणोसुज दाईपिछे ॥ दोहिलोओ
संयोगो ॥ होलाई० ॥ १४ ॥ प्रभुजीअेप्रपंचविचारयो ॥ भ-
होदनीभतिमहोटी ॥ डपटकूटीडसिडारीडामिनी ॥ ओ
सजजानाजोटी ॥ होलाई० ॥ १५ ॥ धूताडा धूतायेधूरत
॥ धूतीनेपडआई ॥ डिमदियेनयणासयनवतावे ॥ मोहो
मोहलाई ॥ होलाई० ॥ १६ ॥ रामडहे मइारे अेनारी ॥
जीज्डेभयराय ॥ वेंचीनिन्दाणिन्लगरलेवो ॥ सांसामेंघि-
नन्लंय ॥ होलाई० ॥ १७ ॥ पहलोछडोछरडदेजावे ॥ ड-
रसेचारोविवाहो ॥ नेहनेनहींतेहनेआतुरता ॥ मनमेंअ-
तिउमाहो ॥ होलाई० ॥ १८ ॥ प्रारथनालक्ष्मणसुंकीधी
॥ लक्ष्मणडहेभलेरी ॥ मायहमारीप्रभुप्रारथियां ॥ लम
लीमडहीसोईरि ॥ होलाई० ॥ १९ ॥ चायेनालेगयडी
रीसाएणी ॥ रीसाएणीसुतमारया ॥ आवीजरसुंजरियपु
डरी ॥ रीसघणीविस्तारया ॥ होलाई० ॥ २० ॥ वेणीद
हल्लरजराहीजेंचर ॥ संजाड्यानेवारे ॥ आईगयातेवात
डरंता ॥ ऊठेराम लेवारे ॥ होलाई० ॥ २१ ॥ लक्ष्मणला-
वेदयदया डरी ॥ जेठारहोतुमआपोना ॥ मुनछिक्या ओ

नाशटेजो ॥ पुण्यथकीनेमपापो ॥ होल्नाई० ॥ २२ ॥ ल्नओ
वेगावेरीहुतो ॥ ल्नेल्नणोअेत्रासो ॥ सिंहनादनिल मुजथी
कील्ने ॥ हुं छुंथारेपासो ॥ होलाई० ॥ २३ ॥ धनुष्यजाणसे
ईपगेलागी ॥ लक्ष्मणथाल्योल्नमो ॥ जेयरजेतेंजशही
सूरा ॥ मांड्योअतिसंग्रामो ॥ होलाई० ॥ २४ ॥ गरुडत-
णेजागेंतेमजहिवर ॥ तिमतेजेय्यरलांले ॥ आरण्यमें
अरल्नकेडलो ॥ लक्ष्मणवीरजिराले ॥ होल्नाई० ॥ २५ ॥
पुंठेराजवारावणआगे ॥ भगिनील्नछेपुकारे ॥ रामसुलक्ष्म
णदंडकअरणे ॥ आयाछेअधिकारे ॥ होल्नाई० ॥ २६ ॥ वि-
द्यासाधनकरतोवीरो ॥ मारीलीयोजंडाल्ने ॥ लक्ष्मणसुं
जरदूषणजाडिआ ॥ लुडिआ छेतईआल्ने ॥ होल्नाई०
॥ २७ ॥ लघुलाईनाजलसुंजलिओ ॥ जालिओजाप
अपारो ॥ जेपखाधवरतेअडरतो ॥ नाणेमनहिमल्नरो ॥
होल्नाई० ॥ २८ ॥ सीतासुंसुजमाणेस्वामी ॥ सीतानोअ-
तिरूपो ॥ नारीसघलीहिसोधतां ॥ सीतारूपअनूपो ॥
होलाई० ॥ २९ ॥ तिन लोकनीनारीनेती ॥ तेतोल्नेईवि-
मासी ॥ केकेकथीओपमअतिपण ॥ सीताआगेंदा-
सी ॥ होल्नाई० ॥ ३० ॥ पगनजयीसीजाधेजाणत ॥ सु
रगुरुपारनपावे ॥ वाणीकेडुंवजाणवणेरो ॥ मोपेंक्यु
कहिआवे ॥ होल्नाई० ॥ ३१ ॥ सायरअंतलपृथ्वीमां-
हे ॥ रत्नतिकेछेल्नयें ॥ तेतोजंधवसघलांथारां ॥ स्वा-
मिपणाथीसायें ॥ होल्नाई० ॥ ३२ ॥ पुष्पकनामेंजेसी
विमाने ॥ आणोआणीआसो ॥ वदनविलोकीकेडी ,

मुजने ॥ देसोसहिला जासो ॥ हो भाई० ॥ ३३ ॥ ढाल
भलीए एकतीशमी ॥ रावण मंग्याकनो ॥ केशराज हो-
तांरंयजलिज्जो ॥ आयो तसजयसानो ॥ हो भाई० ॥ ३४

॥ कल्याणरागें दोहा ॥

वीतराग उपदेशमें ॥ च्यारभेदें धर्म ॥ दानशीलतप
भावना ॥ साधेवा शिवसर्म ॥ १ ॥ चित्तवित्तअनुसारथी
॥ द्यो दान कर हाथ ॥ तपतो कर्यासोसवी ॥ भावें भावना
भाय ॥ २ ॥ शीलपालवो दोहिलो ॥ नाहिसोहिलो लि-
गार ॥ चंचलचित्तथिर राखवो ॥ चालवो खांडाधार ॥ ३
॥ वायेभरवा कोथला ॥ तरवो उदधिअपार ॥ सायोसान
पणिंसावणो ॥ पालवो शीलाचार ॥ ४ ॥

॥ ढाल बत्रीशमी, पदनी देशी ॥

जीवरे तुं शीलतणो करसंग ॥ अवररंग सवि कारमो रे ॥
एह शरीरिंरंग ॥ जीवरे० ॥ १ ॥ आगथकी जलउपलेरे
॥ सापथकी वरमाल ॥ वाघहिरणीहोय हिरणलोरे ॥ अन्व-
पणुं लहे व्याल ॥ जीवरे० ॥ २ ॥ पर्वतहोवे पावहीथोरे ॥
विषथी अमृत होय ॥ विघ्नथाने ओच्छवघणोरे ॥ दुर्ज-
न सज्जन होय ॥ जीवरे० ॥ ३ ॥ सायरगामत लावडोरे
॥ अटवीनिजघरजाण ॥ सुरातिके भलपण लहेरे ॥ शी-
लतणा उपकार ॥ जी० ॥ ४ ॥ पद्मोलगें अपयशतणो
रे ॥ गुणवने देवीआग ॥ चारित्रने जल आंजलीरे ॥

तपनपन्नखेलाग ॥ जि० ॥ ५ ॥ साठसर्वपिदतणीरे
॥ उलोऊखोगोत ॥ घृरदेभाळेनरऊनांरे ॥ शीलविना
ठमहोत ॥ जि० ॥ ६ ॥ पगलेरेनरनेटलारे ॥ परनारीने
हेत ॥ आसणमारेतेटलारे ॥ साजिअपेरमतहेत ॥ जि०
॥ ७ ॥ ननरमेलोननरनोरे ॥ होवेनेतीवार ॥ पलऊपलठे
पल्योपमेरे ॥ वससोनरऊमभ्भर ॥ जि० ॥ ८ ॥ कुसमेना-
रीनिरोजतांरे ॥ ब्रह्महत्यानोदोष ॥ लागेलंपरनेघणोरे
॥ पापतणोअपोष ॥ जि० ॥ ९ ॥ लालदंडअतिआडरोरे
॥ ओरडरेनुडश्वान ॥ आगिविणमरणोसहीरे ॥ नावधे
उर्धमान ॥ जि० ॥ १० ॥ ओजणीडीहोनिंदक्षयेरे ॥ क्षण
क्षणजीणोदेह ॥ यंन्तरहेनित्यजारमोरे ॥ नेहनोप-
रघरनेह ॥ जि० ॥ ११ ॥ लालगयानिरलजपणुंरे ॥ कूऊ-
रऊरेनाम ॥ पगेपगेमाथादंडणारे ॥ शीलविनाजेजन-
म ॥ जि० ॥ १२ ॥ शीलवतीसीतासतीरे ॥ वसुधामांहे
विख्यात ॥ शीलनलोपेसुंदरीरे ॥ निसुणोअजवदात
॥ जि० ॥ १३ ॥ जेसीविमानेआलिओरे ॥ राजरावणतान
म ॥ दंडऊजरणेआविओरे ॥ जेठादीठाश्रीराम ॥ जि०
॥ १४ ॥ आघापावपडेनहीरे ॥ नवीलोपायेऊर ॥ वाय
नआवेआसनोरे ॥ देखीआगअपार ॥ जि० ॥ १५ ॥
सीतातोलेचीसहीरे ॥ रामछतांनलेवाय ॥ आगेह-
रीपीछेतदीरे ॥ सोप्यघणोतजथाय ॥ जि० ॥ १६ ॥ वि-
द्यातोअवलोकनीरे ॥ सुमरीतवआवंत ॥ डरमेडोवि-
लीरहीरे ॥ प्रभुजसुजपावंत ॥ जि० ॥ १७ ॥ साहूनऊ-

रोतुमेमाहरेरे ॥ पामुंसीताआन ॥ ईरिगयापाम्याविं-
नारे ॥ हुंपामुंअतिलाज ॥ जु० ॥ १८ ॥ शिरधुणीविद्या
कहेरे ॥ एतोमुंडुंकाम ॥ सीताहरतांतुमतणुंरे ॥ थासे
लगकुनाम ॥ जु० ॥ १९ ॥ सतिजोमांहेसिरोमणीरे ॥
रामचंद्रनीनार ॥ शीलथकीचूकेनहीरे ॥ जेहोवेकोडप्र-
कार ॥ जु० ॥ २० ॥ रावणतोमानेनहीरे ॥ देवीकेरीवाच ॥
मधुरेमनसीतावसीरे ॥ जेहीकरोविपाय ॥ जु० ॥ २१
॥ विद्याकहेरघुजछतांरे ॥ कीधांछेडिकलाप ॥ कायेन
आवजनकीरे ॥ सुरपतिआयाजापे ॥ जु० ॥ २२ ॥ ल-
क्ष्मणलडवानेगयोरे ॥ रामकियोसंकेत ॥ सिंहनादतुज
सांभल्यारे ॥ आयोहेजेजेत ॥ जु० ॥ २३ ॥ सिंहनाद-
नेंहुंकरुंरे ॥ राघवजीजिमथाय ॥ सीतालेतांसोहलीरे ॥
लाभ्योएहउपाय ॥ जु० ॥ २४ ॥ नादसुणीमेलुचिं-
तवेरे ॥ ए छेकोपरपंच ॥ लक्ष्मणतोहारेनहीरे ॥ संक-
टनोस्योसंच ॥ जु० ॥ २५ ॥ मायनलयोएहवोरे ॥ ज-
तेलक्ष्मणसाथ ॥ भरतोकूटेयोभरोरे ॥ एमकहेरघु-
नाथ ॥ जु० ॥ २६ ॥ वारंवारवहेजरीरे ॥ सीताआणी
सनेह ॥ लक्ष्मणसंकटमेंपड्योरे ॥ नादकरेछेएह ॥
जु० ॥ २७ ॥ कंतकहेसुणकामिनीरे ॥ हमनेथारोसोच
॥ अटवीमेंतजजेकलीरे ॥ आपगयाआलोच ॥ जु० ॥
२८ ॥ अजाहिनछेईरिआवबेरे ॥ करीजंघवनीसार ॥
आयोहुंहमसांभलीरे ॥ मुनेअतिसुंभर ॥ जु० ॥
२९ ॥ काहेकसीताप्रेरणारे ॥ काहेकलिसुणयोनाद ॥

धनुष्यजाणसंजाहिकेरे ॥ ऊभ्योधरीअह्लाद ॥ जि०
॥७०॥ चार्येतीतोराकुनेघणोरे ॥ च्योल्योन्यसरोस ॥
नमिटेछेलवितव्यतारे ॥ देवनेदेवोदोस ॥ जि० ॥७१॥
पाछेरावणआवियोरे ॥ रोवंतीअसराल ॥ सीताने
लेईयाल्योरे ॥ दीठुंकुपेरसाल ॥ जि० ॥७२॥ तामनदान
युपंजिओरे ॥ नईमलेओवाय ॥ रोषभरीनजअं-
कुसेरे ॥ तासविद्रूरेकाय ॥ जि० ॥७३॥ वल्योतीतोमाने
नहींरे ॥ तामरीसाणोराय ॥ कोपीनाजीपांजरेरे ॥ प-
डिओधरतीआय ॥ जि० ॥७४॥ निःशंकनमानेकोई-
नोरे ॥ जेहोन्नयविमान ॥ ओहमनोरथमहारोरे ॥ पूं-
र्योश्रीलगवान ॥ जि० ॥७५॥ हासुससाहसरथजरे
॥ नन्दनलकहातात ॥ हालक्ष्मणहारामजरे ॥ हाभा-
मंडलभ्रात ॥ जि० ॥७६॥ सीयांयाणोलेमयकडलीरे ॥ वा-
यसजलीनेनेम ॥ अेकोईमुलनेग्रहीरे ॥ लेईन्अेअे-
म ॥ जि० ॥७७॥ आवीकोईजीतावलोरे ॥ सूरोनेसंसार
॥ राक्षसथीराजीलिओरे ॥ करतीन्नयपुकार ॥ जि०॥
७८॥ जईनरीनोनेईओरे ॥ रत्ननटीजगजेउ ॥ रोन
सुणीसीतातणोरे ॥ भनमेंकरियविवेक ॥ जि० ॥७९॥
भगिनीलामंडलतणीरे ॥ शमरांन्द्रकीनार ॥ रावणछ
लकेलवीरे ॥ लेईयाल्योअपहार ॥ जि० ॥८०॥ लामं-
डलतापक्षथीरे ॥ रत्ननटीतलवार ॥ संजाहिसामोहुओ
रे ॥ रावणजूतेणीवार ॥ जि० ॥८१॥ मुरकाणोमनमें
धणुंरे ॥ करेउसुंजेरक ॥ . धासवणीअपहरीरे ॥ .ी-

धीरायनिसंड ॥ जं० ॥ ४२ ॥ पेंजविहुणोपंजिओरे ॥
होयेतिमअेहेम ॥ छोटोमहोटासुंजड्योरे ॥ पाचे दुःज
विशेष ॥ जं० ॥ ४३ ॥ उंजु द्वीपडंजुगिरीरे ॥ गिरतोगि-
रतोतेह ॥ डरतोअधिकुओरतांरे ॥ आयोवरतीछेह ॥
जं० ॥ ४४ ॥ आपणपेंआलोच्येमेरे ॥ सायरणीपरेसोर्ग
॥ डरे घणी समञ्जवणीशि ॥ समजवानेतोर्ग ॥ जं० ॥
४५ ॥ सूर्यरजेय्यरशलवीरे ॥ सयलनमेहमपाय ॥ हुंछुं
घणोजंडनोघणीरे ॥ ईन्द्रआपशुणगाय ॥ जं० ॥ ४६ ॥
डरीयापुंपटरागणीरे ॥ महिमाअधिकुवधाय ॥ रोवेमाति
रहेरगमेरे ॥ सुजमें दुःजनसुहाय ॥ जं० ॥ ४७ ॥ डर-
ताडेप्योथोघणुंरे ॥ हेताडिसेजुणसाय ॥ भाग्याहि-
णारामनेरे ॥ दीधीगयसीलगाय ॥ जं० ॥ ४८ ॥ डण
गलेंडंयलतणीरे ॥ मालमलीनटेनाय ॥ सारिजानेस-
रिजुंमिलेरे ॥ आवेसहुने हाय ॥ जं० ॥ ४९ ॥ मानोमु
जनेपतिपणेरे ॥ होईर हुंतुमदास ॥ मुल मान्यासहु
मानसेरे ॥ आणीतुमारीआस ॥ जं० ॥ ५० ॥ नजर
नडिय्यीसांडरेरे ॥ दीअेनअपुंठेलवाज ॥ अदरदां-
नाय्यानसुंरे ॥ आणीरहीअतिआज ॥ जं० ॥ ५१ ॥
विंध्योमनमथजाणसुंरे ॥ आरतिअतिमनमांहे ॥
ऊठीनेपगेलागीजोरे ॥ निषयविव्हलमाहे ॥ जं० ॥
५२ ॥ लंपटललच्याणोघणुंरे ॥ तोडांनडरेप्रयाण ॥
अणर्छछतिनारीनोरे ॥ पाहिलाछेपच्येजाण ॥ जं०
॥ ५३ ॥ सीतापगजेंय्यिसिओरे ॥ छिज्योनहींसि-

रतास ॥ परपुरुषांनेआलडयारे ॥ याअेशीलविशांस ॥ जी० ॥ ५४ ॥ देवसतीध्वनसारिंजीरे ॥ पतिव्रताकहि-
वाय ॥ होयअेपुरुठीवायथीरे ॥ आंपअलगीपुलाय ॥ जी० ॥ ५५ ॥ सीतातसडोपेचएंुरे ॥ रेरेनिरलजनरेश ॥ मुन
अआएयाथीताहरीरे ॥ विणठीवातावीशेष ॥ जी० ॥ ५६ ॥ सारणादिकतोघणारे ॥ मंत्रीनेसामंत ॥ साह्याअा-
वीसादरारे ॥ प्रभुनेसिरनामंत ॥ जी० ॥ ५७ ॥ नगरीनी सोभाकरीरे ॥ अोरंछवनोअविकार ॥ नारिनिइपम न्नन
विअोरे ॥ मुजमुजनयनचकार ॥ जी० ॥ ५८ ॥ लंकाथी दिशिपूरवेरे ॥ देवरमणउद्यान ॥ रक्ताशोकतलेलछेरे
॥ जेसाडीसाजाए ॥ जी० ॥ ५९ ॥ रामअनेलक्ष्मणतणेरे ॥ नअसगनलहुंजेम ॥ तअसगमुनने छेसहीरे
॥ मोननकेरोनेम ॥ जी० ॥ ६० ॥ रजवालीतोत्रीयन-
टांरे ॥ आरक्षकपरिवार ॥ मूकीमंदिरआवियोरे ॥
लोकघणाछेलार ॥ जी० ॥ ६१ ॥ ढालभलीजत्रीशमीरे ॥ रावणनेचित्तचाव ॥ केशराजऋषीजकहेरे ॥ आगे
सावनसाव ॥ जी० ॥ ६२ ॥

इतिश्री ढाल हूपेष्यां रामरसो
रसायने द्वितीयो ऽधिकारः समाप्तः

॥ सोरठी रागे दोहा ॥

.ન્દ્રેવીવરદાયિની ॥ કવિજનકેરી માવ ॥ મયાકરીને

आपज्जेशुलमतिसुजदाया ॥ १ ॥ रामचलीउतावला ॥ आव्यालक्ष्मणपास ॥ रणरंगेरमतोजरो ॥ दीठोसो उल्हास ॥ २ ॥ रामप्रतेलक्ष्मणकहे ॥ तुमतोकिमआअकल ॥ अटवीमांहेएकली ॥ सीतामूकीआल ॥ ३ ॥ रामकहेतेंतेडिओ ॥ हुंआव्योअवधार ॥ सोकहेमेनवीतेडि-ओ ॥ एपरपंच्यविचार ॥ ४ ॥ ईरीजओउतावला ॥ म-तिकोविणसेकाम ॥ पाछेथीहुंआविओ ॥ जीतीनेस-ग्राम ॥ ५ ॥ वेगवेगघारेवही ॥ रामपधारयाजम ॥ ननरलहेजेजनकी ॥ मूर्च्छाणाप्रलुताम ॥ ६ ॥

॥ ढाल तेत्रीशमी ॥

(घडी दे लाल तमाकु, ए देशी)

श्रीरामजु एवनमेंमेली ॥ सीताशुध्धनपाईहो ॥ घतउतढुंढतजोलतवनमें ॥ सानवीदिएहिजाईहो ॥ श्रीराम० ॥ १ ॥ संज्ञापामीअंतरजमी ॥ आगेआवेधाईहो ॥ पांजविहुणोपजीपडिओ ॥ दीठोउपरेआईहो ॥ श्रीराम० ॥ २ ॥ पंजीदेहीठोनरकोई ॥ नारीली-याजईहो ॥ पुठहुआथीपापीपुरुपे ॥ नाख्योछेएघाईहो ॥ श्रीराम० ॥ ३ ॥ श्रावकजणीजणीसहाई ॥ प्रलुउपकारकराईहो ॥ श्रीनवकारअपारअनोपम ॥ दीधोतसुसुजदाईहो ॥ श्रीराम० ॥ ४ ॥ मंत्रप्रलाववेस्वर्गेपितुथैं सुरनीपदवीपाईहो ॥ सगतथीपजीउध्धरिओ ॥ संगतथीसुजथाईहो ॥ श्रीराम० ॥ ५

ऊंचोदेखेनीच्योदेखे ॥ पासनजोईसंजाईहो ॥ संचर
नणीआशाआणी ॥ तामरहेपस्ताईहो ॥ श्रीरामे०
॥६॥ लक्ष्मणसाथेजरजेचरसो ॥ मंडेतामलजाईहो ॥
त्रिशिरालघुभाईजरशाजी ॥ आपडरेआधिकाईहो ॥
श्रीरामे० ॥ ७ ॥ रथजेसोनेलक्ष्मणसाथे ॥ जुंझतणी
विधिठाईहो ॥ लक्ष्मणवीरेमारीनाख्यो ॥ पहेलीएह
वधाईहो ॥ श्रीरामे० ॥ ८ ॥ लंकपायालाकेरोस्वामि ॥
चंद्रोदरसुतसोईहो ॥ नामेंविराधसजलदलसाजे ॥
आवीसहाईहोईहो ॥ श्रीरामे० ॥ ९ ॥ सेवकसोईआ-
डेआवे ॥ डाभपडेनहींडच्योहो ॥ लक्ष्मणसाथेविराध
वदेछे ॥ सेवकहुंछुंसाचोरे ॥ श्रीरामे० ॥ १० ॥ आपह-
णीनेलंकालीधी ॥ शीसधणीजेआगेहो ॥ स्वामिका-
चवैरआपजो ॥ जगमांहेजशजगेहो ॥ श्रीरामे० ॥ ११
॥ तुमआगेएकीटपतंगा ॥ नृत्यपरेंहुंलाजुंहो ॥
चोआदेशविरोधजतावुं ॥ रणअंगथायतिराजुंहो ॥
श्रीरामे० ॥ १२ ॥ ईषतहसीलक्ष्मणजोले ॥ स्योरे
सहायकसूराहो ॥ आपबलेबलवंतकहावे ॥ परबल
नित्यअधुराहो ॥ श्रीरामे० ॥ १३ ॥ बेठोजंघवरामन-
रेसर ॥ हुंजीतबनभ्रातिपामुहो ॥ देसेनुबनेराज्यतु-
मारो ॥ शत्रुदंडकूदालुहो ॥ श्रीरामे० ॥ १४ ॥ देजीवि-
राधविशेषीजरतो ॥ जोज्योरोसभरातीहो ॥ शंबुक
हणतांसहायकएहने ॥ तुंआरिजोवनवासीहो ॥ श्री
रामे० ॥ १५ ॥ लक्ष्मणआपेजरमतमूंके ॥ नंदनात्रिशि-

राभाईहो ॥ जिणहीपंथेतुंहियलावुं ॥ तोरेसुमित्राभा-
ईहो ॥श्रीरामे॰॥१६॥ मारिओके मारिओमेंमूरख ॥
कुलतणुसुभटाईहो ॥ करिप्रगट्याप्रौढापक्षपाती ॥
दीनेतासजुलाईहो ॥श्रीरामें॰ ॥१७॥ एमकहंतोनट
निमनाये ॥ जाणेअजरछाईहो ॥ जाणखुरप्रेजरशिर
छेद्युं ॥अवररह्यासुहजाईहो ॥ श्रीरामे॰॥१८॥ दूष-
णदलसेईनेदोड्यो ॥ तेपण मारीलीधोहो ॥ आपणकी-
धोआपेसमास्यो ॥अवरशुनशनदीधोहो ॥ श्रीरामे॰
॥१९॥ लेईसाथेविराधविदितो ॥ उमग्योउमग्योआ-
वेहो ॥ एटलेवासुनेत्रईरडीयुं ॥ तामअसातापावेहो॥
श्रीरामे॰॥ २०॥ अलगांथीदीठोजलवेक्षर ॥ अटवीमांहे
हेलमतोहो ॥ नारीवियोगेयोगीनहुवो ॥आरतिमांहे
रमतोहो ॥श्रीरामे ॥ २१॥ लेईविषवादविशेषविचारे
॥एतोमेंधुरजाणीहो ॥ अटवी मांजेजडीविशेषे ॥
रामगवेषेराणीहो ॥श्रीरामे॰॥ २२॥ लक्ष्मणआगे
आवीमिलो ॥रामनसामोदेजेहो ॥ विरहसालसरि-
जोसाले ॥नामपुंवातविशेषेहो ॥श्रीरामे॰॥२३॥
पानपानकरीवनमेशोधी ॥ नारीनयणेनआवीहो ॥
वनदेवीतुमछोवनवासिणी ॥ योछोक्यूंनजतावीहो
॥श्रीरामे॰॥२४॥ तुमभरोसेनारीमूकी ॥हूंतोकाम
सिधाव्योहो ॥कामनकीधोनारीगमाई ॥ जगअपजश
जोलाव्योहो ॥ श्रीरामे॰॥२५॥ भाईभरोसेथारे मू-
क्यो ॥ त्रियारेजवालीकामेहो ॥ आयोयोसोएठनहु-

र्ग ॥ ओछोदीठोरामेहो ॥श्रीरामे०॥२६॥शब्त्यारहे-
यानवीदीधो ॥धन्यकैकेयीमाताहो ॥नारीनरांजीशक्यो
नरनिश्चे ॥ तोकेमराज्यरंभाताहो ॥श्रीरामे०॥ २७॥
एमकहेतोरामनरेसर ॥ धरणीपड्योमुरछार्गहो॥राम
दुःजेपशुपंजी दुजिआं ॥ऊीलाआगेआईहो ॥श्रीरा-
मे०॥२८॥ लक्ष्मणछ्करीसीतलताई ॥ जोलेआवी
आगेहो ॥ आर्यकरोछोकर्याकेशुंहो ॥ सहुनेलुंकुंला-
गेहो ॥ श्रीरामे०॥२९॥ त्यार्गतुमारोछतीआयो ॥
जरलोकदनिकंदीहो ॥ वच्यनसुधारसशुंसिंच्याणो ॥
लहेसंज्ञाआनंदीहो ॥श्रीरामे०॥३०॥ देजेलक्ष्मण
ऊत्तोआगे ॥ ऊठीमल्योसोईहो ॥ आपदोईमिली
चियानरुंजाणी ॥ हरखेजाणीडमाईहो ॥श्रीरामे०॥
३१॥ ऊहस्तुसौमित्रीएमलाखे ॥ प्रभुएआरतिभ
आणोहो॥ नाहलेहकरीलेकिणाईके ॥ सीतालीधीब्न
णोहो ॥श्रीरामे०॥३२॥ तेहनाप्राणसंघातेसीता ॥
वेगेपाछीआणुंहो ॥ तोतोलक्ष्मणनामहमाइं ॥ नहीं
तोभूठथपाएंछुहो ॥ श्रीरामे०॥३३॥ वीरविराधेएनरो
हुवेमलिओ ॥ आप्योजोलडीहाइहो ॥ लंकापायालेप्र
भुथिरथापो ॥वच्यनपलेलिमचाइहो ॥श्रीरामे०॥
३८॥ सीताजजरकरेवाकारण ॥ भटमोकलिआला-
रीहो ॥ वीरविराध घणुंलक्करीओ ॥ अवसरेसेवा
प्यारीहो ॥श्रीरामे०॥३५॥सुलटसहु पृथ्वीईरि
आया ॥ सीताजजरनपामीहो ॥ अधोमुजाऊीला

प्रभुआगे ॥ जतलावेतवस्वामीहो ॥ श्रीरा० ॥३६॥
दोषनकोईसेवकजननो ॥ उद्यमनोअधिकारीहो ॥ प्रभु
कुदिशायेंकरननसरे ॥ सुदिशाकार्यसमारीहो ॥ श्रीरा
मे० ॥३७॥ वीरविराधप्रभुपगेलागी ॥ अरजकरेअनु
रागीहो ॥ थांपीपायालादेऊंहुंदिसि ॥ कारजकेडला
गीहो ॥ श्रीरामे० ॥३८॥ वीरविराधसजलदलसाथे
॥ रामसुलक्ष्मणदोईहो ॥ लंकपायालेआवीआव्या ॥
अजरलहेसहुकोईहो ॥ श्रीरामे० ॥३९॥ अरनोनंदन
शंबुकनाम ॥ सुंदनरेसरआपहो ॥ सामोआवीजेत
लगवे ॥ हाथग्रहीशरच्यांपहो ॥ श्रीरामे० ॥४०॥ वीर
विराधविशेषेलडये ॥ वाइवैरनवालेहो ॥ कांहृयहाथी
कांहृयपायक ॥ लोकवचनसंभालेहो ॥ श्रीरामे० ॥४१
॥ रामसुलक्ष्मणहेजीरणमुंजे ॥ सूर्पनिजासुतलेई
हो ॥ रावणपासेपधारीपापणी ॥ घरनोन्योछरेईहो
॥ श्रीरामे० ॥४२॥ खिरविराधतिहांथिरथाप्यो ॥ अ
रतिसघलीदेहो ॥ महोटानीमतिमहोटीहोवे ॥ महो
टाजोल्युंपालेहो ॥ श्रीरामे० ॥४३॥ रामसुलक्ष्मणअं
तनेमहेले ॥ वसिआआपविराजेहो ॥ युवराजपदवीर
विराधन ॥ सुखघरेसुजसलाजेहो ॥ श्रीरामे० ॥४४॥
ढालनलीएतीनतीसमी ॥ वीरविराधवधायोहो ॥
केशराजऋषिराजकहेरे ॥ राजगयोजहुकायोहो ॥ श्री
रामे० ॥४५॥

॥ नटरागे दोहा ॥

प्रतारणीविद्यामहा ॥ हेमवंतगिरिम्नय ॥ साहसगति
साधीलही ॥ तजहीआयोधाय ॥१॥ तारानोज्ञानिला-
धिओ ॥ आतुरथयोअपाश ॥ इपधरेसुग्रीवनुं ॥ नउरे
अंर्धविम्यास ॥ २ ॥ पुरीकिस्किंधाआविओ ॥ ऊीसरजो
विलास ॥ गतिमतिवाणिविचारवे ॥ जीम्नेरवीआश
॥३॥ क्रिडाकरवाऊरणे ॥ वनमांगयोसुग्रीव ॥ म्नेथरमां
थालिआविओ ॥ अवसरलहीअतीव ॥ ४ ॥ तामधणी
घरेआविओ ॥ रोकाणोदरबार ॥ घरमेंछेसुग्रीवक्रा ॥
वातपडीसुविचार ॥ ५ ॥ दोसुग्रीवविचारवे ॥ वालीन-
णोतोपुत्त ॥ अडीघरेवासानडे ॥ राखेवांघरसुत्त ॥ ६ ॥
चंन्द्ररश्मिरलिओमणो ॥ युवराजजयवंत ॥ वालीवीर-
नोम्नर्छयो ॥ जलमेंजलनहींअंत ॥ ७ ॥ आवीनेआ-
डो रह्यो ॥ अर्धनजागेम्नय ॥ जेच्याजाहिरकाढिओ
॥ जालिआथीइंमथाय ॥ ८ ॥

॥ ढाल चोत्रीशमी मुरलीनी देशी ॥

ताराप्रत्यक्षमोहनी ॥ ताराअधिकरसाल ॥ ताराजसु-
ग्रीवसोहनीहो ॥ ताराअतिसुविशालतारा ॥ तारा
रूपअनूपताराः ॥ तारायेमोह्योत्रूपताराः ॥ नारामोहन
वेलीताराः ॥ ताराकोमलकेली ॥ तारा० ॥ १ ॥ चेधीए
अखोहणीनोधणी ॥ राजाश्रीसुग्रीव ॥ पारनहींभ-
भुतातणोहो ॥ साहिजआपेसदीव ॥ तारा० ॥ २ ॥

एकअंगेमारिया ॥ साच्याकूडहोई ॥ ज्ञानविनानिश्चे
नहींहो ॥ लोकंथीशुंहोई ॥ तारा० ॥ ३ ॥ साच्योमिलसे
साच्यने ॥ कूडोकूडेंभेई ॥ कूडतणीलकउम्लेहो ॥ ते
सुसतावेकोई ॥ तारा० ॥ ४ ॥ हंसअनेजगउजला ॥ लो-
कएकमरंस ॥ खीरनीरनेपारखेहो ॥ जगजगहंस-
हिंस ॥ तारा० ॥ ५ ॥ काचअनेमणीसारखी ॥ लोक
एकहिवाच्य ॥ पणपारखियांआगलेहो ॥ मणीमणी
काचहिकाच ॥ तारा० ॥ ६ ॥ कागअनेतोकोकिला ॥ वर-
णेएकसुहाग ॥ मासवसंतविशालिथांहो ॥ पीकपीक
कागहिकाग ॥ तारा० ॥ ७ ॥ मंत्रीनेपांच्यामली ॥ निवे-
क्योएन्याय ॥ सातसातअदोहणीहो ॥ दोईपक्षेथस
य ॥ तारा० ॥ ८ ॥ दोईलकोएआपमें ॥ साच्ये देवस-
हाय ॥ कूडोनासीजयसेहो ॥ सहुनेआवीदाय ॥ तारा०
॥ ९ ॥ जेतजुहास्योमोकळो ॥ उल्लादोईआय ॥ लोक
लड्याआपआपणाहो ॥ कागकोतोनमिटाय ॥ तारा०
॥ १० ॥ लोकन्याहिनारिनेहो ॥ व्याहजे होलाई ॥ को-
ईमरोकोजीवजो हो ॥ लोकलागेकांई ॥ तारा० ॥ ११ ॥
तबदोईसुग्रीवज्ञ ॥ लडियाशस्त्रउपाडी ॥ जांतीन
शमीजेदमें हो ॥ तोहीनभेटीराडी ॥ तारा० ॥ १२ ॥ दो-
ईतोसमतोलज ॥ दोईविद्यावंत ॥ दोईतोजेयरज-
रा ॥ दोईतोभयमंत ॥ तारा० ॥ १३ ॥ हाथीसुंहाथीजुडे
॥ सिंहसाथेसिंह ॥ सापेसापमिटेनहीं हो ॥ सूरेसूर
जीह ॥ तारा० ॥ १४ ॥ सुग्रीवेसंभारियो ॥ हनुमं-

तआयोवाली ॥ नूठोसुग्रीवकुदीयोहो ॥ नशडेजग-
डोदासी ॥ तारा० ॥ १५ ॥ सुग्रीवचित्तसुंचिंतवे ॥ सायो
एतोसोय ॥ डेहनेत्यनेडेहनेमनेहो ॥ लोडांएअा-
लोय ॥ तारा० ॥ १६ ॥ वालीहुतोजसवंतज ॥ नगन-
रासायोजेर ॥ सोतोहुओसंयमीहो ॥ लडएरहि-
योलोरा ॥ तारा० ॥ १७ ॥ चंन्द्ररशिमजालिओघणुं ॥ मस-
धामेंमशहन ॥ जजरनलालेएरसीहो ॥ कुणनिनकु-
णछेअन्य ॥ तारा० ॥ १८ ॥ दशाउंघरछेदीपतो ॥ संपट
मांहेगणाय ॥ चातसुण्याहणीदोयनेहो ॥ ताशलिएजे-
लाय ॥ तारा० ॥ १९ ॥ एतादससंडटपडे ॥ डामसमार-
णहार ॥ जरयोसोरामेहण्योहो ॥ डरतोपरणिपडार ॥
तारा० ॥ २० ॥ सरणग्रहुंश्रीरामनुं ॥ लक्ष्मणसुं अ-
भिराम ॥ निमविराधनिवालिआहो ॥ सारसेहमडा-
म ॥ तारा० ॥ २१ ॥ लंडपायालाछेसही ॥ आनलगेओ
र्छस ॥ जोलाव्याआवेसहीहो ॥ डरनविन्वावीस ॥ ता-
रा० ॥ २२ ॥ दूतनछानोमोडल्यो ॥ वीरविरायहिपास
॥ चालनणावीविस्तरीहो ॥ पायोसोउल्हास ॥ तारा०
॥ २३ ॥ वेगाआवोवेगसुं ॥ आवीडरोअरदास ॥ डाम
तुमारोसारसेहो ॥ देसेअरिनेत्रास ॥ तारा० ॥ २४ ॥ सं-
तोषाणोस्वामीजी ॥ निसुणीवचनअमोल ॥ जलने
छांटोअमितणोहो ॥ आरतिमांहेसुजोल ॥ तारा० ॥
२५ ॥ साहणवाहणसामटे ॥ चालीगयोसुग्रीव ॥
आगेघरेविराधनेहो ॥ आरतीवंतअतीव ॥ तारा० ॥ २६

॥ चरणकमलप्रभुनानमी ॥ ल्याषीमनवीरात ॥ परदुःख
डपणनोसहीहो ॥ जिहदअछेविख्यात ॥ तारा० ॥ २७ ॥
हमतुमनेछेसारिखा ॥ अजलादुःखअपार ॥ हमारा
तुमेलांनसोहो ॥ थाशोश्रीकिरतार ॥ तारा० ॥ २८ ॥ अ-
रसुणतांवातडी ॥ गहवरिओराजन ॥ परदुःखथीदुःख
आपणोहो ॥ सालेसालसमान ॥ तारा० ॥ २९ ॥ दुःख
दियामेंसंवरी ॥ सुग्रीवहिसंतोष ॥ दीधोदेवदयाकरीहो
॥ डांथोसुजनेपोष ॥ तारा० ॥ ३० ॥ वीरविराधजेहसही
॥ आपानेजेडाल ॥ डरचोछेडानावलोहो ॥ नडीयापा-
वोलाल ॥ तारा० ॥ ३१ ॥ डपीपतिल्यापेउमजी ॥ आपा
डखुंएह ॥ सुरसतोहोर्ईसोधसुंहो ॥ लईधरतीनेछेह ॥ ता-
रा० ॥ ३२ ॥ द्वीपअनेपरद्वीपनी ॥ सुधीअणावुंआपण
तोतोसाख्योमणएनेहो ॥ सूरस्नछेआप ॥ तारा० ॥ ३३
॥ प्रभुजी याविआविआ ॥ पुरीकिष्किंधाहेज ॥ मणे
आलडाआलिनवीहो ॥ पायोसुजसुविशेष ॥ तारा० ॥
३४ ॥ वीलोजोलावीलियो ॥ गीतोआवीजेत ॥ दोई
लड्यानवीमाणियाहो ॥ साख्यमूठहिहेत ॥ तारा० ॥ ३५
॥ वजुवर्तननामथी ॥ धनुष्यचढाव्योदेव ॥ विद्यागर्व
टजारथीहो ॥ प्रगटथयोततजेव ॥ तारा० ॥ ३६ ॥ लंपट
परनारीतणा ॥ धीठमाहेधीठ ॥ जगसघलोअविलो-
कतांहो ॥ तुमसमअवरनदीठ ॥ तारा० ॥ ३७ ॥ जेड
जाणसुमारिओ ॥ साहसगतिसयतान ॥ जेडच्यपेट
सिंहनेहो ॥ हरिणसहेअवसान ॥ तारा० ॥ ३८ ॥ वीर

विराधतणीपेरे ॥ थिरथाप्योकपीनाथ ॥ सायोक-
रीसहुदेजत्तांहो ॥ आणीमेल्योसाथ ॥ ताश० ॥ ३९ ॥
त्रयोदशकन्यामली ॥ रामभनेआपंत ॥ प्रीतिरीतिज-
णीकरीहो ॥ कपीपतितोप्यापंत ॥ ताश० ॥ ४० ॥ रामक-
हेकपीराजिया ॥ तुंवात्यासंभार ॥ परणेवानेपाछलीहो
॥ पहेलीसीतावार ॥ ताश० ॥ ४१ ॥ ढालभलीएगत्रीशमी
॥ कपीपतिकामसमाशी ॥ केशराजऋषीजी कहेहो ॥ अज
सोधीनेनारी ॥ ताश० ॥ ४२ ॥

॥ गुजरीरागे दोहा ॥

रावणनेघरेरोवणो ॥ जानपड्योअवधारी ॥ जरनी
सुणिसुणावणी ॥ आवीमलिजहुनारी ॥ १ ॥ दिवस
जेप्यारनेआंतरे ॥ सूर्प्पनिजानेसुद ॥ लंकनगरिआवि-
यां ॥ वरसेआंसुबुंद ॥ २ ॥ सूर्प्पनिजासुहामणी ॥ क-
रतीआधिकविलापा ॥ रावणनेगलेलागिने ॥ दीनवदेअ-
तिआप ॥ ३ ॥ कंतहण्योकुंअरहण्यो ॥ हणियादेवरदो-
य ॥ जेन्यरत्यणीदहजरनो ॥ हंताएकशुंजेय ॥ ४ ॥
लंकपायालेआवियां ॥ हणियाअवरअगाध ॥ शंकने-
महमकादिआ ॥ वास्योवीरविराध ॥ ५ ॥ बांधवतु-
मजयठायकां ॥ वरतेएअन्याय ॥ घरतीदिनदोय्या-
रभें ॥ जतीहिदेजाय ॥ ६ ॥ एकसुवरणेसामलो ॥
जीजेपीलेवान ॥ वनवासीछेभीलडा ॥ पणनहींक-
हनेमान ॥ ७ ॥ चसवाभागेजभणी ॥ वासअनेरो

हेरि ॥ सगोसगेआवेवहि ॥ ओछदिनडेरी ॥ ८ ॥
एसघसीश्रवणेसुणी ॥ बोलेवीरविवेक ॥ घंटीनाके-
शघणा ॥ घंटानोतोएकु ॥ ९ ॥ पेखालीकीडी तणो ॥
मुखामेंदिनरात ॥ मारीकरसुंपाधरा ॥ अवरथ्यलायो
बात ॥ १० ॥ बातनहींवतऋनहीं ॥ रागनहींनहींरंग ॥
राजकाज लावेनही ॥ होईरह्योविरग ॥ ११ ॥ निंदनहीं
लीलानहीं ॥ इलनहींतंबोल ॥ भोजनपाणीपणनहीं
॥ सुएयानलावेबोल ॥ १२ ॥ हांसीनहींरामतनहीं ॥ नहीं
लोगनहींयोग ॥ माणसमुआसारिखो ॥ होईरह्योतन-
ससोग ॥ १३ ॥ जातांहुओजाटले ॥ पड्योरहेनरना-
थ ॥ गुंगमुंगजोलेनहीं ॥ आरतिकरेसहुसाथ ॥ १४ ॥

॥ ढालपांत्रीशमी ॥

(मेरे मन ऐसी आण बनी, ए देशीने)

थाराचित्तमेंकांईवसी ॥ मंदोदरीमाहोपतिदेजी ॥ पूं-
छेवातहसी ॥ था० ॥ १ ॥ पंजवाडेअधारेआये ॥ घट-
तोजयससी ॥ तेजहेजप्रतापप्रक्षीणो ॥ शोभालाज
खसी ॥ था० ॥ २ ॥ सुंसअछेतुमभुजगलाना ॥ नउ-
होजेसीहींतेसी ॥ आरतीअतिउदासपणाथी ॥ मत
तुंजयचसी ॥ ३ ॥ रावणलाषेंसुणमंदोदरी ॥ चित्तमें
आणीखुंली ॥ सीतासुरतिलालललीए ॥ हीयामांहें
झुली ॥ था० ॥ ४ ॥ घूसुंछुदिनरातघणेरो ॥ नराकुं
समझकरी ॥ जोतुंमुजनेचाहेदेवी ॥ मेलोप्रीतिजरी

॥था० ॥५॥ भीयनीपीआथेपीआएी ॥ तजहींजिडीयेसी ॥ देयरमएणजीयानेदेवी ॥ आवीजेठससी ॥ था०॥ ६ ॥ हुंमंदोदरी छुंरेसुलोदरी ॥ महोटेनामेयडी ॥ रावणराणीमांहेवजाएी ॥ वनितामांहेवडी ॥ था०॥७॥ लोलीस्युंलरमाएीछेतुं ॥ रावणसाथेरमी ॥ माणसलवनोलाहोलीजे ॥ हुंछुंदासीसमी ॥ था०॥८॥ सीतातुंधनतुंधनयारे ॥ माथेअधिकरती ॥ राजारावणनेयित्तआवे ॥ मेलीअवरछती ॥ था० ॥ था०॥ ला भूयरशमतपस्वीतेतो ॥ सेवकमात्रसही ॥ जोपतितजअेपतिजेपामे ॥ उर्मवतीरेकही ॥ था०॥ ५०॥ मनजेंथीनेभोलऊरीथीॉ ॥ नीयीसहीन्नहीं ॥ तुंतोसतियांमांहेसयाएी ॥ अेतीनहीनलही ॥ या०॥ ५१ ॥ किहांलंबूउकिहांसिहसनूरो ॥ गरुडकिहांरेअही ॥ किहांभुलपतिकिहांतुलपतिलंपट ॥ लालतहींरेनहीं ॥ था० ॥ ५२ ॥ तुंनारियेनधनतुलउुर ॥ सरजीन्नेडमली ॥ पतिलंपटघरनीपटराएी ॥ दूतीमांहेभली ॥ था०॥ ५३ ॥ याउंमहोडुंनविदेजेवुं ॥ तुलसुंयातकिसी ॥ अलगीन्नजोन्योआगेथी ॥ मयलीलेभमसी ॥ था०॥ १४ ॥ अेटलेरावएयालीआव्यो ॥ सीतायमणेधमी ॥ सीतलवयनासुंसमजावे ॥ आपेडीपेशमी ॥ था०॥ १५ ॥ मंदोदरीराएी तुलआगे ॥ किंउरमांहेघणी ॥ हुंतुमदाससरीजोडेलो ॥ लाजुंअयरलएी ॥ था०॥ १६ ॥ नलरनिहालोउत्तरवालो ॥ ...लोघातघणी ॥ पालोदोउया होंसनही पुगे ॥ जोअ-

वसरमणी ॥ था० ॥१७॥ होईजपुठीसीताबोले ॥
सांभललंकधणी ॥ अलहवीसुंकुंदेजुंछुं ॥ मघरस्त-
लिभणी ॥ था० ॥१८॥ धिगधिगतुजजेआसामाथे
॥ थारीअेनभणी ॥ छवतरामसुलक्ष्मणहुंछुं ॥अहीमा
थेरेमणी ॥ था० ॥१९॥ वारंवारवचनआक्रोसें ॥नत्मने
रायरली ॥ हांकलियोरेहरायोहोवे ॥ स्थानमभयटली॥
था०॥२०॥ सीतानीआरतितनअधिकी ॥ नराक्योसूर्य
जमी ॥ आयमिओअलगोहोवाने ॥ व्यापीआणतमी॥
था०॥२१॥रावणनेउपनोजेअधिकी ॥ कुमतितणीरेमन-
ति ॥ उपसर्गकरावेअधिका ॥सीधवेरेसती ॥ था०॥२२
भूतकारकरताअतिहूं ॥ घूघूघूकरे ॥ वृकविचित्रपरे
भूंकंता ॥ निसतनररेकरे ॥ था०॥२३॥ पूछाछोटसुव्या-
घ्रविशेषें ॥ ओतोअन्योन्यलडे ॥ भूंभूंता फणी करता
परगट ॥ मांहोमांहेअडे ॥ था०॥२४॥ भूतपिसाचवै-
तालवहिता ॥ हठसुंहास्यहसे ॥ डाकणीसाकणीभय-
नीदेवी ॥ कतीहाथघसे ॥ था०॥२५॥ उलसंता दूर
लालितअति ॥ नमलिमकायधरे ॥ रावणअेहविकूर्व-
णकरीने ॥ आगेंआणीसरे ॥ था०॥२६॥ परमेष्ठीपं-
चमनध्यातो ॥ सीताजेतजरे ॥ केहिनकेपीयुकरतीरा-
वण ॥ सामोपगनभरे ॥ था०॥२७॥रावणनोपन्य-
भाणनलांगे ॥सीतासत्यनचले ॥ पाकानेनहींतूतप-
रभव ॥ उभ्यानेरेछले ॥ था०॥२८॥ दासभलीजे
पांचत्रीशमी ॥ धनने टकाग्रहे ॥ केशरानग्रहीतोसाथी

॥ सीताज्युंनिरखहे ॥ या० ॥ २९ ॥

॥ मालवीगोडीरागे दोहा ॥

जिनलिषणनिसिनिचरी ॥ निसुणीलोकमांहे ॥ सीता
पासेआविओ ॥ उरणदिलासांमांहे ॥ १ ॥ सहोदरसमन
नवचा ॥ चातसुणावेवीर ॥ छेपरनारीपराङ्मुख ॥ रसा
हसवंतसधीर ॥ २ ॥ आईजतुमजोणछो ॥ किहांथीआन
आपाली ॥ ईहांतुमआणयाकुणे ॥ भाखोसंकाटाली ॥
३ ॥ घुंघटजेंचीअधोमुखी ॥ भणीपुरुषप्रवीण ॥ सत्यन
वतीसाचीसती ॥ वाणीवदेअदीन ॥ ४ ॥

॥ ढाल छत्रीशमी ॥

(एकदिवस रुकमणी हरि साथे, ए देशी.)

सीतातामनिसंकपणेरे ॥ लाजेवाकूवाणीरे ॥ जिनलि-
पणकुलकेरोभूषण ॥ निसुणेअमृतजाणीरे ॥ सी० ॥
१ ॥ जनकपिताभामंडलभाई ॥ रामप्रियाहुंचजाणीरे
॥ दसरथनी कुलवहुअवदिती ॥ सतिओमेंअधिकजाणी
रे ॥ सी० ॥ २ ॥ रामनरेसर लक्ष्मणदेवर ॥ त्रीजीतोहुंरा-
णीरे ॥ दंडकअरण्यमांहेआवी ॥ वासतणीस्थितिठा-
णीरे ॥ सी० ॥ ३ ॥ सूर्यहासअसीतरुडाले ॥ देख्योअ-
धिकोपाणीरे ॥ लक्ष्मणजीलायेलीधो ॥ ज्योतीघ-
णीप्रगटाणीरे ॥ सी० ॥ ४ ॥ करणपरीक्षावेगेवाही ॥
वंसजालकपाणीरे ॥ शंबुकनोतजसिर छेदाणो ॥ मन-

मांअतिपरस्ताणीरे ॥सी०॥५॥ जाडोदेजीराघवलख
षें ॥तेनडरीमतीसाणीरे ॥विद्यासाधनविणअपराधे ॥
मारयोतेंअेमाणीरे ॥सी०॥६॥ पाछेपूजलोननपाणी
॥आणीनेंयमआणीरे ॥धडमस्तकदीठूंहांदीठां ॥मातस
जुअकुलार्णीरे ॥सी०॥७॥ पगअनुसारेंयालीआवी
॥राघवसुंरीगडाणीरे ॥लंपटनीलालच्येंनवीपूगी ॥ताम
घणुंभीआणीरे ॥सी०॥८॥ जरदूषणत्रिशिर लेईआ-
वी ॥आगघीथीसींयाणीरे ॥सिंहनादसंकेतडिआथीप
लक्ष्मणसुंमंगाणीरे ॥सी०॥९॥ संभलछलडापतिआ-
ण्यो ॥ यातकहीअतिताणीरे ॥ सिंहनादनोभेदलगावी
॥ अेहुईहांआणीरे ॥सी०॥१०॥ अेदशमस्तकडापयाने
॥हुअतीरेकहाणीरे ॥ लंकानगरीजालेवाने ॥हुजलज-
लतीछाणीरे ॥सी०॥११॥ तेनमतापपराक्रमपीलणा
हुंघरेमांडीघाणीरे ॥ पगेआवीछुंरावणकेरे ॥अेकंते
हु जजाणीरे ॥सी०॥१२॥ श्रवणेसुणेपणरीसनआण
ऐ ॥रागीनीसहिनाणीरे ॥ आगेसतेजुछे अतिअेयकी
॥ ललआगेणिह्माणीरे ॥सी०॥१३॥ अेमसुणी लघु
बंधवनेंपे ॥ लाईमतिलरमाणीरे ॥ अेकोजलतीगा-
डरघरमें ॥घाले कुणअज्ञानीरे ॥सी०॥१४॥ परनारी
छेकालीनागिणी ॥ के विषवेलीसमाणीरे ॥ भलवनांहिं
नजतजन्मेवे ॥ किहांहीनहींनाणीरे ॥सी०॥१५॥सं-
पदतद्नीजेकुहाडी ॥आपदनीनीसाणीरे ॥ससापे
सतीनोछेहु जघाई ॥मतिहियेजेरीसाणीरे ॥ सी०॥

१६॥ लाजकहुंकेकोडीकहुंतुम ॥आतितोवस्तु विराणीरे ॥आलकलदिनत्याश मांहे ॥ अेनोवातदिंआणीरे ॥सी०॥१७॥ हुंमहासोओलंलोशालुं ॥ शांबोकीर्त्तिपुराणीरे ॥ लोककहेसेजोईनहुतो ॥ रावणआगेयाणीरे ॥सी०॥१८॥ रामसुलक्ष्मणदोईबालिया ॥ अनम्यानेहिनमाणीरे ॥ सीतानेहुंदईआवुं ॥ लिमरहेप्रीतथपाणीरे ॥ सी०॥१९॥ ॥ ढालत्नलीओगुणत्रीशमी ॥ रायेओकनमानीरे ॥ केशरलन्नषीरावणकेरी ॥ वेलाआवीनणाणीरे ॥ सी०॥२०॥

॥ धन्यासिरि रागे दोहा ॥

रावणहोईरातडो ॥ वेदबिलीषणवीर ॥ ग्रहीवस्तुकिमेलिजे ॥ नजलगरहेशरीर ॥१॥ रामसु लक्ष्मणलीलडा ॥ वनहींमांहेवास ॥ साहणवाहण को नहीं ॥ आपनहिरिसेघास ॥२॥ साहणवाहणमाहरे ॥ विद्यानो अतिजोर ॥ अेशुंकरसेआपडा ॥ कांईमत्यावेसोर ॥ ३॥ आलनहींतो कालहिं ॥ कालनहींतोमास ॥ मास नहींतोजश्समें ॥ आपहिं करसेआस ॥ ४ ॥ अेटला मांहेआसना ॥ ओआवेसेत्याली ॥ छलबलकोई केलवी ॥ देसुंपरहाटाली ॥ ५ ॥

॥ ढाल साडत्रीशमी ॥

(सयाणा परहरिये अहंकार, अे देशी.)

पहेलीथीमेसांलमलीरे ॥ रामत्रीयाथीघात ॥ होसेराव-

एनीसहीरे ॥ ओईभलीछेवात ॥ जिलिषणवातवि-
चारेएह ॥ सत्यवचनज्ञानीतणांरे ॥ कोईनहीसंदेह
॥ जिलिषणवातविचारेएह ॥ १ ॥ जेजाकणी ॥ मे
तोकीधोघणोरे ॥ आछोदीधोपकर्म ॥ दशरथकुव
तोउगर्योरे ॥ धीरोछेजगधर्म ॥ जि० ॥ २ ॥ भावी-
नोजलछेघणोरे ॥ नटलेकोडिप्रकार ॥ सीतानेत्यल-
तांथकांरे ॥ पणसेलोकन्यार ॥ जि० ॥ ३ ॥ सुणतोहीरे
सुणेनहीरे ॥ जिलिषणनीवाच ॥ देषंतोदेषेनहीरे
॥ कामीजेतोसाच ॥ जि० ॥ ४ ॥ पुष्पकनामविमान-
मेंरे ॥ सीतालेईआप ॥ क्रीडाकरवाच्यालिओरे ॥ टाल्यो
नटलेपाप ॥ जि० ॥ ५ ॥ देषावेअतिकौतकारे ॥ रत्नम-
यीगिरिशाल ॥ नंदनवननीउपमारे ॥ देषावेवनसाल
॥ जि० ॥ ६ ॥ तटनीतटकरीसोहतीरे ॥ हंसाकेराज्याल
॥ केलिकराजाभितणारे ॥ देषावेसुविशाल ॥ जि० ॥ ७
॥ मंदिरविविधप्रकारनारे ॥ सेजतणीवरसोभ ॥ लन्हे
लन्हेपणुलभ्भेरे ॥ आणीविषयसुजलोभ ॥ जि० ॥ ८
॥ लंपटलालच्यलागिओरे ॥ केलवणीनीकोडि ॥ करी
देषावेअतिघणीरे ॥ जेतजरेनहिजोडि ॥ जि० ॥ ९ ॥
हंसत्यजुनेहसलीरे ॥ कदहिनथछेअंग ॥ रामतणु
सीतातणोरे ॥ नहींअवरांसुसाग ॥ जि० ॥ १० ॥ ताम
अपूठीआविओरे ॥ वृक्षअशोकहेठ ॥ मुकीरावणमा-
ननीरे ॥ एपेणकाढीवेठ ॥ जि० ॥ ११ ॥ जिलिषणचिं
त्तचिंतवेरे ॥ होईरह्योभयमंत ॥ रीजनकोईसरदहेरे ॥

आव्योदिसेअंत ॥ जि० ॥ १२ ॥ मंत्रीसरजोलाविआरे
॥ जिलिपणेतेवार ॥ करेमसलतसहुमलीरे ॥उपन्यो
अेअविचार ॥ जि०॥१३॥ मोहतणेमदमातियोरे ॥
कोईनमानेकार ॥ हूओहरओहाथीओरे ॥केमकरीने
सार॥जि०॥ १४॥ आव्योदीसेआशनोरे ॥रावणकाल
विनाश॥ कोईउपक्रमकरीरे ॥कीनेलीलविलास ॥
जि०॥१५॥ मतिउपावेमनथकीरे ॥ तेमाटेमंत्रीस ॥अे
रनेपालेमाहरोरे ॥ कनकमांकेईस ॥ जि०॥१६॥ मिथ्या
मतिनोमोहियोरे ॥जिनमतनोउपदेश ॥ मानेनही प्रभु
आपणुंरे ॥ कीनेकांईकलेश ॥ जि०॥ १७॥ हनुमंतनेक-
पीराजियारे ॥ आदिमन्यानृपआय ॥ धर्मपजेपजियाथ-
यारे ॥भेल्योरावणराय॥ जि०॥१८॥ रामअनेलक्ष्मण
चडीरे॥ रावणनोसंहार ॥ ज्ञानीवचनछेसहीरे ॥चूकन
पडेलिगार ॥ जि०॥१९॥ जितोपहेलोसोखियेरे ॥तो
कांईसुजयाय ॥ मंदिरलागेजारथीरे ॥कढयोकांईन
जाय ॥ जि०॥२०॥ जयतोउपनरोसहीरे ॥सांसोन-
हींयलिगार ॥ नेहनीआणीकामनीरे ॥ तेतोजावणहार
॥जि०॥२१॥ नेहनुतरियोप्राहुणोरे ॥ तेतोजेवेवार॥
जोरेनाणुंआपणुंरे ॥कीयाकांईउपचार ॥ जि०॥२२
॥ लंकानगरीअतिसबळीरे ॥दीसनकीघीरंच ॥ अन्न-
पानने ईंधणारे ॥ मेल्योबहुलोसंच ॥ जि०॥२३॥को-
टकोटनाकांगुरारे ॥ पोल अनेपागार ॥ सघलाहिस
નરાવિઆર ॥ ગોલાયંત્રઅપાર ॥ જિ૦ ॥૨૪॥ રાઘવ

विरहविगोगियोरे ॥ आरतिवंतउदास ॥ अन्नपान
भावेनहीरे ॥ लेलांबानिसास ॥ जि० ॥ २५ ॥ लक्ष्मण
साथेजोलियोरे ॥ ढीलपडेछेओह ॥ आशादिनदशवी
सनीरे ॥ पछेत्यनशेदेह ॥ जि० ॥ २६ ॥ दुखियोअ-
थिउदीतावलोरे ॥ सुखियोसुसतोहोई ॥ तृषियोअ-
यससेवरैरे ॥ सामोनावेसोई ॥ जि० ॥ २७ ॥ दीलोवा-
नरशनिओरे ॥ सुखमांहेदिनअत ॥ परदुःखेंदुखियो
नहीरे ॥ वातवडीनवीथात ॥ जि० ॥ २८ ॥ ओहसुणीने
उठियोरे ॥ हाथग्रहीशरचाप ॥ धमधमतोअतिया-
लिओरे ॥ होडडसंतोआप ॥ जि० ॥ २९ ॥ कंपावेधर-
तीधणीरे ॥ कंपावेगिरिसीस ॥ वृक्षउखेडीनाखतो
रे ॥ डेप्योविश्वावीस ॥ जि० ॥ ३० ॥ आव्योत्यांकिह-
रजारमेरे ॥ जसभलिओसुग्रीव ॥ धुलंतोपगेलागि-
ओरे ॥ सारेसेवअतीव ॥ जि० ॥ ३१ ॥ ओलंलोदियो
आकरोरे ॥ शुध्यनहींतुझमांहि ॥ तुंघरमेंसुखलोगवे
रे ॥ प्रभुनइसेवेमाहि ॥ जि० ॥ ३२ ॥ वासरअवेवरस-
सोरे ॥ छगुणीरात्रगणाय ॥ तुझनेविनडचितियोरे ॥
तोहीनरभनेकांय ॥ जि० ॥ ३३ ॥ गूजडरूठेवैधनेरे ॥
संभारेनविकेय ॥ आरतितोअतिआधलिरे ॥ आप
यडीतुंभेय ॥ जि० ॥ ३४ ॥ भेनततादृरीओलणीरे ॥
जेम्यसहोईप्रकार ॥ भूमितणाछोलोमियारे ॥ सयसे
तुमपेशार ॥ जि० ॥ ३५ ॥ वांयापालोआपणीरे ॥ ज-
मडरोधासिंधाय ॥ नाहिकांसास्मतीपरेरे ॥ घुंपरभ-

वपहोंच्याय ॥जि०॥३६॥देवदयालदया करोरे ॥ हुंतो
छुं तुमदास ॥ खेमकहीनेआवियोरे ॥ श्रीराघवजीपास
॥जि०॥ ३७॥ पगेलागीनेवीनवेरे ॥ वेगो काम कराणीं ॥
जुंसकरावुंयामनीरे ॥ ओरणतोहीनथाणीं ॥ जि०॥ ३८॥
कमीनेतो कामिनीरे ॥ कहियेप्राणसमान ॥ खोवालीने
आपतांरे ॥ आप्यातुमभुनप्राण ॥ जि०॥ ३९॥ जेतोहुं
छुंजुवतोरे ॥ जेन्युंकीधोकाम ॥ शोधकरूंसीतातणीरे ॥
तोसाच्योमुजनाम ॥ जि०॥ ४०॥ संजाह्यात्नटसामटारे
॥सूरामांहेसूर ॥ सीताशोधवनव्यासियारे ॥ निमपाणीनां
पूर ॥जि०॥ ४१ ॥ गिरिनदीनेसायरूरे ॥ द्वीपादिकसहु
ठाम ॥पुरपुरपाटणशोधियांरे ॥ नगरनगरनेगाम ॥
जि०॥ ४२ ॥ हरणसुणीसीतातणोरे ॥ भामंडलआवं
त ॥ भाईतोभगिनीतणोरे ॥गाढो दुःखपावंता॥ जि०
॥४३॥ वीरविराधपधारियारे ॥ लेईनिजपरिवार ॥से-
वकसेवासाचवेरे ॥ मानेअतिउपकार ॥ जि०॥४४॥क-
पीपतितोंडिलेम्पल्योरे ॥ जंबूद्वीपपहुंत ॥ रत्नजटीतस
देजवेरे ॥ आशतिओजहत्नूत ॥ जि०॥ ४५ ॥ दशकं-
धरमुजमारवारे ॥ मोकलिओ कपीराज ॥ मुजनेमारी
नयसेरे ॥उपन्योअधिकअकाज ॥ जि०॥४६॥ कपि-
राजतवजोलिओरे ॥ गाढोकोधंगर्भ ॥ तुं मुजनेकिमतु-
ठियोरे ॥ विनयवडोजिनधर्म ॥ जि०॥४७॥ थाकप्पदे
पगव्यालवेरे ॥ सोतोजेसेविमान ॥ आपदंच्छायेकि-
शेरे ॥ भूठोकंधशुमान ॥ जि०॥४८॥ सोभाषेस्वामि

सुणोरे ॥ ईसोसुं अभिमान ॥ डाईडर्योनरपाधरोरे॥
डारणअेछे आन ॥ जि०॥ ४९॥ रावणसीताअपह-
रीरे ॥ मेंमांड्योसग्राम॥ विद्यासघलीअपहरीरे ॥ पप-
डिओहोईनिकाम ॥ जि०॥ ५०॥ पंअविहुणोपंजिओ
रे ॥ओडीनशकेनेम ॥ विद्याविणविद्याधरूरे ॥ भणेवो
प्रभुअेम॥ जि०॥ ५१॥ रामसमीपेआणियोरे॥ मां-
डिकहेविरतंत ॥ रावणसीतालेलेघरे ॥ नाठोभयतुरंत
॥जि०॥ ५२॥ राणीभयेरोवतीरे ॥ करतीरेअधिकविला-
प ॥ रामरामश्रीरामनोरे ॥ अेकुनविहांभप ॥ जि०॥
५३॥ लक्ष्मणलोजणवंतनुंरे ॥ अनेभामंडलभ्रात ॥ना-
मनपतीभयतीरे ॥ मेनिसुणीअेवात ॥ जि०॥ ५४॥
हुंहुओतजयाहरूरे ॥ करतोअतिआक्रोस ॥ विद्यास-
घलीअपहरीरे ॥ रावणेकीधोरोस ॥ जि०॥ ५५॥ स-
मास्यारसोहामणारे ॥ सीताअनापामि॥ परमभमहसु-
जउपनोरे ॥ भणेत्रिभुवनस्वामि ॥ जि०॥ ५६॥ र-
त्ननटीविद्याधरूरे ॥ कंरूसगाईलीध॥ तुंमहारेवालेस-
रूरे ॥ जअरत्नलीतेंदीध ॥ जि०॥ ५७॥ जिमजिमपूछे
वातडीरे ॥ तिमतिमउपनेराग ॥ वारंवारविशेषियेरे॥
रागीनुंअेमाग ॥ जि०॥ ५८॥ समास्यारसगातणारे
॥ सालभलतासतोष ॥ मिलवामेंओछोनहीरे ॥ प्रेमत-
णोअतिपोष ॥ जि०॥ ५९॥ पूछेप्रभुसुग्रीवनेरे ॥
लंकाकेतिदूर॥ आणसुनेअलगीजरीरे ॥ उद्यमवंतने
हजूर ॥ जि०॥ ६०॥ लंकानुपूछोकिस्युरे ॥ पूछोरावण

तेन ॥ आनलगें अधिओ अछेरे ॥ सूरनतेनसहेन ॥ जि॰
॥ ६१ ॥ रामकहेसोआणीजेरे ॥ तेनपणुंसंसार ॥ कायर
कपटकरीजसेरे ॥ लेईगयोमुजनार ॥ जि॰ ॥ ६२ ॥ ल-
क्ष्मणनलरेगहरेरे ॥ तोराघाराआन ॥ देजियोदिनच्यार
मेरे ॥ अेअेअेमेदान ॥ जि॰ ॥ ६३ ॥ लक्ष्मणभाषे जे-
यकरे ॥ रावणतोछेस्वान ॥ सुनाघरमेंपेसियोरे ॥ किट
अेहनुंअभिमान ॥ जि॰ ॥ ६४ ॥ क्षत्रीनेछलनवी कह्यो
रे ॥ क्षत्रीनुंजलजेत ॥ सोईसाचुंमानवुंरे ॥ देजीनेनिज
नेत ॥ जि॰ ॥ ६५ ॥ अंजूवाहन भाषे भलोरे ॥ ऊपाडे
भुजपाण ॥ कोटिसिलानेसाहरेरे ॥ रावण हंता आण ॥
जि॰ ॥ ६६ ॥ साधुवचनमेंसांभल्युंरे ॥ अेआतिकूडीरीति
॥ सहुनेसिलाऊपाडतांरे ॥ ऊपजे अतीपरतीति ॥ जि॰ ॥
६७ ॥ लक्ष्मणभाषेअेभलुंरे ॥ जेसीविमानेदेव ॥ वि-
द्याजलेविद्याधकरे ॥ आईगियाततखेव ॥ जि॰ ॥ ६८ ॥
जेमलतातेमअेसिलारे ॥ देआडीऊपाडी ॥ पुष्पवृष्टी
हुईभलीरे ॥ सुजशच्यढ्यो निलाडि ॥ जि॰ ॥ ६९ ॥ भलुं
भलुंकहेदेवतारे ॥ प्रत्ययपामीआम ॥ सहुकोईआणं-
दियारे ॥ पाछाआव्याताम ॥ जि॰ ॥ ७० ॥ वृद्धपुरुष
परमारथीरे ॥ वातविच्यारेअेक ॥ पहिलादूतनमोक-
लोरे ॥ आणणहारविवेक ॥ जि॰ ॥ ७१ ॥ वातामेंसम-
भविचारे ॥ पाछिआपेजाल ॥ दोईघरेहोयवधामणां
रे ॥ वाधेनहींजंजाल ॥ जि॰ ॥ ७२ ॥ दूतमहाजलआ-
गलोरे ॥ मोकलियोसुप्रमाण ॥ लंकातोसाजुसुणीरे ॥

कीधोअतिमंडाण ॥ जि०॥७३॥ दाळभलीसकतीन-
समीरे ॥ कीधीदूतहियाप ॥ केसरानऋषीजी कहेरे
॥ नेहनोप्रजलभेताप ॥ जि०॥७४॥

॥ केदारारागे दोहा ॥

राक्षसकुलसायरविषे ॥ अमृतजेपन्न्योएक ॥ जिन
भिषण मतिआगलो ॥ जाणेविनयविवेक ॥१॥ दूत
धूतजेएहवी ॥ बिभिषणने पास ॥ भयमानीराक्षि
सतणो ॥ पाछोनावेनास ॥२॥ सीताछोडावणतणी
॥ रावणशुंअरदास ॥ करशेलघुभाईभली ॥ मानेसे
प्रभुतास ॥३॥ दैवयोगेमानेनहीं ॥ पाछीवातविशेष
॥ सर्वलणावेआपने ॥ लीधोमानेनरेश ॥४॥ सुग्रीवे
सुमतोकियो ॥ अवलोईसहुसाय ॥ हनुमंतलयजोन
लावियो ॥ जाणीअतिसमर्थ ॥५॥ पगेलागीऊलो
रह्यो ॥ प्रभुजीकरेप्रसाद ॥ तुमसमजीजेकोनहींपात
क्षरोलगनरावाद ॥६॥ दशकंधरलेईगयो ॥ लंकान-
यरीमांहे ॥ सीताछेतससुधिनो ॥ तुमथीआवेनान
हे ॥७॥ हनुमंतआपेस्वामिजी ॥ मयाकरीकपिराय ॥
तेमाटेहुंतेडियो ॥ वानरघणाकहाय ॥८॥ गवगवा-
क्षशरभनीलगवय ॥ अंजवाहननलनीज ॥ द्विविदमंन-
धमादनरनला ॥ अंगदमेदसलील ॥९॥ ईत्यादिकनो
छेनला ॥ वानरअतिजालिमना ॥ छेलीसंख्यापूरणी
॥ मांहेमहाइंनाम ॥१०॥ पणकुंआरअंटलो ॥ कईसांन

लोराय ॥ लंकारांक्ससद्वीपस्युं ॥ आणुंईहांउपाय ॥
११ ॥ रावणलोकरावणो ॥ तेभाईथांसुबांधि ॥ आणुं
प्रभुने आगले ॥ कोईकवेलासाधि ॥ १२ ॥ कहोतोहणुं
कुटुंबस्युं ॥ कुलनोकरीनिकंद ॥ सत्यवतीसीतासती ॥ आ-
णुंधरीआणंद ॥ १३ ॥ रामकहेसाच्योसहु ॥ तहारोवच्यन
विचार ॥ जेमकहेतुं तेमकरे ॥ नहींसंदेहलिगार ॥ १४ ॥
अेकवारतुंअथने ॥ आणोजलअपार ॥ वच्यपडीछे
पारके ॥ वरते कवणप्रकार ॥ १५ ॥

॥ ढाल आडत्रीशमी ॥

(दधीसुतअनहो ॥ अे देशी ॥)

कपिरेमीयासाथेकहे ॥ जवप्रभुनोतुमपास ॥ देहसुं
न्यारोरहे ॥ मनमेंथारीआस ॥ क० ॥ १ ॥ अन्नतोलागन
तदीके ॥ स्याहनहींनलपान ॥ सोवंतातोनिंदनहीं ॥ अे-
कथारोध्यान ॥ क० ॥ २ ॥ रामतेमननारिमें ॥ नारमेंगु-
णगान ॥ हास्यअन्यालविनोदनागमे ॥ अेकथारोध्यान
॥ क० ॥ ३ ॥ योगनेसाधियायोगी ॥ लबेज्युंलगवान ॥
जमरागेराचियाथी ॥ अेकथारोध्यान ॥ क० ॥ ४ ॥ हा-
थिजोरेकुंवचननो ॥ आणिजोराअन ॥ लेमसुमरेतेन
वचनने ॥ अेकथारोध्यान ॥ क० ॥ ५ ॥ स्वैरणीस्वेच्छा
रमती ॥ वंछहीनरआन ॥ अधिकतीव्रपरिणामराजे ॥
अेकथारोध्यान ॥ क० ॥ ६ ॥ जपैयोधारपज्यापाणी ॥
साथेराजेमान ॥ मेहनाललसाथेमनसा ॥ अेकथारो

ध्यान ॥ ऊ० ॥ ७ ॥ मुन्द्रडीमुज हाथ केरी ॥ आगेलेईरे
धरे ॥ जाणिअेअहिनाणीजअे ॥ सहेकुशलजरे ॥ ऊ०
॥ ८ ॥ आवतांचूडामणीरे ॥ आणीजेरेसही ॥ जेम
असहुसाचमाने ॥ वातशयलकही ॥ ऊ० ॥ ९ ॥ मुजवि
योगेमरेमतितुं ॥ आछयाहिपेज ॥ लक्ष्मणतोलंकपती
केरो ॥ सिरछेदियोहितेज ॥ ऊ० ॥ १० ॥ सजलदलजल
सालसजरो ॥ संजरहीरेनरेस ॥ मलियाछंमोकल्योहुं ॥
जिजरनेसुविशेश ॥ ऊ० ॥ ११ ॥ नजलगेहुं इरिन आ-
वुं ॥ नजलगेअेठाम ॥ छोडवुंनहींवीनतीअे ॥ मानजे
श्रीराम ॥ ऊ० ॥ १२ ॥ रामलक्ष्मणचरणप्रणमी ॥ लेई
निजपरिवार ॥ वीरविमानेजेसीचाल्यो ॥ मानेहरखअ
पार ॥ ऊ० ॥ १३ ॥ वाटजतांगिरिमहेंद्रे ॥ पुरमांहे
द्रउदार ॥ देखियाथीरोसउपन्यो ॥ आणिअेहवि-
चार ॥ ऊ० ॥ १४ ॥ मायमाहारीजेशुन्हाथी ॥ काढी
दीधीताम ॥ रीसअेमुजअछेआघिकी ॥ जाजेईकुंठा-
म ॥ ऊ० ॥ १५ ॥ अेमकहेतांतूरस्वना ॥ लियाशयव-
नथ ॥ शब्दसुणीब्रह्मांडकीटे ॥ नगरनाठेजथ ॥ ऊ०
॥ १६ ॥ नृपमहेंद्रसुरेंद्रनीपरे ॥ चढ्योपुत्रसमेत ॥
मांहोमांहेयुध्धमांड्यो ॥ वातमेंविणहेत ॥ ऊ० ॥ १७ ॥
अंजनासुतआकरोरे ॥ शुलटदीधामोडि ॥ चेकाचे
उडिजये ॥ तृणतणीतोडोडि ॥ ऊ० ॥ १८ ॥ प्रज्ञकी
र्त्तिआवीजाडिओ ॥ लडेचित्तनेचाय ॥ दोर्यवीरविरो-
धजलिया ॥ आपसमेंनटलाय ॥ ऊ० ॥ १९ ॥ हनुमंते

सुविचारकीधो ॥ अंब मुनविक्कार ॥ स्वामीनातोक-
मविचमें ॥ अेहलगावीवार ॥ क०॥२०॥ मारीलखीं हुं
अेकक्षणमें ॥ मायकुलक्षयथाय ॥ कामप्रारंभ्युंकर-
वुं ॥ सोयउपन्योआय ॥ क०॥२१॥ भांजरथसारथी
मुनजले ॥ आंधीवीआसोई ॥ ऊडमहेन्द्रनरेन्द्रसाहि-
ओ ॥ सूरथीअेमहोई ॥ क०॥२२॥ चरणलागी छोडी
दीधा ॥ आपप्रकटीनामा ॥ मायने दुःखदीधोथो तुम ॥ ते-
हनांअेकाम ॥ क०॥२३॥ स्वामि कामेअणीलंका ॥ तुमे
प्रभुनेपास ॥ अओजयसरसाधिआवी ॥ पामसो ज-
हुआस ॥ क०॥२४॥ लियोकंठलगायनाने ॥ दोहिओसि-
रचुंबी ॥ मायमातामाणीलासहु ॥ सज्जनरहियाजूं-
जी ॥ क०॥२५॥ कनेतोतुनसुनरासुणियो ॥ आंजेदी-
ठेआन ॥ आपणेआपचकीसंकी ॥ आपपावेलाज ॥
क०॥२६॥ स्वामीकामप्रयाणकीधे ॥ पंथमें कल्याण ॥
होईअेकहीआपमलुने ॥ चल्योकरिमकाण ॥ क०॥२७
॥ वाटमेंपरसिध्धिदधीभुज ॥ आईओअेकद्वीपे ॥ साधु
दोकणीसक्षेदीन ॥ ध्यानेलीनअतीव ॥ क०॥२८॥ पा-
अतीहीतीनकन्या ॥ राजीमनअेकंत ॥ करे विधातणो
साधन ॥ देवगतिनलहंन ॥ क०॥२९॥ लागियो दवअन
लपसरी ॥ आवियोप्रभुपाय ॥ णीदधीजुंनलआणी
आधिकुं ॥ लीयोतेहपुनथ ॥ क०॥३०॥ साधुवंदिक-
हेकुमरी ॥ स्वामीसांभलोवात ॥ साधुणीपन्दवदालि-
ओजे ॥ नहींतोआलिम्भत ॥ क०॥३१॥ तुमसाह्यने

लियेसिद्धविद्या ॥ एहमाहरीभेई ॥ विणशीकलेन्द्र-
लेतइश्वर ॥ एहअतिशयकोई ॥ कु० ॥ ३२ ॥ पुच्छहिप्रभु
आपकुणतुम ॥ तामदियेतेनवाज ॥ नगरीदर्धीमुंज
अछेनीको ॥ अवरपुरमेंआज ॥ कु० ॥ ३३ ॥ रायतो
गंधर्वकूडो ॥ कुसुममालानार ॥ एअमेछकंतस कु-
मरी ॥ रतितणेअवतार ॥ कु० ॥ ३४ ॥ जेयेराजहुतरे
वांछा ॥ करीविविधप्रकार ॥ ताततन आपेजेसीरहिया
॥ मनअपुंठेमार ॥ कु० ॥ ३५ ॥ एकअंगारकनजेयेश ॥
घेरेआसअगाह ॥ कामवसेउन्मत्तहुओ ॥ ताततनक
रेविवाह ॥ कु० ॥ ३६ ॥ तातेपूछ्युंनिमित्तज्ञानी ॥ पुत्री-
नोवरकोण ॥ थायसेएसायभाषो ॥ हुअछुंभलसुण
॥ कु० ॥ ३७ ॥ मारसेनेसाहसगतिने ॥ सोछभलोभर-
तार ॥ रूपेरूडोनहींरूडो ॥ तुमहुसेकिरतार ॥ कु० ॥ ३८
॥ केमअणयोअयप्रभुजी ॥ तेहथीएकान ॥ कर्यथी
एटलेपापी ॥ मेलव्योदवसान ॥ कु० ॥ ३९ ॥ तुमसु-
भाविओसांतिहुई ॥ हुईविद्यासिध्धि ॥ मास छ ठे
सिलतितुम ॥ दर्शनिआनप्रसिध्धि ॥ कु० ॥ ४० ॥ चरि-
त्रसघलुंकरीभाषी ॥ आणियोपतिदेव ॥ कुमरीहरखी
तामप्रभुजी ॥ प्यासिओततखेव ॥ कु० ॥ ४१ ॥ कुमरि-
एमुजएहसांभली ॥ सोईतोभूपाल ॥ लेईदलजल
रामपासे ॥ आविओततकाल ॥ कु० ॥ ४२ ॥ ढालएक-
त्रीशमीरे ॥ करणकानविशाल ॥ केशराजमुनिइमभाखे
॥ आवियोअतिगाल ॥ कु० ॥ ४३ ॥

॥ गुडमल्हाररागे दोहा ॥

छतांपतिने आवियो ॥ लंकासमि पेज्जम ॥ विद्यातो आन
शाखिज्ञ ॥ दीठी हनुमंतताम ॥ १ ॥ कालिनि साहोयने ह
वी ॥ तेहथी तस आकार ॥ घोर महारे रामणी ॥ जोले
हनुमंतलार ॥ २ ॥ मतिहिणा कपी किहांमल्यो ॥ कहे आ
नआहार ॥ यासाहि अेतनु तणुं ॥ नोतुं न्नएसार ॥ ३ ॥
नाम सुभुजपसारियो ॥ हनुमंत पेठो मांहे ॥ ठीयंतअ
मारीगह ॥ मुकलाणो मुजमांहे ॥ ४ ॥ अज्ञयकी आ-
दित्यज्युं ॥ निकलिओ वडवीर ॥ आवलनआवीरियही ॥
सालेरह्योशरीर ॥ ५ ॥ नासडिओ भाकरचर ॥ नगरीलं
कपास ॥ कर्पुरनी पेरेतोडके ॥ नाखिदिओ आकाश ॥ ६ ॥
रजवालोभाकरनो ॥ वज्रमुजोतलनाम ॥ भारीलीधो भू
नतो ॥ सूरजमारे काम ॥ ७ ॥

॥ ढाल ओगणयासीशमी ॥

(श्री माहावीरस्वामी, अेदेशी)

हनुमंनवीर आयो ॥ असगा असुहायो ॥ सयणनन नही
सुहायो ॥ आयो नेम बोलायो ॥ हनु० ॥ १ ॥ पवनलो वंस
कहेवायो ॥ सुरतइसहायो ॥ रायसायाकहायो ॥ कुले
कलशायदायो ॥ हनु० ॥ २ ॥ कधहिं नथायकायो ॥ जयणे
नयनजायो ॥ गुणि अनेनीतगायो ॥ किणहि नवी
घायो ॥ हनु० ॥ ३ ॥ जगतमेसुजश छायो ॥ अंजनीनो
रेजायो ॥ थिरकरीपावठायो ॥ नयलेरेयलायो ॥ हनुव

॥७॥ रामनेकामेघाघो ॥ लखोंव्योलपायो ॥ लूपनेचिन्त्तलायो ॥ ओरीजजरसेधीआयो ॥ हनु॰॥५॥ वनभुअनी कुमारी ॥ करेशेशलारी ॥ हनुमंतसायेआछी ॥ मांडेरेस-डाछी ॥ हनु॰॥६॥ तेहनांशस्त्रअपीप भूजगेडूपयापी ॥ नेरनजेर्ईहोवे ॥ तवसनमुजन्वे ॥ हनु॰॥७॥ मनभय आणेविंधी ॥ कहेवातसिंधी ॥ हनुमद्रूपेराची ॥ कंईसेवासाची ॥ हनु॰॥८॥ आपनुंवैरलेवा ॥ कियाऐहकेवा ॥ ऋजनुमपायलागी ॥ सुहरामुलन्गी ॥ हनु॰॥ ९॥ हनुमंतेतामपरणी ॥ करीआपघरणी ॥ रात्रिरहि अयआगे ॥ प्रामुनेकामलागे ॥ हनु॰॥१०॥ लहुतणे गेहिआवे ॥ जहुसनमानपावे ॥ पायप्रणमंतपूरो ॥ सह्वातमेंसूरो ॥ हनु॰॥११॥ आवियोकेणीकामो ॥ कहे तोअलिरामो ॥ रामनीनारिआणी ॥ करीसर्वीहिशि काणी ॥ हनु॰॥१२॥ आपियेसोरेपाछी ॥ थायसर्व-दिशिआछी ॥ कीलियेरायराने ॥ नहींविणसशेकाने ॥ हनु॰॥१३॥ लहुकहेरेनभाई ॥ समन्नव्योरेलाई ॥ पारकीनारीदीले ॥ नहींन्वरजीले ॥ हनु॰॥१४॥ सात सुणीरीसलागी ॥ कगडजेणेभेरेन्गी ॥ महाईकडण चलसे ॥ मुगमेथीयटलसे ॥ हनु॰॥१५॥ लहुअआदेशपाभि ॥ चलेवनमांहेधाभि ॥ आवियोदेमीसीता ॥ वसुधामांहेविदिता ॥ हनु॰॥१६॥ रामतोन्यायशेवे ॥ न्यायनिष्टमेंनसोवे ॥ जेहनीजेहराणी ॥ त्रिहुं लोके वखाणी ॥ हनु॰॥१७॥ तरुवरअशोके ॥ शोलतोन-

गविलोके ॥ तेहने मूलेजथठी ॥ हनुमंतेतामदीठी ॥
हनु० ॥ १८ ॥ जलडतोगाल झरसे ॥ नयणतोनीरवरं-
से ॥ आणणे कीयमातो ॥ जयआधिकहीथातो ॥ हनु०
॥ १९ ॥ वदनविलजोदेजाय ॥ हीमेनिमकमलयाय ॥
प्रतिपदयंन्दलेहवो ॥ तनुदेजीनेएहवो ॥ हनु० ॥ २० ॥
उश्नतासासजासे ॥ अधरनीसोहृदाले ॥ ध्यायतीरामराम
॥ नहींअवरतसकाम ॥ हनु० ॥ २१ ॥ मलिनछेवस्त्रवेषे
॥ मलिनकायाविशेषे ॥ देवीविदेहमाता ॥ देजलांलहि-
येसाता ॥ हनु० ॥ २२ ॥ विधायेशुतहोई ॥ मुन्दडीआ-
णिंसोई ॥ मायनीगोदमूके ॥ प्रभुनीसीखनचूके ॥ ह-
नु० ॥ २३ ॥ मुन्दडीनयणनिरखी ॥ सीतामनमांहेहर-
खी ॥ हेनेहीयेलगावी ॥ मल्योनाथजुआवी ॥ हनु०
॥ २४ ॥ विनयआवीसुणावे ॥ लंकपतिहर्षपावे ॥ आल
सीताजुसाली ॥ रंगमें छेरसाली ॥ हनु० ॥ २५ ॥ वीस-
रीरामनाहे ॥ तुंवसुंणीमाहे ॥ मोकलीकिसीनारी ॥ मा-
नसेवातथारी ॥ हनु० ॥ २६ ॥ स्वामीनुंकामकरवा ॥ पा-
पसुंपिंडभरवा ॥ वनविषेपावधारे ॥ सुजकिस्युंएणे
करे ॥ हनु० ॥ २७ ॥ शनियाराथशाने ॥ रावणरायजिश-
ने ॥ राणियांतुंहिरूडी ॥ मेलवेवातकूडी ॥ हनु० ॥ २८ ॥
नंगनडयांहेमनिका ॥ पीतलेथायफीका ॥ असरजेपु-
रुषतीका ॥ जयनशोभजुआ ॥ हनु० ॥ २९ ॥ देवगि-
ओयोवरांसि ॥ जमकेवेविमासी ॥ आणिलंकेसमे-
ली ॥ थायअजस्युंनमेली ॥ हनु० ॥ ३० ॥ हुंअनेअव-

रमणी ॥ आछाहंसगमणी ॥ ताहरीदासीयाशुं ॥ दियुंताहरूंजाशुं ॥ हनु० ॥३१॥ अनेसाहीरेछाली ॥ तेहवीअेहजाली ॥ पुरुषर्थीनहींयअलगी ॥ विषयआगलअलगी ॥ हनु० ॥३२॥ स्वामीऊनियमलीधा ॥ साधुजयेरींधा ॥ अणइच्छतिधरा ॥ ऊियातसपरिहरा ॥ हनु० ॥ ३३ ॥ तेहथीवाश्यारो ॥ आवुंहुं पासेथारे ॥ स्वामीनेस्वामीभणे ॥ अवेवातसहु डाणे ॥ हनु० ॥३४॥ आडिओलालीदेसुं ॥ अेहनाप्राणलेसुं ॥ अेहवीरातउेहवे ॥ भणस्तेसीजलहवे ॥ हनु० ॥३५॥ आवियोरामस्वामी ॥ जतरनोरेनमी ॥ लक्ष्मणवीरमाणियो ॥ नणंदपतिलेणेहणियो ॥ हनु० ॥३६॥ मारियोउतदेजे ॥ प्रत्यक्षअेहपेजे ॥ महारोजोलसायो ॥ भणीनेनगमांभ्यो ॥ हनु० ॥३७॥ लाननां जिलजोई ॥ धीठीमेधीठीहोई ॥ डंसुलनेनिभवे ॥ तामयरहीपुलावे ॥ हनु० ॥३८॥ लूपनेआवीलापे ॥ धेलीपाणीयानाजे ॥ जोलनउेईराजे ॥ अेइलतुंनयाजे ॥ हनु० ॥ ३९॥ दोईदोदिशेताणो ॥ दोईमिडेनसाणो ॥ शक्तिनारीसनेह ॥ शिलाउपरेत्रेह ॥ हनु० ॥४०॥ छूटीनालतंडो ॥ फुदामाहेरेजेडो ॥ तिनतसेख्तिलाची ॥ साऊहेसोईआवी ॥ हनु० ॥४१॥ दासतोअेडहावी ॥ त्रीसनघमींसुहावी ॥ देवीरहिरीनलद्दवे ॥ केराशलज्गावे ॥ हनु० ॥४२॥

॥ आसाराग दोहा ॥

हनुमंततबप्रगटथयो ॥ प्रणमेसीतापाय ॥ रामसु-
लक्ष्मणकुशलथी ॥ सुखमानोतुममाय ॥१॥ आप
तुमेकुणछोकहो ॥ उल्लंघीतस्योक्युंएह ॥ आनअछे
केइथानके ॥ किस्युंकरेछेतेह ॥२॥ पवनरायनोपुत्र
छुं ॥ हनुमंतमहाइनाम ॥ विद्याबलेसुविमानसुं ॥
उदधितर्योअभिराम ॥३॥ साहसगतिनृपमारियो
॥ वानरपतिनेकाज ॥ कीधोकिष्किंधापुरी ॥ स्वामी
थिरानेराज ॥४॥ देवीवियोगतमारडे ॥ रामतपेदिन
रात ॥ दावानलपरयततपे ॥ तपेनेमतइमत ॥५॥ गा-
यविछोहोवाछडो ॥ हीसंतोफिरिफिरंत ॥ लक्ष्मणतुमवि-
छोहियो ॥ आरतिअधिकउकरंत ॥६॥ कहिहिक्रोधेध-
मधमे ॥ कहिहिसोगेसोय ॥ करतावर्त्तेस्वामीजी ॥ आ-
रतिअतिआलोय ॥७॥ वानरपतिसमन्मयणी ॥ करे
घणीनिसदीस ॥ आघादिनलियेतेहथी ॥ पणआ-
रतिथाईस ॥८॥ करकमिल्यांछेजेकहां ॥ आदेनृप
सुग्रीव ॥ भाईभामंडलमलो ॥ आरतिपणेअतीव
॥९॥ वीरविराधविशालियो ॥ सुभटपणेसुविशेष ॥
महेन्द्रादिकमहोटका ॥ जेन्परअवरअशेष ॥१०॥ ए
कएकथीआगला ॥ सुभटमहाभुजभार ॥ सूरवीरने
साहसी ॥ अवरनेथंभणहार ॥११॥ पांचमलीमस-
लतकरी ॥ पहेलोमोकलोदूत ॥ खबरकरोसीताल-
णी ॥ तिहांकिस्युंछेसूत ॥१२॥ वानरसहअविलोन

डिया ॥ वानरपतिनेधाय ॥ ओछनिआवियोत्तामहुं ॥ लीयोजोलार्छमाय ॥ १७ ॥

॥ ढाल च्यालीशमी ॥

(सलवियानेशन पियारो, ए देशी)

रामराघवराथांराय कहायो ॥ हसजलसजलमिलायो ॥ जम्बर केरेचा हुभोकलियो ॥ आयोकेप्रभु आयो ॥ राम० ॥ १ ॥ मुन्दीभप्रभु करनीआणी ॥ तेहथीजणयो सांयो ॥ अहिनाणीविणकोनपतीने ५ ऐसेवकडी

धर्मनहीं हमनेतुमकेरो ॥स्वामीवसेदुःखवासे ॥राम
॥ ९॥ वानरअतीतणीयेपलाई ॥ रावणराक्षसदेखे ॥
रामचंन्द्रनासेवकअेहवा ॥ मनमांभयसुविशेषे ॥राम
॥१०॥ सत्यवतीकहे प्रभुसुंकहेजे ॥ नामतणेआधारे
॥ छपीछुंहुंकेमरीजती ॥ विरहेदेवतुमारे ॥राम०॥
११॥ लेईचूडामणीनेचाल्यो ॥ सीतानेपगेलागी ॥ दे-
वरमणवननेलांजवा ॥ हनुमंतनीमतिजागी ॥राम०
॥१२॥ रक्ताशोकचिंपयरे निसुणो ॥ बकुलविषयअकु-
लाणो ॥ अकुरणाअतिआम्रलांजवा ॥ अमर्षतोअन
धिकाणो ॥राम०॥१३॥ चंपकसाथेकंपनआणे ॥म-
दअतिमंदारे ॥निर्दयकदलीदलकापेवा ॥ ईलीरह्यो
वनसारे ॥राम०॥१४॥ अवरअनेरांजेतांतरुवर ॥ना
ख्यांतेऊंजाली ॥ पानफूलईलओर्छनदीसे ॥ जूम करे
तवमाली ॥राम०॥१५॥ व्यालेपोलतणारजवाला
॥राक्षसअतिसंजाही ॥ वानरनेमारेवायाया ॥हाथां

लवंतविशेषी ॥ सोईलीधोमारी ॥राम०॥ २०॥ला-
ईमूआडंपेय्यधोआति ॥ ईन्द्रजीतज आवे ॥ निरजेनी-
नेहध्योमनमाहे ॥ लडिसुंसरजेदावे ॥राम०॥२१॥ पे-
हिलातोजाणासुंलडिया ॥ विविधपरेजलवता ॥ जडग
आदेआयुध छतिसे ॥सजाहेमथमंता ॥ राम०॥२२॥
ईन्द्रजीतज नेनेमूके ॥ शस्त्रमहादुःखदाई ॥ विचेहीयी
छेदीनाखे ॥ वानरअेहिवडाई ॥राम०॥२३॥ ईन्द्रजीत
नाभरतवयाया ॥ अयेसघलानाठा ॥ यारेअंगनअ-
नेराआगे ॥ वानरथीअतित्राठा ॥ राम०॥२४॥ भट
लागयाशस्त्रजललांग्यां ॥ ईन्द्रजीतनवीनाठो ॥ ना-
गपाशजाणेसोवानर ॥ जांघिलियोअतिडाठो ॥राम
॥२५॥ आणीसेव्योरावणआगे ॥ रावणहर्षनमावे
॥वारंवारप्रशंसाकरतो ॥ सुतनेकंठेलगावे ॥राम०
॥२६॥ राम० लाषेसुणवानर ॥रेलुंडासुं डीधुं ॥से-
वकतुंआलम्मतणोमुज ॥ आनरामेंचित्तदीधुं ॥राम०
॥२७॥ वनवासीइलसाना हारी ॥ मेलाखुणडालासो॥
लीलकिस्युंतूंसीपूरसे ॥ याशमननीआशो ॥राम०
॥२८॥ अवरकामनीनीठिपडीथी ॥ ईहांकोईआवे॥
अजतोप्राणपडयाछेशंसे ॥ छूटवानवीपावे ॥राम०
॥२९॥ पेहलोयो लाणेनल माई ॥ प्राणथकीहीव्या-
रो ॥ जांदिवानहुओअजवेगे ॥सीतालेईपधारो ॥रा-
म०॥३०॥ ओतोधूत्ताधूर्तसिरोमणी ॥ आपेयली
कयुंनाथा ॥ अंगारातोअतिघणधगता ॥ लाजिपरे

हयैगह्याया ॥ राज०॥३१॥ सेवकवरमा हराछेयोरी
॥ अजरे दूतकह्यायो ॥ तेमाटेरे अवध्य अछेपण ॥
एहविटंजनेपायो ॥ राज०॥३२॥ हुंतोसेवककहजे
थारो ॥ ककलुमभुजस्वामी ॥ लाजनपामो मूढकहे-
तां ॥ साचिनलाषेकमी ॥ राज०॥३३॥ एकवारपव-
नजयराज ॥ आयोयोबोलायो ॥ वरुणतणानंदीमान
लायी ॥ जरजेपरछोडायो ॥ राज०॥३४॥ एकवारहुंप्र
णआयो ॥ स्वामीनोतेडायो ॥ वरुणसुतरणमेंघेरयो
यो ॥ तजतुमनेमेंछ्डायो ॥ राज०॥३५॥ धर्मपक्षनोसा-
हकरणो ॥ पापपक्षनचीरणो ॥ लंपटनरसुंवातकरंतां
॥ पापैपिंड भरेणो ॥ राज०॥३६॥ एहवोहुंतोकोई
नरेमुं ॥ अनुजएकनेकही ॥ रणमांहेलेतुजनेराजे ॥ वसुन
धावातविहिनी ॥ राज०॥३७॥ एमसुणीरीसाणोरावण
॥ वचनतीरजहुवाहे ॥ वयरीनोरेवजाणकरंतां ॥ मूओ-
हितुंयाहे ॥ राज०॥३८॥ रासलचढावीमाथुंमुंडो ॥ पं-
चशिखाशिरराजो ॥ जिसो करेसोतिसोपावे ॥ इंइरेधम
भाषी ॥ राज०॥३९॥ एमसुणीकोप्योअतिचालश ॥ ना-
गपासंनतोडे ॥ कमलनालसुं कुंजरजांध्यो ॥ कहोकवण
नरछोडे ॥ राज०॥४०॥ विद्युतपाततणीपरे पडियो ॥
मुकुटरायनोपाडी ॥ खंडोखंडकरीनेनाखें ॥ कुणविचारसं
वाडी ॥ राज०॥४१॥ अहोअहोरेरावणअभिमाने ॥ रसघ-
णीविस्तारी ॥ तामसुलंकनिसंकपणेरे ॥ विध्वंसीनिर-
धारी ॥ राज०॥४२॥ क्रीडारंग करीरेरंगीलो ॥ आवो

वारनलार्छ॥रामनमीयूडमणीआप्युं॥लीधोकुंठल-
गार्छ॥राम०॥४३॥चुडामणीछातीसुंचांप्यो॥भणे
सीताआवी॥आनमलीवाङ्यांइ॥इरसेहीयेलगार्छ॥
रा०॥४४॥विद्याधरहुओथोमिलिओआवी॥वीर्येहुआं
नेडामो॥तेसघलांमेलुनेरेलुणाव्यां॥भलोभलोकहे
रामो॥राम०॥४५॥ढालभलीएेयालीशमी॥सीता
सुध्धलहाणी॥केशरातराघवसुजपायो॥सभासहु
हरखाणी॥राम०॥४६॥

॥ रामगिरिरागे दोहा ॥

रामनामरलिआमणो॥रामनामथोएेक॥सीतासुन-
हू लहि छेहां॥रामस्वरूपअनेक॥१॥रामअनेलक्ष्म-
णभला॥सुग्रीवादिकदेव॥सुभटमहासुरापणे॥कन-
टकमालिआसुविशेष॥२॥भामंडलमंडलपती॥व-
डवानरनलनील॥अंजवाहनअंगदभला॥कपिम-
तिनंदसलील॥३॥श्रीमहेंद्रमाहिमानीलो॥पवनन-
यनोपुत्त॥प्रजलमहाजलआगलो॥रामणसघला
सूत॥४॥वीरविराधविशेषीओ॥रायसुषेणउदार
॥इत्यादिकनामेभला॥अवरलहेकुणपार॥५॥वि-
द्याधरविद्याभली॥मिलिआकेईक्रोड॥बाहिरभेसी-
तातणी॥आणेसहीजहोडी॥६॥आपआपणेसाथ-
में॥नोबतकेरोनाद॥अंबरतोगाजीरह्यो॥सुणयोन
भयेसाद॥७॥शुभवेलाशुभमुहूर्त्त॥शुभदिहसुक-

नविचार ॥ गगनपंथचाल्यासहु ॥ राघवजीलार ॥८

॥ ढाल अेकतालीशमी ॥

(मूलीमालणहेसत्यगुरु, अे देशी)

राघवआविओहो ॥ सुभटसबलासूर ॥ ठीहवीनीऊ-
लोल ॥ लेभदलनोपूर ॥ रा० ॥ १ ॥ विविधवाहनविविध
यान ॥ विविधवेसविशेष ॥ विविधइरहरे विविधनेज
॥ विविधनामनरेस ॥ रा० ॥ २ ॥ विविधघोडाविविधहाथी
॥ विविधरथनरहोई ॥ विविधतोहथियारहाथे ॥ विविध
वाजंत्रोई ॥ रा० ॥ ३ ॥ विविधडेशविविधतंजु ॥ वाडीतोअ-
भिराम ॥ विविधज्ञातेसशथधारे ॥ विविधपरिवारराम
॥ रा० ॥ ४ ॥ हाथियागुलगुलेगिरुआ ॥ हयानाहिंसार ॥
शोरतोमांचिओअधिकेरो ॥ रथतणाचितकार ॥ रा० ॥ ५ ॥
सिंहनादेसुलटकेश ॥ पडेअंबरभाण ॥ सूरजलसोगुणो
वाधे ॥ शब्दनीसुप्रमाण ॥ रा० ॥ ६ ॥ जोईतोजयगविन
माने ॥ जोईतोगबराब ॥ जोईतोरथजोईजस्वे ॥ गगने
चालिआगाल ॥ रा० ॥ ७ ॥ ठीहदिठीपरअधरचालंत ॥
वेलंधरगिरिपाभि ॥ वेलंधरपुर पामियो ॥ तिहांसमु-
द्रसेतुस्वामि ॥ रा० ॥ ८ ॥ समुद्रनीपरेशोर्यदुर्धर ॥ दो-
ईसुरसडभ ॥ रामदलआगललोगे ॥ मांडियोसंग्राम
॥ रा० ॥ ९ ॥ समुद्रनेनलेजांधीलीधो ॥ सेतुजांध्योनी-
ल ॥ रामआगेआणीमुक्या ॥ जोईनकरीढील ॥ रा० ॥
१० ॥ दयाकरीनेदेवजी ॥ तेथापिआतिहांथान ॥ पहेला-

नथीजुतिमंडी ॥ पुन्यनेपरमाण ॥ रा० ॥ ११ ॥ समुद्रे
सुंदराउरें ॥ सुतातीनप्रधान ॥ आणी नदमणलणी
दीधी ॥ पामिनेसनमान ॥ रा० ॥ १२ ॥ रातरहीने प्रात·
प्या ल्या ॥ रायसेतुसमुद्र ॥ साथलागा लरमलागा ॥
हुआअधिकअदेन्द ॥ रा० ॥ १३ ॥ सुवेलान्दियालिआ
या ॥ तिहांरायसुवेल ॥ जीतीलीपोसाथकीधो ॥ कोनलागी
वेल ॥ रा० ॥ १४ ॥ लंकानयरीप्रत्येंगाल्या ॥ हंसद्वीपेंनाथ
॥ हंसरथनृपेजीतिनेनिज ॥ रह्योराघवराय ॥ रा० ॥ १५ ॥
आशनोआवीयाराघव ॥ मीनरासेमद ॥ संन्यस्यो सघले
हिन्नएंधुं ॥ रायरघोनोनद ॥ रा० ॥ १६ ॥ लंकानेअग्रह
लागो ॥ लंकानोविपनास ॥ होयसेअसहीनणी ॥ लं-
कपाम्यात्रास ॥ रा० ॥ १७ ॥ युध्धनेसंजाहियेआति ॥
कोईअतिहुशियार ॥ लंकपातिसामतसूरा ॥ महाअनुन
एहार ॥ रा० ॥ १८ ॥ नामथीमारीलभोटो ॥ हस्तरथ
प्रहस्त ॥ सारणादिकसहस केई ॥ निसाचरमदमस्त
॥ रा० ॥ १९ ॥ लंकपतिरणतूरताअ ॥ केई कोडीतिवार ॥
ताडियाआदेसआपे ॥ सोरनोनहिपार ॥ रा० ॥ २० ॥ लं-
कपतिसुंसहुआवी ॥ करेअेअरदास ॥ कंठेवीतावला
याओ ॥ सोंथेमेंसुजवास ॥ रा० ॥ २१ ॥ अणविमा-
स्यो काम कीधो ॥ तेमाजीकुलचाल ॥ अनहुआतुर होई-
ग्यायां ॥ नहींसुघरेऊल ॥ रा० ॥ २२ ॥ नारी तोआपणी
लेवा ॥ आविआछेजेह ॥ दियापाछीवलेपाछ ॥ दूधे
वरसेमेह ॥ रा० ॥ २३ ॥ आवियाछे डिमजेने ॥ सोते·

करसेकाम ॥ नारीलेशेन्योटंदरो ॥ केडशंजेठामे ॥रा०
॥२८॥ रामलक्ष्मणरह्याजलगा ॥ देजियोजोदूत ॥
स्वामियानीकिसीकहेवी ॥ अछेअतिआकूत ॥रा०॥
२५॥ इन्द्रजीत्रीयजीआपिजी ॥ ताहरीछेदेव ॥ अंछीजो
वेशंकहोवे ॥ जेकरीअहमेव ॥रा०॥२६॥ इन्द्रजीत कहे
लडाका ॥ जन्मकुकरणमाहि ॥ दुषितकीधुंतातनुं कुल ॥
तातसहोदरनाहीं ॥ रा० ॥ २७॥ इन्द्रजीतणनाममहा
इं ॥ इन्द्रजीतुंजंग ॥ कोणलक्ष्मणरामराजा ॥ रहेतुंरुस
रंग ॥रा०॥२८॥ पहिलांतेंछेतर्योरावण ॥ मापीमूठी
वात ॥ मारिओमेंरायदशरथ ॥ अहतुजअवदात ॥रा०
॥२९॥ इहांमाहारीहाटमांहे ॥ आवीआजेदोई ॥ याहे
छेवियारियांतुं ॥ सगोनहींअरिहोई ॥रा०॥३०॥ जाणि
येछेराममारियो ॥ वातमांहेविचार ॥ कूपपाणीलिस्यो
होवे ॥ तिस्योघटसमजार ॥रा०॥३१॥ लहुभाषैपुत्र
सांभल ॥ नहींअरिसुंनेह ॥ जिस्योदेजूतिसोभापूं ॥
आविओतुमछेह ॥ रा०॥३२॥ पुत्रनहींतुंशत्रुसरिजो
॥ करणकुलनोछेद ॥ दूधनोमुहडोथाशे ॥ अंछभणेभे
द ॥रा०॥३३॥ स्वामिकामेपणेपितातव ॥ अंधमांहे
गणाय ॥ जनमअंधसमानतुंतो ॥ आनथकीकहेवाय
॥रा०॥३४॥ पुत्रपणेचरित्रताहरे ॥ भलोपणनदे-
जाय ॥ भाईजीहुंकिसुंभाजुं ॥ कोनोनरहाय ॥रा०
॥३५॥ इमसुणतांरायरावण ॥ कोपिओअसराल ॥
जडगकढीमारवाने ॥ ऊठियोनटकाल ॥रा०॥३६॥

हिरे जउतरदोप ॥ भेकुस्ताहिउसामंता ॥ ओपेआछे
ओपे ॥ ५ ॥ ओई तो हाथीयच्या ॥ ओई हयअसवारा
ओईसिंहउपरे ॥ यदीमल्यातेचार ॥ ६ ॥ ओईजिरथ
जयसिया ॥ ओईपलाणेमहिष ॥ ओईमहिषियेजेसि-
था ॥ ओईविमानविशेष ॥ ७ ॥ आपआपणासाथसुं॥
आपआपणेजेर ॥ महेलोदेईस्वामीने ॥ ऊलाजांर्या
डोर ॥ ८ ॥ रोसकरीअतिरातडो ॥ सूरनोसुलतान ॥
विविधायुधकरीपूरतो ॥ रथेबेठोराजन ॥ ९ ॥ करण
पितासमतेजकरी ॥ कुलकर्णदूरहंत ॥ सूलहंडहाथेग्र-
ह्या ॥ आव्योअतिमथमंत ॥ १० ॥ कर्मयना कुंजरम॥
॥ ईन्द्रक्रुतजनेय ॥ घनवाहनरावणतणा ॥ तेहई दं
जेहोई ॥ ११ ॥ कुंजरजयरसजगहिया ॥ मयमुराधि
पनेक ॥ सुकलागणमारियेसु ॥ लटसामतसटेक ॥
१२ ॥ अक्षोहिणीनासकलनो ॥ पारनपावेकोई ॥ रा-
वणसामोआनहि ॥ कुरीयामेंहोई ॥ १३ ॥

॥ ढाल बेतालीशमी ॥

(कडखानी देशी)

आविओरावणलोकश्रवण ॥ रावणरावणसोपारनावे
॥ ऊर्धयोअजरकटक आडंजरेग जबरनिलपरतणी
डोलनेपारे ॥ आ० ॥ १ ॥ केईहरिकेतु केईरअष्टापद ।
केतु केईगजराजकेतु ॥ मोरम भरजही कुकुटकेतुने ॥
सुभटस्वामीतणाजधि केहेतु ॥ आ० ॥ २ ॥ हंडकेई

अहेजडूंगडेईसंग्रहे ॥ केईनिजमुष्टियेसेलसाहे ॥ केई
मुद्गरेपरिघासेकुठारिआ ॥ शूलसाहीमनमेंगांमाहे ॥
आ० ॥३॥ वीसयोजनलगेरामदलविस्तरे ॥ पेरेपं-
चासयोजनप्रमाणे ॥ सुभटबोलावताधैर्यडोलावन्-
ता ॥ ओकसुंओकतोअधिकताणे ॥ आ० ॥४॥ आपस्वा-
मीतणीश्लाघ्यताअतिघणी ॥ उत्तनिंदापरस्वा-
मिकेरी ॥ तुंकुणरेअछेतुंकुणरेअछे ॥ आपसमेंरे
भाषेघणेरी ॥ आ० ॥५॥ गच्छरेगच्छरेतिष्टरे
तिष्टरे ॥ मतडरेआयुष्यअलगनाखी ॥ नहीं-
तरओहआयुष्यसंभालीले ॥ आयिधिरहोजन-
वयोरयोभी ॥ आ० ॥६॥ बाणवरसेयणां ॥
विविधभातितणां ॥ चक्रपरिघागदाइरसीजां-
डा ॥ दंडमुद्गरकुरीयोटकखेभरी ॥ राक्षसवा-
नरालडतयांडा ॥ आ० ॥७॥ वानररानताजे-
मतइभालता ॥ तेमराक्षसतजन्यभागा ॥
हस्तप्रहस्तबलवंतधीद्धतअति ॥ वानरसाथे
तबआयलागा ॥ आ० ॥८॥ हस्तनलेमारि-
ओनीलेप्रहस्ततो ॥ अंबरपुष्पनीवृष्टीहुई ॥
रामदलगानिओओहदललानिओ ॥ तामनृप
मोकलेझीलन्नुई ॥ आ० ॥९॥ राघमारीचशुक
सारणासिंहरथ ॥ अश्वरथचन्द्ररवीनेऊदामा
॥ मकरज्वरनृपडाभाक्षिंगलिरसिंह ॥ नघन्य
बिभत्ससंभूसकामा ॥ आ० ॥१०॥ मदनअं-

विभिषणभीडिओसामो ॥ देईलाग्यावीर ॥ कुंभ-
कर्णनिर्द्रइंद्रजीत ॥ धाईआयाधीर ॥ रा० ॥ ७७ ॥ विये
पडीनेडियाअलगा ॥ हाथियानिमसोई ॥ चित्तइरो
रायजीनो ॥ मेलवेनहींकोई ॥ रा० ॥ ७८ ॥ मतरहेसुत
नगरमांहे ॥ अलगोअनेदूर ॥ भीएणहिनेलसोहोडी ॥
रहेरामहजूर ॥ रा० ॥ ७९ ॥ माराजेछेसाथिओसो ॥ जून
ठेनगपत्तनय ॥ विभिषणबोलेलोभाई ॥ नाविओ
नृपधाय ॥ रा० ॥ ८० ॥ रावणनेपगेलागियास्यो ॥ लेईनि-
नपरिवार ॥ वीशअक्षोहिणीलशकर ॥ लागियोतन
मसार ॥ रा० ॥ ८१ ॥ हसदीपेन्याविआथो ॥ रामनेहर-

णेमांहि ॥ पायपडतांलेईउठीयो ॥ मल्यामेभुगलेजांहि
॥रा०॥४९॥ कुशलपूछेवारवारही ॥ पुन्यतुमसुपसा
य॥ आजधन्यदिनमहारोरे ॥ देवदर्शनपाय ॥रा०॥५०
॥ आवोआघाईहांजेशो ॥ आणदीपज्योप्रेम ॥ वात
पूछेहीयुंजोडी ॥ हूंजलाघोकेम ॥रा०॥५१॥ आविओ
तोघणेदीने ॥ ओहवालवाजोल ॥ निहांवालेतिहांज-
तां॥ मानवीनिरमोल ॥रा०॥५२॥ वचननारसपजेहू-
ठा ॥ आईछे लालदूप ॥ वचननेरससामसेव्यो ॥ वंय-
नहूंपविहूप ॥रा०॥५३॥ जिलिषणकहेरामजीसुं ॥
आईजनेछोडी ॥ आविओसुग्रीवनिमतिम ॥ जाणि-
योसमजेडी ॥रा०॥५४॥ रामलछमणतामलाषे ॥ उ-
रोजेतसलीम ॥ लंकनीजक्सीसतुमने ॥ दीधुंकुओ
हीम ॥रा०॥५५॥ दालजेउतालीशमीओ ॥ लंकआपी
ईस ॥ केशराजकहेतअवसर ॥ आवियाजक्षीस ॥५६

॥ केदारारागे दोहा ॥

हंसदीपदिनआठरही ॥ आगेआवेजाम ॥ धरतीदी
ठीमोडसी ॥ जेतलडवेताम ॥१॥ ऊंचीनीचीसमडरे ॥
धरतीयालसमान ॥ सांजपणेयोडपणे ॥ थोजनवी-
सनेमान ॥२॥ वेलासाधीवेगसुं ॥ कीधोकटकपडाव ॥
राससससहसदेजणतणो ॥ आणेथित्तमेंन्याव ॥३॥ वेली
राजसायरतणो ॥ रामकटकनोसाद ॥ लंकातोजाहिदि
कुंग ॥ जेवाहलनेनाद ॥ ज्यसंजाहेसूराघणा ॥ पं-

कुरसंतापपृथितनामथी ॥ आक्रोशपुष्पास्त्रसु-
विघ्ननामा ॥ दुरितनंदनउरप्रीतिसुदुर्ध्धर ॥ वा-
नराशालियाअेहअक्षमा ॥ आ० ॥ ११ ॥ शयमा-
रीयसंतापवानरहण्यो ॥ नंदनवानरेज्वरविणा-
स्यो ॥ रक्षणीक्षामअपिविघ्नमारिलिओ ॥ दुरिते
शुद्रमारीलभगेहवास्यो ॥ आ० ॥ १२ ॥ सिंहजघ-
नेहण्योपृथितवरवालरो ॥ अेटलेसूर्यपणअस्तपा-
मे ॥ दोईदलोहव्याजेमूआतेघट्या ॥ प्रातःईरी
मंडिआसुजशाजमे ॥ आ० ॥ १३ ॥ कपिसुलटम-
ध्येगजरथजेसीनृप ॥ आवियोविविधआयुध्ध
धारी ॥ रामसेनाप्रत्येप्रजलजलधारसुं ॥ मंड्यो
अेहसंग्रामलारी ॥ आ० ॥ १४ ॥ रावणरायहुं-
डारडरवेडरी ॥ रक्षसत्येरणरणविषयरोपिरह्यो
॥ वानरापगोजस्या ॥ जयपाछाघस्या ॥ अव-
सरतामसुग्रीवलह्यिो ॥ आ० ॥ १५ ॥ सलहस
न्नाहडरी धनुष्यवरऊरधरी ॥ राक्षसानेमुजेज-
मआवे ॥ तामहनुमंतलाषंतसुग्रीवसुं ॥ देवअन
जतुमरहोआपठावे ॥ आ० ॥ १६ ॥ यढ्योहनु-
मंतदुरदंतदलनेदले ॥ राक्षसानुंमुजआवीरोके
॥ तामजाजोधनुष्यजाणसंलालके ॥ हनुमंत
वीरनेआणीरोके ॥ आ० ॥ १७ ॥ हनुमंतेअ-
क्षछेदीजाआतणां ॥ ऊहेरेजुदातुंतोजाईयाए
॥ पंयनचअरगुणीपरलवसांवणो ॥ जापेज

लोटयोछेरेलाहे ॥ आ० ॥ १८ ॥ एमसुणीताम
वन्नेदरआवियो ॥ कहेरेअज्ञानमेंकांइबोले ॥
आवगिरहोयलीनेरेअतुलीबली ॥ हमतुमनेड
छेकेकतोले ॥ आ० ॥ १९ ॥ केशरीनीपरेराजेन्द्र
हियडेधरी ॥ आवियोवीरहनुमंतहाजी ॥ सोइमा
रीलिओ ॥ वननोतृणकियो ॥ पाछलेकांइराजी
नबाडी ॥ आ० ॥ २० ॥ जंबुमालीनृपनंदनआवि
यो ॥ सोइणिपाडेनाखीदीधो ॥ राक्षसमहोदरप्र
मुखबहुलामिली ॥ अंगनाअंगनघेरीलीधो ॥ आ
॥ २१ ॥ कोइतोभुजविषेकोइतोमुखविषे ॥ कोइतो
पगविषेकोइछाती ॥ कोइकूखेठिया ॥ सयलमा-
रिलिया ॥ हनुमंतवीरनीशिसताती ॥ आ० ॥ २२ ॥
सायरविषेवडवानलशोभतो ॥ राक्षसांविषेएवीर
सोहे ॥ लाखियासयलहीणिगतोसूरज्युं ॥ जेमरे
तिमिरनोखोलजोहे ॥ आ० ॥ २३ ॥ राक्षसालेग
देखीअतिकोपिओ ॥ कुंभकर्णतजआपेधायो ॥
देवईशानत्रिमसूलहाथेग्रह्यो ॥ कायरांधीरनथर
थरायो ॥ आ० ॥ २४ ॥ कोइपायेहण्याकोइहाथे
हण्या ॥ कोइकुर्परहण्याअधिकत्रास्या ॥ कोइमु-
द्गरहण्याकोइशुलेहण्या ॥ कोइअन्योन्यकइम
कपिविणास्या ॥ आ० ॥ २५ ॥ देखीबलवंतसुग्री
वजधाइयो ॥ धाइयोदधीमुखनेमहेन्द्रो ॥ धाइ-
योदुमुखअंगदप्रमुखशालक ॥ धाइयाषट्हिमहेन

टानरिन्दो ॥ आ० ॥ २६ ॥ ओषटलूंपने कुंभकर्णन
लेडा ॥ अंबरेदेवदेवेतमासो ॥ विविधपरेजाणनो
मेहवरसावही ॥ योगिणीआपमेंकरतहासो ॥ आ०
॥ २७ ॥ निंदजाणेकरीनिंदविकुर्वणा ॥ राक्षसेनिंद
भलसयलकीधा ॥ जगतजाणसुंतामसुग्रीवजी ॥
तेरेसघलाईणीमाईलीधा ॥ आ० ॥ २८ ॥ कुंभकर्ण-
नतणोरथनेसारथी ॥ सुग्रीवरायेतवसांजरोल्यो
॥ मुद्गरकरग्रही कपिपतिऊपरे ॥ आवहीसोनहीं
टलेहीटाल्यो ॥ आ० ॥ २९ ॥ अंगनेवायरेवानरा
गिरिपडे ॥ गयवरइरसथीनेमवृक्षो ॥ मुद्गरेला-
जडेईतामटुकडाकिया ॥ सुग्रीवरायनोरथप्रत्यक्षो
॥ आ० ॥ ३० ॥ सुग्रीवरायजीएकशिलमहोटकी
॥ रावणानुजतणोसिरहिपाडे ॥ मुद्गरेतोडीना-
खंतसोदहदिसे ॥ रजतणीवृष्टीआयीकेऊडे ॥
आ० ॥ ३१ ॥ अंबरछाहियोकोईसुजेनहीं ॥ लो-
कनांनयणमुखरजहलसिया ॥ तामसुग्रीवजल
बाणनेमुकवे ॥ रजहिबेसाडीप्रकाशकरिया ॥
आ० ॥ ३२ ॥ तामवानरपतिराक्षसऊपरे ॥ रोस
शुंमेलियोतडितघात ॥ तेहनेकोईऊपरयारलागे
नहीं ॥ मूर्छियोतवकरेधरणीपात ॥ आ० ॥ ३३ ॥
रावणऊमहितामसंग्रामने ॥ तामसुतईन्द्रजीत
आईआगे ॥ बीनवेबापनेछोडसंतापने ॥ कव-
णआगेतुंतोयुध्यमागे ॥ आ० ॥ ३४ ॥ नायम

वइणनहींनहींयकुबेरजी ॥ ईन्द्रसोईतुजथुंन
जीत्यो ॥ ओघरयाकरओओछेअनुचर ॥ गीजन
लोकुटयोओहरीतो ॥ आ० ॥ ३५ ॥ आपोआठ-
रामुजओहसंग्रामनो ॥ दूरथीदेजओठाममहारो
॥ आपडावानरापानपाने करु ॥ आणने आई-
योतोरेथारो ॥ आ० ॥ ३६ ॥ होईसनद्धअघन-
नेयुध्यमेंआवियो ॥ श्रीमुजेतामसहुनेपयारे॥
जिहांरेसुग्रीवहनुमंतजिहांलक्ष्मण ॥ रामनेचोट
महारीसहारे ॥ आ० ॥ ३७ ॥ त्रासीयावानरसा-
थेईमजोलियो ॥ नाजीहथियारतुमआलगहीवो
॥ अणरेजुंजतनेमारवानियममुज ॥ थेरेथारीज-
ईनिंदसोवो ॥ आ० ॥ ३८ ॥ जीलकरथेजिस्युं
आवभुजसाहमो ॥ वानरारायतवआविआडियो
॥ मेघवाहनसंघातेलामंडल ॥ अस्त्रशस्त्रेकरीअ-
घिकलडियो ॥ आ० ॥ ३९ ॥ दिग्दिशानाहोवे
हाथियानेहवा ॥ तेहवाच्यारहिओहदीसे ॥ हुंसतो
कोनरांजंतलडवेकरी ॥ आपमेंगोछलेआधिकरी-
से ॥ आ० ॥ ४० ॥ ईन्द्रजीतमेघवाहनआहिपास-
तो ॥ अस्त्रमूकेनपूकेरसोई ॥ रायसुग्रीवभामं-
डलजांधिया ॥ नामतोजोरनचलतकोई ॥ आ०
॥ ४१ ॥ करतणीपयारसंज्ञालेईगीठियो ॥ रोस
करतोअतिकुंभकरणो ॥ वीरहनुमंतमारयोगदा
घावशुं ॥ मूर्छियोतवग्रहेधरणीरारणो ॥ आ०

ગૂજર ત. [illegible] યકેકો મેં [illegible] પીઓ ॥ કુંભક
[illegible]રહણુમંતવીરો ॥ એક [illegible]એકઆ કાજહોત
અઆ [illegible] આયતેહનો [illegible]રો ॥ આ૦ ॥ ૪૩
॥ લૂણ [illegible] ાનસુંરાવલા [illegible] અભલભ.
[illegible]અહણાએ ॥ અ [illegible] આયકઊપરઅછે[illegible] ૫-
ण ॥ सोहेपावंतऐनयनदोई ॥ आ० ॥ ४४ ॥ बां-
धियाऐह घेशयनेनहने ॥ लंकमांहेलअलगेनन्न-
ई ॥ तबलगेछेघमडीलियेआऊरो ॥ पामियेसुन-
श्आतिऐछोडाई ॥ आ० ॥ ४५ ॥ कुंभकर्णेहनु-
मंतजडांबमे ॥ चांपिओऐहविपरितमांहे ॥ विल
सुग्रीवहनुमंतलामंडल ॥ सैन्यसघलोअछेसुन्य
प्राहे ॥ आ० ॥ ४६ ॥ ऐहनवातकरतांयकांऐगार
॥ सुलटजुनतप्रलुसाथकाठो ॥ क्रोधवसघनुष्य
ग्रहीबाणनाप्रीतिसे ॥ पामिऐवडाशहनुमंतना-
ठो ॥ आ० ॥ ४७ ॥ कुंभकर्णलुबशालहसाजीक-
री ॥ लाईसुतआगलेआवीमंडे ॥ रायसुग्रीवला-
मंडलभुपना ॥ बंधछोडाववाआधिकतंडे ॥ आ०
॥ ४८ ॥ ईन्द्रजीतमेघवाहनचित्तचिंतवे ॥ ऐहतो
माहरेतातनोले ॥ युध्ययुगतोनहींबईटलबुंभलुं ॥
ऐहतोसाजसिध्धांतबोले ॥ आ० ॥ ४९ ॥ नाग-
पासेकरीबांधियाऐहछे ॥ लुभतररोरेसहेनेही
मरसे ॥ भेलियऐईहां ॥ लेईनसुंकिहां ॥ परव-
सेहोईनरकांईकरसे ॥ आ० ॥ ५० ॥ मुहदालीग-

चा . मेघ . स्या ..तुंग..िनु -ायपासे .
आवे अटकलेकां.ळेब..नवीचल .. घने .
वामतिविमासे ॥ आ० ॥ ४१ ॥ अरतिआणेघणी
॥ अंधछोऊशल्यणी ॥ रामअनेलक्ष्मणदोई भाई
॥ तामचित्तसांभली देवचाचोभरी ॥ सुभचिरे आव
चाचे सहाई ॥ आ० ॥ ४२ ॥ देवमहालोचनचचने
सुचोघणुं ॥ चिंतव्योआव्योतत्तखेवा ॥ सिंहनीना-
दविद्यारथमुसल ॥ हलले ईसाथे वीरामसेवा ॥ आ०
॥ ४३ ॥ विजलीलिमच्येलेनारआरिनो कें ॥ समरी
साथीगदाहेवेदीधी ॥ सारविद्यामहागारुडीस्यंदन
॥ आंपीलक्ष्मणतणीसेवकीधी ॥ आ० ॥ ४४ ॥ वा
रुणाग्नेयवायव्यआदेकरी ॥ दोईभाईभणीअस्त्रआ
पे ॥ आणिचोजिनमतदारछुंसेवक ॥ थिरकरीप्रेमनो
भावथापे ॥ आ० ॥ ४५ ॥ लक्ष्मणेवाहिनीभूतग-
ऊंतदा ॥ पेखवेपन्नगपरहापुलाया ॥ रायसुग्रीव
भामंडलमोकला ॥ तामहुआसहुआविमलिया ॥
आ० ॥ ४६ ॥ ढालचालीशनेदोयमीएहछे ॥ नय-
नयकारकसेंजणाणो ॥ केशराजपुण्यवंतश्रीरामने
नो ॥ सुजशसाचोसहुमेंसुणाणो ॥ आ० ॥ ४७ ॥

॥ मारुरागे दोहा ॥

अस्तहुओरविनीपति ॥ सुभटलहेविश्राम ॥ प्रात:
हुआज्याचिमस्या ॥ साथवचासंग्राम ॥ १ ॥ राक्षस

अतिक्रोधेंचढ्या ॥ वानरसेनमथंत ॥ मध्यदिहुओ
शुकरा ॥ नेमसरवरओलंत ॥२॥ देखीसेनालाजती
॥सुग्रीवादिकसूर ॥ करीघणीओठवणी ॥ राक्षस
नाठाहूर ॥३॥ राक्षसलंगदेखीतदा ॥ रावणचेंढि-
ओआप ॥ चरहुरावेमेदिनी ॥ करतोअतिसंतापा
४॥ दवानलनेआगले ॥ तरुवरनेमदहाय ॥ तेम
रावणनेआगले ॥ वानरनोनरहाय ॥५॥ रावण
दीठोआविओ ॥ आपचढंतोराम ॥ बिभिषणवलि
प्रभु ॥ आपणचेंढियोताम ॥६॥

॥ ढाल त्रेंतालीशमी ॥

(नेमिनाथआपणेगुणचित्तहमारो-जेदेशीने
लभेनररामकोशुभनाम ॥ रामकहिदिनकूडा ॥रा-
वणकीरेदशाकुदशाणी ॥ नेहिकरेसोकूडा ॥ भ०
॥१॥ रावणजिहचीपुरभ्युं ॥ आवहीठेलठेल ॥
साहमोहुओसेवीरधीर ॥ होईहुआमुहमेल ॥ भ०
॥२॥ रेरेमूढवीरदेखी ॥ वस्तुकेरीवाणी ॥ अवर
राजीतुंदिओ ॥ माहरेमुजेआणी ॥ भ० ॥३॥
नेमआहेडीजेलंतो ॥ आगेराजेन्वान ॥ तेमरामे
तुंकियो ॥ राजवानिनप्राण ॥ भ०॥४॥ नेहन
त्रुटेतुनणिपरे ॥ भरेअपुठोहोई ॥ रामलक्ष्मणसैन
न्यसुं ॥ आनहणयामेंलेई ॥ भ० ॥५॥ एहमां-
हेआवसेतुं ॥ करेकंकुंएह ॥ आवीयानकमूल-

गे ॥ मूलगोमुजनेह ॥ ल० ॥ ६ ॥ जेहेलाईअसुहल
ई ॥ शुध्धसरलहोई ॥ जेसीकहे करेतेसी ॥ कपट
नाहींकोई ॥ ल० ॥ ७ ॥ रामआपहिंयद्योथो ॥
मेंहिवरुजराजिओ ॥ छतेसेवकस्वामीकामें ॥ कर-
तनालमललाजिओ ॥ ल० ॥ ८ ॥ स्वामीजीसुंकाम
कणी ॥ युध्धतणुंमिसठाणी ॥ आविओछुंआल
हेव ॥ सोईसुणोतुमवाणी ॥ ल० ॥ ९ ॥ सतीआ-
पीरतिराणी ॥ वातछहेलेआवी ॥ मानीबोलकेअ
मोल ॥ नहींरेमताभावी ॥ ल० ॥ १० ॥ मरणथीहुं
नाडरुंरे ॥ शत्रतणोनहिकामी ॥ लोकमुखेअपवाद
सुणता ॥ हुंदुःखपामुंस्वामी ॥ ल० ॥ ११ ॥ एह
अपवादमेटिआथी ॥ सेवकहुंछुंताहरो ॥ कवणराम
कुणहुं ॥ मानोवचनहमारो ॥ ल० ॥ १२ ॥ भिडियो
अतिरायरावण ॥ मनहुंएहिजवात ॥ कोटिआथा-
रोकोटिआपण ॥ नगयोरेकुपात ॥ ल० ॥ १३ ॥ ला-
ईहत्याथीडरुं ॥ लियोथोतुहिबोलाय ॥ रावणरूप
मूलगेरे ॥ लीधोधनुष्यचढाय ॥ ल० ॥ १४ ॥ लाई
वोजापथानकें ॥ तेहथीअजरहास ॥ करुंछुंहुंवेगे
आवी ॥ पेहुंचाडुंप्रभुपास ॥ ल० ॥ १५ ॥ होईलाई-
ईकीलडाई ॥ तजघणीआधिकाणी ॥ मांहोमांहेना-
टलाये ॥ शुध्धमतेरमडाणी ॥ ल० ॥ १६ ॥ कुलक-
र्णईन्द्रजीत ॥ अवररक्षससघाथा ॥ रामरामानुज
अपर ॥ रायजीचलिआया ॥ ल० ॥ १७ ॥ रामकुल-

कुर्णलेडे ॥ ईन्द्रजीतजम ॥ लक्ष्मणशुंरेआविआडि-
यो ॥ मेहवडेसंग्राम ॥ ल० ॥ १८ ॥ नीलसिंहन-
घनहुर्मुजि ॥ घटोदरशुंदेष ॥ स्वयंभूनईदुर्मतिशुं
॥ नलसालूसुविशेष ॥ ल० ॥१९॥ अंगदनेमयने-
मय ॥ वीरवीराधकसुग्रीव ॥ स्कंदर्येन्द्रनआनिरोपम
॥ मार्यीरहीअतिशीव ॥ ल० ॥२०॥ श्रीदत्तनजंबू-
माली ॥ भामंडलनकेतु ॥ हनुमंतकुंभकर्णसुत ॥
लागारोसससमेतु ॥ ल० ॥ २१ ॥ कुंदनेधुमाक्षीदाजी
॥ डिडिंधेससुमालि ॥ चंन्द्ररश्मिसारणसाथे ॥
मार्यिओयुध्यकशालि ॥ ल० ॥२२॥ लक्ष्मणजीपरे
ईन्द्रजित ॥ मेलेतामसबाण ॥ लक्ष्मणटालेप्रगट-
पणे ॥ सूरांजेसुलतान ॥ ल० ॥२३॥ ईन्द्रजीतहि
अनुनमेले ॥ नागपाशअस्त्र ॥ तातणियेगजतेम
बांध्यो ॥ जोईकुरिओनहींशस्त्र ॥ ल० ॥ २४ ॥रथ-
मेंघालीततकाल ॥ चंन्दोदरनलावे ॥ कटकमांहेआति
उच्छाहे ॥ राज्याथानकठावे ॥ ल० ॥ २५ ॥ कुंभ-
करणनागपाशे ॥ रामेबांधिलिओ ॥ भामंडलहनु-
थेदई ॥ तेपहोंच्यायदियो ॥ ल० ॥ २६ ॥ अथरान
क्षससुंअड्या ॥ वानरानईआप ॥ तेनेबांधिआ-
णिआ ॥ रामतणेपरताप ॥ ल० ॥ २७ ॥ मेघवा-
हनबांधियो ॥ सांधियाशरनाहि ॥ दिवसकिरेदे-
जीवेरि ॥ नेरपलेनहींप्राहि ॥ ल० ॥२८॥ देजी
नयनअतिकुंचयन ॥ पामिओतबराय ॥ वीरवि-

परशूलसुडे ॥ ज्युहिंअेमरीजाय ॥ भ० ॥ २९ ॥ शूर-
अंतशलताम ॥ छेहिओनिमडेसी ॥ लक्ष्मणेतो
लीलमेरे ॥ सुदिनडेरेभेलि ॥ भ० ॥ ३० ॥ श्रीधरणें-
द्रदत्तशक्ति ॥ विजयनामेअमोघा ॥ विजयहेतेरावण
राय ॥ ऊपाडेअलोघा ॥ भ० ॥ ३१ ॥ धगधगतिजल-
तिअजलति ॥ तडतडतिनादे ॥ अंतमेघतडितलेजा ॥
रेस्येअल्हादे ॥ भ० ॥ ३२ ॥ देवपाछाओसरे ॥ लोक
नमेलेनयन ॥ देअताथिरताभिटे ॥ ऊपजेरे दुख्यचन
॥ भ० ॥ ३३ ॥ रामडेहसौमित्री ॥ अिलिषणनीसाल
॥ आपनेछेराजिलेओ ॥ मारराक्षसराज ॥ भ० ॥ ३४ ॥
शरणेआयोराअणो ॥ नहींरक्षायडराय ॥ अथालुन-
दियांतणी ॥ देअवातटिजाय ॥ भ० ॥ ३५ ॥ सौमित्री
आगेहुओ ॥ गुरुडनोअसवार ॥ रावणानुजपुठदि-
ओ ॥ अेहअसोव्यवहार ॥ भ० ॥ ३६ ॥ लक्ष्मणसा
थेडेहराय ॥ आगोपाछोथाय ॥ परमरणेतुं डांमेरे
॥ जेतुनआवीदाय ॥ भ० ॥ ३७ ॥ भमावीअतिहि
भमावी ॥ लक्ष्मणऊपरतेह ॥ रावणभूडेरोसमुं पाता
महुओअदेह ॥ भ० ॥ ३८ ॥ साआवंतीदेखीपेजी
॥ सौमित्रीसुग्रीव ॥ भामंडलनलनेविराध ॥ हनु-
मंतसूरअतीव ॥ भ० ॥ ३९ ॥ अस्त्रासुंजलवंतवा-
रे ॥ ताडेताम्अपार ॥ अंकुसभोथेहाथिओ ॥ नेम
नमानेडार ॥ भ० ॥ ४० ॥ ऊरस्थलेआवीपडी ॥ मूर-

सहुसाथ ॥ ल० ॥ ४१ ॥ कोपीरामच्छावेताम ॥ अे-
सीरथरसाल ॥ रायतणोरथरोसस्युं रे ॥ तोडियोत-
त्काल ॥ ल० ॥ ४२ ॥ बीजेत्रीजेवेदमो ॥ पंथमोरथदे-
खी ॥ तृणतणीपेरेतोडीनाखे ॥ राघवरोसविशेषी ॥
ल० ॥ ४३ ॥ रावणचित्तशुंचिंतवे ॥ भाईतणुंदुख
भूरि ॥ अेतोहूओआंघलो ॥ रहियेअेहथीदूरि ॥
ल० ॥ ४४ ॥ लंकाभेंनृपआविओ ॥ आथमिओदि-
नकार ॥ दुःखनजेवेदखिओ ॥ आणीअेहविचार
॥ ल० ॥ ४५ ॥ रावणलागोजाणीओ ॥ इरिआ
रामतिवार ॥ लक्ष्मणपडिओदेखतां ॥ नरहीशु-
घ्धिलिगार ॥ ल० ॥ ४६ ॥ मुरछाईधरतिपड्या ॥
करीसीतलउपचार ॥ ऊठाईनेठाकिआ ॥ बोले
लक्ष्मणलार ॥ ल० ॥ ४७ ॥ वस्ततुमेक्युंपोढि-
आ ॥ ऊठोनेमुजशोवचण ॥ शक्तिनहींजेवचणनी
॥ कांईवतावोशयन ॥ ल० ॥ ४८ ॥ अेनुंजेदेजे
ताहरो ॥ सुग्रीवादिनरेश ॥ ओसनआपोछोतुमे
॥ आणेअमरतिअशेस ॥ ल० ॥ ४९ ॥ रावणतो
जीवतोगयो ॥ अेथारेचित्तरोश ॥ रावणमारेयोस-
ही ॥ आणोअेसंतोष ॥ ल० ॥ ५० ॥ तिष्टतिष्ठकि-
हांगयो ॥ महारोभाईमारी ॥ धनुष्यबाणलेईच-
ल्या ॥ हनुमंतकहेहुंकारी ॥ ल० ॥ ५१ ॥ किहांचे-
ल्यामेमुजतुमे ॥ वचरविसोधनभाई ॥ रावण
तोलंकागयो ॥ तामकिस्यापछताई ॥ ल० ॥ ५२ ॥

નારીહરીલાઈહણ્યો ॥ એહઅવસ્થાઆપી ॥ હું
આવ્યાંભાજીગયો ॥ ફિટરેરાવણપાપી ॥ ભ૦ ॥ ૫૩ ॥
લક્ષ્મણહેજ્યોમારિયો ॥ પ્રભુનેવેદનભારી ॥ કામન
હોવેકાયરે ॥ દેજોકંઈનાવિચારી ॥ ભ૦ ॥ ૫૪ ॥ જય
ઘંટતીજમની ॥ કીનેકોઉપકર્મ ॥ પ્રભુજીજ્યાસહુજી-
વશું ॥ મહોદોછેએમર્મ ॥ ભ૦ ॥ ૫૫ ॥ એતોત્રયાલી-
શમી ॥ દાલભલીકહિવાય ॥ કેશરાજએહદેજો ॥ પુ-
ણ્યેપાપેપુલાય ॥ ભ૦ ॥ ૫૬ ॥

॥ સિંધુરાગે દોહા ॥

સુણસુગ્રીવવિરાધનલ ॥ ભામંડલહનુમંત ॥ દેવક-
રીએએહવી ॥ તુમઘરેજ્યોતુરંત ॥ ૧ ॥ નારિહરણ
બંધવમરણ ॥ દુઃખરહ્યોએદૂરિ ॥ લંકનદીધીબિ-
ભિષણ ॥ એદુઃખસાલેભૂરિ ॥ ભ૦ ॥ ૨ ॥ પ્રાતઃકુ-
આરાવણહણી ॥ દેઉંબિભિષણરાજ ॥ લક્ષ્મણસાથે
લાગસું ॥ સીતાસુંનહીંકાજ ॥ ૩ ॥ કહેબિભિષણસ્વામ
મીજી ॥ ધીરજધરોઅપાર ॥ કાયરહોઈનથરહરો ॥ ઉ-
દ્યમનોઅધિકાર ॥ ૪ ॥ શક્તિહણીઆજવેસહી ॥ જ્યાં
નઉગઈદિનકાર ॥ જબલગવસ્તેજામિની ॥ કરીસી-
નેઉપચાર ॥ ૫ ॥ તંત્રમંત્રઔષધજડી ॥ હોઈદાય
ઉપાય ॥ રાતહિંમાંહેકીજીયે ॥ જિમપ્રભુસારોથા-
ય ॥ ૬ ॥

॥ ઢાલચુમાલીશમી ॥

(જેજેમુનીવરવિહરણપાંગર્યા,એદેશી)

જુવેહોજુવેવીરોવાલહોરે ॥કોઈકરોતુમકામરે॥જી-
વેરેકાજસહુઅસ્તુહામણોરે ॥ તામકહેશ્રીરામરે ॥જુ-
વે૦ ॥૧॥સાતેરેસાતેકોટડિઆમલારે॥ચ્યારદિયાદ
રબારરે ॥રાજારેરાજારખવાલેરહ્યારે ॥ હુઈનેહુશિ
યારરે ॥ જુ૦ ॥ ૨ ॥ પૂરવરેપૂરવદિશિનેબારણેરે
॥કપિપતિનેહનુમંતરે ॥ દધિમુખરેદધિમુખસ્કંદ
ગવાક્ષસુરે ॥ તારગયયશુણવંતરે ॥ જુ૦॥૩॥ઉ-
ત્તરેઉત્તરદિશેવિહંગમારે ॥ અંગદકુશમઅંગરે ॥
મહેંદ્રનરેમહેંદ્રસુષેણજીરે ॥ચંદ્રરશ્મિસુચંગરે ॥
જુ૦॥૪॥ પશ્ચિમરેપશ્ચિમદિશિદુર્ધરનયરે ॥સ-
મરશીલમનમથરે ॥ નીલનરેનીલાવિનયનેસંભૂવ
રે ॥ એસાતેસમરથરે ॥ જુ૦ ॥૫॥ દક્ષણરેદક્ષ-
ણદિશિભામંડલૂરે ॥ વીરવિરાધનભેદરે ॥ ગવન-
લરેગવનલનેબિલિષણોરે ॥ ભુવનજીતસુભેદરે
॥જુ૦॥૬॥ માંહરેમાંહરાઘવરાજિયોરે ॥ સુગ્રીવન
દિકતામરે ॥ જાગેરેજાગેયોદ્ધામહાબલીરે ॥ મતિ
કોવિણસેકામરે ॥ જુ૦ ॥૭॥ સીતારેસીતાયેએસાંભ
ળીરે ॥ લક્ષ્મણશક્તિપ્રહારરે ॥પ્રાતઃરેપ્રાતઃપ્રાણ
પ્રભુજીત્યજેરે ॥ ભાઈશુંઅતિપ્યારરે ॥ જુ૦ ॥૮॥મૂ
ર્છારેમૂર્છાઆવીઅતિઘણીરે ॥ ધરણીપડીતત્કા-
લરે ॥ કરીરેકરીશીતલતાજરીરે ॥ ઉઠીઈસાબાલ

૨ [illegible] ૯ [illegible] રૂણાનેરેકરૂણા [illegible] દીરે ॥૭૯
તીઅધિકવિલાપેરે ॥ થંભેરેથંભેતસવિદ્યાધરીરે ॥ દે-
હપછાડેઆપેરે ॥ જી૦ ॥૧૦॥ હાવત્સરેહાવત્સલક્ષ્મ-
ણકિહાંગયોરે ॥ પ્રભુનેછોડીઆજરે ॥ તુજવિણરેતુજ-
વિણક્ષણજીવેનહીરે ॥ કરસોસહીઅકાજરે ॥ જી૦ ॥૧૧
॥ધિકહુંરેધિકહુંઅધિકઅભાગણીરે ॥ મહારેકીધેદે-
ખરે ॥ સ્વામિરેસ્વામીનેદેવરભલોરે ॥ પીડાયેસુવિશે-
ષેરે ॥ જી૦ ॥૧૨॥ મુજનેરેમુજનેવિવરવસુધરારે ॥ દી-
યેઅજદેવીઅપારરે ॥ માંહેરેમાંહેહુંપેસુંસહીરે ॥ છોપ-
રેવાલેછાલરે ॥ જી૦ ॥૧૩॥ એટલેરેએટલેએકવિદ્યા-
ધરીરે ॥ કરૂણાઅતિદાખંતરે ॥ વિદ્યારેવિદ્યાવરઅ-
વિલોકિનીરે ॥ અવલોકીભાખંતરે ॥ જી૦ ॥૧૪॥
આધરિઆધિઆરતિમતિકરોરે ॥ લક્ષ્મણલીલામાં-
હેરે ॥ પ્રાતઃરેપ્રાતઃએણિકરોસહીરે ॥ મિલસેરામ
ઉચ્છાહેરે ॥ જી૦ ॥૧૫॥ સુસતીરેસુસતિહર્ષસુંદ-
રીરે ॥ કદીહોવેપરભાતરે ॥ વાતરેવાતરૂપતિંકાસાભ-
ળ્યારે ॥ દુઃખદેશાંતરજાતરે ॥ જી૦ ॥૧૬॥ રાવણ-
રેરાવણઅતિરસસંગમેરે ॥ લક્ષ્મણમારિયોજાણિ-
રે ॥ ભાઈરેભાઈસુતનૃપબાંધિયારે ॥ સુણીરોવેદુઃ-
ખઆણીરે ॥ જી૦ ॥૧૭॥ હાવત્સરેહાવત્સકુલ-
કર્ણજીરે ॥ હાવત્સનંદનિરૂપરે ॥ ઇન્દ્રનરેઇન્દ્રજિત
ઘનવાહનૂરે ॥ જંબૂમાલીઅનૂપરે ॥ જી૦ ॥૧૮॥ અ-
વરનરેઅવરઅપૂર્વરાનિયારે ॥ બંધાણીતુમદેહરે

॥मुनिनेरेमुनिनेजुवतांथकांरे ॥ अनशनमासोअे-
हरे ॥ जं०॥१९॥ सुमरीरेसुमरीगुणसुतभाई-
नारे ॥ वारंवारपडंतरे ॥ जयठोरेजयठोडीनेफिरि
ईरीरे ॥रमणीनेमरडंतरे ॥ जं०॥२०॥ अेडलरेअे-
डलविद्याधरभलोरे ॥ अेटलोआवेत्यालीरे ॥ पूरवरे
पूरवदिशिनेजारणेरे ॥ भामंडलनेनिहालीरे ॥ जं०
॥२१॥ भाषेरेभाषेवाणीअमीसमीरे ॥ मेलवोर
घवरायरे ॥ लक्ष्मणरेलक्ष्मणजुवचातणोरे ॥दोजुं
हुंपायरे ॥ जं०॥२२॥ भामंडलरेभामंडलउरसाहि
योरे ॥ आव्योप्रभुनेपासरे ॥ चरणेरेचरणेलागी
विनवेरे ॥ आणीनेउल्हासरे ॥ जं०॥२३॥ पूरवर
रेपूरवरछेसंगीतजरे ॥ शशीमंडलभूपालरे ॥रा-
णीरेराणीशशिनेसुप्रभारे ॥ नंदनहुंसुविशालरे ॥जं०
॥२४॥ नामेरेनामेकुंभप्रतिचन्द्रजरे ॥ जयसीविमाने
भणीरे ॥ क्रीडारेक्रीडाकरवाकारणेरे ॥ सुंदरीसुंशो-
भणीरे ॥ जं०॥२५॥ दीठोरेदीठोहुंतवभेचरारे ॥स-
हस्रविनयतसनामरे ॥ वयरनरेवयरनभैथुननेकार-
णेरे ॥ मांड्योतवसंग्रामरे ॥ जं०॥२६॥ शक्तिनरे
शक्तिनचंदरयातणोरे ॥ कीधोतामप्रहाररे ॥आव्यो
रेआव्योहुंचलीभूतलेरे ॥ नलहुंशुध्धलिगाररे ॥
जं०॥२७॥ कौशल्यरेकौशल्यपुरउद्यानमेंरे ॥प-
डियोपामुंदुःखरे ॥ ओछेरेओछेलखेलेभमाछलोरे
॥रचनपामुसुजरे ॥ जं०॥२८॥ भूपतिरेभूपति

श्रीभरतेसङ्गूरे ॥ आईगयोआलिशभरे ॥ कइणारे
कइणाअधिकीऊपनीरे ॥ कोमलछेपरिणामरे ॥
ज० ॥ २९ ॥ आणीरेआणीगंधावुतद्वारे ॥ सींच्योप्
अंगसल्लेसरे ॥ नासीरेनासीशक्तिगईसहीरे ॥ वि-
मल्लन्यायीयोसरे ॥ ज० ॥ ३० ॥ हुओरेहुओतामे
समाधिओरे ॥ अयरिनआधिऊपामरे ॥ महिमारे
महिमागंधावूतणोरे ॥ पूछीओमेंसरनामरे ॥ ज०
॥ ३१ ॥ लाधीरेलाधीतुमारोतवलणोरे ॥ सारथवाह-
नएकरे ॥ गजपुरेरेगजपुरथीईहांआवियोरे ॥ साथे
महीषजनेकरे ॥ ज० ॥ ३२ ॥ तुठोरेतुठो लेंसोएक-
जरे ॥ पडिओमारगवीच्चरे ॥ माथेरेमाथेपणदेईच-
लेरे ॥ लोकजउंछे नीच्चरे ॥ ज० ॥ ३३ ॥ महोटेरेम-
होटेऊपन्दवेभूओरे ॥ सेतंकरपुरिपेजरे ॥ पवनज
रेपवनजपुत्रनामेंमलोरे ॥ देव हुओरेसतेजरे ॥ ज०
॥ ३४ ॥ अवधिजरेअवधिज्ञानसुं देखिओरे ॥ पुरव
भवंतरजनमरे ॥ व्याधिजरेव्याधिविकुर्विदेशमेंरे ॥
पुरपुरगामहिगामरे ॥ ज० ॥ ३५ ॥ द्रोणजरेद्रोण
मेघनादेशमेंरे ॥ नहींव्याधिपेसाररे ॥ मामोरेमामो
जमेंपुछिओरे ॥ एछे कुणविचाररे ॥ ज० ॥ ३६ ॥
पृथवीरेपृथवीसघलीमाहरीरे ॥ अंतरएछे कांईरे
॥ तिमछेरेतिम छेतिमसायुं कहोरे ॥ सूं० कह्यांदुःख
थायरे ॥ ज० ॥ ३७ ॥ बोलेरेबोलेसो प्रभुसांभ-
लोरे ॥ प्रीयंकराभुजनारेरे ॥ रोगेरेरोगे पीडीयीघ-

णीरे ॥ गर्भतणेआधाररे ॥ जी० ॥ ३८ ॥ हुईरेहुई
सहीनिरोगणीरे ॥ पुत्रीपणपरधानरे ॥ प्रसवीरेप्रस-
वीसुखसमाधिमेंरे ॥ विशल्याअभिधानरे ॥ जी० ॥
३९॥ थारोरेथारोनिमतिममाहरोरे ॥ देशहुतोसम
भायरे ॥ पुत्रीरेपुत्रीसनानजलेकरीरे ॥ सींच्याथीसु-
खथायरे ॥ जी० ॥ ४० ॥ पूछ्योरेपूछ्योमुनिवरअने
कहेरे ॥ सत्यभूतीसुखदायरे ॥ अेछेरेअेछेकुणविशे-
षथीरे ॥ ज्ञानेभेदलहायरे ॥ जी० ॥ ४१ ॥ दाखेरेसा-
खथकीघणीरे ॥ मीठीवाणीविशेषरे ॥ पूरवरेपूरव
भवनातपतणोरे ॥ अेफलछेसुविशेषरे ॥ जी० ॥ ४२
॥ घावलरेघावलनेसराहणुंरे ॥ शालतणोअपहार
रे ॥ व्याधिजरेव्याधिसहुनेक्षयकरेरे ॥ लक्ष्मणजी
भरतारे ॥ जी० ॥ ४३ ॥ अेगुणरेअेगुणनोकर-
तारछेरे ॥ स्नानतणोजलसाररे ॥ अमृतरेअमृत-
हीथीगुणघणारे ॥ सुरगुरुजलहेपाररे ॥ जी० ॥ ४४
॥ मुनिवररेमुनिवरनीवाणीथकीरे ॥ प्रत्ययलहीप्र-
त्ययदक्षरे ॥ जलनोरेजलनोप्रगटप्रभावजेरे ॥ प्रगट्यो
लोकसमक्षरे ॥ जी० ॥ ४५ ॥ अेमनरेअेमन कहीने
मुजभणीरे ॥ स्नानतणुंजललहीघेरे ॥ छांटोरेछांटो
नाख्योदेशामेंरे ॥ देशनिरोगीकीधरे ॥ जी० ॥ ४६ ॥
ओहिजरेओहिजजलसुंसिंचियोरे ॥ मेंतुजछांणहि-
जवाररे ॥ शक्तिजरेशक्ति शालगयोघावहिरे ॥ कु-
ज्योजिणहिमजाररे ॥ जी० ॥ ४७॥ भरतजरेभर-

तननेभेदृजियोरे ॥ नलनो प्रगटप्रभावरे ॥ आणोरे
आणोअतिउतावलोरे ॥ छांडोअवरउपायरे ॥ जु०
॥४८॥ दाखनरे दाखनजुआलीशामीरे ॥ राममहासु-
जपायरे ॥ नेहवीरेनेहवीतो भवितव्यतारे ॥ तेहवी
भलेहिसहायरे ॥ जु० ॥४९॥

॥ विलाउलरागे दोहा ॥

भामंडलहनुमंतजु ॥ अंगदसुभटसलील ॥ रा-
मकहेभोलायके ॥ कामतणीनहिंढील ॥१॥ पहे-
लाभोलरतपें ॥ भरतहिंलईसार ॥ स्नानोदकला-
वोसही ॥ होईभलोवार ॥२॥ आनलगेसेवकहुता
॥ कागेतुमसुजात ॥ भाईसिक्षाआपवे ॥ राजो
नगअज्यात ॥३॥ जिहांलगेनगजीविसुं ॥ तिहांल-
गेउपकार ॥ विसरशुंनहिंतुमअछो ॥ प्राणदानदातार
॥४॥

॥ ढालपिस्तालीशमी ॥

(मेरोमेरो लालकहेसहुकोई. एदेशी.)

सोईसयाणोअवसरसाधे ॥ अवसरसाधेस्वामीआ-
राधे ॥ सो० ॥ बेसीविमानेतेतत्रचलिया ॥ विद्याधर
विद्याबलेबलिया ॥ पुरीअयोध्यायेंलीआया ॥ भ-
रतनरेसरसोजतपाया ॥ सो० ॥१॥ उपरभूमिये
सयनसुहाली ॥ गलतीरातेनिंदरसाली ॥ अंबरेंर-
ह्यारागआलापी ॥ नाटजलेविओरायनगावि ॥ सो०

॥२॥ अगीअंपहुओहुसीयारी ॥ दहदिशिजोवेनजर
पसारी ॥ आगेउलाईटाइसोई ॥ पूछेप्रभुकहोकारण
कोई ॥ सो० ॥ ३ ॥ भामंडलभाषेसजजाती ॥ भरतहि
याभेंहुंजनसमाती ॥ उजहतजहिहुओजागे ॥ जयसी
विमानेमारगलागे ॥ सो० ॥ ४ ॥ कौतुकमंगलआयायेन-
ली ॥ सोवंतीरिजगाईजाली ॥ द्रोणमेघनृपपासेजयी
सजगुणलक्षणवंतीसाची ॥ सो० ॥ ५ ॥ कन्यासहस्त्र
तणेपरिवारे ॥ तेसघलीजागीतसलारे ॥ प्रतिज्ञाछे
सहुनीसरजी ॥ अेकजपतीकरयानेहरषी ॥ सो० ॥ ६ ॥
भरतजयोघ्यायेपहोंच्यायो ॥ भामंडलजआयोला-
यो ॥ विशल्यासघलीसुलीधी ॥ च्याल्यातजहीढीलन
कीधी ॥ सो० ॥ ७ ॥ जलद्वीपेउजलोहेजी ॥ रवीउग्यान
नोमर्मविशेषी ॥ अतिहिवेगेविमानचलावे ॥ वातकहु-
तांप्रभुपेंआवे ॥ सो० ॥ ८ ॥ सहुकोईआरतियाहोता ॥
कईहिआवेउवाटजोता ॥ सूरजिहयपंकजविकसावे
॥ देखिविशल्यासहुसुखपावे ॥ सो० ॥ ९ ॥ विशल्याप्र-
भुनोतनईरसे ॥ जाणेहुयेजलधरवरसे ॥ शक्तिसहु
देखंतानाठी ॥ निमनागणीभाग्याथीसाठी ॥ सो० ॥
१० ॥ साजतीहनुमंतेझाली ॥ तवसानशकेहिंडहाली
॥ जेमचलीसींच्याणेसाही ॥ पूछंताजोसंतउछाही ॥
सो० ॥ ११ ॥ प्रज्ञप्तीनीहुंलघुभगिनी ॥ देवीरूपेछुंशु-
भलग्नी ॥ कंडेपडीईईतसठाम ॥ महाशक्तिछेमहारु-
रुनाम ॥ सो० ॥ १२ ॥ धरणेन्द्रेरावणनेआपी ॥ रावणे

पणहुंथीरडरीयापी ॥ जमसस्योथोरावणडेरो ॥ पण
लक्ष्मणनोलागभलेरो ॥ सो० ॥ १३ ॥ पूरवलभवनात-
पनुंजेरो ॥ विशल्यादेज्यांमनमोरो ॥ थरहर थरहरउ-
शेधुन्नणी ॥ तेहलणीप्रभुमेंनरहासी ॥ सो० ॥ १४ ॥
रेशीनहींआवुंसाथतुमारे ॥ जजभेनिश्चेउपायतहमा-
रे ॥ जबरुन्ने जुवेवालहिसुं ॥ छानीमानी होयरही-
सुं ॥ सो० ॥ १५ ॥ लघलेतवदीधोडिंटकारो ॥ लक्ष्म
णमिहारीनमारो ॥ हांतासाथेलीधीप्रभुती ॥ दृष्टीज-
गोयरहुईप्रभुती ॥ सो० ॥ १६ ॥ विशल्यातनुइरसेडि-
री ॥ तिमतिमशातायायवणेरी ॥ आवनाथ्येहनलेप
ऊशथ ॥ वमीइम्नणुंजातिसुजायाय ॥ सो० ॥ १७ ॥ आ-
लसमोडीउठ्योस्वामि ॥ सर्वप्रडरेसातापामि ॥ हेजे
आंसुनाजेशमो ॥ लक्ष्मण पूछेप्रभुनेतामो ॥ सो० ॥
१८ ॥ ओस्याडोटडिस्यारजवाला ॥ ओसीजालाइ परसा-
ला ॥ ओस्याआवेछेरेवधावा ॥ ओस्यालोडांनारेमेला-
वा ॥ सो० ॥ १९ ॥ रामसहुविरतंतसुणावे ॥ विशल्या-
नीवातनणावे ॥ कन्यासहस्त्रहिसाथेसुहावे ॥ विश-
ल्याप्रभुविवाहकरावे ॥ सो० ॥ २० ॥ शोलहजारनारी
मांहे ॥ विशल्यापटराणीप्राहे ॥ जिमराघवनेसीता
राणी ॥ तिमलक्ष्मणनेओहवजाणी ॥ सो० ॥ २१ ॥
विद्यायरनेयानरमलिया ॥ आपणमांहेडीनेरलिया ॥
नन्मोत्छवनिम ओच्छवहोवे ॥ देवीदेवतमासोन्नेवे
॥ सो० ॥ २२ ॥ नीसानेतवपाडओघावो ॥ आनंदी-

રેઅયોધ્યાતાંવો ॥ સાજનજનને અધિકઉછાહ્યો
॥ દુર્જનજનઘરપડિઓત્રાસો ॥ સો૦ ॥ ૨૩ ॥ સા.
॥ જીવંતોસુણિઓ ॥ રાવણઆરતિવંતોયુણિઓ ॥
सामंतमंत्रीनेबोलावी ॥ करेमतोतिणसारेआवी ॥
सो० ॥ २४ ॥ सौमित्रीमेंशक्तिथेताड्यो ॥ जणयोथो
अेमारीपाड्यो ॥ रामभमरशेहुआप्रांतो ॥ नहींजीवेवि-
णलक्ष्मणभ्राता ॥ सो० ॥ २५ ॥ वानरडासविजसे
भाजी ॥ धणीयांविणनहींलडसेसाजी ॥ वायेवादल
जसेफूटी ॥ विणओषधअेव्याधिनछूटी ॥ सो० ॥ २६
॥ भाईसुतशुंसहुछूटसे ॥ नागपाशबंधनत्रूटसे ॥
सहुनेहींसहुआविमलशे ॥ दुःखमांहेअेसाकरलसे
॥ सो० ॥ २७ ॥ अेतीमांहेकोईनहूई ॥ देवतणीकरणी
छेजूई ॥ स्वप्नानोहुओविवाहो ॥ भाईसुतनीअर-
तिअगाहो ॥ सो० ॥ २८ ॥ मंत्रीभाषेसीताछांटे ॥ भा-
ईसुतनांबंधनत्रूटे ॥ अेतोप्रभुजीतुमनहींकरसो
॥ मूआकेडेतुमहींमरसो ॥ सो० ॥ २९ ॥ अेहअनुन-
यआगोराजो ॥ भूंडूंकीधानांफलआजो ॥ आपदुः-
जेपरनेदुःजजणो ॥ तुमआगेहिंआगेताणो ॥ सो०
॥ ३० ॥ रावणेमंत्रीसरअवगणिया ॥ दूतजोलावी-
नेईमभणिया ॥ राजराघवपासेजाई ॥ वातकहो
नेमेंकहिवाई ॥ सो० ॥ ३१ ॥ आव्योतेराघवदरबा-
रे ॥ पोयेरोक्योतेप्रतिहारे ॥ प्रभुआदेशेआघोआयो
॥ सलाहेजतांअंचयरिजपायो ॥ सो० ॥ ३२ ॥ ईन्दस-

भा॰॰हवीअेदोसा॥ ॰॰ ॰॰विस्वावीरो॥स॰ ॰
निकसुरजेनृपपासे॥ ॰ गेलागीनेवचनमेकासे॥सो॰
॥३३॥रावण॰॰वेतुमसु॰॥सिधु॥मेलोमहारा॰ ॰ं
त॰ ॰॥सीताद॰॰लियामुजराजे॥अर्थलइनेस॰
रेकाजे॥सो॰॥३४॥कन्यातीनहजारजआपुं॥आ-
गेसारीप्रीतिजथापुं॥ईमहिकरतानावेढाई॥तोतुम
साथंनहींछेकांई॥सो॰॥३५॥रामकहेतुंकहेजेतेहने॥
राजअर्धदेवायेतेहने॥प्रेमदाप्याहुंनहियअनेरी॥वा-
तमकेजेअेहवीफेरी॥सो॰॥३६॥पूजअस्यीनेओ
सीता॥जेतुमचोविस्वविदिता॥तोहुंमेलुंअेहनाअे-
हो॥भाईसुतनेआणीसनेहो॥सो॰॥३७॥दूतकहे
तुमस्वामीसयाणा॥वचनकहोछोअधिकअयाणा॥
त्रीयाहेतहारोछोप्राणो॥रावणकृष्योनहींजेनाणो॥सो॰
॥३८॥सौमित्रीतुमजव्योजाणो॥तेहथीतोतुमसुठिन
पिछाणो॥अजकेसौमित्रीकपीआपो॥तुमनरशोअे
निस्चेथापो॥सो॰॥३९॥अेकहिरावणविस्वहिलेता॥
रावणलाजललाषुंकेता॥सूरउदयथीजयेनासी॥
अंधकारजहृदेजिविमासी॥सो॰॥४०॥सौमित्रीकहे
छेतूंदूतो॥प्रभुअनुसारेतुंहिअकुतो॥इहमविनातुं
जोसेजोसो॥देजायछेकृत्योदोलो॥सो॰॥४१॥इट
रावणनुंजव्युंआजे॥जोलंतोनवीपामेलाजे॥जेह-
नावालानंदनभाई॥जंघीथकीनशकेछोडाई॥सो॰॥
४२॥ भरेकहे तुमस्वामीसाथे॥अेहकहीछेरघु

नरनाथे ॥ डींडरजिनतक्षआवीअजंजेते ॥ सत्य
करेलोपीनेते ॥ सो० ॥४३॥ लक्ष्मणनीएतातो
वाणी ॥ सांभलतांवानरकेंन्नणी ॥ डंढेसाहिबाहिर
डीधो ॥ दूतगयोप्रभुपासेसीधो ॥ सो० ॥४४॥ पांच
अनेएतोच्यालीसे ॥ ढालसइलीसयलजगीसे ॥ केश-
रानइषीरायविचारे ॥ साच्योकतेमूकेहारे ॥ सो० ॥४५

॥ केदाराराग दोहा ॥

दूतकहीश्रवणेसुणी ॥ इरीतेड्यामंत्रीश ॥ कहोमे-
तोडीबेकिस्यो ॥ आरतिवंतोईश ॥१॥ मंत्रीभाषेदेव
क्ष ॥ सोचाताकीएक ॥ कहीसुणावास्यामिने ॥ स्वान
भीतनेएरेक ॥२॥ सीतादीधांरामने ॥ सरेसहुतुम
काम ॥ लाईसुतआवेघरे ॥ रहेसहुनीमाम ॥३॥ एम
कसुणीनेलीतरे ॥ आणेअधिकीरीस ॥ कोईनसुधो
सरदहे ॥ किस्युंकरेमंत्रीश ॥४॥

॥ ढाल छेंतालीशमी ॥

(श्रेणिकरायहुंरे अनाथी निग्रंथ, ए देशी.)

रावणरायआशाअधिकीथाय ॥ तेतोछोडीरेक्युंहि
नजाय ॥रा०॥ दशकंधरईमचिंतवे ॥ हिवेकीनेकोई
उपाय ॥ जिणविपायेजितवुं ॥ एतोरामनेलक्ष्मण
राय ॥रा०॥१॥ आरतिअधिकीउपनी ॥ भाईसुत-
नीअगाध ॥ वशपड्याछेपारके ॥ तेछूटवानंदीसेआ-

नाराग०॥२॥ अमोघविजयशक्तिथीरे ॥ कोईनसरि-
खोकोन ॥ लक्ष्मणजवतोउगरयो ॥ किमरहेरेमहारी
लाज ॥ राग०॥३॥ अस्त्रशस्त्रबहुँकरी ॥ जीतिनशकुंरा-
म ॥ कोईउपायथीवशकरी ॥ साधुंवंछितकाम ॥ राग०॥
४॥ विद्यासहुससाधीतिकेरे ॥ तेसहुनेअवलोय ॥ ने-
हथकीकारनसरे ॥ तेतोआननदीसेकोय ॥ राग०॥५॥ अ-
नंतीजविद्याऽरुणा ॥ कीधीनृपतेसोइ ॥ विद्याजेबहुरूप-
णी ॥ तेसाधेकारनहोय ॥ राग०॥६॥ एविद्यानेसाधवारे
॥ दिनंमथयोघिस ॥ एहथीमुजथायसेरे ॥ कारजविन्धा-
वीस ॥ राग०॥७॥ एमविमासीआविओरे ॥ पौषधशा-
लामांहे ॥ मणीपीठिकाउपरे ॥ अछेजेहरेत्याहिं ॥ राग०
॥८॥ मनथिरराजीआपणुंरे ॥ विद्यानेसम्भरंत ॥ अगर
हुआपरेयोरे ॥ एमलंकपतिधरंत ॥ राग०॥९॥ मिटतो
अणमेसतोरे ॥ आशनपद्मकंठवंत ॥ जपमालानेकरग्र-
हीरे ॥ विधिशुंजपजपंत ॥ राग०॥१०॥ कहेदेवीमंदोद-
रीरे ॥ नवपोलियानमहंड ॥ दिवशतोआठलगे ॥ क-
रोरेधर्मअखंड ॥ राग०॥११॥ आंबिलनेनीविकरो ॥ क-
रोतपउपवास ॥ दानद्योशुध्धलावसुं ॥ करियेशीलअ-
भ्यास ॥ राग०॥१२॥ पडहोदीधोपुरविषे ॥ सौकोईकर-
जोधर्म ॥ नहींकरेतोमारवो ॥ आपीरेवाणीगमी ॥ राग०
॥१३॥ घरेआवीसुखीवसुं ॥ एहवणावीवात ॥ वि-
द्यातोबहुरूपणी ॥ साधेविश्वविख्यात ॥ राग०॥१४॥ क-
पीपतिआवेरामसुं ॥ कीजेकोईउपाय ॥ सिंहजनेचली

पांमस्यो ॥ लीधोरेज्युंहिनमथ ॥रा०॥ १५ ॥ एह,
विद्यासाधवा ॥ नहींआवेएजाण ॥ एकहिंसीधोन-
वीपडे ॥ जहुलंगेविणशेकाज ॥रा०॥ १६ ॥रामकहे
थिरतापणे ॥ पूरिओछेध्यान ॥ अंतरायकोईमतिक-
रो ॥ होयघरेआतुरअज्ञान ॥रा०॥ १७ ॥ थापजेहसु-
ग्रीवनी ॥ कीयोरेउपकर्म ॥ मूलहीथीछेद्यो ॥ आतुर
होयगर्भ ॥रा०॥ १८ ॥ अंगदादिकआविआ ॥ पामवा
प्रशंस ॥ गुंसेरावणपाजती ॥ करवारेविद्याभ्रंश ॥
रा०॥ १९ ॥ उपसर्गअतिआकरा ॥ कीधाविविधप्रकार
॥ ध्यानथीदशकंधरु ॥ नहींचल्योलिगार ॥रा०॥ २० ॥
कहेअंगदरायसुं ॥ रामतेनअखंड ॥ आणीओतेनेह-
थी ॥ मांड्योरेअहपाखंड ॥रा०॥ २१ ॥ तेहरीसीतासु-
ती ॥ परोक्षेपरपंच ॥ देखतांमंदोदरी ॥ हुंलेउंआणीरे
खंच ॥रा०॥ २२ ॥ साहिलीधीसुंदरी ॥ नेहवीहोयअ-
नाथ ॥ नलरआगेरेरोवती ॥ लेईचाल्योकपिसाथ ॥
रा०॥ २३ ॥ निलंछेवचनेकरी ॥ अकटविकटअपार ॥
विलविलशब्दकरेघणुं ॥ मंदोदरीतेणीवार ॥रा०॥
२४ ॥ एउपसर्गआकरा ॥ कीधारावणपास ॥ मंदोद-
रीराणीतणा ॥ रायनदेखेनयणेतास ॥रा०॥ २५ ॥
ध्यानसुंलयलीनता ॥ निहालेनहींनिजनार ॥ आणी
निश्चयआकरो ॥ विद्यासिध्धीतेणीवार ॥रा०॥ २६ ॥
गगनलेउद्योतती ॥ धरेरूपरसाल ॥ शिघ्रसुंरावणआ-
गे ॥ आविविद्यातत्काल ॥ रा० ॥ २७ ॥ अंतरिक्षरहीप

मुजे॥ कहे॥ घातान॥ ताहरोंननावं ॥
तेकहसघलांका ॥रा०॥२८॥ विश्वनेवसआ॥वा॥
अछुंहुंसमर्थ॥ कुणलक्ष्मणराम ॥ अवरसहुछेव्यन
र्थ॥रा०॥२९॥ विद्यावाचकसांभली ॥ पाम्योहर्ष
अपार॥ डलसस्यांजनमाहरां ॥ गइचिंतारेअपार
॥रा०॥३०॥ कहेरावणरायजी ॥ तुंकहेतेसहुसाच्य॥
समयसंभालेसही ॥ अविचलरहेतुमवाच्य॥रा०॥
३१॥ विसर्जीविद्यातदा ॥ मइपहोंतीनिजठाम ॥वा-
नरापणरामने ॥ करेआवीपरणाम ॥रा०॥३२॥ देवी
मंदोदरीअंगद ॥ तणोनिसुणीउदंत ॥ करतोहुहुकार
अधिको ॥ आवेरेघरहितुरंत ॥रा०॥३३॥स्नानलो-
ननकरीरावण ॥ गर्वपूरितगात्र ॥ विद्यानीतोसाह्य
पामी ॥करस्युंसहुनोघात ॥रा०॥३४॥ आपणावा
कारणे ॥आवेतेउद्यान ॥ सतीसाथेजोलिओतव ॥
मनसालेअनुमान ॥रा०॥३५॥ नीमलंगतणोरेलय
अति ॥ लांछहणवादेव ॥ भाशीदेवरस्वामीथाशे ॥
सेवुंतुजसुविशेष ॥रा०॥३६॥ जेअवसरेरायजीनो ॥
प्रलभन्योरेलाव ॥ तेअवसरेअघोगतिनो ॥नृप
जांण्योथयोथीनोभाव ॥रा०॥३७॥ एहसुणतांक-
टुकवाणी ॥रायनीदुःजदाय ॥ तासअसातायीघर-
ती ॥ पडीरेमूर्च्छीजाय ॥रा०॥३८॥ करीसीतलता
उपागी ॥आलिअकइघोसार ॥ रामलक्ष्मणमुवापछे

ने ॥ त्यजुं जीवितव्य आस ॥ शीलसमउं तस जेन-
वाने ॥ जैयहीरे आगलेतास ॥ रा० ॥ ४० ॥ धीरज
रायिलंबीउरी ॥ जाणीकर्मनोदोष ॥ सतीलंउंपन-
तिणपरे ॥ नहींआण्योरंचकशेष ॥ रा० ॥ ४१ ॥ ए-
हसांभलीरायचिंतवे ॥ रामसुं छेअतिप्यार ॥ हुं वि-
जासउं इसुवचने ॥ नमिलेएहनोतार ॥ रा० ॥ ४२ ॥ शान
कतीनेहीनाहोवेरे ॥ चलेपंकजनेम ॥ भाछलोतलइभिन
रे ॥ जलनेतउपनेप्रेम ॥ रा० ॥ ४३ ॥ जिनधर्मनोमर्म
जाणी ॥ कामअंधोहोई ॥ एहअन्यायअधिकमहोटो
॥ मेंकीधोछेरेसोई ॥ रा० ॥ ४४ ॥ अणयुक्तोमेंकीओ
॥ जिलिपणनोजोल ॥ मान्यानहींमाननेवस ॥ सा-
लेरेसरसमतोल ॥ रा० ॥ ४५ ॥ परयानेपरगटपणे ॥
हुंवारयोजहुवार ॥ सोनमान्योआलजाण्यो ॥ मुजेप-
डोमुनघार ॥ रा० ॥ ४६ ॥ कुलकलंक्योआपणो ॥ मेंका-
जनसार्योकोय ॥ हायघसेनसोन्यकरेवे ॥ नलहेरवेला
सोय ॥ रा० ॥ मनजपुठोवालिओ ॥ माठीजाणीपरनार
॥ भोगथकीविरक्तथयो ॥ पाछीदिवाडिओविचार ॥ रा०
॥ ४८ ॥ आनेदेवीनवीजनेरे ॥ लोकोमांअपवादहारी
दीधीजेमसहुकेसे ॥ मटिओनृपउनमाद ॥ रा० ॥ ४९ ॥
सीतानेतेकारणे ॥ मेंकीधोसंग्राम ॥ काजनसीधोअपज-
सलीधो ॥ लोकमांकीधोकुनाम ॥ रा० ॥ ५० ॥ रामलक्ष्म-
णछहिंआणी ॥ मानसघलोमारि ॥ धर्मनोनराजोल
रावण ॥ देसूंअपूठीनारी ॥ रा० ॥ ५१ ॥ अनशाम्धोग-

तिअंघथीमति ॥ भलीनउपनेकोई ॥ विवेकसघलोवी-
सरी ॥ गतीलेवीमतीहोई ॥ रा० ॥ ५२ ॥ रातविषेनृपचिं-
तवे ॥ इमहोवेपरभात ॥ रांमलक्ष्मणजीतीने ॥ पाछी
आपुंहाथ ॥ रा० ॥ ५३ ॥ ईमचिंतवतांचित्तसुं ॥ गई
रातविहाय ॥ प्रातःप्रभुजीसुणीवारिता ॥ जेतनरेमांड्यो
आय ॥ रा० ॥ ५४ ॥ युध्धसजीनेजीपवा ॥ चालणला-
गोराय ॥ दरपणमुजनवीदेखीओ ॥ राणीवारेमतजा-
य ॥ रा० ॥ ५५ ॥ हाथथीखडुगपड्यो ॥ मानस्ह्योड-
रसोय ॥ चालंतासिरमुकुटपड्यो ॥ सुकुनअशुध्धनहो-
य ॥ रा० ॥ ५६ ॥ विनाशकालेआसनुंरे ॥ आविआयी
कुपथन ॥ देखीमंत्रीजहुवारे ॥ रायनमानेकथण ॥ रा०
॥ ५७ ॥ चालिओआडंबरघणो ॥ मत्सरधरंतोआ-
प ॥ थरहरावेमेदिनी ॥ करतोअतिसंताप ॥ रा० ॥ ५८ ॥
राक्षसअतिआनंदीया ॥ सूर्यदेखीईश ॥ आडंबरअ-
तिआकरो ॥ जीतशेविश्वावीस ॥ रा० ॥ ५९ ॥ चालीर-
णभुजआविओ ॥ जीतिकरवाहेत ॥ केसरीनीपेरगाज-
तो ॥ पुण्यवीत्योचित्तनचेत ॥ रा० ॥ ६० ॥ तामनरपति
आपेलाषे ॥ किहांनृपतिचोर ॥ रामलक्ष्मणरक्षाकरेल
॥ आविदेखुंजलजोर ॥ रा० ॥ ६१ ॥ तामसत्मुजहोई
लाषे ॥ सुमित्रानोनंद ॥ आवलंकपतिगर्वतजीमुंज ॥
आपलकसुंआनंद ॥ रा० ॥ ६२ ॥ युध्धमंड्योरामरावण
॥ लडेशुभटअपार ॥ जाणलक्ष्मणतणांवरसे ॥ ज-
णेवरसेजलधार ॥ रा० ॥ ६३ ॥ अस्त्रशस्त्रलडवेकरी

॥ हुंसन्तराजीनोछ॥ लंकपतिसोरामानुज ॥ विवि-
धपरेंभुंजणाहोछ ॥रा० ॥ ६८ ॥ देजीजललक्ष्मण
तणोरे ॥रांकिओलूपाल ॥ विद्यातवजहुडूपणी ॥स-
भरेनृपतत्काळ ॥ रा० ॥ ६५ ॥ विद्याआवीआतिउमाही
॥ मागेअेआदेश ॥ हुकमप्याहुंस्वामीथारो ॥ करूंकारज
अशेस ॥ रा० ॥ ६६ ॥ तामनृपतिदेछआदर ॥ विद्या-
नेलाभंत ॥ अेअवसरविद्याप्यारो ॥ कारजकरीहाजं-
त ॥ रा० ॥ ६७ ॥ तामरावणकरेआपण ॥ रूपतोविस्ता-
र ॥ भूमिगगनेपूरीपासे ॥ दीसेरोन्दआकार ॥रा०॥ ६८॥
देजीरावणरूपअधिक ॥ सुग्रीवादिकभूर ॥ रोन्यउप-
न्योअधिकमनमें ॥ रायदिसेपाणीनुंपूर॥रा०॥६९॥
तामलक्ष्मणअधिकजालिओ ॥ गरुडनोअसवार ॥
नेमनदुओफिरेनाचित ॥ रावणकेरीरेलार ॥रा०॥७०॥
अरुणावर्त्तनधनुष्यलीधो ॥ वजमुजोतोजाण ॥ राव-
णनेसंभुंजआवे ॥ लक्ष्मणरेसूरोसुलतान ॥रा०॥७१
॥ अेकजाणेरेसोगुणुधावे ॥ सोमांहेथीसहस्र ॥ सह-
स्रथीलजक्रोडप्रगटे ॥ पुण्यप्रभावेअस्त्र ॥ रा० ॥७२॥
निहुंदेजेतिहांमारे ॥ जाणसुंतेरूप ॥अेहिजंघ कुजंव
हुओ ॥चिक्रनसमरेभूप ॥रा०॥ ७३ ॥ नामसुदर्शन
तहनुं ॥ आयुधनुंशिरदार ॥ आयुधशालाथीनिक-
ली ॥ रायपासेंआवेतिणवार ॥रा०॥७४॥ धसीआ
વીમનસુહાયો ॥ ફરવેતેચક્ર ॥ હવીઓઆતિ ૯૬
માર ॥ નાસિજેરવલાવક્ર ॥ રા૦॥ ૭૫ ॥ ચક્રલેઇક-

रिओने ॥ मेलिओतिवार ॥ आकाशमार्गिचालियो ॥
आव्योलक्ष्मणनीलार ॥ रा० ॥७६॥ रामसुभटकपिआ
अति ॥ चक्रआवंतोदेख ॥ शोरमचिओकटकअधिको ॥
सुंडीनेउपकर्मविशेष ॥ रा० ॥७७॥ आविओप्रदक्षिणा
दीध ॥ वासुदेवविनाण ॥ तेनेकरीशविसारजो ॥ जेथठोर
दक्षिणपाण ॥ रा० ॥७८॥ रायचिंतवेवचनमुनिनां ॥ सा-
च्याहिदेजाय ॥ लाछिमंत्रीकथननेतां ॥ तेसहुरेआनमिला-
थ ॥ रा० ॥७९॥ लक्ष्मणभाषेचक्रजांघव ॥ अवसर
तुमपरिवार ॥ वरायचालसहुमहारे ॥ रायजंपुंरेअवरवि-
पचार ॥ रा० ॥८०॥ रामभाषेलंकपतिसुं ॥ नहींचक्रसुं
कज ॥ आपेसीताजयपाछो ॥ करेतुमेसुंजेराज ॥ रा०
॥८१॥ देजीआरतिमांहेजांघव ॥ जिलिषणजोलंत ॥
आपसीताराजीओचवुं ॥ मेलिओतेतोतंत ॥ रा० ॥८२
॥ कोपीनेलवकहेरावण ॥ कहोकिस्योकहाव ॥ चक्रल-
क्ष्मणनेमांहे ॥ मेलीमुष्टीनोघाव ॥ रा० ॥८३॥ एम
कहेतांरायलक्ष्मण ॥ उपन्योअतिरोस ॥ चक्ररावण
नारेमेल्युं ॥ चाल्युंचक्रसजोस ॥ रा० ॥८४॥ आवं-
तोचक्रदेखियोतव ॥ वीररसभूपाल ॥ चक्रमुष्टी-
प्रहारदीधो ॥ एहवीरबहुविसाल ॥ रा० ॥८५॥
जेहुनेजेहाथेहणतां ॥ हुआजेनाचार ॥ पुण्यवि-
नाशयलछे ॥ नहींकस्योअंछविचार ॥ रा० ॥८६॥

सहस्रैयतुहिशआयुभोगवी ॥ अशुभकर्मउपाव ॥
ठमेंयोयेनरकउपन्यो ॥ कीधानांफलपाव ॥ रा॰ ॥ ८८
॥ कुसुमकेरीवृष्टीहुइ ॥ देवदीयेआशीश ॥ जगतमें
जयकारअधिको ॥ ऊचेकोडीवरीश ॥ रा॰ ॥ ८९ ॥ दा-
नपदर्यालीसमीरे ॥ ऊतिआश्रीराम ॥ केसराजमुणिं-
दभाषे ॥ सरव्यांवंछितकाम ॥ रा॰ ॥ ९० ॥

॥ मारुरागेदोहा ॥

राक्षसनाशेदहदिशे ॥ जयआणीमनमांहे ॥ दि-
येरैयौर्थयदासा ॥ जिलिक्षणनृपमांहे ॥ १ ॥ जाति
पतिने जातिने ॥ जातिनणोविश्वास ॥ आवीमलिया
ओकठा ॥ रायजिलिक्षणपास ॥ २ ॥ आव्याप्रभुजी
पोजती ॥ प्रभुनाप्रणमेपाय ॥ दिलासोदीधोवणो
॥ श्रीमुंजराघवराय ॥ ३ ॥ जिलिक्षणभाईतणो ॥
सोककरेअतिस्वाम ॥ पेटछुरीमारतां ॥ हाथग्रह्याश्री
राम ॥ ४ ॥ मंदोदरीआदेसहु ॥ सोककरंतीनारपरा-
वणप्रीयनेरोवती ॥ झूरेमनहमजर ॥ ५ ॥ रामकेरे
समजावणी ॥ कंसोबोसहुकोई ॥ रावणराघाशवथो
॥ अमरांअधिकोजोइ ॥ ६ ॥ वीरवृत्तिमांहेमूओ ॥
नमूओकायरहोई ॥ शोकनकरवोतेहथी ॥ देओचिं-
तअचलोई ॥ ७ ॥ संस्कारकायातणो ॥ करेमलावोवा
र ॥ होतीआवीयाहरे ॥ सोईकरीप्रेकार ॥ ८ ॥ कुं-
भकर्णनिराजुलित ॥ घनवाहननेआन ॥ जयनछो-

ડીમોકલા ॥ ક્રિયાસહુરાજન ॥ ૯ ॥ સહુકુટુંબહુઓ
એકઠો ॥ આવીમલિઓતામ ॥ શોચાંરિબિચાંજીજિ
યાં ॥ કરેમૃત્યુકોકામ ॥ ૧૦ ॥ પંજાલીપાવનકરી ॥ પૂ-
[illegible]૨૯ કાય । કરીરત્નમયાપિંજરો ॥ લેઈચા[illegible]જાત
શય ॥ ૧૧ ॥ ભાવનાચંદનનીચિતા ॥ અગરઘણોઘ-
નસાર ॥ દહનકર્મવિધિસાચવી ॥ પદ્મઅનેપરિવારા
ર ॥ ૧૨ ॥ પદ્મસરોવરનાહિયા ॥ પછેજલાંજલીદીધ ॥ પ્રે-
તકામસરાવણતણો ॥ એતલોસઘલોકીધ ॥ ૧૩ ॥ દિન
કેતાનેઆંતરે ॥ મેટ્યોશોકસુજાણ ॥ કથારહીરાવણત-
ણી ॥ આગેસુણોવિજાણ ॥ ૧૪ ॥

॥ ઢાલ સડતાલીશમી ॥

(જદુપતિજીત્યોરે, એદેશી.)

રઘુપતિજીત્યોરે ॥ દશરથનંદનધીર ॥ રઘુ॰ ॥ સુલ-
ક્ષ્મણનોવીર ॥ રઘુ॰ ॥ સત્યવતીનોકંથ ॥ રઘુ॰ ॥ ગિ-
રૂઓનેગુણવંત ॥ રઘુ॰ ॥ ૧ ॥ નોબતકેરાનાદશું ॥
અંબરરહિઓગાજી ॥ ઈન્દનઆવેઆશનોહો ॥ સોરે
રહિઓઅતિલાજી ॥ રઘુ॰ ॥ ૨ ॥ ઘરઘરરંગવધામણાં
॥ ઘરઘરમંગલચાર ॥ ઘરઘરગુડિઉચ્છલીહો ॥ ભુ-
જમુજયજયકાર ॥ રઘુ॰ ॥ ૩ ॥ જીતતણાકડખાચ-
ણા ॥ ગાવેગુણિઅઅપાર ॥ ધનસીતાધનરામજીહો
ધનલક્ષ્મણઅવતાર ॥ રઘુ॰ ॥ ૪ ॥ હાથપડીરાવણત-
ણે ॥ તોએનખંડ્યોશીલ ॥ સીતાધનતેકારણેહો ॥

निर्मलगंगसलील ॥ रघु० ॥ ५ ॥ हठीसुंहठलेछेर-
ह्यो ॥ मेलिओकटकअपार ॥ रामघनतेकारणेहो ॥
नत्यजत्रियानीलार ॥ रघु० ॥ ६ ॥ कंठोगयोत्रिहुंलो-
कनो ॥ नतजेथोअभिमान ॥ लक्ष्मणघनतेकारणे
हो ॥ मारयोरावणमान ॥ रघु० ॥ ७ ॥ रामअनेल-
क्ष्मणवेहे ॥ चाणीअभियसमान ॥ कुंभकर्णआदे
करीहो ॥ निसुणोसहुराजन ॥ रघु० ॥ ८ ॥ राजकरो
आपआपणा ॥ पहेलानिमथातेम ॥ आणवहो
लक्ष्मणतणीहो ॥ होसेतुमनेजेम ॥ रघु० ॥ ९ ॥ ए-
मसुणीनेरालिया ॥ आंसुनाजेताम ॥ गद्गदवा-
णीजोलियाहो ॥ निसुणोश्रीरघुराम ॥ रघु० ॥ १० ॥
कामनहींराजहितणुं ॥ अमारेएकलगार ॥ संयमले-
इसाधसुंहो ॥ अजहमोक्षदुवार ॥ रघु० ॥ ११ ॥
कुसुमायुधउद्यानमें ॥ अमेमेघजलनाम ॥ चार
ग्यानसुंशोभताहो ॥ आयामुनिअभिराम ॥ रघु०
॥ १२ ॥ साधुहुआतेकेवली ॥ तिणहीरात्रिमझार ॥
केवलओच्छवकारणेहो ॥ आवेदेवउदार ॥ रघु० ॥
१३ ॥ प्रातःहुआश्रीरामजी ॥ सौमित्रीसुंसाथ ॥ कुं-
भकर्णआदेकरीहो ॥ च्याल्यातेनरनाथ ॥ रघु० ॥ १४
॥ देईप्रदक्षणवांदिया ॥ साधुमहासुखकार ॥ आगे
जेसीसांभलेहो ॥ धर्मतणोविचार ॥ रघु० ॥ १५ ॥
इन्द्रजीतघनवाहनू ॥ पूर्वलवांतरवात ॥ पूछेत्यांजे
केवलीहो ॥ निसुणोजेअवदात ॥ रघु० ॥ १६ ॥ के-

कांपीनयरीविषे ॥ निर्धनभाईदोय ॥ प्रथमपश्चिम
नामयीहो ॥ साधुसमीपेसोग ॥ रघु० ॥ १७ ॥ धरमसु-
णीव्रतआदरी ॥ महियलकरीविहार ॥ कोशांबीनग-
रीहिंडी ॥ आयातेअणगार ॥ रघु० ॥ १८ ॥ नंदिघोस
राजनलो ॥ इन्द्रमुजीतसनार ॥ क्रीडाकरंतवसंतनी
हो ॥ दीठोनयनपसार ॥ रघु० ॥ १९ ॥ पश्चिमनीयाणुं
करे ॥ एतपतणेप्रकार ॥ एहविक्रीडाकारीहो ॥ इं-
णहिंघरेअवतार ॥ रघु० ॥ २० ॥ वन्योपिणमानेन-
हीं ॥ निंदेनहींनिदान ॥ कालकरीनेउपन्योहो ॥ राय
घरेसंतान ॥ रघु० ॥ २१ ॥ रतिवर्धननामेभलो ॥ यौ-
वननीचयपाय ॥ राजलहीराभतकरेहो ॥ तपकरणी
कुलदाय ॥ रघु० ॥ २२ ॥ प्रथमसाधुमरीउपन्यो ॥ पं-
चमकल्पेदेव ॥ भाईराजदोजिओहो ॥ आव्योसुरत-
तखेव ॥ रघु० ॥ २३ ॥ लेअघरीमुनिवरतणो ॥ रति-
वर्धननृपपास ॥ पूर्वचरित्रसुणावतांहो ॥ जातीसमर-
णतास ॥ रघु० ॥ २४ ॥ संयमलीधोसादरो ॥ पंचम
स्वर्गेजाय ॥ दोइदेवच्यवीकरीहो ॥ जेताविदेहेआय ॥
रघु० ॥ २५ ॥ विबुधनगरेउपन्या ॥ दोइभाईभूप ॥
संयमपालीजारमोहो ॥ पाम्यासर्गअनूप ॥ रघु० ॥ २६
॥ तिहांथकीच्यवीआविआ ॥ राजनयवणगेह ॥ इं-द्रज-
तधनवाहनूहो ॥ भाईपयासनेह ॥ रघु० ॥ २७ ॥ इं-
द्रमुजीपटराणीनी ॥ रतिवर्धननीमाय ॥ अराणीमं-
दोदरीहो ॥ थारीमायकहाय ॥ रघु० ॥ २८ ॥ इन्द्रजित

घनवाहनू ॥ कुंभकर्णभूपाल ॥ अवरहिजहुव्रतअ:
दरेहो ॥ षट्कायकप्रतिपाल ॥ रघु० ॥ २९॥ राणीजी
मंदोदरी ॥ आदेनारीअनेक ॥ संयमसुं योआदरेहो
॥ वाइअेहु विवेक ॥ रघु० ॥ ३० ॥ साधुनामिश्रीराम-
जी ॥ सौमित्रीकपीनाथ ॥ बिभिक्षणआदेकशीहो ॥
लारहिलीयाजहुसाथ ॥ रघु० ॥ ३१ ॥ सिणगारीलंक-
पुरी ॥ ओरछचनोअधिकार ॥ विद्याधरियेकीनियोहो
॥ मंगलनोविस्तार ॥ रघु० ॥ ३२॥ जेत्रणवाटवतावन
तां ॥ लंकमांहेपेसेरा ॥ शुभवेलाशुभमुहूर्त्तेहो ॥ कीन
धोरामनरेश ॥ रघु० ॥ ३३ ॥ पुष्पगिरिनेमस्तके ॥ ज-
यठीयोउद्यान ॥ जईजेईअनकीहो ॥ नेहवीकईह-
नुमान ॥ रघु० ॥ ३४ ॥ जांहेसाहीसुंदरी ॥ राघवसीयी
गोद ॥ जवितव्यअेनवुंथयुंहो ॥ प्रगटपणेप्रमोद ॥
रघु० ॥ ३५ ॥ पिनरनेअप्राणिओ ॥ हूओअेकठोआ-
ल ॥ राघवजुअजआणिओहो ॥ हुंरेअछुमहाराज ॥
रघु० ॥ ३६ ॥ महासतीमहोटीसती ॥ देवकहेआकाश
॥ स्वर्गमृत्युपातालमेंहो ॥ पामिआतिशाबाश ॥ रघु०
॥ ३७ ॥ आंसुथुंपगधोवतो ॥ आवीकरेप्रणाम ॥ सौ-
मित्रीसोल्हासशुं ॥ आनसरव्यांसजकाम ॥ रघु० ॥ ३८ ॥
मस्तकचूंबीसादरे ॥ सीनादियेआशीश ॥ चिरनंदे
चिरंजयवेहो ॥ सईलीसयलजगीस ॥ रघु० ॥ ३९ ॥
भामंडलप्रणमेघणुं ॥ जहेनीकहेचिरंजीव ॥ महारी
अेआशीशथीहो ॥ वाधोजायोअतीव ॥ रघु० ॥ ४० ॥

બિભ[illegible]સુગ્રીવજી ॥ હનુમંત [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
નનેસીતાતણા[illegible] ॥ ભૂપતીજી [illegible]લભાય ॥ રઘુ० ॥ ૪૦ ॥
[illegible]તું રળીઆવકસેઘણું [illegible] રબીપુત[illegible] [illegible]તા[illegible]
[illegible]નુર [illegible]વેહો ॥ ૫ ॥ [illegible]પરમાનંદ ॥ રઘુ० ॥ ૪૨ ॥ ભુવના-
લંકૃતહાથેથે ॥ પધ્યાલજોડરામ ॥ લક્ષ્મણહ[illegible] આ-
ગલહો ॥ જોડજનોઆભરામ ॥ રઘુ० ॥ ૪૩ ॥ આવ્યારા-
णमंदिरे ॥ पेख्योप्रवरप्रासाद ॥ सहस्रथंभनोशो[illegible]
तोहो ॥ करेघ्रगगनसुंवाद ॥ रघु० ॥ ४४ ॥ जहुठहे घर
माहरे ॥ पूज्यपधारोआप ॥ सहुकोर्धन्नएणेसहीहो
॥ प्रीततणीथेथाप ॥ रघु० ॥ ४५ ॥ रायतणुं मनश-
भवा ॥ आवेघरप्रभुतास ॥ भोजनभक्ति भलीकरी
होय उपजव्योउल्लास ॥ रघु० ॥ ४६ ॥ पहेरावीपरि-
वारस्युं ॥ पोजीपरीयलप्रेम ॥ करजोडीनेवीनवेहो ॥ श-
यभिभिक्षणएम ॥ रघु० ॥ ४७ ॥ ए घोडाएहाथि-
या ॥ अरथगरथभंडार ॥ हेमरत्नपटकूलस्युंहो ॥ व-
स्तुअमुलकसार ॥ रघु० ॥ ४८ ॥ ए लंका लीलावती ॥
करोआपणीईश ॥ करुरायतरावणतणीहो ॥ छेलो
विस्वावीश ॥ रघु० ॥ ४९ ॥ लंकारानतणुं करुं ॥ प्र-
भुजनेअभिषेक ॥ तामरामबोल्याहसीहो ॥ बोल
हमाशेएक ॥ रघु० ॥ ५० ॥ लंकादीधीतुमभणी ॥
पहिलीहितुमदेख ॥ आनतिलकसवीनाहरोहो ॥
[illegible]ણકાકઆવુવરો [illegible] ॥ રઘુ० ॥ [illegible] ભુવનને
[illegible]નિ ॥ રાયભુવનનેસ્વામિ [illegible]પરિવ[illegible]વાપાર- ॥

वारशुंहो ॥ आव्योआनंदपामि ॥ रघु० ॥ ५२ ॥ सिं-
होदरआदेकरी ॥ तामसहुनरनाह ॥ दीधीथीनेकन्य-
काहो ॥ आणेधरियउच्छाह ॥ रघु० ॥ ५३ ॥ ओल-
क्ष्मणकेशमने ॥ परणावीतेबाल ॥ सर्वसुलक्षण
गुणवतीहो ॥ रमणीरूपरसाल ॥ रघु० ॥ ५४ ॥ ईन्द्र
तणांसुखभोगवे ॥ क्षणमांहेदिनरात ॥ छचरसतो
वोलिगया ॥ अजाभिलवामात ॥ रघु० ॥ ५५ ॥ टाल-
नसडतीलीशमी ॥ रंगविनोदविलास ॥ केसराजश्री
रामनेहो ॥ पूर्वपुन्यप्रकाश ॥ रघु० ॥ ५६ ॥ .

॥ नटरागेदोहा ॥

ईन्द्रजीतघनवाहनू ॥ मंडूस्थलीमेंभ्रय ॥ महामुनीमु-
गतेंगयाहो ॥ तीरथमेघरथयाय ॥ १ ॥ कुंभकर्णशि-
वगतीलही ॥ नादिनिरजदमांहे ॥ पृष्टरक्षितनामें
लखुं ॥ तीर्थप्रवर्त्युंआंहे ॥ २ ॥ अजमाताअपराजि-
ता ॥ सुमित्रासुंदोई ॥ पुत्रोनीआरतीकरे ॥ जजर
नपावेकोई ॥ ३ ॥ जेऽघातकीथीचली ॥ आईगयो
रिषीदेव ॥ पगेलागतांपूछहि ॥ मातासुततत्तेव
॥ ४ ॥ कांतुमअतिआरतीकरो ॥ कांतुमदुःखलेदेह ॥
आंसुनाजीमाथको ॥ उत्तरआपेतेह ॥ ५ ॥ तातत-
णाआदेशथी ॥ वसगयावनवास ॥ सीतापणसाथ
येहुई ॥ पतिव्रताव्रततास ॥ ६ ॥ सीताराघणअपन
हरी ॥ करीघणोपरपंच ॥ नंदनहुआवाहरू ॥ मेली

ઉચ્છવનોસંચ ॥ ૭ ॥ રામઅનેરાવણતણો ॥ સુભટો-
मेंसंग्राम ॥ होतांरावणजीतियो ॥ शक्तिचलावीता-
म ॥८॥ लागीलक्ष्मणनेहीये ॥ पडियोमूर्च्छाजाणी ॥
विशल्याआइआवीने ॥ लेइगयाजगराय ॥९॥ जल-
स्नपाम्याआगले ॥ अेअमआरतीहोय ॥ उज्जवंतो
उगरयो ॥ उच्छवसमूओसोय ॥१०॥ नारदभाषेमतिक-
रो ॥ आरतीअेहजगार ॥ लक्ष्मणमारयोनथीमेरा ॥ ने
रूडेकिरतार ॥११॥ जणेंछुंलंकापुरी ॥ जाणीलक्ष्मण
राम ॥ आरतीलांजुन्ताहरी ॥ तोमुजनारदनाम ॥१२॥
अेमकहीनेआवियो ॥ राघवजीनेपास ॥ मायमनोरथ
पूरवा ॥ अेमकहेअरदास ॥१३॥

॥ ढालअडतालीशमी ॥

(रसियानीदेशी)

सुमित्राअपरानितारे ॥ जोवेप्रभुजीनीवाट ॥ लक्ष्मण
जीनाधावनोरे ॥ आणेआतिउचाट ॥ होसुणस्वामी ॥
१ ॥ जजरनहोईपायहोसुणस्वामी ॥ भूरीपिंजरथाय
॥ होसु० ॥ २ ॥ रयणिछमासीजाय ॥ होसु० ॥ रहीघ-
णुंलीधोसायहो ॥ सु० ॥ २ ॥ पुत्रोउपरमायनोरे ॥
होवेनेहअपार ॥ सूरलिनीपेरेदर्जियोरे ॥ चित्तरहे
वत्सलार ॥ होसु० ॥ ३ ॥ फिरेफूंदतीचानरीरे ॥ सुत-
नेकंठलगाय ॥ होसु० ॥ मालेसवेपंजणीरे ॥ लिअ
सुतनेरवधाय ॥ होसु० ॥ ४ ॥ गर्भधरेवेपोषवेरे ॥

पालेवेअभिराम ॥ होसु० ॥ प्राणआपणाआपवेरे ॥ सारेसुतनांठाम ॥ होसु० ॥ ५ ॥ मातागंगासारेजीरे ॥ मातातीरथरूप ॥ मातामहीयलमोटडीरे ॥ मानेमहोदयभूप ॥ होसु० ॥ ६ ॥ पणमुडीगणपतिवाह-भेरे ॥ अधिकाणीकरतिमाय ॥ सांभ्योडह्योगणपतीरे ॥ पशंकरेडीधोन्याय ॥ होसु० ॥ ७ ॥ वीरस्वामीमानेघणुंरे ॥ नभहतागर्भमांहे ॥ मातानेदुःखदेछेनेरे ॥ संयमनहींलीधोमांहे ॥ होसु० ॥ ८ ॥ घणुंडिसुंकहिधाजियेरे ॥ मातानेसुखदेत ॥ सुखदीधोससारनेरे ॥ अहधरमनोहेत ॥ होसु० ॥ ९ ॥ इडाभापेरामजीरे ॥ नारदसुंसुखपाय ॥ लंकपतीजोलाछेडरे ॥ लावेमलुअकुलाय ॥ होसु० ॥ १० ॥ भूपतुमारीभाक्तियीरे ॥ वीरारियाहमभाय ॥ आगेहिजेस्थावडीरे ॥ मात-जमरीजाय ॥ होसु० ॥ ११ ॥ अजाहिनछेवीतावणारे ॥ मिलियेमातनेआज ॥ तोतोअेसाप्योपडेरे ॥ डीधोसघलोकाज ॥ होसु० ॥ १२ ॥ कहेजिलिक्ष्मणरायजीरे ॥ मागयाधोदिनसोल ॥ त्युंअेतीत्युंअेटलीरे ॥ भा-नोहमारोजोल ॥ होसु० ॥ १३ ॥ इन्द्रपुरीनीउपमारे ॥ आछिभातेअनूप ॥ अयोध्यासमरावसुंरे ॥ कहेलंकनोभूप ॥ होसु० ॥ १४ ॥ विसल्यैत्रिखंडीरायजीरे ॥ मातापासेआय ॥ वातकहीसंतोषनीरे ॥ हर्षहीयेनसमाय ॥ होसु० ॥ १५ ॥ डरीगरलंकातणारे ॥ सुघडानाशिरधार ॥ अयोध्यायेआवियारे ॥ डंर्गी

नलागीवार ॥ होसु० ॥ १६ ॥ जेमकह्युं तिमहिकह्युंरे ॥
चतुरपणेचित्तलावी ॥ जोडेजोहरीनीपूरीरे ॥ जोडेजो
डआवी ॥ होसु० ॥ १७ ॥ दहाडेअजसत्तरमेरे ॥ पु-
ष्पकनामेंविमान ॥ जेसीलक्ष्मणरामजीरे ॥ सोहमने
ईशान ॥ होसु० ॥ १८ ॥ सीताविशल्यावलीरे ॥ राजसु-
तासुकुमाल ॥ सघलीजेमीसनमुजेरे ॥ विद्याधरीसुवि-
शाल ॥ होसु० ॥ १९ ॥ बिभिषणसुग्रीवजीरे ॥ भामं-
डलहनुमान ॥ अंगदसुंदक्षिणदिशेरे ॥ जयठापुरुष
प्रधान ॥ होसु० ॥ २० ॥ वामदिशेविशेषथीरे ॥ जेठा
राक्षसरायापुठेसेवकसामटारे ॥ लीयोविमानचलाय
॥ होसु० ॥ २१ ॥ अयोध्यानेआशानारे ॥ आव्याभ-
ण्याअभ ॥ भरतभूपलघुभाईसुंरे ॥ सामाआवे
ताम ॥ होसु० ॥ २२ ॥ उतरियाहाथीथकीरे ॥ नलरे
आव्याईश ॥ ईशविमानेउतरयारे ॥ आणीअधिक
जगीस ॥ होसु० ॥ २३ ॥ भरतभूप भलेभावसुंरे ॥
रघोंचरणशीरलाय ॥ उठाईउच्चोकरीरे ॥ लीयोंकंठ
लगाय ॥ होसु० ॥ २४ ॥ भरतकयूंजेरामजीरे ॥ चारचा
रविशेष ॥ शत्रुघनपगेलागतारे ॥ दीयेसनमाननरे-
श ॥ होसु० ॥ २५ ॥ शत्रुघननेभरतजीरे ॥ लक्ष्मणने
परणाम ॥ करतांलक्ष्मणजीकयुंरे ॥ तिमहीपुंस्रीराम
॥ होसु० ॥ २६ ॥ नामविमानेअेकारे ॥ जेठाजेघचया
र ॥ धनशीलतपभावसुंरे ॥ पामेशोभअपार ॥ होसु०
॥ २७ ॥ पहेलाहीमंगटपणेरे ॥ अयोध्यासमशावी ॥

नी नी प्रभुआव्यारे ॥ पुरपीइंदीवडावी ॥होसु॰
॥२८॥ छांटीथोडेपाणीयेरे ॥रजसघलीवयसावी
॥कुरीसुगंधाधूपणेरे॥ फूलहीफूलबिछावी ॥होसु॰
॥२९॥ तोरणनीरचनाकरीरे ॥गलीयेगलीयेदेजी॥
घरघरगुडीउछलेरे॥ घरघरहर्षविशेषी ॥होसु॰॥
३०॥ वाजांविविधप्रकारनांरे ॥भूमिअनेआकाश ॥
वानेनिकानादसुंरे ॥होईरह्योउल्लास ॥होसु॰॥३१
॥ नगरीमांहेआवियारे ॥माधवदेजीमोर ॥ऊंची
ननरविलोकवेरे ॥ लोककरेजकोर ॥होसु॰॥३२॥कन
कतणेकुसुमेकरीरे ॥ भरिभरिमोतीथाल॥वधावेवि-
नीतावलीरे ॥गावेगीतरसाल ॥होसु॰॥३३॥ वधावे
वाधूवलीरे ॥कामनीकलसकीदार ॥ दानेलजघरघरसतां
रे॥ आव्यानृपदरबार ॥होसु॰॥३४॥ उतरीतामवि
मानथीरे ॥रामसुमित्रानंद ॥महेलमांहेननरंगसुंरे॥
आवेघरीआनंद ॥होसु॰॥३५॥ पहेलांकौसल्यातणा
रे॥चरणेनामेशीश॥ पछेअवरमातातणीरे॥माता
दियेआशीश ॥होसु॰॥३६॥सीताविशल्यासतीरे ॥
कौशल्यापगेलागी॥ पछेसासुअवरनीरे॥ लहेआ-
शीशसुहागी ॥होसु॰॥३७॥ बिशासुलहमनस्मिथा
रे॥ तैसाहीसमतोल॥ तुमपणनंदननन्मनेरे॥मा-
नीहमारोजोल॥होसु॰॥३८॥ फिरीफिरीमाअपरा-
जितारे॥ लक्ष्मणकेरेअंग॥ करशुंफरसेशिरघणुंरे
॥चूंजीकहेमनरंग॥होसु॰॥३९॥ वत्सतुमारोआ-

नमेंरे ॥ हूओअमण्योनम ॥ नयणेनिरख्योआपणेरे
॥ थनउरत्तानीउम ॥ होसु० ॥ ४७ ॥ उष्टघणुंवनवास
नुंरे ॥ सीतानेरघुदेव ॥ तेतोआघुंडाढीयुंरे ॥ नेतेंऊन
धीसेव ॥ होसु० ॥ ४८ ॥ ताततणीपेरशमजेरे ॥ सीता
येतेनेम ॥ उहेलक्ष्मणवनवासमेंरे ॥ हूंतोशख्योएम ॥
होसु० ॥ ४९ ॥ माताजीग्यतपणेरे ॥ मेंऊीधोअविवे-
ङ ॥ सीताशमवियोगनोरे ॥ हेतुहुओहुंएक ॥ होसु० ॥
५० ॥ पणथारीआशीशथीरे ॥ वाधेवाधनझाटी ॥ गयुंस-
हीआजीअणीरे ॥ आव्याअरिनीरघाटी ॥ होसु० ॥ ५१
॥ ढालनअडतालीशमीरे ॥ गर्छजहोडीनाश ॥ केशश-
नऋषीरायजेरे ॥ पुण्यवडोसंसार ॥ होसु० ॥ ५२ ॥

इति ढाल द्राष्ट्यायांरामरसा
रसायने तृतीयोऽधिकारःसमाप्तः

व ॥४॥ समयलहीनेस्वामीसुं ॥ भरतभणेसुविचा-
र ॥ राजग्रहोप्रभुआपणु ॥ हुंलउंसंयमभार ॥५॥
संयमतोहुंसाहसो ॥ लेतोराज्यसाथ ॥ राईतराङ्नि
सुंपीगया ॥ नृपपदकेरीआथ ॥६॥ आजलगेमेंरा-
जियो ॥ जेहतुमारोराज ॥ दादाजीदेंदयाकरो ॥सांई
आतमकाज ॥७॥

॥ ढाल ओगणपचासमी ॥

(नथनी देशी)

क्षणगईरेमेरीक्षणगई ॥ लाजीणीमेरीक्षणगई
॥ डोडीणीमेरीक्षणगई ॥ क्षणगईफिरीनावेसोई
॥ अंजलीनुंरेजलजतुंजोई ॥ क्षण० ॥१॥ समय
समयमरतोजीव ॥ वीतरागनांवचनसदीव ॥ क्ष० ॥
तनुसाथेडोलतीछांह ॥ कालरहेअेपूरीजांह ॥ क्ष०
॥२॥ कालथुंओषधनहीयविनाण ॥ नमझूझ्या न
राजेत्राण ॥ क्ष० ॥ जतननेजमजाईजय ॥ अण
जतनसाभुंनदीजाय ॥ क्ष० ॥ कालेजाधोसहुसंसार
॥ कालनजाघोजयालिगार ॥ क्ष० ॥३॥ जरानपीडे
नउपनेरोग ॥ नघटेईन्द्रीनाजलयोग ॥ क्ष० ॥ ज-
जलगआवीनपूगेआव ॥ तजलगकरीचित्तधर्मीहिं
चाव ॥ क्ष० ॥४॥ लेनरजरानभयीनउराय ॥ तेतो
दीलोकरेन्याय ॥ क्ष० ॥ मंदिरद्वारेलागीलाय ॥ तज
तोकांईहीनकढाय ॥ क्ष० ॥५॥ सागरपल्लनुंआयु

छेह॥ कोणविचारे गिणतीएह॥ क्ष०॥ जेदवजा-
लेपर्वतप्राहे॥ कोनजलेजडतेदवमांहे॥ क्ष०॥६॥
जगमेंलाग्योसयलउपाय॥ घडीघटेक्षणहीनर-
हाय॥ क्ष०॥ चावणआवीपंथीपुलाय॥ पंथीपंथे
नरहेवापाय॥ क्ष०॥७॥ एहसयाणपणुमुजआ-
ण॥ निमतिमसाईआतमकाज॥ क्ष०॥ घरजाली-
नेकीर्त्तिकरंत॥ मूर्खशिरोमणीनामधरंत॥ क्ष०॥८
॥ आलीआंजेकहेश्रीराम॥ वृक्षरहेथाटेसंथमका-
म॥ क्ष०॥ राजकरोतुमपहेलानेम॥ जेमुजसाथेरा-
जोप्रेम॥ क्ष०॥९॥ आज्ञाकरीतुमआमियाल॥
तेतोजाणेसकलनिहाल॥ क्ष०॥ पहेलीनिमतुमभा-
नीआण॥ अजाहिकरोमुजजोलप्रमाण॥ क्ष०॥
१०॥ भरतभूपकरीनेजुहार॥ ऊठीयाल्योलोपी
कार॥ क्ष०॥ लक्ष्मणदोडीसाह्योहाथ॥ आणीजे-
साड्योनरनाथ॥ क्ष०॥११॥ सीतानेविशल्याआ-
द॥ राणीसहुआवीअल्हाद॥ क्ष०॥ देयरनेसमजा-
वेतेह॥ सुंदरीवयनवदेससनेह॥ क्ष०॥१२॥ महोटो
भाईतातसमान॥ क्युंनविचारेतुंराजान॥ क्ष०॥
सायरकेमलजेमर्याद॥ एतोनिश्चेछेविधिवाद॥ क्ष०
॥१३॥ विसारणसंयमनीवात॥ जलक्रीडाकरवाने
जात॥ देयरसाथेघालेबाज॥ क्ष०॥ तुमशुंजेलएण
नीअभिलाज॥ क्ष०॥१४॥ भालीयोनामनराजा-
णहेत॥ चाल्योभूपतिमहेलसमेत॥ क्ष०॥ चढीका

दोर्घडरीनजेब्याल ॥ जलकंठेगिलोभूपाल ॥ क्ष० ॥
१५ ॥ एटलेगजभूवनालंकार ॥ थंभोउखेडेरोस
अपार ॥ क्ष० ॥ आव्योदेवीत्रीयंपरी वार ॥ शोरम-
च्योपडिओगजलार ॥ क्ष० ॥ १६ ॥ थरहरधुनणलाग-
गीजाल ॥ देखीहाथीअतिविकराल ॥ क्ष० ॥ पुठेरा-
णीसघलीदेवी ॥ आव्योनृपआगेततखेवी ॥ क्ष० ॥
१७ ॥ मदंडरीआंधोतेरंगयंद ॥ नयणेदीठोभरत
नरिंद ॥ क्ष० ॥ मदउतरीयोतेणिवार ॥ शांतहुओग-
ज छांडिविकार ॥ क्ष० ॥ १८ ॥ गजदर्शनदेखीअभिराम
॥ भूपतीपणसुखपायोताम ॥ क्ष० ॥ जनेसाहीछाली
नेम ॥ भूपतीआगेहाथीतेम ॥ क्ष० ॥ १९ ॥ वातसुणी
नेआवेधाय ॥ रामसुलक्ष्मणसुभटसहाय ॥ क्ष० ॥ क-
रीउपायअनेकजण ॥ महावतेगज आण्योठाण ॥ क्ष०
॥ २० ॥ कुलभूषणनेभूषणदेश ॥ समोसर्याऋषी-
शजविशेष ॥ क्ष० ॥ पद्मसौमित्रीभरतनरेश ॥ वंदन
आवेसो कअशेस ॥ क्ष० ॥ २१ ॥ पूछेपद्मकहोऋषी-
राय ॥ भरतदेखीगजनिर्मदथाय ॥ क्ष० ॥ देशभू-
षणकेवलधार ॥ भाखेभूपसुणोसुविचार ॥ क्ष० ॥
२२ ॥ ऋषभेलीधोसंयमभार ॥ साथेहूआनृपच्यार
हजार ॥ क्ष० ॥ एजाणासुध्धिनलह्योआहार ॥ ता-
पसहूआतेतेहीवार ॥ क्ष० ॥ २३ ॥ प्रल्हादनसुप्रभ
नृपनंद ॥ तापसनांव्रतपालीअमंद ॥ क्ष० ॥ चंन्द्रोदय
सूर्योदयदेज ॥ भवमांहेभमियासुविशेष ॥ क्ष० ॥

॥२४॥ चंद्रोदयगजपुरमेंआ . ॥ हरिमातभूपति
नंदकहाय ॥ क्ष० ॥ चंद्रलेखासुविदरवि . न ॥ कुलंकरना
मे . . पन्न ॥ क्ष० ॥ २५ ॥ सूर्योदयपणतेपुरमांहे ॥ वि.
भूतीनोनंदनमांहे ॥ क्ष० ॥ अन्नीकुंभविदरअवता
र ॥ सुतरतीनामेकुलआधार ॥ क्ष० ॥ २६ ॥ कुलंकरनृ-
पपदपावंत ॥ तापसवनमेंपगठावंत ॥ क्ष० ॥ वियेभ-
व्योज्ञानीअणगार ॥ अभिनंदनभाषेसुविचार ॥ क्ष०
॥ २७ ॥ तापसपंचाग्नीसाधंत ॥ जवघणानेआणेअं-
त ॥ क्ष० ॥ लाकडआगलगाडयोआप ॥ तेमांहेरेजले
छेसाप ॥ क्ष० ॥ २८ ॥ सोअहीपरभवनोतुमबाप ॥
क्षेमंकरनामेंसहेताप ॥ क्ष० ॥ फाडीलाकडकाढ्योनाग
॥ जुवछिणास्योतेसोभाग ॥ क्ष० ॥ २९ ॥ लाकडफाड्यो
मांहेभुयंग ॥ दीठोशनहुओविरंग ॥ क्ष० ॥ दीक्षाचि-
परआणेभाव ॥ सुतरतीतामकहंतकुभाव ॥ क्ष० ॥ ३० ॥
चयपाकेदीक्षाशुंहेत ॥ करवोकायाआलरतेत ॥ क्ष० ॥
एमसुणीलांग्योविच्छाह ॥ लायिपाच्छिमांहेरह्योनर-
नाह ॥ क्ष० ॥ ३१ ॥ श्रीदामाराणीछेतास ॥ सुतरती
साथेसुविलास ॥ क्ष० ॥ शंक्याआयापामीखेद ॥ रा-
जाजकरशेशिरच्छेद ॥ क्ष० ॥ ३२ ॥ विषदेईमार्योभर-
तार ॥ वेगोहीभूओतेथार ॥ क्ष० ॥ पापतणुंफलएहि-
जभूरि ॥ एहोघलवभमियाभूरि ॥ क्ष० ॥ ३३ ॥ रा-
जग्रहीनगरीमेंविप्र ॥ कपीलघरेंआव्यातेसिप्र ॥ सा-
वित्रीउदरनामेविनोद ॥ बीजोरमणकरंतप्रमोद ॥ क्ष०

॥३४॥ रमणगयोभणवानेवेह ॥ देशांतरभणि-
ओकरीजेह ॥ क्ष०॥ घरेआवेनिसीहुईभम ॥ यक्ष
मंदिरेलीधोविश्राम ॥ क्ष०॥३५॥ वडभंधवनीशा-
भानारि ॥ दत्तविप्रशुंप्रेमप्रकारि ॥ क्ष०॥ यक्षमंदि
रमेंकरीसंकेत ॥ साआवीप्रीयमिलणहेत ॥ क्ष०॥
३६॥ पूठेआव्योछेतसकेत ॥ दत्तनआव्योतामतुरंत
॥ क्ष०॥ रमणउठावीमानेभोग ॥ नारीनवांछेयेन
तेलोक ॥ क्ष०॥३७॥ कहीभडगकरंतप्रहार ॥ भेद
नभणेकोठगिमार ॥ क्ष०॥ रमणदेजीसुपडीओतं-
त ॥ शाभायेपणहणीओनिबकंत ॥ क्ष०॥३८॥ भ-
वमेंभमिधननामप्रसिध्य ॥ इभ्यपुत्रहुओरेसमृध्य
॥ क्ष०॥ रमणहुओसुततेहनोभण ॥ लक्ष्मीउदरे
भूषणसुवजाण ॥ क्ष०॥३९॥ परणावीकन्याजत्री
स ॥ सुजमानेतेविश्वावीस ॥ क्ष०॥ उपरभूमि जेम
स्याम ॥ रत्नीकरेपश्चिमयाम ॥ क्ष०॥४०॥ श्रीधरम
घीनेकेवलज्ञान ॥ उपजुउंछेअधिकप्रधान ॥ क्ष०॥
केवलओछवकरवादेव ॥ देजीधर्मतणीलहेभेव ॥
क्ष०॥४१॥ उपरथकीउतरिओनंद ॥ ऋषीवंदननेघेरे
आनंद ॥ क्ष०॥ वाटेभ्रतांसापेजाघ ॥ शुभपरिणामे
शुभगतिलाध ॥ क्ष०॥४२॥ भलाभलातोभवनेलेत
॥ भलाभलातोवितरणदेत ॥ क्ष०॥ भलाभलाहि
पावेगम ॥ भलाभलागावतगुणग्राम ॥ क्ष०॥४३
॥ जंबूद्वीपअपरविदेह ॥ रत्नपुरीनगरीगुणगेह ॥

क्ष० ॥ अचलनामाछेचक्रीश ॥ पूरणहरणीमायनगी-
श ॥ क्ष० ॥ ४४ ॥ प्रीयदर्शननामावरपुत ॥ अणंचुंराज
से घरनुंसुत ॥ क्ष० ॥ आलपणेशनेवैराग ॥ घारेन-
हींपरणेतेलाग ॥ क्ष० ॥ ४५ ॥ मातापितानुंराजणहेत
॥ कुंअरनवमान्योपरणेत ॥ क्ष० ॥ कन्यामेलीहअरन
तीन ॥ परणाव्योकुंअरप्रवीण ॥ क्ष० ॥ ४६ ॥ साठस-
हस्त्रवर्षग्रहीगृहवास ॥ अहुलांडीघांतपडिपयास ॥ क्ष०
॥ अंतसमेआणीशुलध्यान ॥ पाम्योपंचमअमर
विमान ॥ क्ष० ॥ ४७ ॥ घननोजीवचवीनेडाल ॥ भव-
मांहेभमिओअशाल ॥ कंपीलनपुरमेंब्राह्मणनो
वंश ॥ शकुनाह्नीमुजवंशवतंस ॥ क्ष० ॥ ४८ ॥ मृदुम-
तिनामेजन्मजलीध ॥ मूंडोअणीडादीदीध ॥ क्ष० ॥
धूर्त्तशीख्योमायाअल ॥ आपानेडपायोसाल ॥ क्ष०
॥ ४९ ॥ घरआण्योनत्यने परपंच ॥ वेश्यासरिसो
मांड्योसंच ॥ क्ष० ॥ पीछेसंयमव्रतप्रतिपाल ॥ पंच-
मडल्पगयोतेव्याल ॥ क्ष० ॥ ५० ॥ गजभवडीघोमाया
भेली ॥ गतितिर्यंचपलहीजेमेली ॥ क्ष० ॥ गिरिवैताढ
च्यमहामदवंत ॥ हाथीहुओअेजलवंत ॥ क्ष० ॥ ५१ ॥
प्रीयदर्शननोजीवतिडेव ॥ भूपतीभरतहुओरेतिडेव
॥ क्ष० ॥ भरततणुंगजदीठुंदर्श ॥ जातीस्मरणपाम्यो
सरस ॥ क्ष० ॥ ५२ ॥ लाठपुत्रपणानीप्रीति ॥ ज्युंअ-
जमेंथाअेविपरीति ॥ क्ष० ॥ मतिदुःखपामेमहारेत्रा-
स ॥ गजमदछंड्योजेमविमास ॥ क्ष० ॥ ५३ ॥ अेह सु-

एणीभरतेचरभूप ॥ संयमआदर्युंरेअनूप ॥ स०
सायहूआअेकसहस्रनरिंद ॥ महियलविचरयाभ-
रतमुणिंद ॥ स०॥ ५४ ॥ आतमगुणआराधनकीन
ध ॥ समरसमेंरेसुधारसपीध ॥ स०॥ शत्रुंजयसा
धीसंथार ॥ पाम्योभवसायरनोपार ॥ स०॥ ५५॥
हयीनानाविधतपकार ॥ अणसणआराधिअति
सार ॥ स०॥ पाम्योप्रत्यक्षपंचमकल्प ॥ सुंजसाना
तिहांछेरेअनल्प ॥ स०॥ ५६ ॥ कैकेयीलियोसंयम
शुध्ध ॥ पाल्योटालीकर्मअशुध्ध ॥ स०॥ माताभगस
र्धमोक्षमझार ॥ नेहनेनामेसदाजयकार ॥ स०॥५७
॥ अेतोलाधीकूडीढाल ॥ अेगुणपंन्यासमीयविशा
ल ॥ स०॥ कैशरोलकरशिरहियोडी ॥ दोयभरतन-
मेंकरजोडी ॥ स०॥ ५८ ॥

॥ मल्हाररागेदोहा ॥

भरतभूपदीक्षाग्रही ॥ शत्रुघ्नतणोरेविवेक ॥ वासु-
देवबलदेवनी ॥ पदवीनोअभिषेक ॥ १ ॥ कीने चिं-
त्तशुंचिंतवी ॥ भूचरखेचरनरेश ॥ आवीपूछेरामने
॥ रामदियोआदेश ॥ २ ॥ मांडवछायोमोकलो ॥ मां-
डयाबहुमंडाण ॥ विधिसघलीहीसाचवी ॥ सालक्ष
मर्थासुलक्षण ॥ ३ ॥ प्रथमकुशलक्ष्मणभणी ॥ दा-
सेतेभूपाल ॥ पछीकुलशश्रीरामने ॥ दासेतेसुविशा-
ल ॥ ४ ॥ वासुदेवअेआठमो ॥ अेअष्टमबलदेव ॥

राजकरोसुविशेषथी ॥ सुरनरसोहेसेव ॥ ५ ॥ वासुदेवनेदेवता ॥ सेवेआठहजार ॥ चारहजारेसेवियें ॥ श्रीबलदेवउदार ॥ ६ ॥ सोलहजाराउसमें ॥ जे हुती वरतेआण ॥ राजसोलहजारही ॥ आणकरेसुप्रमाण ॥ ७ ॥ हयवरगयवररहवरू ॥ लाखबेंतालीश ॥ पायाप्रौढप्रतापसुं ॥ कोडिअडतालीश ॥ ८ ॥ ऐश्वरजरीजीनमतकरे ॥ तूयरयाणअखंड ॥ माने सुरसेवाकरे ॥ पालेराजप्रचंड ॥ ९ ॥

॥ ढालपच्चासमी ॥

(हींडोलणानीदेशी.)

हुँउसरघुपतिकेधर्मशुंराने ॥ सुखियासघलालोक ॥ अधिकनेहा अधिकमेहा ॥ अधिकनिपजहोय ॥ अधिकसुरभि दूधआपे ॥ अधिकईलतरूवेर्ळ ॥ अधिकलालनहंतवरणने ॥ अधिकयाइरथास ॥ अधिकपुत्रकलत्रकमला ॥ अधिकपूरेआश ॥ हुँउस० ॥ १ ॥ अधिकदानसुशीलअधिका ॥ अधिकतपहिप्रकार ॥ अधिकभावनपूज्यपावन ॥ अधिककरणीसार ॥ अधिकपोसहनेसामायिक ॥ अधिकहिआचार ॥ अधिकअधिकुंसर्वनो ॥ अधिकाईनोअधिकार ॥ हुँ० ॥ २ ॥ नहींहिंसानहींजूठन ॥ नहींकोइचोर ॥ नहींलंपटनहींलोली ॥ नहींलूंडालोर ॥ नहींक्रोधीनहींमानी ॥ नहींदुपलगार ॥ नहींवादविवादविकथा ॥ नहींकोकलिकार

॥ हे० ॥ ३ ॥ नहींकालकरालकाल ॥ पिशुनओलं-
भल ॥ नहींकोपरपंयरंयाहि ॥ ओनकेहनोसाल ॥
नहींभरन्नूगारधूरत ॥ नहींदुःखीओकोई ॥ नेहनी
उपमानलगभें ॥ आपहिप्रभुहोसोइ ॥ हे० ॥ ४ ॥
रामआपेबिभिषणने ॥ राक्षसनोद्वीप ॥ कपिप-
तिनेद्वीपकपिनो ॥ अछेनेहीसदीप ॥ हनुमंतनेप्रव-
रश्रीपुर ॥ श्रीपतिआपंत ॥ कुलक्रमेनेपल्याभा-
व्या ॥ तेतिहुंयांपंत ॥ हे० ॥ ५ ॥ लंकतोपायालप्र-
गटी ॥ लहेवीरविराध ॥ नीलनेदेवसदपुरप्रतिसूर्यहु-
नुपुरलाध ॥ रत्नजटीदेवोपगीत ॥ चंन्दगतीसुतदे-
खि ॥ रथनुपुरनगररूपा-यलेओलहेनविशेषि ॥ हे०
॥ ६ ॥ यथायोग्यनेहिभणैया ॥ तिसोतेहनेदेश ॥ देई-
नेसंतोषीया ॥ श्रीरामसकलनरेश ॥ गामवालेगाम
पाये ॥ खेतवालेखेत ॥ विभुजतोनरकोनरहीयो ॥ प-
भपृथवीदेत ॥ हे० ॥ ७ ॥ शत्रुघ्नशुंरामभापे ॥ देशले-
हीसुहाय ॥ सोघेमांगोताममथुरा ॥ आपहीतसहाय
॥ रामभापेवत्समथुरा ॥ पूरीआधिकदुसाधि ॥ भणीभु-
जआपणेगले ॥ कुणपाडेव्याधि ॥ हे० ॥ ८ ॥ मधुनृप-
नेयमरेंआप्यो ॥ अछेपहेलांशूल ॥ अरिहणीतसहा-
यआवे ॥ प्रगटछेप्रतिकूल ॥ शत्रुघ्नकहेतुमहणियो ॥
राक्षसनाथनिशंक ॥ हुंहीपारोलाईछुंतो ॥ कुणओम-
घुरंज ॥ हे० ॥ ९ ॥ देहोमथुराखेतमासो ॥ देंमशुंहु-
भय ॥ रामआपीताममथुरा ॥ ओहरीओसुणाय ॥

सूलवर्णेअछेगाईल ॥ छलेकरजेकाम ॥ जलह
जेसनकोर्ईयलरो ॥ रीजवेश्रीराम ॥ हे० ॥ १० ॥ सन
मेलायोअदेयरशथिक ॥ आपीयातसघोई ॥ सा-
रथीजमवदननामा ॥ सायेदीघोसोई ॥ धनुष्यदीघो
अर्णवावर्त्त ॥ अग्नीमुजशरसार ॥ लक्ष्मणेआप्यल
यीहर्षे ॥ लाईनोजयकार ॥ हे० ॥ ११ ॥ शत्रुघ्नतवर्या-
लियोरे ॥ करतशीघ्रप्रयाण ॥ सायेहलजलसामटोरे ॥
वाजहिंनिसाण ॥ नदीतटेविश्रामलीयो ॥ जजरकी-
घोशय ॥ वनकुबेरेनारीसहित ॥ मधुकेलिकरायाहे
॥ १२ ॥ अस्त्रनाआगारमांहे ॥ शूलनुरेनिवेश ॥ शत्रु
घ्नछलदेईरातें ॥ करेपूरियप्रवेश ॥ वातसांभलीदो-
डियोमधु ॥ आवहिंपुरमांहिं ॥ शत्रुघ्नेसुभटज्याल
खे ॥ रोकियोतेप्रांहि ॥ हे० ॥ १३ ॥ मधुनंदनलवणकुं-
अरे ॥ मांडिओसंग्राम ॥ लडतअधिकोयुध्यनेमुज
॥ मारीलीयोताम ॥ रामनायुध्यआदिमांजिम ॥ ना-
रायणेजरमारि ॥ जीतनायुरहिंवजय ॥ तेमअहले
संहारि ॥ हे० ॥ १४ ॥ पुत्रनोवधसूणिनेमधु ॥ कोपि-
ओरेकराल ॥ शत्रुघ्नसुंआवीआडियो ॥ लडेतामभू-
पाल ॥ अस्त्रशस्त्रेपोटकरवे ॥ अधिकशूरतेह ॥ देव
असुरोनेमभार्ये ॥ तेमभार्यीअेह ॥ हे० ॥ १५ ॥ धनु-
ष्यतोतजअर्णवावर्त्त ॥ अग्नीमुजतेजाण ॥ सुमरि-
यासानिधकारी ॥ हरणअरिकप्राण ॥ मारियोमधु
नेमसुध्यक ॥ मारहीमृगराज ॥ घावसाल्यामधुयें

ते॥ हुओओहअकाल ॥ हे० ॥ २६ ॥ शूलनाथोनाह-
णाथो ॥ सुप्रभानोनंद ॥ जन्महास्योकेनसास्यो ॥ अ-
नुमतिमंद ॥ सेवियानहींदेवजिनवर ॥ नकियातप
प्रकाश ॥ पात्रजाणीदाननदिओ ॥ आणीचित्तउ-
ल्हास ॥ हे० ॥ २७ ॥ ओहभावनाभावतां रे ॥ राजीशु-
ध्धपरिणाम ॥ लहीदीक्षाप्राणछोड्या ॥ हुओसुरअ-
भिराम ॥ स्वर्गत्रीजेदेवदेवी ॥ सारहितससेव ॥ देहउ-
परकुसुमवरस्यां ॥ थयोजयोमधुदेव ॥ हे० ॥ २८ ॥ दे-
वइपेशूललईकरी ॥ चमरसुंओवात ॥ शत्रुघ्नेछलज-
लेकीधो ॥ मधुनृपनोघात ॥ मित्रमास्योसुणीजिस्यो
॥ तामश्रीचमरेन्द्र ॥ शत्रुघ्ननेआलमारुं ॥ ओमकहेअ-
सुरिंद ॥ हे० ॥ २९ ॥ चालियोतववेगुहाली ॥ देवपूछे
तास ॥ किहांचाल्यामित्रहंता ॥ तणोकरवानास ॥ वे-
णुधलीकिरीभाषे ॥ तेहनोअधिकार ॥ अर्ध्धचक्री
पुण्यपूरो ॥ आधिकवर्त्तंवार ॥ हे० ॥ धरणपासेलही
रावण ॥ शक्तिजीतीतेण ॥ तीनलोकतणोकंटो ॥
हण्योरावणतेण ॥ कुणमचुतसपतिसरिखो ॥ प्रभु
तणोजसपामी ॥ शत्रुघ्नेमधुमारियोछे ॥ शांतिदे-
वास्वामी ॥ हे० ॥ ३१ ॥ चमरभाषेशक्तिजीती ॥ वि-
शल्यासुपसाई ॥ नारायणनोनावजाणो ॥ ओहमेंअ-
लकांई ॥ तासअभ्रहुर्यचारणीनुं ॥ सर्वयोगप्रभाव
॥ तेहथीनईशत्रुघ्ननो ॥ कंइओछोआव ॥ हे० ॥ ३२ ॥
ओमकहीनेचमरमथुरा ॥ आवियोतत्काल ॥ लोकसु-

બિયાદેરાનીકો ॥ દેખિવોસુવિશાલ ॥ પ્રેમનતો [illegible]
પીડું ॥ પછેપીડું ઘેરા ॥ અમાત્યતો [illegible] કરે [illegible]
ચીરા ॥ હે૦ ॥ ૨૩ ॥ [illegible]નાઉપચારકીધા ॥ તામાવિવિધ
[illegible]જાર ॥ સાન્નિપાતિનેજન [illegible]
[illegible]નું કુલઅસનરી ॥ સા[illegible] પુવિચાર ॥ મથુના[illegible]ય
મરકોપ્યો ॥ તેહનાઅસુવિકાર ॥ હે૦ ॥ ૨૪ ॥ લોકદુઃખિ-
આદેજીશાન ॥ કરેઅરતિઅપાર ॥ છીંકનોમૂર્છાયિયોભા-
ણસ ॥ એવેહીદિનકાર ॥ શત્રુઘ્નતબ્યાવિઆયો ॥ રામ
લક્ષ્મણપાસ ॥ યમશકોપ્યોકેમકીને ॥ કરેએઅરદાસ ॥
હે૦ ॥ ૨૫ ॥ દેશભૂષણકુલભૂષણ ॥ આવિયામુનિદો-
ઇ ॥ રામલક્ષ્મણશત્રુઘ્નશું ॥ વંદેહિસહુ કોઇ ॥ શત્રુઘ્ને
નેપ્રહીમથુરા ॥ કહોપ્રભુ કુણહેત ॥ દેશભૂષણરામશું ક-
હે ॥ પૂર્વભવસંકેત ॥ હે૦ ॥ ૨૬ ॥ શત્રુઘ્નનોજીવમથુરા ॥
ઉપન્યોબહુવાર ॥ નામેંશ્રીધરવિપ્રહુતો ॥ કામનો
અવતાર ॥ રાજપત્નીલિયોતેડી ॥ કરણભોગવિલા-
સ ॥ જાણહુઆંયોરજાણ્યો ॥ પામિયોતેત્રાસ ॥ હે૦
॥ ૨૭ ॥ હુકમનૃપનેવધ્યભૂમિયે ॥ આણિઓતેક્ષિપ્ર
॥ કરીકૃપાકલ્યાણમુનિ ॥ છોડાવિઓતેવિપ્ર ॥ લેઇ
સંયમસ્વર્ગસિધ ॥ પૂરીમથુરાઆણ ॥ નંદયંચન્દ્રભદ્ર
નૃપનો ॥ હુઓપુણ્યપ્રમાણ ॥ હે૦ ॥ ૨૮ ॥ હરીપ્રભા
ઉદરઉપન્યોરે ॥ અચલતેહનુંનામ ॥ રવિપ્રભાદિક
આઠભાઇ ॥ ઓરમાઇજામ ॥ સંકલ્પણીમારવાનો
॥ કરેતેહઉપાય ॥ લેઇમંત્રીશિરેદીધો ॥ અચલનાસી

जय ॥ हे० ॥ २८ ॥ भमतअटवीमांहे कांटो ॥ विंधीया
तसपाय ॥ सावत्थिनोवसणहारो ॥ अंकनामघराय
॥ जापेकद्योघरक्रिजाहिर ॥ वेहछैघणभार ॥ नगर
आव्योअचलतेहने ॥ उपन्योअतिप्यार ॥ हे० ॥ ३० ॥
कष्टभारखेतासीकांटो ॥ कठीदीधोहाथ ॥ सोईकांटोतान
सआप्यो ॥ जणेआपीआथ ॥ अचलनामाअकुंभ-
थुरा ॥ पुरीकेरोराज ॥ हुओमुननेसुणीजावे ॥ सार-
शुतुजजाज ॥ हे० ॥ ३१ ॥ अचलकोसंजियेपहुतो ॥ सिं
हगुफनेसंग ॥ छैन्दत्तनसिंस्शीजे ॥ कलायनुष्यसुर्य
ग ॥ रायगुफशीआवियाते ॥ धनुष्यनेअभ्यास ॥ राय
पुत्रीसायेपृथ्वी ॥ तामदीधीतास ॥ हे० ॥ ३२ ॥ अनं-
गादिकदेशसाधी ॥ मेल्योसजलोसाज ॥ पुरीमथुराया
लिआव्यो ॥ विस्तरीसेजवाज ॥ युध्यकरवेलाईआठ
॥ जांधियातेजेंसी पर्यन्दलन्दमेयानमोकली ॥ वात
आणेसंघी ॥ हे० ॥ ३३ ॥ तामनामप्रकाशकीधो ॥ सथि-
वनृपरंगुआय ॥ लाभीहितवअचलनगरी ॥ मांहेलीधो
राय ॥ अनुक्रमेनृपराजदीधो ॥ वर्त्तिओजयकार ॥
लाईतेअष्टसेवक ॥ कियाआज्ञाकार ॥ हे० ॥ ३४ ॥ अे
कदिवसेनट नाचे ॥ देजहिंसोभूप ॥ रायेपुरुषपीछानी
यो ॥ सोईअंकअनूप ॥ पासेतेडीकरीदिलासा ॥ जन्म
भूमिदीध ॥ अचलेअंकसुमित्रथाप्यो ॥ जिंहूसिंघू
कीध ॥ हे० ॥ ३५ ॥ समुद्राचार्यनीपासे ॥ लेईसंयम
भार ॥ स्वर्गपांचमेहोईआया ॥ मनुष्यलोकमझार

शत्रुघ्नअेअचलहूओ ॥ हेतमथुरालार ॥ अंकज्य व-
कृतांतआनन ॥ सारथीतुमसार ॥ हे० ॥ ३६ ॥ श्रीप्र-
भापुरनगरनीजे ॥ श्रीचंदनराय ॥ धारणीउदरउ-
पन्योसुत ॥ सातहिंसुभदाय ॥ सूरनंदश्रीनंदश्री ॥ ति-
लकनामेनर्यंत ॥ सर्वसुंदरन्यमस्वरनय ॥ मित्रजगुण-
वंत ॥ हे० ॥ ३७ ॥ श्रीचंदनरायसाथे ॥ पुत्रसुंवैराग ॥
भासजनतउपाश्यापे ॥ साधवाशिवमार्ग ॥ प्रीतिकर
गुरुपासेसंयम ॥ आदस्योततखेव ॥ लहीकेवलमोक्ष
पहुतो ॥ रायजन्मषीदेव ॥ हे० ॥ ३८ ॥ भाईसातेशुध्य
संयम ॥ पालताविहरंत ॥ लब्धिनंघारयारणीरे ॥ त-
पजलेउपनंत ॥ पुरीमथुराआवीरहिया ॥ तामतेचौ-
मास ॥ छट्ठअट्ठमदसदुवादश ॥ करेतपउपवास ॥ हे० ॥
३९ ॥ पारणोनईअवरनगरे ॥ करीआवेसाध ॥ तासत-
पआचारकरणी ॥ तणोअतिशयलाध ॥ चमरेकीधारो-
गमरिया ॥ हूओनगरनिरोग ॥ अधिकओछवरंगघर
घर ॥ नहींसुपनेसोग ॥ हे० ॥ ४० ॥ नीतिलहुमस्वेदने
मल ॥ पूंउनेनाजेश ॥ अहतोऔषधीप्राहे ॥ साधुना
सुविशेष ॥ वायरोतनु फरसीआवे ॥ नलेपगघोवाय
॥ वायपाणीफरसियांथी ॥ रोगसघलानाय ॥ हे० ॥
४१ ॥ अयोध्यायेआवियाते ॥ पारणानेकाम ॥ अह-
त्तशेठगृहआंगणेरे ॥ आवीउभास्वाम ॥ भावेवि-
णवंदनाकीधी ॥ शेठसंयमवंत ॥ साधुस्याचोमास
मांहे ॥ विहरंताविचरंत ॥ हे० ॥ ४२ ॥ शेठजाणेपूछि-

थेरे ॥ किस्योतुमआच्यार ॥ भेजदीसेसाधुनोरे ॥ फिरो
छांड्याजार ॥ एमचिंतवतोहीरहियो ॥ दियोवहुअे
आहार ॥ सेईगिपासेआव्या ॥ तिहांछेअणगार ॥
हे०॥४३॥ आचार्यश्रीनमीभूतिवर ॥ कियोउठीप्रणा
म ॥ अवरसाधुनकरेवंदन ॥ जाणीशिंकाठाम ॥ असन
कीधापछेपूछ्या ॥ आचार्यऋषीराज ॥ पूज्यकिहांथी
पधारिया ॥ किहांजशोआज ॥ हे०॥४४॥ पूरीमथुरा
थकीआव्या ॥ जाशुंपणतत्र ॥ एमकहीऋषीपांगु
र्यारे ॥ आवियायाथत्र ॥ कुणऋषीसंयमीशुध्या ॥
किरियाएपालंत ॥ गगनेआवेगगनेजवे ॥ दीपसहु
रालंत ॥ हे०॥४५॥ शिष्यपूछेसुगुरुपासे ॥ कुणजैन-
निग्रंथ ॥ सुगुरुभाषेसाधुसाच्या ॥ साधेहिशिवपंथ॥
लब्धिवंतमहंतमुनिवर ॥ माहेंकोनहींदोष ॥ एहसु
णतांशिष्यमनमें ॥ करेअतिअफसोस ॥ हे०॥४६॥
एहसांभलीसोईश्रावक ॥ करेपश्चात्ताप ॥ मासका-
र्त्तिकशुध्यसातमी ॥ थालिआयाआप ॥ करीवंदना
वीनवेतुम ॥ गुणाभरीतअगाध ॥ पायलागीनेखमा-
वुं ॥ खमोमुजअपराध ॥ हे०॥४७॥ सप्तऋषीसुप्र-
सादथीरे ॥ शांतिसघलेदेश ॥ सुणीकार्त्तिकपूर्णिमे ॥
आवियोरेनरेश ॥ पायनमीकहेसाधुजीने ॥ आहार
लीयोमुजगेह ॥ राजपिंडनऋषीहिकल्पे ॥ कहेमुनिवर
तेह ॥ हे०॥४८॥ शत्रुघ्नतवफिरीलाषे ॥ धनधनतहम
रोधर्म ॥ देवकृतजेरोगमिटिया ॥ करयाविणविषकर्म

॥ [illegible] कुमरलोईहां ॥ अपरनाम [illegible] ॥ मातक
राअवत [illegible] तरारो ॥ करणानागडेथार [illegible] ॥४१॥ संत
ऋषीकेहशयनकरे ॥साधु भमतानाव ॥ चालशुंनविरह्या
जिणहिं ॥ चरणगुणशुंचाव ॥ देवअरिहंतनेनधारो ॥
साधुसेवासाधि ॥ शीलसमकितशुध्धपालो ॥ निमनचिप-
नेव्याधि ॥ हे० ॥ ५० ॥ दालअेपथ्यासमीरि ॥साधुनोउप-
कार ॥ अछेमहोटानहींछोय ॥ गगननेविस्तार ॥ केश-
राजकहेसाधुगुणल्युं ॥ गइअयासाप ॥ नासहिंतिम
साधुआया ॥ पापनेसंताप ॥ हे० ॥ ५१ ॥

॥ सारंगरागे दोहा ॥

गिरियेताढ्यविशेषथी ॥ दक्षिणश्रेणी देखि ॥ रत्नरथ
राजनमलो ॥ रत्नपुरसुविशेषी ॥ १ ॥ चंन्द्रमुजीउदर
उपनी ॥ मनोरमासुकुमारि ॥ अेकहुनेपरणाविशुं ॥
रायपड्योसुविचारि ॥ २ ॥ नारदेलक्ष्मणकह्यो ॥ सज
गुणलक्षणवंत ॥ भाग्यवतिअेभामिनी ॥ अेथायेअ-
नुक्त ॥ ३ ॥ रत्नरथराजतणो ॥ कोप्योतामकुमार ॥ गोत्र-
नवैरविचारवे ॥ अमर्षवहेअपार ॥ ४ ॥ ज्युंमतोअेकूटि-
ये ॥ नारदनासीजाय ॥ पुरीअयोध्याआविओ ॥ लक्ष्म-
णलाग्योपाय ॥ ५ ॥ मनोरमानुंरूपपट ॥ लियोलजी
देजाय ॥ लक्ष्मणथयोअनुरागियो ॥ रूपेराच्योराय ॥
६ ॥ लक्ष्मणतवहियालिओ ॥ साथेहुवाश्रीराम ॥ रा-
क्षसजेचरसैन्यशुं ॥ आईगयाअभिराम ॥ ७ ॥ रत्न

रथनिजपुत्रशुं ॥ आवीकरेसंग्राम ॥ लक्ष्मणेतेजीति
लिया ॥ वाल्यासुजसदुदाम ॥ ८ ॥ मनोरमालक्ष्मण
भणी ॥ पुत्रीदेईप्रधान ॥ श्रीदामाश्रीरामने ॥ दी-
न्नथारज्जन ॥ ९ ॥ साधीदक्षिणश्रेणीसहु ॥ साध्या
जगभूपाल ॥ पुरिअयोध्याआविया ॥ राजकरेसुवि-
शाल ॥ १० ॥ लक्ष्मणनेअंतेउरी ॥ सोहेसोलहज्जार ॥
आठअछेपटराणिणी ॥ इंद्राणीअवतार ॥ ११ ॥ वि-
शल्याआदेकरी ॥ रूपवतीवनमाल ॥ कल्याणमाला
चतुर्थी ॥ रत्नमालासुकुमाल ॥ १२ ॥ जीतपद्माप्रग-
टीमहा ॥ अभयवतिअवधार ॥ मनोरमामनमोह-
नी ॥ एआठेपटनार ॥ १३ ॥ अढीसेंनंदनहूवा ॥ सू-
रमहाजुंज्जार ॥ ज्याअग्रमहेषीथा ॥ एआठेसुत
सार ॥ १४ ॥ विशल्यानोश्रीधरू ॥ रूपवतीएएह ॥
पृथवीतिलकसुहामणो ॥ गुणमणिकेरोगेह ॥ १५ ॥
वनमालानोअरजुन ॥ उपमाअधिकीजस ॥ जीतप-
द्मानोभणीये ॥ श्रीकेशीसोउल्हास ॥ १६ ॥ कल्या-
णमालानोकह्यो ॥ मंगलनामअमंद ॥ सुपार्श्वकीर्त्ति
कल्पतरू ॥ मनोरमानोनंद ॥ १७ ॥ रत्नमालानोविम-
लजु ॥ विमलसोनामपरिमाण ॥ अभयवतीनोए-
सही ॥ सत्यकीर्त्तिसुनाम ॥ १८ ॥ च्यारकहीश्रीरामने ॥
सीतासतीसिरेज ॥ प्रभावतीनेरतीनिभा ॥ श्रीदामा
सुविशेष ॥ १९ ॥ गर्भधरेसीतासती ॥ भलोसुपनज-
विलोई ॥ आवेच्यवीविमानथी ॥ गरभसजेकदोई ॥

॥२०॥ करेप्रवेशजिनआनने ॥ वीनविओनरतार ॥
पुत्रयुगलतुमप्रसवशो ॥ नहींसंदेहलगार ॥२१॥ स्व
र्गविमानथकीच्यव्या ॥ सुतमुजअसुजदाय ॥ होशे
अम्नणोसही ॥ कहेअयोध्याराय ॥२२॥ सीताकहेस्वा
मीसुणो ॥ एसीआरतीछेश ॥ जमसाकलहिपायशे ॥
करशोश्रीजगदीश ॥२३॥ प्रीतघणीपहेलीजछे ॥ प्रभु-
नीसीतासाथ ॥ अजओधानघरस्यापछी ॥ अतीसन-
मानीनाथ ॥२४॥ शोक्यजलेमनमेंघणुं ॥ अमसेज
सहोनजाय ॥ भलपणकोन्यालेनहीं ॥ तामकरेउपायप
॥२५॥

॥ ढालअेकावनमी ॥

(हेरुकमणीतुंतोसाचीश्राविका, अेदेशी:)

शूलीथीअतिआकरी ॥ शूलीशोकजअेय ॥ होरघुप-
ति ॥ शोकसरजीशूलिका ॥ अवरनदीसेअेथहो ॥ रघु०
॥१॥ शोककहोक्युंनाकरे ॥ भुखहोयदुःखदायहो ॥ रघु०
॥ पुठनछंडेपापणी ॥ द्रिटद्रिटअेहसगाईहो ॥ रघु०॥
शो०॥२॥ शस्त्रथकीतीजोजशे ॥ तीजोतासप्रतापहो
॥ रघु०॥ शस्त्रछिप्योरहेम्यानमें ॥ लियांऊठेआपहो
॥ रघु०॥ शो०॥३॥ सापणीहिंथीसापणी ॥ सापणी
शोककडायहो ॥ रघु०॥ सापणीमंत्रेजीलिये ॥ शोक
नक्युंहिंजिवायहो ॥ रघु०॥ शो०॥४॥ आगथकीउ-
नीजशी ॥ उनीशोकनहोयहो ॥ रघु०॥ ऊगिजसेलेम
लीतरी ॥ तिमअेजलतीअेयहो ॥ रघु०॥ शो०॥५॥ त-

जलगदूंचलसाजतो ॥ नजलगजेंछ दूरहो ॥रघु०॥
इंदेंजंछमेलवे ॥ अेहष्टांतहन्नूरहो ॥रघु०॥शो०॥१६॥
अंजरेउभईयाघणा ॥ देजायथामेहहो ॥रघु०॥ प्रज-
लवायनेंवानवे ॥ इंटगयाघनतेहहो ॥रघु०॥शो०॥
जा आटोआछोतोघणो ॥ ओसहेतूटेवाडहो ॥रघु०॥
माणस्सइंशवियाइंरे ॥ निभाइंरतोयाऊहो ॥रघु०॥शो०
॥१७॥ जाहिरमिलणेमिलीरही ॥ मांहेड्टकातीनहो ॥र-
घु०॥ डाकडीयामेंतेवसी ॥ लेन्नेदेजीप्रवीणहो ॥रघु०॥
शो०॥ला पारोवानींस्युंमिल्यो ॥हींगलुडहयायहो ॥रघु०
॥सोहगीनासंयोगथी ॥ छदडीअलगोयायहो ॥रघु०॥
शो०॥१८॥ आंजाभंजु आंजली ॥योयांभ्रूजोजोरहो
॥रघु०॥ उपरडोमलताघणी ॥ मांहेआधिकडठोरहो॥
रघु०॥ शो०॥ ११ ॥सत्यवतीसाच्चीसती ॥वसुधामांहे
विख्यातहो ॥रघु०॥ शोज्यांसाहलूंछडरी ॥अवराडेर्छ
वातहो ॥रघु०॥ शो०॥२०॥ शोज्यांडेहसीतातणी ॥
महरेतुंसिरदारहो ॥रघु०॥ छलेअमृतडलवे ॥ डानी
हृदयनभरहो ॥रघु०॥शो०॥२७॥ ओडदिवसरससं-
गमे ॥ पूछेचित्तमेंयावहो ॥रघु०॥ रावणरूपसोहाम
णुं ॥ हमनेसंजीदेजावहो ॥ रघु०॥शो०॥२२॥ सीता
डहेसुणिये ॥ डहेवोयोतसरूपहो ॥रघु०॥ मेंतोड-
दहिनदेजियो ॥ देजियापावअनूपहो ॥रघु०॥शो०॥२३
॥सालापेसुणसुंदरी ॥सोर्छनिजेतुंपावहो ॥रघु०॥
घूर्तीघूर्तपणुडरे ॥सीनासरलस्वभावहो ॥रघु०॥शो०

॥१६॥सीतालंभीदेजाडिया ॥रावणपावडदारहो ॥र-
घु०॥शोकुंयारंडीराजिया ॥पावतणाआकारहो ॥र-
घु०॥शो०॥१७॥गोष्टीविसनिविगरशुं ॥ निलनिलथा-
नकन्नतहो ॥रघु०॥सीताओछीपाडवा ॥केहेवोघासे
घातहो ॥रघु०॥शो०॥१८॥ पगआकारहेजाविया॥
लखआव्याश्रीरामहो ॥रघु०॥ पूछ्याअेउत्तरदीओ
॥वालीत्रीयानंकामहो ॥रघु०॥शो०॥१९॥ अेतोपा-
वनपूलिये॥ न्नेतससायेनेहहो ॥रघु०॥ वातनमानी
रामजी ॥शोकुपलेजाअेहहो ॥रघु०॥शो०॥२०॥आ-
पजापणीदासीने ॥ तेडीनेतेनारहो ॥रघु०॥ गलीगली
जान्नरमें ॥ सारीपूरिमन्नरहो ॥रघु०॥शो०॥२१॥
सीताचित्तरावणवसे ॥ सघलेपाडेसादहो ॥ रघु०॥
सालसरीजोसालरी ॥ लोकमुजेअपवादहो ॥ रघु०॥
शो०॥२२॥ मासवसंतविशालियो॥प्रभुत्रीयसायेक-
हंतहो ॥रघु०॥ गर्भहिंदोषवियारवे ॥ आयोअेहव-
संतहो ॥रघु०॥शो०॥२३॥ महेन्द्रोदयनामयी॥ आछो
छेउद्यानहो ॥रघु०॥ विविधप्रकारेविनोदनां ॥ मांहेभ-
होरांयानहो ॥ रघु०॥शो०॥२४॥ क्रीडाकरवाकारणे॥
चालोन्नवाआलहो ॥रघु०॥ सीताकहेमुजदोहलो ॥
उपन्योश्रीमहारालहो ॥ रघु०॥ शो०॥२५॥ तजाहि
राममंगावियां ॥ जागतणांवरफूलहो ॥रघु०॥सीता
दोहलोपूरयो ॥रचियामंडपरूअमूलहो ॥रघु०॥शो०॥
२६॥पैछेपद्मनीशुंप्रभु ॥ वनमेंजाव्यायासिहो ॥रघु०

॥ विविधवसंतविनोदमें ॥ रथीरह्यावेज्यालहो ॥रघु॰
॥शो॰॥२७॥ एटलेसीताछनतणुं ॥ इरज्युंदशिणनं-
यनहो ॥रघु॰॥रांऊमननांकहेघणुं ॥ जाहियेदोहलुंये-
नहो ॥रघु॰॥शो॰॥२८॥सीताप्रभुजशुंकह्यो ॥ करे
विचारनरेशहो ॥रघु॰॥ एतोएकवुंदजियं ॥ उपने
दोहलकेराहो ॥रघु॰॥शो॰॥२९॥रादासनेकथेच्यडा
॥ दीठोरासस देराहो ॥रघु॰॥ दैवनतोराजथयो ॥ सं-
तापतांविशेषहो ॥रघु॰॥शो॰॥३०॥ दिनगयोवरस
जरोजरे ॥ आरतिमांहेदिवसहो ॥रघु॰॥ पारनपा-
मेकेवली ॥ वरणवतांदुःजतासहो ॥रघु॰॥शो॰॥३१
॥प्रभुजीहेआरासना ॥ एमकहंतमहंतहो ॥रघु॰॥
सुखदुःखआपहसंपदा ॥ लागीलाररहंतहो ॥रघु॰
॥शो॰॥३२॥ रामकहेघरेआछने ॥ करजोईउपजमहो
॥रघु॰॥ दानशीयलतपभावना ॥ साधवेश्रीजिनध-
र्महो ॥रघु॰॥शो॰॥३३॥ जिनधर्मनीसेवाकरे ॥ भा-
वविशुध्यत्रिजलहो ॥रघु॰॥ आंबिलएकनवाननो
॥ करतामिटेजंजालहो ॥रघु॰॥शो॰॥३४॥ सीताआवी
मंदिरे ॥ रहेतीसंवरमांहिहो ॥रघु॰॥ दानादिकविवि-
धसांचवे ॥ आदरशुंउच्छाहिहो ॥रघु॰॥शो॰॥३५॥
चलकरयानगमेंनिके ॥ दोयनरराजीपंतहो ॥रघु॰॥
एजिनचयनेभणखे ॥ भावीहोवेतेअंतहो ॥रघु॰॥
शो॰॥३६॥ विजयसूरसुदेवजी ॥ पिंगलनेमधुमान
हो ॥रघु॰॥ उलकेपडात्यपडह्यो ॥ रोजसुधरअ-

तिधानहो ॥रघु०॥शो०॥३७॥जेसातेअधिकारिया
॥महोटामेइसमानहो ॥रघु०॥छाजरहारकरीथापिया
॥पुरुषमहापेरधानहो ॥रघु०॥शो०॥३८॥राघवआ
विया ॥ लीलाकरीयपरणामहो ॥ रघु०॥ थरहर ला-
ग्याभूलवा ॥ नसहायप्रभुयामहो ॥रघु०॥शो०॥३९
॥रामकहेम्होत्माछैयो ॥ कांतुमआरतिवंतहो ॥रघु०
॥ कांइपोतइपातक्युं ॥ माथेविनयमहंतहो ॥रघु०
॥शो०॥४०॥ प्रभुजीरुंजेउवीनती ॥ पणसोतेनक-
हेवायहो ॥ रघु०॥ सांभलनाअसुहामणी ॥ छेप्रभु-
नेदुःखदायहो ॥ रघु०॥ शो०॥४१॥ अणकहियांला-
गेसही ॥ स्वामीद्रोहनुंपापहो ॥ रघु०॥ हूतटीमेंपडि-
याअछुं ॥ ग्रहीछछुं दरीसापहो ॥ रघु०॥शो०॥४२॥
रामकहेअभयमानजे ॥ जुवतणुंतोघनहो ॥रघु०॥तु-
मनेमेंदीधुंसही ॥ मापैलहीप्रभुमानहो ॥रघु०॥शो०
॥४३॥ देवसुणोदेवीतणा ॥ अतिअपवादप्रसिध्यहो
॥रघु०॥ लणलणनेमुजआकरो ॥ कानन्जयेदीधहो
॥रघु०॥शो०॥४४॥ सुसवादोइलदेजीने ॥ कहेकुण
नजायहो ॥ रघु०॥ फूलसुगंधोपेजेउ ॥ सुध्याविणन
रहायहो ॥ रघु०॥ शो०॥४५॥ लेभणनेलजीदेजिये
॥ घरिउनेमघसायहो ॥रघु०॥ नरहेत्रीयविणलोग-
व्या ॥ नरखेनिरतोन्यायहो ॥रघु०॥शो०॥४६॥मां-
साहारीमानवी ॥ नत्यलेपायोमांसहो ॥ रघु०॥ लंप-
टनारीपामिउ ॥ नत्यनेशोजंतनासहो ॥ रघु०॥शो०

॥४७॥ सूर्यज्योतमोननपामके ॥ नरहेतेहलगारहो॥
रघु०॥ नरहेतिमंत्रीयपामके ॥ नरनेविषयविकार
हो ॥ रघु०॥ शो०॥४८॥ अंजरथीतूटेघणुं ॥ पंखी
पंजरणीपेखिहो ॥ रघु०॥ ज्युंअप्येओपंखियो ॥ आगे
ऊलीदेखिहो ॥ रघु०॥शो०॥४९॥ सांभलीनेछेएह-
वी ॥ लोकंकेरीवायहो ॥ रघु०॥ शाणपणेसुविच्यार-
तां ॥ देखायेपणसाच्यहो०॥ रघु०॥ शो०॥५०॥ लेईगि-
योपणओकुली ॥ एकाकीहीआयहो ॥ रघु०॥ कालघ-
णोघरतेहने ॥ रहीपणदेखायहो ॥ रघु०॥शो०॥५१॥
रावणतोविणलोगव्या ॥ रहियोहोरोकेमहो ॥ रघु०॥
अणथोकुशोआपणो ॥ छेतोसुधुंएमहो ॥ रघु०॥शो०
॥५२॥ छोतीनलागेछेसही ॥ महोटालोकानेमहो ॥
रघु०॥ जगमेंनशअपलशपणुं ॥ नाविन्यारेछेप्रेमहो
॥रघु०॥शो०॥५३॥ अपनरोअतोएवडो ॥ अमअ
मेनअमायहो ॥ रघु०॥ प्रभुनेआवीनणाविये ॥ कीने
ज्युंहिसुहायहो ॥ रघु०॥ शो०॥५४॥ नानामुंजथी
महोटीका ॥ बोलाछांहेबोलहो ॥ रघु०॥ सोवातां-
कीएकए ॥ जगमांनशाहिंअमोलहो ॥ रघु०॥शो०॥
५५॥ आदिनाथआदेकरी ॥ आनलगेएवशहो ॥रघु
॥ कोईनलागीकालिमा ॥ पुहवीमांहेप्रशंसहो ॥ रघु०
॥शो०॥५६॥ कीर्त्तितोआनन्मनी ॥ मतिहारोरघु-
नाथहो ॥ रघु०॥ सीताहुईनाहूजे ॥ जहुलोछेत्री-
यसाथहो ॥रघु०॥शो०॥५७॥ वक्रहतहोईरहा॥

॥ ... ોવાતસુ ંતહો ॥રઘુ૦॥ સીતાસા કાજભેપ
... વોએકંતહો॥રઘુ૦॥ ૦॥૫૮॥ચા ॥દરી
ોલિયા॥ તરાસુંતાનહો રઘુ૦॥ ભલાન ॥વી
वात्तथे ॥ कुरयुंजशातांउमहो॥ रघु०॥ रो०॥५९॥
नहींदिठंजशान्नयवा ॥ त्रीयातोकुणमातहो॥ रघु०॥
विसजर्यतिवेगशुं ॥ दुःजाहियेनसमातहो॥ रघु०॥
रो०॥ ६०॥ ओकवनमीहालमें ॥ सकलमल्याशुल
सालहो॥ रघु०॥ केशरालसीतातणी ॥ शोके कीधां
कालहो॥ रघु०॥ शो०॥६१॥

॥ धन्यासिरिरागे दोहा ॥

रात्रिपद्यात्यारामजी ॥ सुणवाकजेसाद ॥ जिहांजये
तिहांसांभले ॥ जणजणमुखअपवाद ॥ १ ॥ रावण
जी लेईगयो ॥ तिहांरहीचिरकाल ॥ जाणीसतीसा-
णीसही ॥ रामअपूठीजाल ॥ २ ॥ वानीदेजीवस्तुनी
॥ सोजनकेरआहार ॥ नारीरूपविलोकवे ॥ जेजगनो
व्यवहार ॥ ३ ॥ लेईगयोजनमारवा ॥ तजमारणोगर
भार ॥ तिहांतोतजभारीहशे ॥ ईहांकिस्योविचारशा
॥ ४ ॥ ओमसुणीघरआवीया ॥ रामनलाईचार ॥ चर-
चेयोजांयोकसी ॥ लेज्यानगरीमजार ॥ ५ ॥ ओही
कयातोकहयचो ॥ ओहीजनसमुदाय ॥ आवीसु-
णावेरामने ॥ तुरतकरियोनहींवाय ॥ ६ ॥ नेहतणे
तोकरणे ॥ रावणनोक्षयकीध ॥ किंरविधितेंसीताल-

एणी ॥ गुणअवस्थादीध ॥७॥ लक्ष्मणजीपणसांभ-
ली ॥ लोकमुखेएवात ॥ मनेपड्योआकाशथी ॥ व-
ज्रतणो निर्घात ॥ ८ ॥

॥ ढाल बावनमी ॥

(विमलाचल मेरे मनवसी ए देशी, फागनी ढालने)
लक्ष्मणजीतोएमविनवेहो ॥ राघवसुंकरजोडी ॥ कां-
ईनतोकातोडी ॥ नहींसीतामांहेखोडी ॥ त्योसाचेकडा-
छेयहोडि ॥ ल० ॥१॥ पाणीमांपथ्थरतरे ॥ पश्चिमदि-
शिदिनकार ॥ उगतोसहीजाणिये ॥ सीतानलोपेकार
॥ ल० ॥२॥ वैश्वानरशीलोपडे ॥ अमृतमारणहार ॥
तोएसहीकरीमणजे ॥ सीतानलोपेकार ॥ ल० ॥३॥
अंधकारसूर्यकरे ॥ चंद्रझरेअंगार ॥ तोएसहीकरी
मणजे ॥ सीतानलोपेकार ॥ ल० ॥४॥ सायरनांजल
मीत्तरे ॥ ऊडेरेणुअपार ॥ तोए० ॥ ५ ॥ पंकजपथ्थ-
रउपरे ॥ पामेअतिविस्तार ॥ तोए० ॥ ६ ॥ सूर्यआ-
थमियाथकी ॥ वर्त्तेवासरवार ॥ तोए० ॥७॥ साप-
तणेमुखउपने ॥ अमीयतणोरससार ॥ तोए० ॥८॥
ખુનામસતારને ॥ જેપામેકલિકાર ॥ તોએ૦ ૯॥
કાલકૂટવિષજાણીયાં ॥ આયુતણોઅધિકાર ॥ તોએ૦
॥૧૦॥ નિર્દયધર્મલહે ધ[illegible] ॥ અન્યાયીન [illegible]ચાર ॥ તોએ
૦॥ ૧૧॥ કાવ્યકલાવાંછે ઘણી ॥ મૂર્ખનોપરિહાર ॥
તોએ૦॥ ૧૨॥ દાતારવાવિણવાંછણી ॥ તપહીંતણા

प्रकार ॥ तोए० ॥ १३ ॥ अल्पमतिश्रुतसायरू ॥ अव-
गाहिये विचार ॥ तोए० ॥ १४ ॥ रांजविहुणुंवांछ-
हि ॥ देखुंसहुसंसार ॥ तोए० ॥ १५ ॥ चंचलचित्तनुं
मानवी ॥ ध्यानधरेसुखकार ॥ तोए० ॥ १६ ॥ मेलुंतुम-
नेनवीजुज्ये ॥ अजलांशुंअतिरोष ॥ सदोषहीनवी
छंडिये ॥ एतोछेनिर्दोष ॥ ल० ॥ १७ ॥ रामकहेम-
हत्तरनरा ॥ जाधीमुनहिसुणाय ॥ मेंपणकानेसांभ-
ली ॥ हेरापणकहिआय ॥ ल० ॥ १८ ॥ वनकाएअप-
नराणी ॥ मेंतोसहीनजाय ॥ सीताकहुंघरथकी ॥ नि-
मएकहणमिटाय ॥ ल० ॥ १९ ॥ दांतांदेईआंगुली ॥ त-
वलाषेलघुभ्रात ॥ संसयछेतुममाहरा ॥ श्रीमक-
होवात ॥ ल० ॥ २० ॥ पडहदिरायोराहेरमें ॥ मुहब्बेकरो
नेकेर्छ ॥ संसकईश्रीरामनुं ॥ मेंमारेचोतेर्छ ॥ ल० ॥ २१ ॥
लोकवचनसीतासती ॥ क्युंछोडेनरेश ॥ चितावलअब
छेघणी ॥ पाछेहायघसेश ॥ ल० ॥ २२ ॥ मूलेमुहंगीछे
घणी ॥ सुहंगीनहींसिणगार ॥ सीतानोसंसारमां ॥ ला-
ध्योघनअवतार ॥ ल० ॥ २३ ॥ ओदिनक्युंनविचार्योहि
॥ जोदिनपड्योवियोग ॥ माणसमूआथीघणो ॥ करता
यअतिसोग ॥ ल० ॥ २४ ॥ छातीफाटीथीघणी ॥ आंसु
तोलडलाय ॥ वरसतोज्युंलाख्वो ॥ सीतावांछेराय ॥
ल० ॥ २५ ॥ आजहुईअलेजामणी ॥ सुणीलोकनाबोल
॥ मतिरेविरांसोलाईजी ॥ सीताछेनिरमोल ॥ ल० ॥ २६ ॥
क्षणझूसेनूसेक्षणे ॥ लेचनजेईसहाय ॥ जाहिनदृष्टी

लाषिया॥लोकनहींसमजाय॥ल०॥२७॥रामकहेएसा-
यछे॥परघररंजनलोक॥आवीमल्योएएहवो॥दैव
तणेसंयोग॥ल०॥२८॥नजलगनयणेनानिरजही॥
कहीनकहणीकोई॥कहीकहिणीघाजलिपडे॥आधिक
असातहोइ॥ल०॥२९॥सज्जनतोकेपेनहीं॥कोपीन
भलेविकार॥सज्जननोगुणएवडो॥वाल्योवलेतिवा-
रा॥ल०॥३०॥सायरसायरतारुजेने॥नहुएगामतलाव
॥सायरशरनोआंतरो॥ईमलाषेनिनराव॥ल०॥३१॥
एकनराएकनघरा॥एकनपुरीप्रसिध्य॥दूरकियास-
कुलणतमें॥अपनशपकहोदीघ॥ल०॥३२॥नारीसीता
तुलछांहडी॥सुजदुःजलागीलार॥छोडावीछूटेनहीं॥
कीधांकोडिप्रकार॥ल०॥३३॥कहेबिभिषणरायजी॥
सीतानीधुंसाभ॥राजनरावणआगलरही॥आपण
आपोशजा॥ल०॥३४॥उपद्रवअतिआकरा॥करी
करावीएह॥दिलासादेईनेकरी॥तेहीमनुदीधोछे-
ह॥ल०॥३५॥नवआवीमंदोदरी॥तवकीधीअति
भांड॥बोलावीदूतिकही॥महोडेपाडीभांड॥ल०॥
३६॥रावणसाथलडीघणुं॥काणीसकलहिय्योर॥छि-
टछिटकहीबोलावियो॥एकहिरीसिनेर॥ल०॥३७॥
पूज्यप्रसादतुमारडे॥करीनकोईपरवाह॥कणावडि
नेकोहुवे॥तोभयघरेअगाह॥ल०॥३८॥सुंसकईए-
हनीवती॥मनेभाषोतुमईश॥सातियांमांहेशिरोम-
णी॥सीताविश्वावीश॥ल०॥३९॥लक्ष्मणजलापी

रह्यो ॥ लाषीरह्योलंकेश ॥ रामनमानीएकहि ॥ दीन
नुननेआदेश ॥ ल० ॥ ७० ॥ सीतायीविरमेनहीं ॥ कोडि
प्रकारेराम ॥ वातकहेतांविरमियो ॥ नजसांभल्योकु-
नाम ॥ ल० ॥ ७१ ॥ सासुसुसरासहुहिस्या ॥ मातपिता
नेभ्रात ॥ एहकुनामथकीफिरी ॥ हनुमंतकेरीभात ॥ ल०
॥ ७२ ॥ एहजावनमीदासमें ॥ नेहीलिमकीधांकर्म ॥
केशातलतिमलोगवे ॥ एलिनमतनोमर्म ॥ ल० ॥ ७३ ॥

॥ वयराडीरणे दोहा ॥

कृतांतमुखसेनापति ॥ साथेकहेश्रीराम ॥ सीताछांडो
घरथकी ॥ वेगेकरोएकाम ॥ १ ॥ अटवीमांहेमेलजे ॥
निशांनकेहनीआश ॥ आपणहिमशिरमयरो ॥ पामी-
नेअतित्रास ॥ २ ॥ पगेलागीनेशेवती ॥ करतीअधिक
विश्वास ॥ लक्ष्मणलाषेरामसुं ॥ स्वामीसुणोअरदास
॥ ३ ॥ घरजाहिरकिमकाढिये ॥ सीतासरखीनार ॥ गर्भ
वतीसुविशेषथी ॥ देखोवातविचार ॥ ४ ॥ मतिजोसोमुन
आगले ॥ जोत्यामांनहींसार ॥ कालकूपप्रभुहोईरह्या
॥ आहिआहिकर्मविकार ॥ ५ ॥ शेवंतोघरआवियो ॥ को-
ईनच्यालेसान ॥ वातविच्यारपडीघणी ॥ थाईआपस-
मान ॥ ६ ॥ गिरसमेतनीभतनो ॥ दोहलोकरोप्रमाण
॥ आज्ञाप्रभुनीछेकहे ॥ सेनापतिरेसुजाण ॥ ७ ॥ ल-
न्हपणेसोलामिनी ॥ उठीयासीषम ॥ शुकनवर्जना
[illegible] पवनगतिवेगेरा

दियो॥सारथियेरथसार॥ ॥गंगासागरउ-
तरी॥पहुतोपेलेपार॥८॥सिंहनिनादअरण्यथी॥आ-
गेनचलेसोई॥आंनेआंसुनाजतो॥सीतासामोजोई॥
९॥कहोनजयेकंईहि॥आवेहीयोभराय॥इटलजम-
सेवकतणो॥कामहीयानटलाय॥१०॥लेईगयोलंकाध-
णी॥चित्तमेंआणीचाव॥लोकनेमुजआकरो॥नि-
सुणीएहकहाव॥११॥रानतज्याछेरामजी॥मेलाया-
हिरान॥लक्ष्मणकेरीवीनति॥रामसुणीनहींकान॥
१२॥एवलश्वापदशुंभस्युं॥नेहवुंनमनुंगेह॥सुन-
मुकीकिमजीवसे॥प्रथमपरिपणएह॥१३॥एमसु-
णीमूर्च्छलिही॥रथथीतामपडंत॥जणेमुईसेना-
पति॥आपणआधिकरडंत॥१४॥चेतनलहेवनवाय-
रे॥फिरिफिरिमूर्च्छंत॥सुसतीहोईनेसती॥तससा-
थेपूछंत॥१५॥दूरकेटलेसापुरी॥किहांअछेप्रभु
आप॥नगडुंलेछेकोइही॥कहेछेमुजसंताप॥१६॥
तामकहेसेनापती॥रहेवाद्योजेकाम॥वतलायोजये
नहीं॥एहीअवसरश्रीराम॥१७॥सासेनापतिशुं
कहे॥मुजभाख्योएजेम॥तुंकहेजेश्रीरामने॥नक-
हेतोमुजनेम॥१८॥

ढाळत्रेपनमी॥

(विलवेशणीकुमणी,एदेशी)

सीताजीयेउसंतडो॥सुणसुसनेहीराम॥तुमथीघ-

मझिमजुज्युं ॥ तुमेआशाविश्राम ॥सी०॥१॥ झेल
आंधीलडतीनहीं ॥ नाकरतीतुमत्रास ॥शुध्यकरीमुन
कदतां ॥ कीधोकेरेविसास ॥सी०॥२॥ घरणेपणनवी
जेसती ॥ नाकरतीउपवास ॥ लोकोनेनवीमेलती ॥कीन
धोकेरेविसास ॥३॥ कुवेपणपडतीनहीं ॥ नालेतीगले
पाश ॥ पेटछूरीनवीमारती ॥ की०सी०॥४॥ कंतलणी
नवीक्रोधथी ॥ नवीखातीविषग्रास ॥ आपनदेतीस्वा-
मीने ॥ की०सी०॥५॥ होईनेअतिआकती ॥ मेलीला-
कडपास ॥ जुहरपणकरतीनहीं ॥ की०सी०॥६॥ पर्वत
थीपडतीनहीं ॥ भरतीशेकीनसास ॥ छेहडोपकडीनवी
लगडती ॥ की०सी०॥७॥ जणातिथीसुतजन्मशे ॥
पहोंचशेसजआश ॥ सालनभलशेआंगणे ॥ की०॥
सी०॥८॥ सहीसुवाशिणीआवशे ॥ पहेरावशुंवस्त्रला-
स ॥ देशेअमृतआसीसडा ॥ की०॥सी०॥९॥ गुरुगोत्र-
जमनावशुं ॥ आणीनेउल्लास ॥ विधिसघली करशुंस-
ही ॥ की०॥सी०॥१०॥ नानाशुंनेकीपेरे ॥ करशुंरंगवि-
लास ॥ ओकनआवीपाधरी ॥ की०॥सी०॥११॥ हुंजण
तिथीमाहरो ॥ पूरोपुण्यप्रकाश ॥ घणीलक्षोदेवरल-
लो ॥ की०॥सी०॥१२॥ अवसरनेअंधारडो ॥ माहरेछे
रेणिमस ॥ दैवनशकयोओसांजही ॥ की०॥सी०॥१३॥
उंचीनीचीहोवतां ॥ लांबालेईनीसास ॥ दुःखआणी
अतीशेवती ॥ की०॥सी०॥१४॥ किहांसीता कुसुमा-
लिका ॥ किहांवनमोवास ॥ ओतीकरीनविचारणा ॥

डी०॥सी०॥१५॥गुतिपणे घरली तरे॥डंनकरयो
शिरनाश॥त्यांडकरीसहुलोकमें॥डी०॥सी०॥१६॥
देखायेअतिचगचगो॥रंगकुसुंजपतंग॥चीतरियोही
दीजियो॥रामतणोतिमरंग॥सी०॥१७॥नगरांडे-
रयाहला॥उधांकेरोनेह॥प्रहरघडीदिनअंतरे॥रीन
तोदेखोतेह॥सी०॥१८॥पेलाप्रहरनी छांहडी॥घरति
नथेनेम॥रामचंन्दनीप्रीतडी॥मुजसुंहोईजेम॥सी०
॥१९॥जिंदुतणोकरे साथरु॥उत्तमभाणसनेह॥सा-
यरनोतोजिंदुओ॥रामेकियोरेएह॥सी०॥२०॥कोन
र्छडगुणतोचित्तधरी॥देतोमुजनेराज॥राक्षसरा क्ष-
सणीकन्हे॥पूछीसेतोसाज॥सी०॥२१॥लंपटनेलर
लालची॥तेहतणीसुणीवात॥मनचोरयोतुमसुजल-
णी॥होलक्ष्मणलघुभ्रात॥सी०॥२२॥आपणपेअं-
गीकरु॥केमकरीनेदूर॥शंकरज्युंविषआदरयो॥रा-
ख्यारेहहजूर॥सी०॥२३॥वडवानलसायरतणुं॥जा-
लेजलनीतपीठी॥सायरछीलावेनही॥राजीरह्योतन
सपूठी॥सी०॥२४॥जेप्रभुनेसंदेहथो॥कांरेनलीधो
साथ॥साचेवडोससारमें॥सात्यतणीवडवात॥सी०
॥२५॥भोगवीसुकृतआपणुं॥वनहिंमांहेवसंत॥
प्रभुजेकारनकिम हशे॥नेहथीलोकहसंत॥सी०॥२६
॥रतनरतन्याहिलसा॥विरच्यानदीजल॥राम न
हुओमाहरो॥अवरानेशीलाज॥सी०॥२७॥हुंसन
राणीमाननी॥अपमानेनहीपार॥होईपक्षपूरोयसो

॥ होमहाशत्नरताश॥ सी०॥ २८॥ पछीरतीरनोंनेहलो
॥ यंन्दसमुन्दाप्यार॥ आपानेअेउपमा॥ डीओडिसो
डिरतार॥ सी०॥ २९॥ पंयहिंआश्रवसेवियां॥ सेव्यां
पापअढार॥ शरणांयारेनवीडर्यां॥ धर्महियारअेडल
श॥ सी०॥ ३०॥ त्रिडरणशुध्धनराजिव्यां॥ मदआठमें
डीध॥ ईन्दीयपांयेपोषिया॥ वसवर्त्तावीनलीध॥ सी०
॥ ३१॥ विडथायारेसमायरी॥ सेव्यांदुव्यसनसात॥
डीधायारडषायजे॥ पांयपदेमिथ्यात॥ सी०॥ ३२॥ ते
हलअेहुंभोगवुं॥ दोषनप्रभुलवलेश॥ डर्मसज्योडल
पामिये॥ अेजिननोउपदेश॥ सी०॥ ३३॥ रवीउग्यो
देजेसहु॥ धुवडनेअंधार॥ घनवरसेतव्यासीओ॥ सू-
डयोन्यगभार॥ सी०॥ ३४॥ मासवसंतेडेरवे॥ पान
तणुंनहींपोष॥ सूरजनेहपसंतनो॥ डोईनदीसेदोष॥
सी०॥ ३५॥ रामयंन्द्रतारावनमां॥ सुजियाशघलालोग
॥ हुंवनमांहेरडवडुं॥ अेडृतडर्मसंयोग॥ सी०॥ ३६॥ ज-
नजंयनेहुंपरहरी॥ डोनाविचारीमर्म॥ मिथ्यातिउपदे-
शथी॥ मतीरेतजेजिनधर्म॥ सी०॥ ३७॥ अेमडही
मूरछीपडी॥ डरीसीतलउपयार॥ डरीसयेतनसुंदरी
॥ वयनवदेसुवियार॥ सी०॥ ३८॥ रामविनाहुंदुःजलन
हुं॥ तिमहींमुनविणस्वाम॥ लेशोअशतिआडशी॥ लि-
विघपरेदुःजपाम॥ सी०॥ ३९॥ हुंतोहुईनाहुई॥ मु-
नलसीजहुलीहास॥ यतनडरीनेआपणुं॥ प्रभुअे
मुलजरदास॥ सी०॥ ४०॥ नेहनाघरमेंनेवडो॥ सीने

तेमतिपाल ॥ नाविविनाआशकरी ॥ वाहन नशकेचाल ॥ सी० ॥ ७१ ॥ सूर्यवंसे दीवडो ॥ तुंशशिहरतुंभाण ॥ तूंसुरतरु तूंजलहरु ॥ महिमामेरुसमान ॥ सी० ॥ ७२ ॥ तुंप्रभुसायरसारिखो ॥ गुणेभरीओभरपूर ॥ घणी पणेमेंपामियो ॥ पूरवपुण्यअंकुर ॥ सी० ॥ ७३ ॥ कायम रहेतुमसाहेबी ॥ कायमतुंराजन ॥ सयल कुटुंबासुं होजो ॥ प्रभुतु मनेकल्याण ॥ सी० ॥ ७४ ॥ संभलावे सुन मुजतणा ॥ स्वामी नेओबोल ॥ बोलसहुरसोहामणा ॥ वाछाअनेरेअमोल ॥ सी० ॥ ७५ ॥ लक्ष्मणशुंअेमाहरी ॥ केनेतुंआशीश ॥ सेवाकरजोप्रभुतणी ॥ प्रभुथारेजगदीश ॥ सी० ॥ ७६ ॥ पंथेशिव होजोतुने ॥ रिपुसविश्वावीश ॥ विदायकियोसेनापती ॥ अर्थभरयोनिजईश ॥ सी० ॥ ७७ ॥ त्रेपनमीअेढालमां ॥ सीताशुंप्रभुजेप ॥ केशराजसोनेवधे ॥ ताथ्यायी अतिओप ॥ सी० ॥ ७८ ॥

॥ अथ तत्रश्रीरागे दोहा ॥

सत्यवतीसाचीसती ॥ फिरे घणुंवनमांहे ॥ पुरयभूप ने महरणली ॥ आपेनिद्रेआहे ॥ १ ॥ अर्थअर्थ कर्मगति वांकडी ॥ नहींछेकेहनेमान ॥ तीर्थकरचक्रीसहु ॥ नडीयांजेहीमणा ॥ २ ॥ रंककरीशभकरे ॥ राजछेपणरंक

…કરેસ, …નવીનેદીયા ॥ જયેવિધિનાઅંક ॥ ૩ ॥ અ
યડ્યા ઘણો ॥ ચાડિયાનેભાંત ॥ માયેઅ…

पूछुंहुंतुजपास ॥ आधिकहुंअर्थिहोई ॥ तुजपीडायेपी-
ड्यो ॥ ध्यावसीदिलमांहे ॥ वीतकवित्युं ने अछेहो ॥तेति
मत्भाषेशांहे ॥ सु०॥ ३ ॥ सुमतिनामप्रधान ॥ तामत-
सपासेआवी ॥ कोमलवाणीभेजरी ॥ वाततसकहेसुण-
यी ॥ पुंडरीकपुरनोधणी ॥गजवाहननोपुत ॥ जंघुदेवी
अंगयोहो ॥शाजणपरघरसुत ॥सु०॥ ४ ॥ वजुजघ७
राय ॥ पश्चमअंआवकउहियो ॥देवगुरुधर्मतत्त्वतणो॥
लिणेनिश्चयलहियो ॥सहोदरपरनारीनो ॥ जिरुदयहृत
अपार ॥ परदु:खकापणछेघणोहो ॥ जगमांहेजससार
॥ सु०॥ ५ ॥ हायीलेवाकाज ॥ आनेहीअटवीआयो ॥
हायीयदियाहाथ ॥ नाममनधरहिय्यलायो ॥रोजसुणीने
ताहरूं ॥ आव्योईहांनरेश ॥ लाईलणीअजरनांपिओ
हो ॥वातविशेपअशेप ॥सु०॥ ६ ॥अेमसुणतांसयीव
॥रायपरतीतशुंराजि ॥पुरथीखेहलगेमांडी ॥ वाततो
सघलीलापि ॥ रोवंतीराजीवही ॥मंत्रीनेल्नृपाल ॥
पीलीमाटीपाणियेहो ॥ गिवालिहुवेततकाल ॥सु०॥७॥
निष्कपटीअतीप्रगटपणे ॥ लाषेतवते लूप ॥आलथ-
कीतुंमेहनी ॥ जंघुअछुअनूप ॥जेकधर्मनेहीकरे ॥तेन
हीसगोसंसार ॥ सगपणतोछेकरमोहो ॥स्वामीतजे
स्युंनार ॥ सु०॥ ८ ॥ लामंडलनेवोलणी ॥ शावसुतध-
रिपधारो ॥ होईजिनमतधार ॥ कडूंकुंसरूजलजमारो ॥
अवधारोअरघास ॥ अेशोम्पतणुंनहींकाम ॥ वारंवार
विशेपयीहो ॥ रायलणेअलिराम ॥ सु०॥ ९ ॥ पीछ-

रिये घसीभ्मयस्रे ॥ सासरेभ्ने दुःअ पावे ॥ ओहवातसम-
रय ॥ त्रीयाने अंर्धन आवे ॥ सूधीवाटेय्यालतां ॥ भ्नेअंथ
भ्मानंत ॥ तोहीहुशमल लोगमेंहो ॥ नारीनवीलानंत ॥
सु० ॥ १० ॥ लोकुवय्यनथीशम ॥ अमओकियो दंभोहो ॥ उ-
तरियाथीरोस ॥ तुमेसरिजोपेजो ॥ गवेषण करसे घणी
॥ सुभ्मनहींलहेलिगाश ॥ य्यक्रवाकनिमओकलोहो ॥ आ-
णेआरतीअ्रपाश ॥ सु० ॥ ११ ॥ शजिअयेजेसाडी ॥ ताम
सीताघरआणी ॥ आवीशयवियोगेहो ॥ तिहांरहेराघव
शणी ॥ धर्मध्याने य्यित्तवासियो ॥ आरतिपरहियाली ॥
सुजशातामाने घणीहो ॥ पाछोहीमनवाली ॥ सु० ॥ १२ ॥
अजसेनापतीछावी ॥ शमनेय्यरणेलागी ॥ वातविशे-
षवियार ॥ कहेछेतेअनुशगी ॥ सिंहनिनादअरण्यमें ॥
प्रभुमेंमूडीदेवी ॥ वातसुणीरययीपडी ॥ मुर्च्छाणीततभ्मेवी ॥ सु० ॥ १३ ॥ वनवायेलेहीय्येतनअने ॥ फिरफिरमू-
र्च्छाआवे ॥ शुध्यनरहीलिगारताम ॥ गादोदुःभ्मपावे
॥ धीरजअतिआलंबीने ॥ माताजुकहीओह ॥ संभलस
वीपणस्वामीनेहो ॥ वातभ्मलीछेतेह ॥ सु० ॥ १४ ॥ उ-
संभोतोलेणीओ ॥ सुणावीलीधोपहेलां ॥ विगतविग-
तशुंयाल ॥ जनावीभाषीवेहेलां ॥ निभनिभनिसुणेश-
मजु ॥ सीताभुभ्मनांवयण ॥ उपनतोभ्नथेघणोहो ॥ तिन-
मतिमय्यित्तमेंय्ययन ॥ सु० ॥ १५ ॥ सदाराभनुंतुमकाम
॥ कीयोसघलोहिविमासी ॥ कदहिनकीधोकाम ॥ लेह-
यीहोवेहांसी ॥ भ्माण्यभ्नेण्यतोभाहरे ॥ ओभ्मतीउ-

पल्योरोष ॥ सोनेनलागेश्यामताहो ॥ स्वामीसहानि-
दोंष ॥ सु० ॥ १६ ॥ लोगांनीसुणीवात ॥ नाथजतुमहुं
छोडी ॥ बालपणाकीप्रीति ॥ तृणनिमताणीत्रोडी ॥
मिथ्यादृष्टीनीसुणी ॥ वातघणीविपरीत ॥ छोडेमति
जिनधर्मनेहो ॥ राखोओकुलरीत ॥ सु० ॥ १७ ॥ एमसु-
णीमूर्छापडयो ॥ रघुनाथतेवार ॥ लक्ष्मणकरीउपचा-
र घणा ॥ मूर्छाहिनिवार ॥ उठागछेजीबोलीयो ॥ वेहन
तोअससमान ॥ किहांगईसीतासतीहो ॥ प्यारीप्राणस-
मान ॥ सु० ॥ १८ ॥ लोकवचनविषव्यापथ्रु हुवोथोनृपनं
भारी ॥ सीतावचनगारुडमंत्रे ॥ लीघोउतारी ॥ घर
आव्योनृपआपणे ॥ तामकरेसंभाल ॥ माहियलमेंम-
होटीसतीहो ॥ वाहिहिदियेवनआल ॥ सु० ॥ १९ ॥ लो-
कबोलेजगमांहे ॥ ओतोन्यायकहाणा ॥ परघररहींजन
लोक ॥ एमआनलणाणा ॥ कुडीदेईसीताशीके ॥ तुंडेरा-
येलोर ॥ भोरानोवाह्योजहुहो ॥ कीधोजमकठोर ॥ सु०
॥ २० ॥ बेहरीवितकथावात ॥ पुष्पपुरदेजणजांपी ॥
भुंगीकहेपणकुजोस ॥ कहेपणलिवेसांधी ॥ परघररहि-
स्यापंगुली ॥ छुलीपरवनलेण ॥ बहुगुणानीवारणी
हो ॥ कहेणिकहीकहोकेण ॥ सु० ॥ २१ ॥ मतोहणमंत्री-
शत्रु ॥ कामसमारणघसी ॥ प्रीतिवंतिप्रीयसाथ ॥ म-
हासुखभोगविलासी ॥ पुण्यवंतिप्रगटीजेसी ॥ धर्मावं-
तिसंसारश ॥ होईनहींहोशेनहींहो ॥ सीतासरखीनारथ
सु० ॥ २२ ॥ चंन्द्रकमलशुकलृंग ॥ नागणीअजगरो-

शीहर ॥ विद्रुमपंकजनालीकलस ॥ नजकेसरीकर ॥
कुरमंत्रजकनइले ॥ कोयलअनेमराल ॥ उरसर्वअने-
तिउपमाहो ॥ सीतानेसुविशाल ॥ सु० ॥२३॥ देवी
कहीते दूरि ॥ छंदनीनारिअलगी ॥ अमरीनहींआ-
सनी ॥ आपणेकामेवलगी ॥ देवीशचीअमरीथकी
॥ सीताकूपरसाल ॥ देवे दीधीथीजरीहो ॥ मेंनरेजाणी
बाल ॥ सु० ॥२४॥ लक्ष्मणभाषेताम ॥ रामजुअब
अवधारो ॥ माणसनोछेसहज ॥ वात्ताजिगडयाहि
विचारो ॥ सरेनहज्जोहियाइरो ॥ तेकूसाचिवेकाय ॥ ने-
हलमानीचीनतीहो ॥ कांईहोवेपरस्ताय ॥ सु० ॥२५॥
गर्ठतिकाचोजय ॥ सामीजजाहिसांभलो ॥ पछेवर-
स्यामेह ॥ कहियेसुघरेवरसालो ॥ स्वप्नभविस्वामीनी
॥ जुवंतीअजताहि ॥ होशेसहीछेमजाणजेहो ॥ पाछे
कीआशे ॥ सु० ॥ २६ ॥ जवोस्वामीतुमआप ॥ करीने
घणाहिलास ॥ सीताआणोगेह ॥ हमारीसुणीअरदा
स ॥ अवरगयाआवेनहीं ॥ अवसरनोनहीकाल ॥ त्रि-
याहितेलोघोडियेहो ॥ नहींजेचालोलाल ॥ सु० ॥२७॥
जयश्रीनेविमलेस्वामी ॥ ऐमुपतीसाथेलीधो ॥ जेयन-
रनेपरिवारचाल्यो ॥ आलसनवीकीधो ॥ सिंहनिना-
दअरण्यमें ॥ आयगयातत्काल ॥ आतुरतामलवात्त-
णीहो ॥ जेजेलगनीढाल ॥ सु० ॥२८॥ उत्लाआवी
तिहांरे ॥ तिहांमुकीथीसीता ॥ नयणेनाचीनारी ॥ ठा-
मतेदीठारीता ॥ थलनलत्तकगिरिशोधिआ ॥ शुद्धि

नलागीकोई ॥ करपटकीनेजोलियोहो ॥पांच्यासुंप्र-
लुसोई॥सु०॥२७॥कयरेविलूरीवाघ ॥ वेगकरीसिंहे
जाघी॥कयरेगलीअजगरे॥ मूर्छामारेंडेलाधी ॥लेई
गयोपरद्वीपमे॥आपाअलगीवात॥ आंसुढालीजा-
हुश्योहो॥राघवजविलसात॥सु०॥२८॥ इहीआव्यो
पुरमांहि॥स्वामीअतीकरतोसोगो॥नाहाइंघरघाल्युं
हो॥ अहोपुरवासीलोगो॥किस्युंकइंतुमसाथज॥रीन
सघणीआवंत॥अजहोईकंईनगभुहो॥गईतोनवी
पावंत॥सु०॥३१॥प्रेतकामश्रीरामताम॥सीतानांक-
रावे॥शून्यरूपसहुदेजिहो॥हीयोआतिआथलभरावे
॥हीये तोदृष्टेहितो॥आगेगलीआय॥ वचनेप-
णश्रीरामनेहो॥सीतारहीरेसुहाय॥सु०॥३२॥अे
योपनमीढाल॥रामजरहेउदासी॥शोक्योनुंनस-
खुंकम॥ रोकछेमांडीकांसी॥केशरानसीतातणुं॥
नराअकसौभाग॥सीताहिलनीपामरोडे॥ नहीं
अवरांशुंलाग॥सु०॥३३॥

॥आसावरीरागे दोहा॥

हाथीतोलगमेंघणा॥ पणऐरावतिअेक॥ऊग्येश्र-
वपणअेकछे॥ अम्वअछेरेअनेक॥१॥गंगोदकप-
णअेकछे॥पाणीनोनहीपार॥ क्षीरोदधीपणअेकछे
अंजुवीअवरअपार॥२॥ परमेष्टीपणअेकछे॥मंत्र
घणागुणवंत॥सुदर्शनपणअेकछे॥अवरगिरिन-

हींअंत ॥ ३ ॥ दातासुरतरुएकछे ॥ अवरघणादेदान ॥ दशारणभद्रपणएकछे ॥ घणाकरेअभिमान ॥ ४ ॥ शालीभद्रपणएकछे ॥ घणाभोगवेभोग ॥ थूलीभद्रपणएकछे ॥ घणाग्रहेजगयोग ॥ ५ ॥ तिमसीतापण एकछे ॥ नारीनामघेलाज ॥ आंजलियेपहुंचेनहीं ॥ आंजनीअभिलाष ॥ ६ ॥ मासदीवसपुराहूआ ॥ शुभवेलाशुभवार ॥ सीतायेसुतजनमिया ॥ युगलपणेसुखकार ॥ ७ ॥

॥ ढाल पंचावनमी ॥

(जागुंगोहडीयागुणगारी, एदेशीछे.)

सीतास्वामीनीसुतजनया ॥ तेतोयुगलपणेसुखदाया ॥ तजआनंदअधिकपाया ॥ तवगोरडीयागुणगाया ॥ तनजशुहरिनीसाणघुडाया ॥ सी० ॥ १ ॥ ओछवअधिक मंडाया ॥ जंघीवानछुडाया ॥ सुतजनयानिमडीनिये ॥ त्यूहिंरायकराया ॥ सी० ॥ २ ॥ बारसमोदिनआया ॥ नंदननामधराया ॥ अनंगलवणसुहामणो ॥ मदनांकुश कहवाया ॥ सी० ॥ ३ ॥ पंचधावकरीपालिया ॥ माम- नियांमनभाया ॥ हाथोहाथसंचारवे ॥ अमरकुवरीने आया ॥ सी० ॥ ४ ॥ चंदकलाजिमवाधेहि ॥ बालपणे बालाया ॥ सूरशिरत्नतणीपरे ॥ शत्रुकरीभया ॥ सी० ॥ ५ ॥ सासुजपगेलागतां ॥ दीधीथीआशीसो ॥ हमसरखासुतजनमजे ॥ ऊधीसरुसजगीसो ॥ सी० ॥

॥डोसल्याअेकअईयो ॥सीताघेरई विदिता ॥डोश-
ल्यायीतो घणी ॥ अधिकाणीअेसीता ॥ ७ ॥ सिध्यपु-
त्रछेअणुव्रती ॥ सिध्यारथअभिधानो ॥ विद्याजल
लब्धि करी ॥ सजविधिअणसुजाणो ॥ सी० ॥ ८ ॥
विदेहआदिक्षेत्रविषे ॥ स्वेच्छाविहारे ॥ गगनगती
सीताघेरे ॥ भिक्षानेपधारे ॥ सी० ॥ ९ ॥ वाङ्लो अन्न
पानसुं ॥ दीधोतसुआहारो ॥ सुजपूछेसीताघणुं प
उत्तरदियेतेसारो ॥ सी० ॥ १० ॥ देवसुगुरुप्रसादथी ॥
महुरेवीतेहिजेमो ॥ दर्शनकुंभिनसाधुना ॥ शुध्धयथ-
इंव्रतनेमो ॥ सी० ॥ ११ ॥ सोपूछेसीतातणी ॥ कुणअ-
वस्थायाशी ॥ चरित्रसुणावीआपणां ॥ घुरथीछेह ल-
गेमाशी ॥ सी० ॥ १२ ॥ छातीभरीआवीघणी ॥ भाई
अणीतासो ॥ सोवानांशलकरे ॥ आतितोपरघरवासो
॥ सी० ॥ १३ ॥ कहेअष्टांगनिमित्तियो ॥ करुणानीमति
आणी ॥ सुतलवणांकुशसारिखा ॥ शीतुअआरतीराण-
णी ॥ सी० ॥ १४ ॥ शुभलक्षणकरीशोभता ॥ नेमल-
क्ष्मणरामो ॥ लवणांकुशछेतेहवा ॥ शाअआरतीनांठा-
मो ॥ सी० ॥ १५ ॥ देईजातिआसासना ॥ सीतासुस-
तीकीय ॥ आशावडीसंसारमां ॥ आशायेलंकालीध ॥
सी० ॥ १६ ॥ प्रार्थनाकीधी घणी ॥ पुत्रपढावोभाई ॥
लीधीमानीसिध्धारथे ॥ हर्षिसीतामाई ॥ सी० ॥ १७ ॥
भव्यलवलणश्याजेरा ॥ पात्राशिरोमणीपात्रो ॥ कृती
तोकोईनाशके ॥ होईमाणसमात्रो ॥ सी० ॥ १८ ॥ विद्या

विविधप्रकारनी ॥ बहुतेरेविज्ञानो ॥ सिध्धकीयासि-
ध्धारथे ॥ महोटापुरुषेमेधानो ॥ सी० ॥ १९ ॥ वज्रजंघ-
नीपुत्रिका ॥ शशीचूलातसनामो ॥ उदरलक्ष्मीरेवती
तणे ॥ बिपलछेअभिरामो ॥ सी० ॥ २० ॥ कन्यावरबत्री-
शसुं ॥ वज्रजंघलहतामो ॥ अनंगलवणपरणाविया ॥
कीधोउत्तमकामो ॥ सी० ॥ २१ ॥ पृथवीपुरपतीपरगडो
॥ पृथुनामानृपालो ॥ पटराणीअमृतवती ॥ कन्याकंच-
नमालो ॥ सी० ॥ २२ ॥ मदनांकुशनेमांगता ॥ नापेतेश-
बनो ॥ वंशअजाणेकंयुंहुवे ॥ कन्याकेरोदानो ॥ सी० ॥ २३
॥ एमसुणीचढीयालियो ॥ वज्रजंघशरसाधी ॥ व्याघ्र
रथपृथुसहायकराजतीआण्योबांधी ॥ सी० ॥ २४ ॥ पृ-
थुनृपतीअतेडियो ॥ पोतनपुरपतिधाई ॥ वारनलागी
आवियो ॥ इष्टमित्रसहाई ॥ सी० ॥ २५ ॥ वज्रजंघसुत
तेडिया ॥ चालेअतिमंडाणे ॥ लवणांकुशतोचालिया
॥ वज्र्यापणनवीमाने ॥ सी० ॥ २६ ॥ दोईपखेभटसा-
मटा ॥ मांड्योअतीसंग्रामो ॥ पृथुजलआगेभाज-
या ॥ वज्रजंघभटभमो ॥ सी० ॥ २७ ॥ मातुलशेना
भाजती ॥ लवणांकुशदेखंता ॥ करीउठावणीआ-
करी ॥ चाल्यापृथुपेखंता ॥ सी० ॥ २८ ॥ लवणांकुश
हसीबोलिया ॥ अजाणजाण्योवंशो ॥ तसुआगेकयुं
भाजता ॥ पामेवंशप्रशंसो ॥ सी० ॥ २९ ॥ पृथुलाषे
कुमरसुणो ॥ वंशनजाणोआजो ॥ विक्रमवंशनसहृ
राके ॥ अष्टापदघनगाजे ॥ सी० ॥ ३० ॥ वज्रजंघशुं

पृथुकहे ॥ अंकुशनेमेंदीधी ॥ कनकमालिकाबालिका
॥ परणावोपरसिध्धि ॥ सी० ॥३१॥ रंगहूओदोईनृ-
पमें ॥ कीधोकटकपडावो ॥ अेटलेन्यालीआवियो ॥ ना-
रदऋषीरायो ॥ सी० ॥३२॥ रंगरलीदोईदला ॥ दे-
जीपूछेसाधो ॥ दीसोछोरसरंगमें ॥ कहोकिस्योतुम
लाधो ॥ सी० ॥३३॥ कन्यापृथुराजातणी ॥ अंकुशशुं
परणेतो ॥ कीनेछेतेजाणवो ॥ हर्षतणोरोकेनो ॥ सी०
॥३४॥ सबलानोतेजेहशे ॥ तेरेशुदीनोपावो ॥ वंशक-
होअेकुमरा ॥ त्रिभवधेचित्तयावो ॥ सी० ॥३५॥ नार-
दभाखेनयणछे ॥ तेतोदेखेनानो ॥ अेआंधानेपूछ-
चो ॥ किस्योअछेरविछानो ॥ सी० ॥३६॥ आदिहूआ
आदिसरू ॥ आदिनाथजगदीशो ॥ भरतहूओसुततेऽ
हनो ॥ तेपणधुरेचक्रीशो ॥ सी० ॥३७॥ पुरुषपनोता
होवता ॥ ईणहिवंशविख्यातो ॥ पुरीअयोध्याप्रग-
टिया ॥ रामसुलक्ष्मणभ्रातो ॥ सी० ॥३८॥ गर्भवि-
षेनजअे हृतासोकवचनने त्रासो ॥ पामीरामदिवाडि-
यो ॥ सीतानेवनवासो ॥ सी० ॥३९॥ रामचंद्रनानं-
दछे ॥ सीताउदरउपना ॥ वंशईज्वांगकेवंशना ॥ भ-
होटपुरुषरतन्ना ॥ सी० ॥४०॥ अंकुशकहेऋषीरा-
यजी ॥ भलोनकीधोअेहो ॥ कारणअतीअजलाभ-
णी ॥ कयुंदेवाअेछेहो ॥ सी० ॥४१॥ लवणकहेऋषी
सापुरी ॥ कहोछेकेतिकदूर ॥ साठअनेसतभेतज ॥
दीसेअेहहजूर ॥ सी० ॥४२॥ वज्रजंघकहेकुंजरा ॥

अजेयालोनिजयानो ॥ लक्ष्मणरामदेजाऽशुं ॥ सू
रपणेमनमानो ॥ सी० ॥ ४३ ॥ मानीवातविशेषथी ॥
वजुजंघनीलाषी ॥ जनऽमालापरणावियो ॥ अंकुश
रवीशशीसाखी ॥ सी० ॥ ४४ ॥ पंच्यावनमीढालमें ॥
सूरतणोतोसूरो ॥ केशराजजतोहूवे ॥ जेपूरवपु-
ण्यअंकुरो ॥ सी० ॥ ४५ ॥

॥ सोरठीरागे दोहा ॥

वजुजंघपृथुरायजी ॥ लवणांकुशनीलार ॥ च्याल्या
दलबलसामटे ॥ साधनदेशअपार ॥ १ ॥ पहेलीतो
लोऽादलपुरी ॥ लवणांकुशआवंत ॥ कुबेरकंतनरायज
जी ॥ जतीजशपावंत ॥ ओकऊर्णलंपाकपती ॥ जती
लीघोजेह ॥ लातूशतविजयस्थली ॥ आणमनाव्या
अेह ॥ ३ ॥ उतरियागंगानदी ॥ जिहांछेगिरिकैलास
॥ तिहांथीउत्तरनेदिशे ॥ आव्याघरीउल्हास ॥ नालंं
दनंपाडूदेशजहु ॥ जतीलीधास्वामी ॥ सिंहलनेअंकुं
तलशुं ॥ ओजत्याजशपामी ॥ ५ ॥ भूतरवादिऊाला
भुऊ ॥ नंदीसुनंदनदेश ॥ लीमसूलशलआनल ॥
साधीलियासुविशेश ॥ ६ ॥ साधीलियासुजभेंसहु ॥
सींधूनापेरकूल ॥ अनारजनेआरज ॥ जीयोसघलो
सूल ॥ ७ ॥ देशजहुसाधीवस्या ॥ साथेघणालूपाल
॥ पुंडरिकपुरीआविया ॥ लवणांकुशसुविशाल ॥ ८ ॥
वजुजंघधन्नरायजी ॥ जेहनाअेहलाणेज ॥ धमसुणन

ताघरआविया ॥ मायमिलणनुंहेत ॥८॥ लवणांकुश
जहुशायशुं ॥ प्रणमेमातापाय ॥ मातादेआशीसडी ॥
वधज्योअधिकेआया ॥१०॥ नंदननेनीकीपरे ॥ करलेतुं
डिरताल ॥ रामसुलक्ष्मणसारिजा ॥ भूमितणाभरता-
र ॥११॥ वनजंघकहेकुंअरो ॥ एकेअवसरसार ॥ पूरी
अयोध्याजायकेआं ॥ कीजेतातजुहार ॥१२॥ लंपाकआला-
भुलंका ॥ ओरसुकुंतलचूल ॥ सरलानलआदेघणा
॥ साथेहुआअनुकूल ॥१३॥ प्रयाणनीलंलालली ॥
देवाडेअलिराम ॥ साहणवाहणसामटे ॥ कुंअरच्या-
ल्याताम ॥१४॥

॥ ढाल छपनमी ॥

(कडखानीदेशी)

आवेरे भाईलवणांकुशसज ॥ साजतातमेते ॥ आ-
पदेआवणकरीविधिसाज ॥ चाल्याकरीकरीअधिक
दिवाज ॥ आ० ॥१॥ रोवंतीमाताजबोले ॥ किस्युं
करोतुमएहो ॥ युध्धतणीविधसजचाल्या ॥ मुझमन
नएहसंदेहो ॥ आ० ॥२॥ पितृपितृव्यछेतुमदुर्ज-
य ॥ पहुंचीशकेनहीं देवा ॥ तीनलोकनोकंटकरावण
॥ मारीलियोततखेवा ॥ आ० ॥३॥ कुंठतिकेनहीं
चायेहाले ॥ मेरुनवायेकंपे ॥ महोटाशुंलडवुंनविगो-
वा ॥ पुत्रोशुंमालंपे ॥ आ० ॥४॥ नलधरकेरीगाज
सुणीने ॥ अष्टापदअतिजंपे ॥ कूदीकूदीनिजगूडा

तोडे ॥ पणघननेनवीलोपे ॥ आ० ॥ ५ ॥ विनयकरवा
जेतुमजाओ ॥ तोतुमेवेगाहोवो ॥ पूज्यपूज्यांपीडाम
ने ॥ एहविमासीजोवो ॥ आ० ॥ ६ ॥ पतिविणमेंतुम-
शुंमनबांध्युं ॥ तुमविणशीगतिमाहरी ॥ रांकतणाछो-
रुयाछोतेथी ॥ मतहिंयलोमेंवारी ॥ आ० ॥ ७ ॥ पुत्रकहे
माजीतुमसाच्या ॥ बेहकीघाएहजाजे ॥ तेहिसाथेनमिले
मनमोती ॥ तुटोमेघअकसो ॥ आ० ॥ ८ ॥ माताजीकहे
पुत्रनिसुणो ॥ एरहिवाघोकमो ॥ कातणहारीतारतन
णीपरे ॥ जोडेहीआलिसामो ॥ आ० ॥ ९ ॥ पुत्रतुमारा
हमछांएहवी ॥ किमकहियायेवातो ॥ छोहराएछंडे-
लीकेरा ॥ छेमाहिंकहेरोतातो ॥ आ० ॥ १० ॥ आनंदका-
रीताताहिने ॥ युध्यतणुंतोनामो ॥ कुलदीपकनाउज्वा-
लण ॥ सुंदरछेसंग्रामो ॥ आ० ॥ ११ ॥ एमकहीने च्या-
र्‍याकुंअर ॥ रोतीमेलीमायी ॥ उत्साहवंतमहंत कटकशुं
॥ रेणुरहेनलछायी ॥ आ० ॥ १२ ॥ कुठारकुडालतणासं-
बाहण ॥ हाथोदरशाहिहजारो ॥ पंथतणांतरु छेदीसुध्धां
॥ कीघोपंथअपारो ॥ आ० ॥ १३ ॥ सेनानी शुं आवीअडि-
या ॥ अतीबलवंताहोई ॥ नहीसेनानीकहुंरेसारे ॥ एह
सुणेप्रभुसोई ॥ आ० ॥ १४ ॥ सौमित्री कहेएरेपतंगा ॥
आतुरअतीरेआता ॥ आरतीविक्रमपावकमांहि ॥ करिने
सेलंपापाता ॥ आ० ॥ १५ ॥ एमकहीनेरामसुलक्ष्मण ॥
सुग्रीवादिकलारो ॥ युध्धभणीचलिसाहमाआया ॥ कोन
हनलाहे वारो ॥ आ० ॥ १६ ॥ एटलेनारदनेमुंजसांभ

सीताभामंडलकुलाई ॥ पुंडरीकपुरीयालिआयो ॥ देखी
सीताबाई ॥ आ० ॥ १७ ॥ रोवंतीकहेभाईमुजशुं ॥ प्रभु-
जीतोआडीधी ॥ खुणसकरीनेतुमआणेअ ॥ लडवानी
मतिसीधी ॥ आ० ॥ १८ ॥ भामंडलकहेरामेकरियो ॥ अ-
जतुंकंईछबिगाडे ॥ अणजाणयाओदोईहणवा ॥ हारसे
दोईपवाडे ॥ आ० ॥ १९ ॥ जबलगेओविणरीनहींकरन
॥ तबलगदोडीजवा ॥ कहुंनिचाडोवातनणाची ॥ रामहिं
रोससमिटाया ॥ आ० ॥ २० ॥ ईमसुणीसीताभामंडल ॥ बे-
सीविमानेआवे ॥ लवणांकुशपासीमाताजने ॥ चरणेशी-
शनमावे ॥ आ० ॥ २१ ॥ सीताकहेभामंडलभाई ॥ यारो
मामोसाथे ॥ मामानेभाणेजमांहे ॥ नेहघणेरोथयो
॥ आ० ॥ २२ ॥ पगेलागाऊठीईछऊभ्या ॥ सीधाकंठलगाई
॥ शिरचुंबीखोलेबेसाडी ॥ मामोकहेसुभदाई ॥ आ० ॥
२३ ॥ वीरतणीपतनीनीकीरति ॥ पहेलीथीजगमांहि ॥ वीर
रमसूनीकीर्त्तिजीको ॥ अपामीतेमांहि ॥ आ० ॥ २४ ॥ वी-
रतणासुतवीरअछोतुम ॥ कामकरोरेविमासी ॥ पितृवं-
शासायेलडतां ॥ होसेजगमांहांसी ॥ आ० ॥ २५ ॥ नेहना
रणमांशत्रुरावण ॥ आपणपैंरेमराणो ॥ प्रगटपणेअ
तोरेपवाडो ॥ सघलेहीरेगवाणो ॥ आ० ॥ २६ ॥ लवणां-
कुशकहेमामाजीतुम ॥ वातकहोअईडी ॥ आविमत्या
उसरियांअलगां ॥ वातनलागेनीकी ॥ आ० ॥ २७ ॥ अ-
मकहेतांहोईप्रसन्ना ॥ सूराअतिसंजाह्या ॥ स्वामीतणो
अकामसमारण ॥ अधिकपणेउमाह्या ॥ आ० ॥ २८ ॥

सुग्रीवादिकखेचरबेनराहि ॥ भूचरभटनेडरावे ॥ भामं-
डलखेचरसाथे ॥ मंडसरिखेधावे ॥ आ० ॥ २९ ॥ लवणां-
कुशअंकुशसरिखेजातीजा ॥ सूरशिरोमणीसूरा ॥ रामत-
णाभटउपरआवे ॥ निमआवेजलपूरा ॥ आ० ॥ ३० ॥ सु-
ग्रीवादिकभामंडलशुं ॥ पूछेएकुणहोई ॥ भामंडलकहे
सीताजाया ॥ रामतणासुतदोई ॥ आ० ॥ ३१ ॥ आवीसी-
तायरणेलागा ॥ खेचरबेठाआगे ॥ लवणांकुशउठाव-
णीआगे ॥ रामतणाभटभागे ॥ आ० ॥ ३२ ॥ जिहांति-
हांरणरंगहिखेले ॥ हरीणिमृगवनमांहिं ॥ रथसारथीने
रतिनिजेहि ॥ टेडलजोईसाही ॥ आ० ॥ ३३ ॥ रामसुलक्ष्मण
सामाआव्या ॥ देखीसुंदरताई ॥ जोईसूरपणआव्याआणी ॥
अधिकश्यासोलाछी ॥ आ० ॥ ३४ ॥ नयणेनेहघणाधेनिज-
शुं ॥ परशुंपोषेदूपो ॥ नयणानातीत्यातीत्याव्या ॥ लि-
जेलेछेरायलविरोषो ॥ आ० ॥ ३५ ॥ मनतोमलयानेउमा-
हि ॥ वसतीतामसत्भगे ॥ एहिअवसरछेजोईज्ञानी ॥ न
रहेसंशयतसआगे ॥ आ० ॥ ३६ ॥ लवणकहेरघुपतीशुं
झुडी ॥ अंकुशलक्ष्मणसाथे ॥ चारेसहसअक्षोहणीनो
पति ॥ तुमहण्योनिजहाथे ॥ आ० ॥ ३७ ॥ सोरेहमतुम
साथेअडिया ॥ सुजशदियोजगनाथे ॥ अस्त्रशस्त्रशुं
अतिसडिशुं ॥ नहींतवपडशुंबाथे ॥ आ० ॥ ३८ ॥ राव-
णशुंलडतांनयाउथ्या ॥ सोअजलजोहमसेंति ॥ हमलो
आदियउंअबलडशुं ॥ क्षत्रीनीएजेत्ति ॥ आ० ॥ ३९
॥ एमसुणीनेरामसुलक्ष्मण ॥ लवणांकुशदोवीर ॥

धनुष्यन्यडावीसन्मुखआवे॥ मेरुतणीपेरेधीर॥
आ०॥४०॥ रामतणारथनोसारथियो॥सेनापतिने
सुहावे॥वज्रनंघजलवणतणोरथ॥ जेउवेलशपावे॥
आ०॥४१॥वीरविराधलक्ष्मणरथआवे॥ पृथुअंकुश
रथजेडे॥ रथसारथीयायारहिसोजरा॥ एकएकनेछे
डे॥ आ०॥४२॥ पितृपितृव्यनणीलखी॥ कुंअर-
जतोशंका॥मलुजपुत्रोलेटनमणे॥योटकरंतनिशंक
का॥आ०॥४३॥ विविधायुधेविविधपरेरे॥ लडवेकुंस
मनावी॥रामकहेभेडुरथजेडी॥ लियेअरिनेरेटभा-
वी॥ आ०॥४४॥ कहेसारथीहयनवीहाले॥पीडाणा
शरघावे॥ कस्यांघावशुंताडताहिं॥ पाछाहिपगठावे॥
आ०॥४५॥रथमलुजनोसिथिलहुओअति॥ वय-
रियेअतिताड्यो॥ करीसिथिलताजेंयतरश्मी॥ अ-
रितोहीननमाड्यो॥ आ०॥४६॥ रामकहेनपड्याक-
रदीला॥ कोईकामछेणसारे॥ सोकरदीलाआलपड्या
छे॥ सांसोकुणनिवारे॥ आ०॥४७॥ वज्रवर्तधनुष्य
धणीनुं॥ सघलुंकामसभारे॥सोहीमुंहडेइरीरहियो
॥वातपडीअविचारे॥ आ०॥४८॥ मुसलरत्नहलण
मलअरिनुं॥ सोपणटीलोपडियो॥ अरिगंजणअं-
कुशसहलखे॥ अेहिअरिशुंनवीअडियो॥ आ०॥४९
॥लक्ष्हल्मेसेवीतछेरे॥हलमुसलअेसकामा॥ कोई
अवस्थाकेरेकेडे॥हूआआलनिकामा॥ आ०॥५०॥
राघवनांनिमातिमलक्ष्मणनां॥ सघलांहिउपडमेंगि

तेडीघांतेसामांनायां ॥ नगम्नगंतोधर्मी॥ आ०॥ ५१ ॥
जेटलेअंकुशजाणेहणियो ॥ हीयेलक्ष्मणकडो ॥ मूर्च्छा
येपडियोरथमांहिं ॥ अंकुशजीघोशाडो ॥ आ०॥ ५२ ॥ मू-
र्च्छायेपड्योप्रभुपेंजी ॥ रथतोघरनेंचलायो ॥ वीरविराध
वियारीवाइ ॥ स्वामीसंज्ञापायो ॥ आ०॥ ५३ ॥ वीरविरा-
धशुंप्रभुजोलियो ॥ अनुचित्तकार्यतेंकीधो ॥ रामरमेंरस
रंगेरणमें ॥ मुनरथघरनेलीधो ॥ आ०॥ ५४ ॥ देईरथर-
णमेंअरिनेहणीशुं ॥ चक्रे छेदीशीशो ॥ लक्ष्मणजइरी
रणमेंआयो ॥ उपज्छे अतीरीसो ॥ आ०॥ ५५ ॥ रेअंकु-
शकुंवरातृणनिमतोडुं ॥ कोईनजावुंचारो ॥ चक्रचलावेअ-
रिनेघवे ॥ अंकुशसुतनीलारो ॥ आ०॥ ५६ ॥ देईप्रदक्षि-
णापाछोवलियो ॥ लक्ष्मणनेकरेजेठो ॥ निमतइपंभि
धीडीअपूठो ॥ आवीमालेपेठो ॥ आ०॥ ५७ ॥ इसीमूर्छि-
र्छोसो किशिआयो ॥ पंडितताभवियारे ॥ गोतीनेंपहुंचे
छेगुणलिइओ ॥ सोयुहिंश्युमारे ॥ आ०॥ ५८ ॥ रामसु-
लक्ष्मणआरतिआणे ॥ वासुदेवजलदेवा ॥ एहोई छार्ठ
उपनिया ॥ पदवीजेहमसेवा ॥ आ०॥ ५९ ॥ एहछेप-
न्नमीढाले कुंअरा ॥ कीरतीअधिकदेजाया ॥ केशराल
लगलेतालेथी ॥ तेआगेनशपाया ॥ आ०॥ ६० ॥

॥ काफीरागेदोहा ॥

सिध्धारथसाथेकरी ॥ नारदऋषीआवंत ॥ चिंचिशुंकु-
रतांचंदना ॥ गाढोसुखपावंत ॥ १ ॥ दूचिंतादेजीरामने

नारदजीपूछंत ॥ कुशजरणआरतितणुं ॥ राघवजेहे
तुरंत ॥ २ ॥ झोडाघांघापिपरे ॥ आंपीडेत्रषीदेव ॥ भूमि
पसाईथायछे ॥ आवेअेअहमेव ॥ ३ ॥ अेजाण्याजनि
यामहा ॥ नहींहमारोताल ॥ करणअेआरतितणुं ॥ त्र
षीलाधेसुविशाल ॥ ४ ॥ हर्षपानविपवादके ॥ अंईकरे
रघुनाथ ॥ अेहसुबोलसुहामणा ॥ निसुणेसघलोसाथ
॥ ५ ॥ अेअयसीतातणा ॥ युगलपणेअभिराम ॥ लव-
णांकुशअभिधानथी ॥ पुत्रतुमारारामा ॥ ६ ॥ त्यागतणे
दिनधुरकरी ॥ युध्धतणोदिनअंत ॥ संभलाव्योश्रीराम-
ने ॥ सीतानोविरतंत ॥ ७ ॥ प्रभुजनेमिलवाभणी ॥ आ
व्याआणीस्नेह ॥ आपणणाविणजाणते ॥ करीदेजावी
अेह ॥ ८ ॥ अेहनीअेअहिनाणिका ॥ मनशुं करोवियार
॥ पंकअपूहोतोइस्यो ॥ जेसगपणव्यवहार ॥ ९ ॥ आ
दिनाथनापुत्रनी ॥ निसुणीहोशेवात ॥ बाहुबलमाहिं
तणी ॥ पंकेनकीधीघात ॥ १० ॥ तुमराखीनेतुमतणी
॥ अवरांशिरकिमहोई ॥ हाथीअयोहाथिया ॥ साथेल-
डंतोजोई ॥ ११ ॥ विस्मयपामीजेहनो ॥ हर्षहीयेनसमा-
य ॥ मूर्च्छाआईधरणीपड्यो ॥ लीधोतामकिनाय ॥ १२ ॥
आंख्येआंसुनाजता ॥ लक्ष्मणलीयाभास ॥ पुत्रोनेमिल-
वायस्यो ॥ केईनलाईवास ॥ १३ ॥ स्वरथयीतधडेतस्य
॥ आवंताप्रभुदेख ॥ लवणांकुशसकुमारजी ॥ विनयक-
रिसुविशेष ॥ १४ ॥ हाथांथीहथियारने ॥ अलगांना-
ख्यांताम ॥ रामअनेलक्ष्मणतणे ॥ चरणेकरेपरणाम ॥
१५ ॥

॥ ढालसत्तावनमी ॥

(मूढआढाडोकुरारेमोहना, ओदेशी.)

नंदनशीलसदांहडीरे ॥ नंदना ॥ शीतलहोईअपारे
॥ नंदनतेसवीपूलहीरे ॥ नंदना ॥ नंदनवडोसंसारे ॥ नं-
दना ॥ परमपियारे ॥ १ ॥ नंदनारे ॥ नंदनथीआनंदरे ॥
नंदनहेसुखकंदरे ॥ नंदनपूनमचंदरे ॥ उल्हासेवंशासमु-
द्ररे ॥ नंदना परमपियारे ॥ २ ॥ एटेक ॥ सुतपाखेसुज
सयलजोरे ॥ नंदना ॥ पहेलुसुजतोपुतरे ॥ स्थितिनो
चालणपूतजरे ॥ नं० ॥ पुत्रथकीघरसूतरे ॥ नं० ॥ परम०
॥ ३ ॥ उछाळीउंच्याकरीरे ॥ नं० ॥ लीधाकंठलगायरे ॥ हृ-
दयस्नेहरिझतणेरे ॥ नं० ॥ हेलहीयेनसमायरे ॥ नं० ॥
परम० ॥ ४ ॥ ओलेलीधाजांतरुरे ॥ नं० ॥ चूंजेरिरसो-
वारे ॥ न्हवरावेनयणांजलेरे ॥ नं० ॥ पोषेप्रेमअपारे ॥
नं० ॥ परम० ॥ ५ ॥ शत्रुघ्नपगेलागतारे ॥ नं० ॥ आलिं-
गनआधिकारेरे ॥ लवणांकुशपायनमेरे ॥ नं० ॥ ताम
सहुपरिवारेरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ ६ ॥ दोईपदनाराजी-
यारे ॥ नं० ॥ मांहोमांहेउच्छाहरे ॥ होवेरंगविनोदजी
रे ॥ नं० ॥ आणेमांड्योविवाहरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ ७ ॥
पराक्रमदीठपुत्रनोरे ॥ पुत्रपिताभेंमेलरे ॥ मलियोचंप-
नअगोरियपूरे ॥ नं० ॥ दूधेसाकरभेलरे ॥ नं० ॥ परम० ॥
८ ॥ निरजीहरषीजनकीरे ॥ वातपडीसहुठामेरे ॥ जना-
कुदिगईनिजथानकेरे ॥ नं० ॥ जेसीविमासेतामेरे ॥
नं० ॥ परम० ॥ ९ ॥ सरखापुत्रोरोलियारे ॥ श्रीलक्ष्म-

णजीरामेरे ॥ ईन्द्रतणोघरउपनोरे ॥ नं० ॥ जयंतउअ-
भिरामरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ १० ॥ सरीखासुतछेजेहने
रे ॥ नं० ॥ असरभारेअनेकरे ॥ गालीदेवाडणहारजीरे
॥ नं० ॥ नशवालाडोअेकरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ ११ ॥ भामं-
डलजीभाजीयुंरे ॥ नं० ॥ अनृपनेसुपसायरे ॥ अतुमर-
संगहेमीयोरे ॥ नं० ॥ सुसनभात्योशायरे ॥ नं० ॥ परम०
॥ १२ ॥ भामंडलनेमयालहोरे ॥ नं० ॥ मह्यारेतोछेतेमरे ॥
भीरनीरज्युंमिलीरह्यारे ॥ नं० ॥ नृपशुंप्रभुनेप्रेमरे ॥
नं० ॥ परम० ॥ १३ ॥ जेसीविमानेविराजतारे ॥ नं० ॥ ल-
क्ष्मणरामउछाहिरे ॥ आगेजयमपुत्रजीरे ॥ नं० ॥ आ-
वेनगरीमांहेरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ १४ ॥ उन्यीश्रीवाच्येसो-
कजीरे ॥ नं० ॥ मिलियाजन्यालेआयरे ॥ मुजमुजजय
जयउच्चरेरे ॥ नं० ॥ धन्यधन्यराघवरायरे ॥ नं० ॥ प-
रम० ॥ १५ ॥ उतरियाविमानथीरे ॥ नं० ॥ आवीने
दरबारे ॥ ओछवमांडयोअतिघणोरे ॥ नं० ॥ घर
घरमंगलाचारेरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ १६ ॥ नोबतवाजे
नादसुंरे ॥ नं० ॥ नाचेपात्रअपाररे ॥ लडमंडिनेव-
रसियारे ॥ नं० ॥ चरस्याउंच्यनधाररे ॥ नं० ॥ परम०
॥ १७ ॥ लक्ष्मणजीसुग्रीवजीरे ॥ नं० ॥ बिभीषण
हनुमानरे ॥ अंगदआदेसहूमिलीरे ॥ नं० ॥ वीन-
वीयोशत्रुघनरे ॥ नं० ॥ परम० ॥ १८ ॥ राजवियोगे
पुत्रशुंरे ॥ नं० ॥ दिनअढयायामांतरे ॥ परदेशामां
ओठसीरे ॥ नं० ॥ रयणीछमासीजतरे ॥ नं० ॥

[illegible] ७॥८-॥पत [illegible] ॥बेलवोण [illegible] नेहुवी
[illegible] म[illegible]नरोसाटलवलारे॥ नं०॥ पातकमहोटाहो
रे॥नं०॥परम०॥२०॥ ईहांसेईआवियेरे॥पामीप्रभु
आदेशरे॥ आगेईच्छारावलीरे॥नं०॥पंचवाक्यसुवि-
शेषरे॥नं०॥परम०॥२१॥ भाषेराघवरानिओरे॥नं०
॥बोलावीनेकेमरे॥ जनअपवादमटयोनथीरे॥ नं०॥
तुमेपणजाणोओमरे॥ नं०॥परम०॥२२॥ हुंजाणुंसी-
तासतीरे॥ नं०॥ सापणजाणेआपरे॥ दिव्यक्रियां
सघलोमिटेरे॥ नं०॥लोकवचनसंतापरे॥ नं०॥परम०
॥२३॥ सर्वलोकनीसाखेसुंरे॥ नं०॥ दिव्यकरवुंदेवरे
॥मुहडोफिरसेलोकनोरे॥ नं०॥ साचेसह्यातताजेवरे॥
नं०॥परम०॥२४॥ भजुंभलुंभूपेभण्युं रे॥ नं०॥ न-
यरीबाहिरजायरे॥ मंडपमांड्योमोटकोरे॥ नं०॥ मं-
चकजहुंमंडायरे॥ नं०॥परम०॥२५॥ आवीजेहरा-
जुयारे॥ नं०॥ बिभिषणसुग्रीवरे॥ भूचरनेखेचर
सहुरे॥ नं०॥ आव्यालंगमजीवरे॥ नं०॥ परम० ॥
२६॥ पुरीअयोध्यायेसहुरे॥ नं०॥ तेडाव्यासहुलोकरे
॥साचेदियालोगाजेडूरे॥ नं०॥ ज्युंदरीनाविकरेजोक
रे॥नं०॥परम०॥२७॥ प्रभुआदेशेत्यालियोरे॥नं०
कपिपतिलेवातासरे॥पुंडरिकपुरीआवियोरे॥नं०॥अम
णीअतिउल्हासरे॥ नं०॥परम०॥२८॥ पगप्रणमी
सीतातणारे॥ नं०॥ तिमकरेअरदासरे॥पुरीअयो-
ध्याआविकेरे॥ नं०॥सईसकरोहमआशरे॥नं०॥पर०

॥२९॥ पुष्पकनामेविमानजोरे ॥मोकल्योरघुनाथ
रे॥ मतुकरीनेमोकल्युंरे॥ नं०॥ अंहुंसवलेसाथेरे॥नं०
॥परम०॥३०॥ चालत्रगेसमियुंनथीरे॥नं०॥अरण्येतन
ज्यानुंदूःजरे॥ चलीकिस्युंकरशेप्रभुरे॥ नं०॥सस्युंस्वा
मीनुंसुजरे ॥नं०॥परम०॥३१॥पुनरपीकपिपतीवीनवेरे
॥नं०॥शुद्धिकरेवाकालरे॥ जोलाव्याछेतुमप्रभुरे॥नं०॥
वेगेपधारोरालरे ॥नं०॥परम०॥३२॥ अमसुणीहरखीज
रीरे॥नं०॥ वांछीथीअेवातरे॥ अेयहीकेविमानमेरे॥नं०
॥आगेगछेतवमातरे ॥नं०॥परम०॥३३॥ महिन्द्रोदयआ
गमेरे॥नं०॥उतारियुंविमानरे॥ सरूमणलछेपगेलागि-
आरे॥नं०॥पगेलाग्यानृपआनरे॥नं०॥परम०॥३४॥आ
गेअेसीवीनवेरे ॥नं०॥ घेरपधारोआलरे॥ अेघरअेपुरथा
हरोरे॥नं०॥ थारोअेसहुरालरे॥नं०॥परम०॥३५॥सती
कहेवस्ससान्येअेरे॥नं०॥पहेलीकरीशुंशुध्धिरे॥पाछेजन-
णेकेवलीरे॥नं०॥लेउपलशेशुध्धिरे॥नं०॥परम०॥३६॥
अेसघलुंसांभल्युंरे॥नं०॥राघवजनेआयरे॥सतीकहे
प्रभुआयकेरे॥नं०॥ जोसेसीधान्यायरे॥नं०॥परम०॥३७
॥रावणसाथेरागनोरे॥नं०॥ नहुओछेलवलेशरे॥धीजक
रोधृतीआदरीरे॥नं०॥ हेअेलोकअशेषरे ॥नं०॥परम०॥३८
॥कसीजोलीतवजनडीरे॥ नं०॥ प्राणनाथअवधाररे॥तुं
मथीशाणो कुणछेरे॥नं०॥ नकरशेअमविचाररे॥नं०॥ परम
॥३९॥ वातकहेतांविरचियारे॥नं०॥लवणांकुशनातातरे॥
अोछेतोअोछीकरेरे॥नं०॥पूरपूरीवातरे॥नं०॥ परम०॥

॥४०॥ जूठीजणोछोमनेरे ॥ नं० ॥ तोपहेलांधोंढडेरे ॥ पा
छेडरसुंहुंसहीरे ॥ नं० ॥ धीजतणीपगमंडेरे ॥ नं० ॥ परम०
॥४१॥ रामकहेलक्ष्मणसुणोरे ॥ नं० ॥ मेंनवीजाणीओडरे ॥
आणईजणुंछुंनहींरे ॥ लोकरेमुजमोडरे ॥ नं० ॥ परम०
॥४२॥ तेहथीअमुनउपनीरे ॥ नं० ॥ उतारेतुजलारेरे ॥ दि
व्यकरेसहुदेखतांरे ॥ नं० ॥ साचेसहुनोप्यारेरे ॥ नं० ॥ पर०
॥४३॥ युक्तिवातकहेजनकीरे ॥ नं० ॥ दिव्यकरूंहुंपंचरे ॥
अग्नीमेंझंझीपडुंरे ॥ नं० ॥ नकरूंकोमलखंचरे ॥ नं० ॥ परम०
॥४४॥ चावलनेचावुंसहीरे ॥ नं० ॥ पीउंताताकोशरे ॥ ज
लेसाहुंत्रादियारे ॥ नं० ॥ चंढुंतुलाईसरोसरे ॥ नं० ॥ परम०
॥४५॥ ईणमेंनेतुमनेगमेरे ॥ नं० ॥ सोईकरोपरसाहेरे ॥ रां
झजोईमआणजोरे ॥ नं० ॥ सुजलेअहजल्हाहेरे ॥ नं० ॥ पर
म० ॥४६॥ सिध्धारथऋषीरायजीरे ॥ नं० ॥ अंतरिक्षला
पंतरे ॥ मतिश्रवरांसोरामजीरे ॥ नं० ॥ दआवीधजंतरे ॥ नं०
॥ परम० ॥४७॥ लोकसहुमलुआगलेरे ॥ नं० ॥ करेवीनती
आविरे ॥ सीताजीमहांटीसतीरे ॥ नं० ॥ शीलतणेसुप्रभा
विरे ॥ नं० ॥ परम० ॥४८॥ कह्योतेहिकीघोसहीरे ॥ नं० ॥ ल
गमेंअहिकहायरे ॥ रहवाघोअजमनेरे ॥ समजोराघवरा
यरे ॥ नं० ॥ परम० ॥४९॥ हुंतोसमजुंछुंसहीरे ॥ नं० ॥
सीताछेनिरदोषरे ॥ दोषचढाव्योछेतुमेरे ॥ नं० ॥ मुजने
अअईसोसरे ॥ नं० ॥ परम० ॥५०॥ मीठामुजडाआगलेरे
॥ नं० ॥ कडवातमपरपंठे ॥ पंछाथेपडअमेअवडे ॥ नं० ॥ ला

॥नं०॥कोहतुमारीजीहरे॥ जिणमांहेजिणजाहिरेरे॥
नं०॥आतुरथहेअबिहरे॥नं०॥परम०॥५३॥कालकेरी
तुमलोजेशोरे॥नं०॥सीताछेसकलंकरे॥अमनरोज्युंस्वा-
मीनुंरे॥नं०॥किहांगयुंछेरांकरे॥नं०॥परम०॥५४॥थी
नकरावीआकरोरे॥नं०॥आलकेइसहुसाथरे॥साथवडो
संसारमेंरे॥मणीनहींयाथेकान्यरे॥नं०॥परम०॥५५॥
हुयतीलसेंनीजणीरे॥नं०॥लांबीयहुडीजाडेरे॥पुरष
होछीधींडीकरीरे॥नं०॥छंधिणथयंदनकाडेरे॥नं०॥परम०
॥५५॥सत्तावनमीढालमेंरे॥राघवयाप्योधीनरे॥केश-
रालसतशीलथीरे॥स्वास्यसायेनुंजीलरे॥नं०॥परम०॥५

॥केदारारागेदोहा॥

गिरिवैताढ्येजाणिये॥उत्तरश्रेणीमझार॥हरीविक्रम
वकरालवी॥नयलूजणसुतसार॥१॥अठोत्तरशतकु-
वरी॥परणावीराजन॥सुजलोगवतांआवियो॥मोन-
हतणुंअवसान॥२॥मातुलनंदनहेमरीजश॥किरण-
मंडलानार॥जेमरजनीविलोकतां॥वातपडीसुविचार
र॥३॥जादीदीधीजामिनी॥आपणसंयमधार॥विद्युन-
तदंष्ट्रनामथी॥राक्षसणीथईनार॥४॥अयोध्याउ-
द्यानमें॥ऋषीप्रतिमाप्रतिपन्न॥राक्षसणीउपसर्गथी
॥निश्चलराख्योमन॥५॥साधुकह्योतेकेवली॥आ-
ओछवकरवाकाल॥इन्द्रादिकजहुदेवता॥आवीअधिक
जिराल॥६॥अचरसहेजीधीलनो॥देवदयापरप्राहि

॥हरिजिसाथेवीनवे॥जेसवहेजगमांहि॥७॥ज्ञा-
नीजिनिश्चललहे॥सीतासतीअपार॥दग्धेछेअजला
लणी॥मूर्ख्लोकगिमार॥८॥सीताशानिधकारणे॥
जनीकपतिअलिराम॥मूकीहरिजापणकरे॥केवल
जोरुछवजाम॥६॥रामतणाआदेशथी॥दीधांकाष्टघन
गाय॥मिलिरहीज्वालावली॥देख्योहींनाविजनथ॥
१०॥सीतापावकुपाजती॥आवीछेमलाषंत॥वीतराग
अजरसाधुसुर॥आपसोजीराजंत॥११॥लोकपाल
सहुसांभलो॥सूरयंन्द्रवडदेव॥दिवसनिशानासाक्षि
आ॥तुमजाणोसहुजेव॥१२॥मनेकरीवचने करी॥
कायाये करीजेय॥जगतनेसोवतविषे॥रामटालीनर
कोय॥१३॥जेकोमेंवांछ्योहुवे॥बालीकरोमुजछार॥
वैश्वानरजगसाजिया॥जेहअछोतुमचार॥१४॥नहिं
तरतुंपाणीहुजे॥अेमकहीततकाल॥श्रीनवकारहिं
सुमरती॥कडकेपडीसाजाल॥१५॥पडतांहिंपहेलीथई
रे॥अग्नीकीटीवाव॥निर्मलपाणीशुंभरी॥शील
तणेसुप्रभाव॥१६॥

॥ढालअठावनमी॥

(नायकानीदेशीछे.)

सिंहासननलणीपरे॥तेउपरसाजयरे॥सीता॥
हंसीज्युंपंकजऊपरेरे॥जेठीशोभापायरे॥सीता०॥
१॥सत्यवतीसाध्वीसतीरेलाल॥साच्योजेहनोशील

रे॥सी०॥सुरवरसानिध्यकरियारे॥शीलथकीअति
लीलरे॥सी०॥३॥अग्नीसुंज्वालाजाकरीरे॥धगधग
गतांअंगाररे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥सलीलहुआ
तेसाररे॥सी०॥४॥अर्णवावर्त्तनामथीरे॥योजुंछेते
यापेरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥रामथहोडियुंआ
पेरे॥सी०॥५॥हनुमंतजिहधिजिसंघीयोरे॥लंकाओ
वरउद्यानरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥जीन्नयोरा
म्नरे॥सी०॥५॥पथ्थरपाणीजीपरेरे॥तारवियाश्री
रामरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥सरियांतंछितअ
मरे॥सी०॥६॥शक्तिप्रहारेनामूर्छारे॥सौमित्रीक
सोठीरे॥सीता०॥सीतानेशीलेकरीरे॥युध्यकत्योले
ठीरे॥सी०॥७॥देवनेथलीदानवेरे॥रावणलीनमराय
रे॥सी०॥सीतानेशीलेकरी॰

कीर्त्तिमलयोछरे ॥ सी० ॥ १३ ॥ गुलंगुलशब्दसुहामणारे
॥ कोई करेहुंकारे ॥ सी० ॥ कोई लंबायेललकारे ॥ कोई न-
यनयकारे ॥ सी० ॥ १४ ॥ कोई जलजलजातसुंरे ॥ कोई
दिलदिलदेवरे ॥ सी० ॥ विविधप्रकारेयेद्दारे ॥ देवकरेतत
जेवरे ॥ सी० ॥ १५ ॥ थ्योंथ्योंथ्योंथ्योंनादसुंरे ॥ वाजेमधु
रमृदंगरे ॥ सी० ॥ तालरटणीपंगसुंरे ॥ होईरह्योरसरंग
रे ॥ सी० ॥ १६ ॥ कोईवजावेवांसलीरे ॥ कोईवजावेवीण
रे ॥ सी० ॥ तानकुमानअनुमानसुंरे ॥ होईरह्यालयलीन
रे ॥ सी० ॥ १७ ॥ कोईअलापेरागनेरे ॥ कोईसुरतियरंत
रे ॥ सी० ॥ नाचेतामथारंगनारे ॥ थईथईशब्दकरंतरे
॥ सी० ॥ १८ ॥ वापीनुंजलवाधियुंरे ॥ जेमसायरकल्लोल
रे ॥ सी० ॥ पसस्युंदिशियारमांरे ॥ करतुंअधिककल्लोल
रे ॥ सी० ॥ १९ ॥ मांन्यातामतणायवारे ॥ लागानाठालो-
गरे ॥ सी० ॥ असंजाह्याआंकतारे ॥ नाणीनलसनुंनेगरे
॥ सी० ॥ २० ॥ विद्याधरतेवेगसुंरे ॥ तामगयातेनासरे ॥
सी० ॥ पाणीलोलयपामकेरे ॥ दीर्याआतिजाकरीरे ॥
सी० ॥ २१ ॥ सूयरलरभाणाधणारे ॥ दीनपणुंआति
दाजेरे ॥ सी० ॥ मकुसतीमहोटीसतीरे ॥ राजराजअज-
राजेरे ॥ सी० ॥ २२ ॥ लोककिस्युंआज्याघणुंरे ॥ साया
केरीसाजेरे ॥ सी० ॥ देवघानवेमलीरे ॥ लसीलसीभुज
लाजेरे ॥ सी० ॥ २३ ॥ थालीनेदोईहाथसुंरे ॥ उतरियें
तेपूररे ॥ सी० ॥ प्रथमप्रमाणेआणिउंरे ॥ पाणीपूर-
रपंकूररे ॥ सी० ॥ २४ ॥ उत्पलकुमुदकह्लारघणारे ॥ पुंड-

रीकनेपद्मरे ॥ सी० ॥ पंकजविविधप्रकारनोरे ॥ हंसादिक
रासश्वरे ॥ सी० ॥ २५ ॥ नलविचेतरीआइलेरे ॥ मन
णीकेशसोपानरे ॥ सी० ॥ शलोपलीतटबांधियारे ॥ वाव
पीछेसुजथानरे ॥ सी० ॥ २६ ॥ नारदऋषीनाथेघणुंरे
॥ करतोसीलप्रसंसरे ॥ सी० ॥ गगनचद्योरसंगमेंरे ॥
वर्णवतोकुलवंसरे ॥ सी० ॥ २७ ॥ शीलवडुंसुवजाणियुं
रे ॥ सीतानुंजगमांहेरे ॥ सी० ॥ लोकसराहेसाहरोरे ॥ जे
कससाधीरछाहेरे ॥ सी० ॥ २८ ॥ सुप्रभावसीतातणोरे ॥
लवणांकुशकुंदेजरे ॥ सी० ॥ तरताहंसतणीपरेरे ॥ पासे
गयासुविशेषरे ॥ सी० ॥ २९ ॥ शिरसुंजीजेसाडियारे ॥ दोन
इसुतहाईपासरे ॥ सी० ॥ करिणीलिमकलभकरीरे ॥ पान
मीसासाजासरे ॥ सी० ॥ ३० ॥ सौमित्रीरानुघ्नरे ॥ लामंडल
ललनूपरे ॥ सी० ॥ बिभिषणसुग्रीवकरे ॥ आदेनूपक-
नूपरे ॥ सी० ॥ ३१ ॥ जयजयकरतापाजतीरे ॥ आयाआणी
उल्हासरे ॥ सी० ॥ पायनमीसुजानाजहीरे ॥ हमचरणांना
दासरे ॥ सी० ॥ ३२ ॥ आवीपयास्यारामकरे ॥ सी० ॥ करता
पश्चात्तापरे ॥ अंजलीजोडीवीनवेरे ॥ जेमकहंताआप
रे ॥ सी० ॥ ३३ ॥ लोकवचनेमेंतुंत्यजरे ॥ नकर्योकोइ
आलोचरे ॥ सी० ॥ अटवीमांहेमेलतांरे ॥ संभविओ
नहींसोचरे ॥ सी० ॥ ३४ ॥ सुप्रभावथीसुघरयांरे ॥

घरीआपणीरे ॥ धनमानवल्लवलाधेरे ॥सी०॥३६॥सी-
तालाषेस्वामीजीरे ॥ अंईकरोविषादरे॥ सी०॥नेहील-
लोनगलणथोरे ॥ तेसहुनुभमेसाहरे ॥ सी०॥३७॥जन
अपवादनिवारवारे ॥ नाजीआगमजसरे ॥ सी०॥कुल-
वंतीओगरीरे ॥ नामतणेआधारेरे॥ सी०॥३८॥ भूमंड-
लनीरेणुथीरे ॥ सूर्यबिंजोथायरे ॥सी०॥ एगुणथायत-
णोघणोरे ॥ रेणुनोनकहायरे ॥ सी०॥३९॥सापेहिंमाथे
मींडकोरे ॥ नाव्यंतोहेजायरे ॥ सी०॥ एगुणमंत्रतणोघ-
णोरे ॥ मींडकुनोनकहायरे ॥सी०॥४०॥ पैत्राहिमासेकेल
डीलारे ॥ कूकूराजकरायरे ॥ सी०॥ एगुणरजांजालोघणो
रे॥कोईलनोनकहायरे॥ सी०॥४१॥ नगरतणांतोजास-
नारे ॥ पाणीतेपूजायरे ॥ सी०॥ एगुणगंगाजलतणोरे
॥पाणीनोनकहायरे॥सी०॥४२॥ पारसकरस्यालोहनुं
रे ॥कंचननामधरायरे ॥सी०॥ एगुणपारसनोघणोरे॥
लोहतणोनकहायरे ॥ सी०॥४३॥ विवाहतणादिनआग-
दियीरे ॥आनतणोदिनछेहरे ॥ नेजीतेसजस्वामीनीरे ॥
जडीसगीछेदहरे ॥सी०॥४४॥ दुःजाहिमेंराजियोरे ॥ भ-
भुज्यारोनामरे ॥ सी०॥ तेसुजभेंनवीशजियोरे ॥एह
पसेजाठामरे॥सी०॥४५॥ महाशेताहरोलोकनोरे॥
ओर्छनदीसेदोषरे ॥ सी०॥ दोपनअे कृतकर्मनोरे ॥ करवो
रागनरोषरे ॥सी०॥४६॥ घरेपधारोआपणेरे ॥ पूरवला
सुजलोगरे ॥ सी०॥ लोगवियेलमलावसुंरे ॥ पुण्यतन-
णेसंयोगरे ॥सी०॥४७॥ सीतालाषेस्वामीनेरे ॥सरियुं

तुमसन्मानरे ॥ सी० ॥ संयमलेशुंसाद्दरोरे ॥ नरजन्म सुजस्मानरे ॥ सी० ॥ ४८ ॥ जेमदृढीणीपाळियारे ॥ स्वहुाये सिरज्ञेरे ॥ सी० ॥ प्रभुज्जनेपज्डावियारे ॥ जिननातेंमसुरेसरे ॥ सी० ॥ ४९ ॥ प्रभुज्जतजमूर्छितपञ्यारे ॥ नरहीशुध्यलगारे ॥ सी० ॥ जयभूपणश्रीगुरुभुजेरे ॥ सीघोसंयमभारे ॥ सी० ॥ ५० ॥ सुव्रतागुरुणीउन्हेरे ॥ शीजेविविधविशालरे ॥ सी० ॥ परममहासुजपामीयुंरे ॥ मनव्योसहुज्जन्मलरे ॥ सी० ॥ ५१ ॥ अद्ठावनमीढालमेंरे ॥ षटज्ञथज्ञेप्रतिपालरे ॥ सी० ॥ जेशरानधनस्रेसतीरे ॥ नमियेचरणत्रिकालरे ॥ सी० ॥ ५२ ॥

॥ धन्यासिरीरागेदोहा ॥

चंदनसुंसींच्योप्रभु ॥ ययोसच्येतनन्म ॥ किहांगई सीतासती ॥ रामज्ञेअलिराम ॥ १ ॥ लोलोभूयरजेयनरे ॥ लक्ष्मणसोभूर ॥ लुंचितज्ञेशाऊभिली ॥ मेलोआणीहुजूर ॥ २ ॥ रेलक्ष्मणतेनासुणी ॥ अरघलोदिलोनज्ञ ॥ हांसीज्ञेरछेदर्षसुं ॥ देजीमहाशेशोज्ञ ॥ ३ ॥ घनुष्यग्रहिरोसेभरयो ॥ लक्ष्मणभाषेताम ॥ असहुसेवज्ञस्यामीना ॥ कुणहांसीनोठाम ॥ ४ ॥ प्रभुज्जनिमसीतातज्जी ॥ दोषतणोडरआण ॥ तिमसीतासंसारअे ॥ तज्योभयलयआण ॥ ५ ॥ प्रभुआगलशिरलोचियुं ॥ जयभूषणगुरुपास ॥ संयमलीघोसादरो ॥ समतासुंवनवासा ॥ ६ ॥ जयभूषणप्रभुज्ञेवली ॥ आलहुआछेदेव ॥

आपनईओच्छवकरो ॥ च्यरणकमलनीसेव ॥ ७ ॥ तिहां
अछेसीतासती ॥ जेडीसतियांमांहे ॥ दर्शनकीनेदेवीनुं ॥
आपणपेंपच्छडाहे ॥ ८ ॥ सहूनपणामेंआविया ॥ रामकरे
सुविचार ॥ शुभगुरुपेंसंयमलियो ॥ धनधनसीतानार ॥
९ ॥ एमकहीपरिवारसुं ॥ जयभूषणगुरुसंग ॥ आवीपा-
यप्रणमीकरी ॥ देशनसुणीसुरंग ॥ १० ॥ देशनअंतेपूछी-
युं ॥ हुंछुंभव्यअभव्य ॥ तुमनेनहींअभव्यता ॥ भव्यअ-
छोतुमभव्य ॥ ११ ॥ इहभवेशिवपामसो ॥ पामीकेवल-
ज्ञान ॥ बलभद्रशलथयासो ॥ तुमछोपुरुषप्रधान ॥ १२ ॥
संयमविणशिवगतिनहीं ॥ तेतोमेंनलेवाय ॥ लक्ष्मणसाथे
मोहनी ॥ मेंकयुंहीनत्यजाय ॥ १३ ॥ ऋषीभाषेचिंतान-
हीं ॥ भोगवीपदबलदेव ॥ आपहींप्रतिबूजसो ॥ जिनम-
तनुंएलेव ॥ १४ ॥ बिभीषणभाषेभलुं ॥ सीतारावण
लीध ॥ किणकर्मेलक्ष्मणेहण्यो ॥ रावणपणेप्रसिध्य ॥ १५
॥ भामंडलसुग्रीवहु ॥ लवणांकुशअेदोय ॥ किसेकर्मेक-
रीदीपना ॥ प्रभुभक्तासहुकोय ॥ १६ ॥

॥ ढाल ओगणसाठमी ॥

(मेघडालनीजे, ए देशी-)

स्वामीभाषेसयलविचार ॥ दक्षिणभरतअछेभलो ॥ भा-
षेस्वामीजे ॥ जेमपूरेमयदत्त ॥ वणिकवसेगुणआगलो
॥ भाषेस्वामीजे ॥ १ ॥ सुनंदाउदरदोठी ॥ नंदनधुरधन-
दत्तछे ॥ भा० ॥ वसुदत्तविशेषी ॥ याज्ञवल्क्यसुमित्तछे

॥ला०॥२॥तिणहिनगरमझार॥सागरदत्तवसेसही॥
ला०॥गुणधरनामेनंद॥गुणवंतीकन्याकही॥ला०॥३॥
सागरदत्तेदीध॥धनदत्तनेसाकुंअरी॥ला०॥जणीसर
जीजेऽ॥लालच्यतोकेनाधरी॥ला०॥४॥रत्नप्रभातस
माता॥जर्यतणेलोभेकरी॥ला०॥शेठअछेश्रीकंत॥ते
हनेदीधीदीकरी॥ला०॥५॥याज्ञवलक्यजनणी॥जणा
णावीमित्रालणी॥ला०॥वसुदत्तेनिसिजर्ठ॥हण्योश्री
कंततेहणी॥ला०॥६॥श्रीकंतेपणतेह॥मारीसियोतव
नासतो॥ला०॥ऐसुण्योव्यवहार॥विणसेपरहिंविणा
सतो॥ला०॥७॥विन्ध्यावनमेंआय॥मृगहुआतेदे
ईजे॥ला०॥गुणवंतीनोजीव॥हुईहरणलीसोई
जे॥ला०॥८॥हरणीकेरेहेत॥मूवादोईकुरंगजे॥
ला०॥कूलियाकालअपार॥जगमेंकरतांरंगजे॥ला०
॥९॥सेघनदत्ततिवार॥ला०ईभूओसांमली॥ला०
॥हुओअधिकउदास॥घरथीन्याल्योनिकली॥ला०
॥१०॥रातेलागीभूख॥तामभुनीसरदेजिया॥ला०
॥भोजनकेरेकाज॥वाकुवचनविशेषिया॥ला०॥
११॥संग्रहनकरेसाधु॥दिनहिंतोरात्रेकिस्युं॥ला०
॥तुमसरिखाजानेरात्र॥भोजनक्युंमनमेंवस्युं॥ला०
॥१२॥प्रतिबोधाणोसोई॥श्रावकहूओसाच्यलो॥
ला०॥स्वर्गसुधर्मेदेव॥आगेकीजजसांभलो॥ला०
॥१३॥महापुरनगरमझार॥मइशेठभीयाधारणी॥
ला०॥पद्मरुची सुतसार॥श्रावकमतिसुजकारणी

॥भा०॥१३॥ एकदिनगोकुलजात॥ पडियोवृषभविलो-
कियो॥ भा०॥ दयातणीमतिआणी॥ मंत्रशयतेहने
दियो॥ भा०॥१४॥ छत्रछायनरिंद॥ श्रीदत्ताउदरउप-
न्यो॥ भा०॥ वृषभध्वजअभिधान॥ नंदननिरूपमनो-
पनो॥ भा०॥१५॥ कुंअरकरतोकेली॥ आयोहियाने
यली॥ भा०॥ ज्यांमूओछेजेह॥ देखीउपन्युंमन-
रली॥ भा०॥१६॥ जातीसुमरणपामी॥ तामकरावेदेहरो
॥ भा०॥ उपकारीनेहेत॥ कुंअरकुंअरसेहरो॥ भा०॥१७
॥ भींतिलखायोरूप॥ नरतवृषभनुंनामजे॥ शेठहिरूप
अनूप॥ नेमहुओथोकामजे॥ भा०॥१८॥ पलाणीयो
हयएक॥ तेहनेपासेराखियो॥ भा०॥ आरक्षनरनेएह
॥ भूपतीनेसुतभाखीयो॥ भा०॥१९॥ जेहनारूपनोजा-
ण॥ महारीपासेआणयो॥ करसुतसउपकार॥ तीयो
गुणतोमानवो॥ भा०॥२१॥ एमकहीघरेजाय॥ एट-
लेशेठपधारियो॥ भा०॥ गोकुलमांहेजात॥ पद्मरुचथी
उपगारियो॥ भा०॥२२॥ भींतेलखीयुंजेचीत्र॥ देखी
विस्मयपामियो॥ भा०॥ आरक्षथीलहीशुध्ध॥ आपु-
णआवियोधामियो॥ भा०॥२३॥ पूछेभाषेशेठ॥ महा-
शंकीघांकामजे॥ भा०॥ कुमरकरेपरणाम॥ आपप्रका-
शोनामजे॥ भा०॥२४॥ प्रभुजीतुमसुपसाय॥ पायो
पदअभिरामजे॥ भा०॥ तुंमेशगुरुदेव॥ तुजकरुंस-
लामजे॥ भा०॥२५॥ भोजनविधेएरान॥ रानतुमारो
आपियो॥ भा०॥ पुरमांहिवडवीर॥ आपसमोकरी

थापियो॥ भा०॥२६॥ शेठअनेसुकुमार॥श्रावकनांव्र
तपालेजे॥ भा०॥स्वर्गदूसरेदेव॥ विलसेसुखथिरं कर
जे॥ भा०॥२७॥ गिरिवैताढ्यविख्यात॥ नयरीनंदावर्त
जे॥ भा०॥ नंदीश्वरअभिधान॥राजराजकरंतजे॥भा
॥२८॥ पद्मश्रीसोदेव॥ करतोअतिआनंदजे॥ भा०॥क
नकप्रभानीकूख॥ नंदननयणानंदजे॥ भा०॥२९॥राज
करीव्रतलीध॥स्वर्गपांचमेअवतरजे॥ भा०॥ प्रागविदेहम
झार॥ क्षेमानगरीआयजे॥ भा०॥३०॥ विपुलवाहन
राय॥ नारीपउमावेउदरे॥ भा०॥ श्रीश्रीचंद्रनरेंद्र॥
राजतणीपदवीवरे॥ भा०॥३१॥ गुप्तिसमाधिसमीपण
संजमलीयोसाहरो॥ भा०॥ ब्रह्मलोकनोदेव॥ होईआ
व्योपाधरो॥ भा०॥३२॥ एअष्टमजलदेव॥देवसेव्या
सौदेवजे॥ भा०॥ वृंपलघलनोजीव॥राजाजेसुग्रीव
जे॥ भा०॥३३॥ नेहुतोश्रीकांत॥ भवमेंभमियोभूरि
जे॥ भा०॥ पाटणकंदमृणाल॥जोईपुण्यजंकूरजे॥भा
॥३४॥ वसुकुंठनरेस॥हेमवतीनोभइयो॥ भा०॥सं-
भूनामजहंता॥सालनजनमनलाइयो॥ भा०॥३५॥
नेहुतोवसुदत्त॥ हूजोसंभूभूपजे॥ भा०॥ विजयपुरो
हितरत्न॥ चूडाकूपीअनूपजे॥ भा०॥३६॥ नामेतो
श्रीभूति॥ नंदनानिजोभणियो॥ भा०॥ गुणवंतीभव
मांहे॥ भूपतीतामेजाणीयो॥ भा०॥३७॥ श्रीभूतिने
घरनार॥ नामप्रणामेसरस्वती॥ भा०॥ वेगवतीसुकु-
मारी॥ रूपेअधिककलावती॥ भा०॥३८॥सार्यावन

वयपाय ॥ एकदिनगईछीयालजे ॥ ला० ॥ एकंध्याले
प्रतिपन्न ॥ साधुरहियोशुलध्यानजे ॥ ला० ॥ ३९ ॥ लो
ककरंतासेव ॥ एहवोदेजीसाधुजे ॥ ला० ॥ आणीद्वेष
अतीव ॥ साभाषेअपराधजे ॥ ला० ॥ ४० ॥ नारीसाथे
एह ॥ भोगवतोवशभोगजे ॥ ला० ॥ मेंदीठोएकाल ॥
तामदिश्यासहुलोकजे ॥ ला० ॥ ४१ ॥ तपीकरेकाउस्सग्ग
॥ प्रगटपणेतोधर्मकही ॥ ला० ॥ छीतरशेएदोष ॥ तोमें
पोतेवोसही ॥ ला० ॥ ४२ ॥ सूरीकरीसानिध्य ॥ वेगवती
मुखसीलजे ॥ ला० ॥ व्याकुलव्याकुलथाय ॥ पावेदुःखअ
तीवजे ॥ ला० ॥ ४३ ॥ एहसुणीनेवात ॥ मातिनीत्रास्यां
घणुं ॥ ला० ॥ लयमानीमनमांहे ॥ भाजेअवगुणआ
पणुं ॥ ला० ॥ ४४ ॥ सुदर्शनमुनिपास ॥ आवीलोकगणा
मल्या ॥ ला० ॥ जमजेमुजअपराध ॥ तुमतपस्यांनिम
सांभल्या ॥ ला० ॥ ४५ ॥ सामीनाम्यांजेह ॥ सूर्यजेजो
नापडो ॥ ला० ॥ तुमनेदेजीनिर्दोष ॥ किस्युंजेकेनरआप
डो ॥ ला० ॥ ४६ ॥ तुमकूंठलिगमांहे ॥ कोईनहींलेशाजिले
॥ ला० ॥ क्षमाकरोअपराध ॥ याणींसुजीर्णमलाधिले ॥
ला० ॥ ४७ ॥ एमसुणंतांलोक ॥ पुनरपिसेवासाधवे ॥ ला०
॥ श्रावकधर्मसाथ ॥ वेगवतिमनराचवे ॥ ला० ॥ ४८ ॥ श्र
भदेजीरूप ॥ वेगवतीसुंराचिओ ॥ ला० ॥ कन्याकेरेकाज ॥
पुरोहिततवजाचिओ ॥ ला० ॥ ४९ ॥ मिथ्यादृष्टीजाणी ॥
कन्यानापेतातजे ॥ ला० ॥ जेरेसीघीजास ॥ ननकतणी
करीघातजे ॥ ला० ॥ ५० ॥ विप्रकियोरेनियाण ॥ राजनेदुः

जघयजे ॥ ला० ॥ होजेवचनप्रमाण ॥ मंड्युं एहवीपाय
पे ॥ ला० ॥ ५१ ॥ दिनथोडाघरराज ॥ छोडीदीधीजा-
लणी ॥ ला० ॥ आरनिकाआनिराम ॥ हरिकंतापासे
जणी ॥ ला० ॥ ५२ ॥ मरणतणेहुंहेतु ॥ होजेसंलुने
हणी ॥ ला० ॥ ग्रहीसंयमसुरलोक ॥ पामिगतिपंचमत-
णी ॥ ला० ॥ ५३ ॥ ननकुंतणेघरआय ॥ सीताजीएदीप-
ली ॥ वयरविलयनवीजय ॥ निमलापीतेमनीपली ॥ ला०
॥ ५४ ॥ मुनीवरजनेनेह ॥ जूठोआलचडावियो ॥ ला० ॥
जूठोआलनएह ॥ लोगांमांहिपावियो ॥ ला० ॥ ५५ ॥ ल-
वमेंजमतअपार ॥ संजुजवसुहामणो ॥ ला० ॥ कुशध्व-
जछेविप्र ॥ कूडोनेशलियामणो ॥ ला० ॥ ५६ ॥ सावित्रीत-
सनारि ॥ उदरेलियोअवतारजे ॥ ला० ॥ नंदननामेप्रभा-
स ॥ सुंदरनेसुखकारजे ॥ ला० ॥ ५७ ॥ विनयसेनहिंपा-
स ॥ संयमलियांसादरा ॥ ला० ॥ दुःकरतपनपकार ॥ स-
हेपरिसहआकरा ॥ ला० ॥ ५८ ॥ गिरिसमेतेजात ॥ कंच-
नप्रभविद्याधरइं ॥ ला० ॥ ऋद्धितणोविस्तार ॥ देखी
भोगपुरंदरइं ॥ ला० ॥ ५९ ॥ जेतपतणोहिप्रकार ॥ म-
हारेऋद्धिनएहवी ॥ ला० ॥ होजेकरेहिनियाण ॥ ने-
हचीगतिमतितेहवी ॥ ला० ॥ ६० ॥ नवत्रीजेसुरलोक ॥
देवतणांसुखभोगवी ॥ ला० ॥ आयुकर्मनेअंत ॥ आ-
व्योतेसुरवरच्यवी ॥ ला० ॥ ६१ ॥ कूआशवणराय ॥ सा-
धतुमारीएवडो ॥ ला० ॥ सहुराणीसिरताज ॥ वसुधा
मांहेवांकडो ॥ ला० ॥ ६२ ॥ याज्ञवल्क्यनोजीव ॥ जम-

तोभेलवसिंधुजे ॥ ला० ॥ अेतुंडिपन्योआय ॥
रावणनोलघुबंधुजे ॥ ला० ॥ ६३ ॥ श्रीभूतिहण्यो
तेशाथ ॥ पृथविअेपहेलीगयो ॥ ला० ॥ पूरभलेसुप्र
तिष्ठ ॥ पुनरवसुजेखरथयो ॥ ला० ॥ ६४ ॥ जेत्रविदेह
मझार ॥ पुंडरिकिणिछेविभयं ॥ ला० ॥ नामेत्रिभु-
वनिनंद ॥ चक्रिभगवंताहिभनय ॥ ला० ॥ ६५ ॥ अ-
नंगसुंदरीतास ॥ पुत्रीअमरीअवतरी ॥ ला० ॥ पुनर्व
सुतसदेखि ॥ लेईयाल्योअपहरी ॥ ला० ॥ ६६ ॥ चक्रि
सुभटेआय ॥ पंथेरोक्योपापियो ॥ ला० ॥ अकुला-
णोबहुंलत ॥ शुभटअतिसंतापीयो ॥ ला० ॥ ६७ ॥ अ
नंगसुंदरीबाल ॥ यानथकीडांकीजिरी ॥ ला० ॥ कोई
लिकुंजमझार ॥ आवीपडीसासुंदरी ॥ ला० ॥ ६८ ॥
पुनर्वसुलेईदिक्ष ॥ आगेसुनियोथायजे ॥ ला० ॥ कीन
धोअेहनिदान ॥ अेसुंदरिहुंपायजे ॥ ला० ॥ ६९ ॥ लै
गवीसुरपदसार ॥ विविधप्रकारेभुंजियो ॥ ला० ॥ द-
शरथघरअवतार ॥ अेप्रभुलक्ष्मणजहुओ ॥ ला०
॥ ७० ॥ वसतीवनहमझार ॥ राजसुताअविहुंघजे ॥
ला० ॥ तपतोउग्रअपार ॥ करतीभावविशुध्यजे ॥ ला०
॥ ७१ ॥ अंतसमेआराधी ॥ संथारेसूतीसती ॥ ला० ॥
अजगरआवीगलंत ॥ आरतीमेंनपडीरती ॥ ला० ॥
७२ ॥ जीनेउत्पेवसाय ॥ हुईविशल्याअेहजे ॥ ला०
॥ लक्ष्मणनेसुखदाय ॥ दिनदिनवधतोनेहजे ॥ ला०
॥ ७३ ॥ गुणवंतीनो[illegible] ॥ गणधरनामधरायजे ॥

ला०॥ संसारतोसर्वअसार॥ कुंडलमंडितथायजे॥
ला०॥७४॥श्रावकव्रतप्रतिपाल॥कीधोधर्मत्रिकाल
जे॥ ला०॥ सीतासहोदरएह॥ भामंडलभूपालजे
॥ ला०॥७५॥ काकंडीपुरमांहे॥ वामदेवनापुतजे॥
ला०॥स्यामाउदरअवतार॥राजेणघरनासुतजे॥
ला०॥७६॥ सुनंदसुनंदअन्य॥ हुआस्यकारणे॥
ला०॥ प्रतिलाभ्योमुनीएक॥मासखमणनेपारणे
॥ ला०॥७७॥ उत्तरकुरुभवलेई॥सुधर्मसुरलोकजे
॥ ला०॥काकंडीराजन॥रतिवर्द्धनआलोकिजे॥ला०
॥७८॥ सुदर्शनाजीमाय॥ दोईसुतउदरधारिया॥ला०
॥ प्रीयंकरप्रसिद्ध॥शुभंकरशुभकारिया॥ ला०॥७९
॥शावकरीव्रतपालि॥ देवहुआग्रैव्येकजे॥ ला०॥ लवन
णांकुशएदोई॥सीतासुतसुविवेकजे॥ ला०॥८०॥
सुदर्शनाजीमाय॥ लवांतरनीनेहजे॥ ला०॥ सिद्धा-
रथसाथाय॥ तेहिपढायाएहजे॥ ला०॥८१॥ एमु-
निवचनसुणंत॥ जहुलनलेवैरागजे॥ ला०॥ग्रहि
संयमपावंत॥सेनानीसौभाग्यजे॥ ला०॥८२॥राम
नमीऋषीपाय॥ पाम्याअतिसंतोषजे॥ ला०॥आर-
तिगईसुजथाय॥ प्रीतितणाअतीपोषजे॥ ला०॥८३
॥एगुणसाठमीढाल॥ भवांतरअवदातजे॥ ला०॥
केशरलरूपीशाल॥ वाडुकहीएवातजे॥ ला०॥८४

॥सारंग सोरठीरागे दोहा॥

सीतापासेंयालीडे॥ तवआयाश्रीराम॥सु कुमालांगी
स्वामीनी॥ऊठणचणुंअेडाम॥१॥ सीतातपनाडेलशा
अति॥ क्षुधातृषानीव्याप॥रहेचोमेलेजुगडे॥ निन
मतनीअेछाप॥२॥ भारयडीअेभारआति॥महोटो
संयमभार॥ज्युंनिवर्त्तसेअेभणी॥सांसोअेहुअपार
॥३॥रान्नरावणआगले॥राजीरहीनिनटेक॥राजेसे
संयमविषय॥साधीटेकअनेक॥४॥ ईमचिंमासीवंन
दना॥ डीधीराघवराय॥ लक्ष्मणआदेप्रणमिया॥सी
ताजनापाय॥५॥ सपेरिवारोरामजी॥ अयोध्याआन
वंत॥ गुणगातांसीतातणा॥ गाढोसुजपावंत॥६॥

॥ढालसाठमी॥

(उँ लूनीदेशीमांछे-)

सतियांसीतासाचीजी॥सुरवरदीधीसाजी॥स०॥ल-
दीलवीमुजेभाषी॥स०॥ श्रीमुजेभाषीरामजी॥
शीलसंहायशाजिओजी॥१॥ तीरथमेंसायोसहीजी॥
तीरथयाइहीहेजी॥ मंत्रामेंसायोसुणीजी॥ श्रीनवक-
रविशेषी॥ स०॥२॥ दानामेंसायोडहोजी॥ जुचतगुंल-
गदान॥ व्रतामेंसायोलहोजी॥ सायोशीलप्रधान॥स०
॥३॥ नियममेंसायोलणयोजी॥ नियमवडोसंतोष॥
सायोतपतपियातणोजी॥ समतारसनोपोष॥स०॥४
॥ दृढ़ऊरतपतपवेडरीजी॥ सेनापतीजीसोठी॥स्वर्गेप-

होतोपांच्यमेजी ॥ परमभहुसुजहोई ॥ स० ॥ ५ ॥ साठ
वर्षलगेस्वामीनीजी ॥ विविधपरेतपकीध ॥ आयाकीधी
दुभसीजी ॥ नरभवनुंफलसीध ॥ स० ॥ ६ ॥ अहोनिशा
तेत्रीसनोजी ॥ अनशनअतीआराधि ॥ दशविधआरा-
धनकरीजी ॥ समरसनोरससाधि ॥ स० ॥ ७ ॥ सागरतो
जावीसनोजी ॥ पायोपूरोआव ॥ अच्युतइन्द्रपदभोग-
वेजी ॥ सीतापुण्यप्रभाव ॥ स० ॥ ८ ॥ गिरिवैताढ्येनगरि-
येजी ॥ कांचनपुरप्रसिद्ध ॥ कनकरथराजाभलोजी ॥ राज
करेसमृद्ध ॥ स० ॥ ९ ॥ मंदाकिनीसुमानुनीजी ॥ चंद्रमु-
खीवीलास ॥ पुत्रीदोईपरणाववाजी ॥ स्वयंवरमंडप
तास ॥ स० ॥ १० ॥ रामसुलक्ष्मणतेडियाजी ॥ पुत्राने परि-
वार ॥ आव्याआडंबरघणे जी ॥ वरस्योंनिजअर ॥ स०
॥ ११ ॥ लवणवरेमंदाकिनीजी ॥ चंद्रमुखीयवीसाल ॥ अं-
कुशनेआगेथसीजी ॥ पहेरावेवरमाल ॥ स० ॥ १२ ॥ लक्ष्म-
णकुंअरजोपियाजी ॥ अढाईसेंवरसार ॥ लवणांकुशने
आगलेजी ॥ मांडेयुद्धअपार ॥ स० ॥ १३ ॥ लवणांकुश
भाषेभलीजी ॥ काकोजीतेबाप ॥ प्रीतीपनोतोछेंघणो
जी ॥ सुंकरवोसंताप ॥ स० ॥ १४ ॥ अवश्यछेभाईभणी
जी ॥ तेहथीवधनवीथाय ॥ गजकेसरिनेआगलेजी ॥
जोसंतोनलज्जाय ॥ स० ॥ १५ ॥ सरमाणासुसतायया
जी ॥ वैरागेवनवास ॥ अनुमतमागीजापनीजी ॥ आव्या
मुनिवरपास ॥ स० ॥ १६ ॥ अढाईसेंएकठाजी ॥ कुंअर
एउहिचार ॥ महाबलमुनिश्रीमुजेजी ॥ लीधोसंयम

भार॥ सं०॥१७॥ लवणांकुश कुंअरतणोजी॥ डी-
धोतवविवाह॥ स्वामी अयोध्या आविया जी॥ हुओ
घणोउछाह॥ सं०॥१८॥ भामंडलभूपालनेजी॥ ऊपे-
परभूमिआय॥ जहुविधभावेभावनाजी॥ चित्तने
लियेसमझाय॥ सं०॥१९॥ वशकुशीनेश्रेणीदीयजी॥
वर्तावीनगरआण॥ अन्यनेदीक्षालिनियेजी॥ तोस-
घलोप्रमाण॥ सं०॥२०॥ अेमचिंतवतांतेहनेजी॥ माथे
विद्युतपात॥ देवकुरेनरऊपन्याजी॥ सुखमांहेदिनज-
त॥ सं०॥२१॥ अेकदिवसहनुमंतजी॥ मेरुगिरिंदेजाय
॥ चैत्रमासेक्रीडाकरीजी॥ मनशलियायतथाय॥ सं०॥
२२॥ वाटेआवंताथकाजी॥ रवीआथमतोदेख॥ अेहसरु-
पसंसारनुंजी॥ चित्तचिंतेसुविशेष॥ सं०॥२३॥ दिनने
आदेऊगियोजी॥ वध्योमध्यदिनताय॥ घट्योदिनघ-
टवेकरीजी॥ आणसअेमगणाय॥ सं०॥२४॥ पुत्रपनो-
तोपाटवीजी॥ राजभारथापंत॥ दीक्षामहोच्छवमांडि-
योजी॥ दानघणुंआपंत॥ सं०॥२५॥ धर्मरत्नगुरुपा-
सतीजी॥ लीधोसंयमभार॥ सुंदरीसाढीसातशेंजी॥ ला-
गीप्रभुनेलार॥ सं०॥२६॥ जावेपीवेपहरवेजी॥ करवे
भोगविलास॥ प्रेमकरावेपद्मिनीजी॥ मांडीअेप्रीयरासुं
आश॥ सं०॥२७॥ अहुणीसिल्लाचारवेजी॥ प्रीयसा-
थेवैराग॥ करेतिकंथनकामिनीजी॥ साथेशिवनुंभाग
॥ सं०॥२८॥ आर्तिकालक्ष्मीवतीजी॥ पचखणीकेहवा-
यु॥ साथेरहेअेसाधवीजी॥ तेकालोअजपाय॥ सं०॥

२९॥ सांयोसंयमपालवेजी॥ कर्मतणोक्षयकार॥ हनु-
मंतहूवाकेवलीजी॥ पांम्यालवनोपार॥सग॥३०॥ हनुमं-
तदीक्षासांभलीजी॥ चित्तचिंतेश्रीराम॥ कष्टग्रहुंदीक्षा
तणुंजी॥ छांडिविषयसुखठाम॥सग॥३१॥सोधर्महरि
अविधिकरीजी॥ भणीएहपरणाम॥ विषममहागती
कर्मकीजी॥केहसलायेताम॥सग॥३२॥चर्मशरीरीराम-
जीजी॥ करेधर्मनीहांसि॥ वजाणेविषयायणीजी॥नय-
देवचनविमासी॥सग॥३३॥हाहामेंनएयोसहीजी॥लन
क्ष्मणरामस्नेह॥वचनअगोचरछेघणोजी॥ कोइनपावे
छेह॥सग॥३४॥ताम्रचस्यारेदेवताजी॥पुरीअयोध्याआ
य॥नेहपरीक्षाकारणेजी॥ मांडेएहउपाय॥सग॥३५॥
लक्ष्मणनेमायाकरीजी॥ देखावेतेदेव॥ अंतेउरसहुरो-
वतोजी॥ करुणास्वरेततखेव॥सग॥३६॥ पद्मपद्महाप-
द्मजी॥ पद्मिनीअधिकपुकारि॥रोवेभरणअक्षलनुं
जी॥ कयुंकिस्युंकिरतार॥स०॥३७॥वक्षस्थलकूटेघणुं
जी॥माथेछूटाकेश॥ मेलीनेतेमानुनीजी॥ करतिअवि-
कलेश॥सग॥३८॥ विलोकीविषवादसुंजी॥ लाधेल-
क्ष्मणभूप॥ जीवीतव्यनुंजीवितपणुंजी॥ भाईभूपअ-
नूप॥सग॥३९॥वातकहंतामरिगयोजी॥ फिटरेपापीक-
ल॥खेतरियोछलवटकरीजी॥रघुपतिसोभूपाल॥
सग॥४०॥ एमकहंतस्वामिनोजी॥ वचनासाथेजच॥
निकलिगयोतत्तक्षणतदाजी॥ आतुरपणेअतीव॥स-
ग॥४१॥ सिंहासनजेमयकजी॥हेमयंतजयंलि॥

आंबेपसाख्याहिरह्योजी ॥ लेपाबिंबनिरदलि ॥सं०॥
४२॥ लक्ष्मणमूओल्लाणिकेजी ॥ देवकेरेविषवाद ॥ हास्यर-
केश्लनश्यहूओजी ॥ दहीगयोपरसाद ॥सं०॥४३॥ विश्या
घरविशेषथीजी ॥ आपाहणियोस्नेह ॥ पश्चात्तापकरीघ-
णोजी ॥ स्वर्गगयासुरतेह ॥सं०॥४४॥ अंत पुरीनीपद्मि-
नीजी ॥ मूओलणीकंत ॥ कूदेपीरेआवटेजी ॥ रोवेअतीवि-
लपत ॥सं०॥४५॥ शोकवयनश्रवणेसुणीजी ॥ राघवबं-
सीजावंत ॥ अमंगलअल्लाणियाजी ॥ भंडेकिस्योतुरंत ॥
सं०॥४६॥ जोवेछेमुनलाईजी ॥ अमशुंकेममरंत ॥
मूर्छियोकोठप्रकारथीजी ॥ तवउपचारकरंत ॥सं०॥४७
॥ वैद्यलगाव्यावेगशुंजी ॥ पूछ्याज्योतिषजाण ॥ मंत्रतं-
त्रउपकरमअतीजी ॥ कीधाआपप्रमाण ॥सं०॥४८॥ को-
र्धनआव्योपाधरोजी ॥ तामप्रभुमूर्छाय ॥ संज्ञापामील-
नैजरोजी ॥ करुणास्वरेंविललाय ॥सं०॥४९॥ लारानुप्रभु-
श्रीवल्लजी ॥ बिभिषणलंकेश ॥ दुःजमाधिकेआरडेजी
॥ रोवेसायअशेष ॥सं०॥५०॥ कौशल्यादिकमायजी
॥ नयणेनाजैनीर ॥ छोडिजेवडवीरनेजी ॥ गयोविलाई-
वीर ॥सं०॥५१॥ मार्गमार्गपंथमेंजी ॥ घरघरहाटेहा-
ट ॥ शोकमेंसहुकोहुवाजी ॥ पडीअचितीवाट ॥सं०॥५२
॥ लवणांकुशप्रभुनेनमीजी ॥ अनुमतिमागेआप ॥
येससारअसारछेजी ॥ यमनोप्रबलप्रताप ॥सं०॥५३॥ अमृ-
तघोषमुनिसपेंजी ॥ पामीउत्तमदिक्ष ॥ मोक्षगयामुनि-
वरसहीजी ॥ आराधिगउशिक्ष ॥सं०॥५४॥ लोईले

[illegible] तणोजी॥ [illegible]मिथ्यणोवचोना॥ इरीइरीनूरछा-
यप्रभुजी॥ [illegible] जायेरलेण॥ [illegible]॥ ५५॥ [illegible]
पु [illegible] नाजी [illegible] पुत्रंदार्य [illegible]॥ हवुडि [illegible] आगेहुरीजी
[illegible] वेगोविंद [illegible] ५६॥ म [illegible] नूरछाए
[illegible] योरा [illegible] २॥ [illegible] नवण [illegible] करायजीजी॥
[illegible] वि [illegible] ५७॥ धीरा [illegible] रतुंजी॥
[illegible] ॥ लज्जा [illegible] कमजी॥ आ [illegible]
तजी आज॥ स० ८॥ प्रभुजीनी [illegible]
[illegible] प्रभु आदरायांजी॥ मेलीने साहु
॥ स० ॥ ५९॥ एहवुं [illegible] ति [illegible] यो [illegible]॥ ह
[illegible] जोसंत [illegible] प्र [illegible] यनवानवेजी [illegible] तु [illegible] गोल-
त॥ स० ६०॥ जीवेछेनु [illegible]॥ हुआनुमारा
त॥ ६ [illegible] तुनेदान [illegible] वलोजी॥ [illegible] सरवाहे-
यानत॥ स० ॥ ६१॥ [illegible] तुं [illegible] जीजी [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] लेईकरसो [illegible] जी॥ दुर्लभजनपैसारा॥
स० ॥ ६२॥ अथवा दुर्लभदेजताजी॥ केपेनहीं शब्दन
॥ एमकहीजांघे धरीजी॥ पक्ष्योअनेरेथान॥ स० ॥
६३॥ स्नानकरावेहाथसुंजी॥ अंगुछीनेअंग॥ विले-
पनविधिसाचवीजी॥ शमकरेअतीरंग॥ स० ॥ ६४॥
थालभरीभोजनतणाजी॥ मूकेआगेआण॥ भाईन
जआरोगियेजी॥ जोलेमीठीवाण॥ स० ॥ ६५॥ कह-
हिंअकारोपिकेजी॥ चूंजेवारअनेक॥ मस्तकजालिक
नीपरेजी॥ एपगवडविवेक॥ स० ॥ ६६॥ पोढावीने

मानवी ॥ मूढपणानां काम ॥ ३ ॥ पंकज विगे पाणी थी ॥
पाणी विण न विगंत ॥ जल शुं सिंच्ये मुशकुं ॥ क्युं हि न-
वी फूलंत ॥ ४ ॥ जीवन विगे न लविना ॥ वीभर जेत विशे-
ष ॥ वालु पिल्या घाणिये ॥ मूरख तेल म देज ॥ ५ ॥ तव जो-
ल्या हसी देवता ॥ ओळखे ओमन होय ॥ मूओ फिरि जीवे
नहीं ॥ स्वामी विमासी जोय ॥ ६ ॥ ओम कहा ओप्यो घणुं ॥ अ-
लंगीने देह ॥ कहे हूं रुन दष्टीथी ॥ आणुं छुं तुज छेह ॥
७ ॥ सेनापती सुरलोकथी ॥ जटायु नो विपाय ॥ देजे
जल लागे नहीं ॥ मोहमें रहे रघुराय ॥ ८ ॥ आपवी पाय-
ज केलवे ॥ मूर्छ नाशी ओक ॥ जां घे घरीने आवियो ॥ राम
वहे सुविवेक ॥ ९ ॥ ओके मूर्ज यी कनर ॥ मूर्छ नाशी जांघ ॥
लेई फिरे ले शोस हीं ॥ मूओ आवि जो सांघि ॥ १० ॥ स्वा-
मी अमंगल काढ्यो ॥ ओमुज वाली नार ॥ हीया थकी
नवी वितरे ॥ राम कहे सुविचार ॥ ११ ॥ वाला थी वालो
हूओ ॥ मूओ फरी नावंत ॥ मू आगया ते सोच्यतां ॥ शो-
भन कोपावंत ॥ १२ ॥ पर विपदेशी जग घणो ॥ आपन
समजे कोई ॥ राम मकेमोहि रह्या ॥ ता मकहे सुरसोई ॥
१३ ॥ डुंगर जलतो देखिये ॥ पगतले नवी देजंत ॥ छि-
द्रपरायां पेखिये ॥ पोतानां नवी पेखंत ॥ १४ ॥ ओह वच्यने
प्रतिज्ञूलियो ॥ प्रभु लजायो राम ॥ लक्ष्मण लाईजी
सही ॥ मूओ जाणे ओ राम ॥ १५ ॥ तव ते होई देवता ॥
आपण पोदे जाय ॥ पगे लागी प्रभुजी तणे ॥ स्वर्गे पहोता
जाय ॥ १६ ॥ संस्कार कर्या तणी ॥ रामे कियो तिवार ॥

आपेहुआणीतावला ॥ लेवासंयमभार ॥ १७ ॥ शत्रुघ्न
नेराजनी ॥ पदवीआपेईश ॥ शत्रुघ्नईछेनहीं ॥ संयम
साथेलगीश ॥ १८ ॥ लवणांतणोअंगजअछे ॥ अनंग
देवउदार ॥ राजभारतसआपियो ॥ ओछवकरेअपार
॥ १९ ॥

॥ ढालएकसठमी ॥

(हांमेरेपुन्यजी हांमेरेगुरुजी-ए देशी०)

धनप्रभुरामजी धनपरिणामजी ॥ पृथवीमेंपरशंसजे
॥ धनतुजतातजी, धनतुजमातजी ॥ धनतेरा कुलवंश
जे ॥ ध० ॥ १ ॥ मुनिसुव्रतनेतीर्थेवर्त्ते ॥ सुव्रतजीगण-
धारजे ॥ अरहासिजताव्योस द्गुरु ॥ भवजलतार-
णहारजे ॥ ध० ॥ २ ॥ शत्रुघ्नसुग्रीवजिभिषण ॥ वीर
विराधउदारजे ॥ सोलेहजारनरेसरसाथे ॥ राम हूआ
व्रतधारजे ॥ ध० ॥ ३ ॥ वरनारीसंयमव्रतलीधो ॥ सहस
तहांत्रीशजे ॥ श्रीमतीआरजिकाउरी ॥ सेवकरेनिश
दिशजे ॥ ध० ॥ ४ ॥ पंचाश्यासीशुध्याहारी ॥ सुमतिगुप्ति
प्रतिपालजे ॥ शीलसुधारीपरउपगारी ॥ षट्‌जीवरे-
जीवालजे ॥ ध० ॥ ५ ॥ छठ्ठअठ्ठमआदेतपकीने ॥ विवि-
धअभिग्रहवंतजे ॥ कंचननीपरेजायकसीने ॥ गुरुगि-
रुयोगुणवंतजे ॥ ध० ॥ ६ ॥ चउदेपूरवअंगईग्यारे ॥ प-
ढ्योबुधिप्रमाणजे ॥ पंडितराजशिरोमणिसाध्यो ॥ सज
विधिजाणसुजाणजे ॥ ध० ॥ ७ ॥ आसेवनने ग्रहणशि-
दा ॥ दोशिष्यागुरुनेसंगजे ॥ गुरुकुलवासेसाठवर्ष

लगे परहियामननेरंगजे ॥ घ० ॥ ८ ॥ गुरुआदेशेविच-
ग्रविहारी ॥ अेकाकीविचरंतजे ॥ त्रणहिरात्रेध्यानत-
णेबल ॥ अवधिअतीविपनंतजे ॥ घ० ॥ ९ ॥ चवदर-
ज्जुकलोकविलोके ॥ जिमतोफलकरमांहेजे ॥ अनुज
अधिकवेदनअनुभवतो ॥ दीठोनरकेप्राहिंजे ॥ घ० ॥
१० ॥ प्रभुजचिंतेजबहुंहुतो ॥ नामेश्रीघनदत्तने लक्ष्म-
णजहुतोलघुभाई ॥ वसुदत्तसुदत्तजे ॥ घ० ॥ ११ ॥ विज
हांपणमुनकालेमूओ ॥ अेवमेंजमतोसूरिजे ॥ ईहांप-
णलक्ष्मणमुनसाथे ॥ रह्योनित्यहजूरजे ॥ घ० ॥ १२ ॥
वरससोकुंअरपणेरे ॥ मंडलिकराचतीनजे ॥ दिग्वि-
जयचालीशवर्षलगे ॥ पदवीधरप्रवीणजे ॥ घ० ॥ १३ ॥
इग्यारहजारपांचसेंउपर ॥ वरसवहितासाठजे ॥ स-
र्वायुतसबारसहसनुं ॥ दीसेग्रंथहिपाठजे ॥ घ० ॥ १४ ॥
अविरतिनेबलेनरकेपहूतो ॥ कृतकर्मनोजोरजे ॥ जैसो
कीजेतैसोलहिये ॥ अंगईकरोनरसोरजे ॥ घ० ॥ १५ ॥ ईम
चिंतवताशमसुविस्तर ॥ कर्महणेवाहेतजे ॥ तपजपअ-
धिकअधिकाकीजे ॥ समतालावसमेतजे ॥ घ० ॥ १६ ॥
दोयउपवासकियादिनतीजे ॥ करवाकाजआहारजे ॥
स्यंदनथलनगरेपाउधारे ॥ नयणानीगतीसारजे ॥
घ० ॥ १७ ॥ चंन्द्रहिनेमग्नकोशादेजे ॥ तिमपुरनासहु लोन
कजे ॥ सन्मुखआयाप्रणमेपाया ॥ अेशुभनोसंयोग
जे ॥ घ० ॥ १८ ॥ आपआपणाघरनेजारे ॥ लोकनकेर
चालजे ॥ आगेमूके लाक्तिनपूके ॥ आणीलावरसा-

लजे॥ लोकशाक्षीसोसमज्योअती॥हाथीलंनेचंलजे
॥णींयाडानकरेअतिघोडा॥हूओअधिकअचंलजे॥घ०
॥२०॥ ओआहारनलीधोरामे॥चलिआयानृपगेहजे॥
प्रतिनंदिनृपेप्रतिलाल्या॥आणीधर्मसनेहजे॥घ०॥
२१॥ प्रभुजनोपारणोपहूतो॥णीपज्योअतीउल्हास
जे॥ पंचसुदिव्यप्रसिद्धाहूआ॥णीहूघोषणआकाशजे
॥घ०॥२२॥ प्रभुजवनमेंजइचित्ताचिंते॥पुरमांहिनवी
जाणींजे॥ कोलाहलघणोलोकानेणीपज्यो॥ दुःजदाईनवी
थाणींजे॥ घ०॥२३॥ अन्नसूजतोवननेविषेरे॥ मिल्या
आहारहिआशजे॥ नहींतरओहअभिग्रहडीधो॥ कर-
वातपणीपवासजे॥ घ०॥२४॥ ममताभावनहींकायानो
॥ आणीसमाधीअशेषजे॥ प्रतिमाधरपरमार्थसाधे
॥समरससुंसुविशेषजे॥ घ०॥२५॥वासीचंदनजीवन
मरणो॥ मित्रअरिसमतोलजे॥ साकरथकरसुजदुःज
सरसा॥ सरसाजोलकुबोलजे॥घ०॥२६॥हर्षनहींविष
वादननाहीं॥ नाहींरागनरोषजे॥ आतमरामरमावेपा-
वे॥ सुजडरत्तांसंतोषजे॥घ०॥२७॥ प्रतिनंदिघोडानो
जेंज्यो॥ लेवनआयोत्यालिजे॥ तंदनपुन्यसशेवर
घोडो॥ फूर्ज्योनशाके हालिजे॥ घ०॥२८॥ अटलेसुन
भटचरशीबहुआया॥ नृपहयकाढीलीधजे॥ कटक
पडावकीयोसरतीरे॥ तामरसोठडीधजे॥ घ०॥२९॥
आरोग्योनृपसुभटसहुयुं॥ पुण्यतणुंपरिणामजे॥
रामनरूपीन्चरवहीरणडाले॥आयासाधुसुजाणजे॥

धन्०॥३१॥ सन्मुख आई देई प्रदक्षणा॥ राय करे परणा
जे॥ धन्न ए दहाडो धन्न एवेला॥ नेट्या श्री ऋषीरा-
म जे॥ धन्०॥३१॥ अन्नसुजतो प्रभु प्रतिलाभ्यो॥ रत्न
तणी तववृष्टि जे॥ सुखकरी थी पुहवी भासिध्यि॥ भूपे-
भक्ति गिरष्टि जे॥ धन्०॥३२॥ राम ऋषी उपदेशा दियोत
जे॥ श्रावक नां व्रत बार जे॥ आदरियां प्रतिनंदी राये॥
अवरा पेशनृपनार जे॥ धन्०॥३३॥ राज्न घरहिंप धार्यो
प्रभुजी॥ वनहिं मांहे वसंत जे॥ सेव करे सुरवर सुरदेवी॥
भणी साधु महंत जे॥ धन्०॥३४॥ एक मासी दो मासी की-
ने॥ त्रिमासी चउमास जे॥ तप उपवास करंता कापे॥ क-
र्म केरा पाश जे॥ धन्०॥३५॥ पर्यंकासन कदहीं कीने॥ उ-
त्कटीकासन सार जे॥ प्रलंबित भूज कदहि कदहिं॥ उ-
र्ध्व जानु उदार जे॥ धन्०॥३६॥ अंगुष्ठ ध्यारे कदहि वो
॥ कदि एडी आधार जे॥ इत्यादिक योगासन॥
राम करंत अपार जे॥ धन्०॥३७॥ विचरत विचरत कोटि
शिलाये॥ राम पधास्या ताम जे॥ कोटि मुनिवर मोक्ष सि-
धाया॥ तेहथी कोटिनाम जे॥ धन्०॥३८॥ राति रह्या प्रति-
मा धर होई॥ शुक्लसुध्यान धरंत जे॥ क्षपक श्रेणी चढ्या
तव कीने॥ घाति कर्मनो अंत जे॥ धन्०॥३९॥ एटले अव-
धिये प्रभुजी देखे॥ श्री सीतेन्द्र तेवार जे॥ ध्यान चलावी
ज्वानंची देवं॥ प्रभुने मोक्ष मझार जे॥ धन्०॥४०॥ उप-
सर्ग अनुकूल करीने॥ श्रेणीयडंतो स्वामी जे॥ उलाइ भुल
भिन्न हुवे निम॥ सुरगति पदवी पामी जे॥ धन्०॥४१॥ धर्म

चिंतवीसीतेंन्द्रपधार्यो॥रामऋषीश्वरपासजे॥ मास
वसंतविकुर्व्युंवाइ॥रम्योमनसुविलासजे॥धे०॥४२॥
दानलमलीअेतोअेकसठमी॥सीताभांख्योरंगजे॥ केश-
रानअनुरागकरीने॥ नत्यन्नयेशुभसंगजे॥धे०॥४३॥

॥धन्यासिरिरागेदोहा॥

केतकीपाडलबकुल॥चंपकनेसहकार॥ विविधप्रकारेफू-
लिया॥ अेहमदनशरसार॥१॥ मलयाचलनावायरा॥
वालेअतीसुखदाय॥ भमरागुंजरवकरे॥ कोयलश-
ब्दसुहाय॥२॥ श्रीसीतेंन्द्रविकूर्वे॥सीताकेरोरूप॥
नारीजनपरिवारशुं॥आछिभातअनूप॥३॥रामक-
नेआवीकहे॥ प्रीतमसुणअरदास॥ आगेनछेपछता-
छेकुं॥ फिरीआवीपीयुपास॥४॥

॥ढालअेकसठमी॥

(पहनी देशी०)

सीताआवेरेघरीराग॥ बालपणाकोरामसनेही॥लो-
गकरणकोलाग॥ सी०॥१॥वरसांसोलांकेरीसुंदरी॥
सुंदरसलजलाप॥ रूपअनोपमअधिकबनाव्युं॥इं-
दरकरेअभिलाष॥ सी०॥२॥रमझमरमझमघुघर
वाले॥नेपूरकेरोनाद॥ झलझलकरीचूडोझलकावे॥उ-
पजावेअल्हाद॥ सी०॥३॥ चित्तकोचटकोमनकोम-
टको॥ तनकोपटकोफार॥ अमृतकुटको केरडकनटको

॥घुंघटओसुविचार ॥सी०॥४॥पहेरणपीतपटोली
चोली॥ सोहेमातसुरंग ॥सहीयरटोलीभाभरसोली
॥जनतीआछेअंग ॥सी०॥५॥सानलरेजासोहसरे-
जा॥आरोग्यांमुजपान ॥ भूहडुभानचढावेचतुरा॥
भूडेलोचनजाण ॥सी०॥६॥अंगटेजावेहाथनचावे॥
डाभनगावणहारी॥वेषजनावेरूपरचावे॥निरजण
सरखीनारी ॥सी०॥७॥धौंधौंधपमपमांडलवाले
॥चटपटचटपटताल॥ कुणकुणशब्दरबाबकरंतो॥
वीणावंसिरसाल ॥सी०॥८॥ नाटकउरतीचित्तअप-
हरती॥ठुमकठुमकडीचाल॥ रागआलावेमीठीगावे॥
शचीरहीअतिख्याल ॥सी०॥९॥ तजतोतुमप्रभुराजे-
यामुज॥मोहिस्यहुंअभिमान॥सोच्यविचारीजोताअ-
पयुं॥प्रीयसुजअभीयसमान॥सी०॥१०॥ लेतनमे-
लतअेकहिनजने॥ नयपचमेंमतअेह॥ अेटलेअेकजे
चरणीआवी॥ वाणीवदेससनेह॥सी०॥११॥रेमो-
लीलरमाणीलीरे॥ राघवस्योलनतरि॥ प्रजलपुण्यप्र
तामेपामी॥ तुठ्योतुनउरतार॥सी०॥१२॥ त्यजसंच-
मलनशमनरेसर॥ लोणवीलोगअपार॥ हमपणराम
तणीत्रीयथाशुं॥रहीसुंथारेलार॥सी०॥१३॥अेहवि-
द्याधरपुत्रीवरने॥ करनेभोगविलास॥ हुंछुंजदीनाथ
तुमारी॥आदिसगेअेमास॥सी०॥१४॥हुंभणुंतु-
मभुजवियोगे॥ आहरिओअेभोग॥सोहुंआगेउभी
आवी॥ ज्युंनवीमानेलोग॥सी०॥१५॥पहेलोजो-

लनमान्योप्रभुनो ॥ तेहनोअेतुमशेस ॥ अबलाअ-
र्थि हुर्छनिवारे ॥ तजदेवोसंतोष ॥ सी० ॥ १६ ॥ अेम
कईनेनाटकउरवे ॥ मासवसंतविनोद ॥ रामतणुंम-
नस्थनशल्युं ॥ रह्योज्ञानप्रमोद ॥ सी० ॥ १७ ॥ मा-
घशुक्लबारसनिसीअंते ॥ उपन्योकेवलनाण ॥
अेसीतेंन्द्रअवसरहरिमांड्यो ॥ ओच्छवनोमंडाण ॥ सी०
॥ १८ ॥ सोवनपंकजबेठास्वामी ॥ चामरढालेदेव ॥ म-
स्तकछत्रबिराजेवाइं ॥ देवकरेभतीसेव ॥ सी० ॥ १९ ॥
देशनादीधीदेवोनिसुणी ॥ देशनाअंतेआवी ॥ सीतें-
न्द्रेसौमित्रीरावण ॥ गतिपूछीकहेस्वामी ॥ सी० ॥ २० ॥
नरकच्येतुर्थेअेबेहु होई ॥ शंबुकनेलंकेश ॥ लक्ष्मण
कृत कर्मेनियोगे ॥ सहेवेदनसुविशेष ॥ सी० ॥ २१ ॥ न-
रकथकी निकलीनेरावण ॥ लक्ष्मणपूर्वविदेह ॥ विजय
पुरीरेसुनंदरोहिणी ॥ होशेसुतससनेह ॥ सी० ॥ २२
॥ सुदर्शनजिनदासजहेशे ॥ श्रावकधर्मअगाध ॥
स्वर्गसुधर्मेहोईविजया ॥ नगरियेहोशेश्राध ॥ सी० ॥
२३ ॥ तिहांमरीहरिवर्षेहोशे ॥ होईपुरुषप्रधान ॥ सु-
रहोईविजयानगरिये ॥ श्रीआरतशान्न ॥ सी० ॥ २४
॥ लक्ष्मीराणीउदरउपनशे ॥ नयप्रभवनयदांत ॥
संयमपालीस्वर्गछठेरे ॥ लहेशेसुखअेकांत ॥ सी० ॥
२५ ॥ तवतुंईन्द्रपणुंत्यजआवी ॥ पामीभरतनक्षे-
त ॥ सरवरत्नमतिनामेचक्री ॥ होशेशुभसंकेत ॥
सी० ॥ २६ ॥ तेहोईदेवच्यवीघरचारे ॥ थाशोवरसंतान

॥ ईन्द्रायुध्धनेमेघरथाजिध्ध॥ वसुधावधतोवान ॥
सी०॥२७॥ तुर्यकीसंयमव्रतपाली ॥ विजयंतविमा-
न ॥ पामशेपरिगलपुण्येकरी ॥ देवसदाकल्याण ॥सी०
॥२८॥ ईन्द्रायुध्धसोतोरावणजी ॥ तीर्थंकरनुंगोत ॥उ-
पार्ईसवत्रीनेकरशे ॥ जिनपदनोउद्योत ॥सी०॥२९
॥रावणजिनतीर्थंतुंलेशे ॥ गणधरपदवीगाज ॥रावण
तोशिवगतिसाधशे ॥ भाख्येरघुऋषीराज ॥सी०॥३०
॥लक्ष्मणजीवतुमारोनंदन ॥ मेघरथलेसोदिक्ष ॥शुभ
गतिलेशेअतिगहगहरो ॥ पालीसद्गुरुशिक्ष ॥
सी०॥३१॥पुष्करद्वीपेप्रागविदेहे ॥ रत्नसुचित्रानाम
॥ नगरियेजिनरदेवतणोपद ॥ पहेलीपाडीठाम ॥सी०
॥३२॥ पाछेतीर्थंकरपदभोगवी ॥ पहुंचशेनिर्वाण॥
लक्ष्मणलेशेअनंतचतुष्टय ॥ अष्टमहागुणठाण ॥
सी०॥३३॥ एमसुणीसीतेंद्रप्रभुने ॥ चरणेकरीप्रणा-
म ॥ पूर्वनेहतणेवशआयो ॥ लक्ष्मणपासेताम ॥सी०
॥३४॥ सिंहादिकनांरूपविकुर्वी ॥ शंबुकरावणदोई
॥ लक्ष्मणशुंसंग्रामकरंता ॥ देखेसुरपतिसोई ॥सी०
॥३५॥ एहकर्मथीएगतिलाधी ॥ लाध्याएहसंता-
प ॥ अबहुंकर्मनओईछूटे ॥ अईअईकर्मकलाप ॥
सी०॥३६॥ तेदोईसमजवीस्वामी ॥ लक्ष्मणरावण
साथ ॥ वातसुणावेअतिविलावे ॥ जेभाख्यीरघुना-
थ ॥सी०॥३७॥ लक्ष्मणरावणकहेकृपानिधि ॥ की-
धुंकूडुंकाज ॥ एउपदेशसुण्यांविसारियां ॥ एगति-

तांदुःखजाल ॥ सी०॥३८॥ निजकृतकर्मतणेवश-
लसेहवी ॥ आपदपाम्याआप ॥ आपहि भोगवी-
नेछूटशुं ॥ आपकमायापाप ॥ सी०॥३९॥ करुणाआ-
णीसुरपतिभाषे ॥ नरकथकीतुमतीन ॥ काढीनेसुर-
लोकपेहोंचाडिं ॥ तोहुंजाणप्रवीण ॥ सी०॥४०॥ ए-
मकहीकरग्रहीनेतीने ॥ लेइचाल्यासुरराय ॥ पारानी
पेरेकरथीजरेजरी ॥ पड्याअपुठाआय ॥ सी०॥४१॥
पुनरपिउद्यमकीधोआधिको ॥ पहेलतणीपरेथाय ॥
सामीवेदनावधतीजाये ॥ पीडायेअतिकाय ॥ सी०॥
४२॥ आपकमाणीभोगवणीछे ॥ विणभोगवियां
छूटी ॥ नहींछेप्रभुतुमथालपधारो ॥ मेलीमायाकूटी
॥सी०॥४३॥ तेतीनेतजीसुरपतिआयो ॥ प्रणमीरा-
घवपाय ॥ देवकुरेलाभंडलमेटी ॥ स्वर्गगयोसुरना-
थ ॥ सी०॥४४॥ पच्चीशवर्षलगेपालियो ॥ प्रभु
केवलपर्याय ॥ भविकजननांकामसमार्यां ॥ मि-
थ्यामतिमेटाय ॥ सी०॥४५॥ पन्नरहजारवरसनो
आयु ॥ पूरोहिप्रतिपाल ॥ रामऋषीश्वरमोक्षसि-
धाया ॥ जन्मजरालयटाल ॥ सी०॥४६॥ नमोनमो
श्रीरामऋषीश्वर ॥ अजरअमरकेहेवाय ॥ तीनलो-
कनेमाथेबेठा ॥ सास्वतसुखलहाय ॥ सी०॥४७॥ सं-
वतसोलत्रिआसीएमें ॥ आछोआसुमास ॥ तिथी
तेरसअंतसपुरमांहीं ॥ आणीअतिउल्लास ॥ सी०
॥४८॥ एगुरुदेवतणेसुपसाये ॥ ग्रंथरच्योसुप्रमा-

९॥ ग्रंथगुणेगिरिमेरुसरिखो ॥ नवरसमांहेवखाण
॥ सी०॥४८॥ एवंबासठढालसुधारी ॥ वचनरचनसुवि
शाल ॥ रामयशोरसायननामा ॥ ग्रंथरच्योसुरसाल ॥
सी०॥५०॥ कुविजनतोडरजोडीकरेरे ॥ पंडितशुंअरदास
॥ पांच्याआगेतोवांचवो ॥ जेहुयेरागअभ्यास ॥ सी०॥
५१ ॥ अक्षरलंगेढालनलंगे ॥ रागनलंगेजेह ॥ वां
चतारेवचननेलंगे ॥ रसनहींउपजेओघ ॥ सी०॥५२॥
अक्षरजाणीढालजाणी ॥ रागजाणीएह ॥ पांच्या
आगेवांचवाथी ॥ उपजेअतिनेह ॥ सी०॥५३॥ जब
लगसायरनुंनलगाले ॥ जबलगसरनचंद ॥ केशराज